सूर्योदय : 6:15
सूर्यास्त : 5:23
अधिकतम तापमान : 34.0
न्यूनतम : 21.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्याः
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-18 अंक-142 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, बुधवार, 13 नवम्बर 2024
10 जमादियुल-अव्वल 1446 हिजरी

हिन्दी दैनिक
अवधनामा
www.avadhnama.com

2030 से पहले भारत-रूस के बीच होगा 100 अरब डॉलर का व्यापार : जयशंकर

- भुगतान और लॉजिस्टिक्स के संबंध में व्यापार में चुनौतियां रही
- भारत-रूस द्विपक्षीय व्यापार 66 अरब डॉलर तक पहुंच गया

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत को विश्वास है कि वह 2030 से पहले ही रूस के साथ वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा देगा और दोनों देशों के बीच अधिक ठोस संबंधों की वैश्विक स्तर पर बड़ी गूंज होगी।

उन्होंने कहा कि व्यापार में चुनौतियां रही हैं, खासकर भुगतान तथा लॉजिस्टिक्स के संबंध में..और इससे काफी हद तक निपटा भी गया है लेकिन अब भी कुछ काम किया जाना बाकी है। विदेश मंत्री ने व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक सहयोग (आईआरआईजीसी टीईसी) पर 25वें भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में यह बात कही। बैठक में रूस के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उसके प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव ने किया। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत में आर्थिक अवसर तलाशने में रूस की बढ़ती रुचि का देश स्वागत करता है और उसका पूर्ण समर्थन करता है। उन्होंने कहा, हमारी अर्थव्यवस्थाएं न केवल कई मामलों में एक-दूसरे की पूरक हैं, बल्कि दोनों देशों को कई वर्षों से कायम आपसी भरोसे का भी फायदा मिलता है। द्विपक्षीय व्यापार में अब 66 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि होने का अनुमान है।

मेक इन इंडिया कार्यक्रम से रूस प्रभावित : विदेश मंत्री

जयशंकर ने कहा कि भारत ने मेक इन इंडिया कार्यक्रम में रूस की बढ़ती रुचि को देखा है और इससे दोनों पक्षों के बीच संयुक्त उद्यमों तथा अन्य प्रकार के सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हम 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार लक्ष्य हासिल कर लेंगे.. बल्कि इससे पहले ही। विदेश मंत्री ने इस मौके पर पिछले कुछ दशक में भारत की प्रभावशाली वृद्धि दर को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा, भारत के सामने कम से कम 8 प्रतिशत की वृद्धि दर वाले कई दशक हैं...संसाधनों, प्रौद्योगिकी तथा सर्वोत्तम व्यवहार की बात करें तो हम स्पष्ट रूप से एक विश्वसनीय साझेदार को महत्व देते हैं।

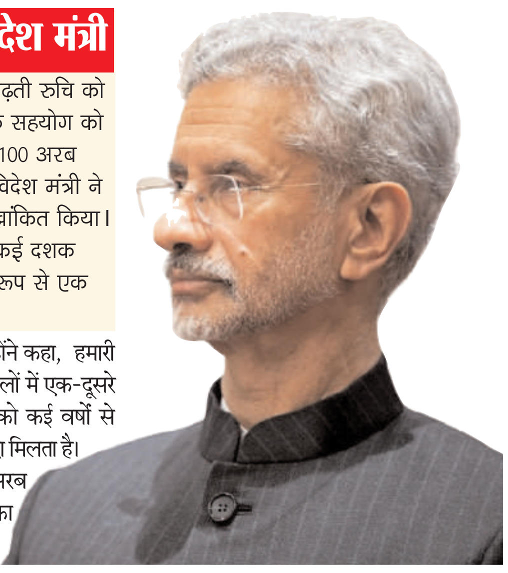

2013 से पहले वक्फ भूमि पर कब्जा करने वालों पर कोई मुकदमा नहीं

- केरल हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। केरल हाईकोर्ट ने एक फैसले में कहा कि वक्फ अधिनियम में 2013 का संशोधन का पूर्वव्यापी प्रभाव नहीं है। हाई कोर्ट का फैसला वक्फ बोर्ड द्वारा 1999 से वक्फ संपत्ति पर चल रहे एक डाकघर के खिलाफ दायर मामले में आया था। केरल राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर कालीकट पोस्टल डिवीजन के वरिष्ठ अधीक्षक और मारिकुनु उप पोस्ट मास्टर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। 2013 में संशोधन पेश होने से पहले, डाकघर 1999 से वक्फ संपत्ति पर काम कर रहा था। यह टिप्पणी करते हुए, अदालत ने वक्फ बोर्ड की अनुमति के बिना वक्फ संपत्ति को कथित तौर पर हस्तांतरित करने के लिए डाक विभाग के दो अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति पीवी कुन्हिकृष्णन ने कोझिकोड में एक मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष लंबित आपराधिक कार्यवाही को रद्द करते हुए फैसला सुनाया कि वक्फ अधिनियम में 2013 का संशोधन यह संकेत नहीं देता है कि प्रावधान के सम्मिलन से पहले वक्फ संपत्ति पर कब्जा करने वाले व्यक्तियों पर मुकदमा चलाया जा सकता है। 2013 के संशोधन ने अधिनियम में धारा 52ए शामिल की, जो वक्फ संपत्ति पर अनधिकृत कब्जे को एक आपराधिक अपराध बनाती है। वक्फ बोर्ड ने डाक अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी क्योंकि वक्फ ट्रिब्यूनल द्वारा 2018 में ऐसा करने का निर्देश देने के बावजूद उन्होंने संपत्ति खाली नहीं की थी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन टिकाऊ नहीं था।

तत्काल नियुक्ति हो 2346 होमगार्ड : दिल्ली एलजी

- दिल्ली एलजी का आदेश
- सभी पास कर चुके हैं सारे मापदंड

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने 2346 होमगार्ड को तत्काल नियुक्त करने का आदेश दिया है। इन होमगार्ड ने अपनी शारीरिक माप और दक्षता परीक्षा (पीएमईटी) व लिखित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। जबकि 7939 अन्य रिक्तियां दो लंबित अदालती मामलों के अंतिम परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

निर्देश के तहत परीक्षा पास हो चुके 2346 उम्मीदवारों को अनावश्यक रूप से प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। उपराज्यपाल ने यह भी निर्देश दिया है कि योग्य उम्मीदवारों के चिकित्सा परीक्षण के लिए एक सप्ताह के भीतर एक समर्पित चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाए। जांच के बाद जल्द नियुक्ति पत्र सौंपे जाएं। उपराज्यपाल ने इससे पहले जनवरी 2024 में महिलाओं के लिए 33.33 फीसदी आरक्षण के प्रावधान के साथ 10285 होमगार्ड स्वयंसेवकों के नामांकन को मंजूरी दी थी। इसके बाद 23 जनवरी को इन 10,285 रिक्तियों को भरने के लिए एक विज्ञापन जारी किया गया। इसमें 109001 आवेदकों ने आवेदन किया। 32511 ने पीएमईटी के लिए रिपोर्ट किया। इस बीच, कुछ आवेदकों ने विभिन्न मुद्दों पर उच्च न्यायालय का रुख किया।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव : मुख्यमंत्री योगी का कांग्रेस पर निशाना

यूपी में माफिया जहन्नुम की ओर जा रहे है: सीएम

- बंटिए मत, वरना रामनवमी-गणपति शोभायात्रा पर पथराव करेंगे पत्थरबाज

मुंबई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराष्ट्र वासियों को सचेत किया कि रामनवमी-गणपति शोभायात्रा पर पथराव व अत्याचार वहीं होते हैं, जहां हम बंटे हैं। अयोध्या, काशी और मथुरा आदि स्थानों पर भी हमें अपमान झेलना पड़ा। लोकसभा चुनाव में अमरावती में तांडव भी इसीलिए हो रहा था। यह देश इसलिए बंटा था, क्योंकि आप बटे थे। हिंदु बटे थे तो काटे जा रहे थे।

हम बटे तो पत्थरबाज फिर से रामनवमी और गणपति शोभायात्रा पर पथराव करेंगे। लव-लैंड जेहाद के नाम पर जमीनों पर कब्जा होगा और बेटियों की सुरक्षा खतरे में होगी। उन्होंने जनता को आगाह किया कि जाति के नाम पर बांटने वाले नेता देश के साथ विश्वासघात कर रहे हैं। हमें बंटना नहीं है, बंटेंगे तो कटेंगे। एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। लैंड जेहाद, लव जेहाद, धर्मांतरण, पैनकार्ड जिहाद की समस्या का समाधान भाजपा की डबल इंजन सरकार है। यह सरकार बुलेट की स्पीड से विकास कराती है तो देशद्रोही तत्वों को राम नाम सत्य की यात्रा पर भी भेजती है। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। अब कश्मीर में अलग संविधान नहीं है। पहली बार कश्मीर में चुनी गई सरकार ने भारत के संविधान को सामने रखकर शपथ ग्रहण किया है। आज जम्मू-कश्मीर विधानसभा व सचिवालय में तिरंगा लहरा रहा है। यह काम नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी ने नहीं, बल्कि पीएम मोदी और भाजपा ने किया। सीएम ने कहा कि धारा-370 समाप्त होने से पाकिस्तान और उसके हमदर्दों को परेशानी हो रही है। सीएम योगी ने कहा कि चुनाव देश के भाग्य को बनाने-बिगाड़ने वाले होते हैं। 1946 में भी ऐसा चुनाव हुआ था, जिसने भारत के भाग्य को दुर्भाग्य में बदल दिया था। उन्होंने यूपीए व एनडीए गठबंधन का फर्क समझाया। बोले-2014 के पहले कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार देश की कीमत पर पाकिस्तान से संबंध बना रही थी, जबकि नए भारत में पाकिस्तान को आज भी एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक के सपने आते हैं। दुश्मन के अंदर भय होना चाहिए, यह तभी होगा जब भारत मजबूत होगा।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा, यह पहले ही घोषित कर दिया गया था कि अगर कोई हमारी बेटियों की सुरक्षा में बाधा डालेगा, सरकारी और गरीबों की जमीन हड़पेगा तो यमराज उनका टिकट काटने के लिए तैयार रहेंगे। यूपी में माफिया थे और पिछली सरकार उनकी सुरक्षा करती थी। लेकिन अब वे सभी जहन्नुम की ओर जा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि यह चुनावी समर दो बड़े गठबंधन के बीच में है। एक तरफ पीएम मोदी के नेतृत्व में एक भारत-श्रेष्ठ भारत बनाने को लेकर भाजपा का महायुति गठबंधन है तो दूसरी तरफ राष्ट्र की अस्मिता के साथ खिलवाड़ करने वाला, महाराष्ट्र को लव जिहाद, लैंड जिहाद व पैनकार्ड जिहाद का नया अड्डा बनाने वाला महाअनाड़ी गठबंधन है।

सीजेआई ने मौखिक मेंशनिंग पर लगाई रोक

- कार्यभार संभालते ही एक्शन में सीजेआई संजीव खन्ना
- अर्जेंट हियरिंग की वजह बतानी होगी

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मंगलवार को कहा कि मामलों को तत्काल सूचीबद्ध करने और उन पर सुनवाई के लिए मौखिक उल्लेख करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने वकीलों से इसके लिए ईमेल या लिखित पत्र भेजने का आग्रह किया। आमतौर पर वकील दिन की कार्यवाही की शुरुआत में प्रधान न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष अपने मामलों पर तत्काल सुनवाई के लिए उनका उल्लेख करते हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, अब कोई मौखिक उल्लेख नहीं होगा। केवल ईमेल या लिखित पर्ची/पत्र में ही होगा। बस, तत्काल सुनवाई की आवश्यकता के कारण बताएं। प्रधान न्यायाधीश ने न्यायिक सुधारों के लिए नागरिक-केंद्रित एजेंडे की रूपरेखा तैयार की है और कहा है कि न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना और नागरिकों के साथ उनकी स्थिति की परवाह किए बिना समान व्यवहार करना न्यायपालिका का संवैधानिक कर्तव्य है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में 51वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति खन्ना को शपथ दिलाई थी।

शिष्टाचार भेंट

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके सरकारी आवास पर उत्तराखण्ड विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूड़ी भूषण ने शिष्टाचार भेंट की

डेमचोक-देपसांग में भारत और चीन की सेनाएं हफ्ते में एक बार गश्त करेंगी

नई दिल्ली। भारत और चीन की सेनाओं ने पूर्वी लद्दाख सेक्टर के डेमचोक और देपसांग इलाकों में हर हफ्ते एक समन्वित गश्त करने पर सहमति जताई है और वहां गश्त का एक दौर पहले ही पूरा कर लिया है। अक्तूबर के आखिरी हफ्ते में डेमचोक और देपसांग दोनों में सैनिकों की वापसी पूरी करने के बाद दोनों पक्षों ने महीने के पहले हफ्ते में समन्वित गश्त शुरू की थी।

दोनों पक्षों ने देपसांग और देपसांग में हर हफ्ते एक-एक गश्त करने पर सहमति जताई है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि प्रत्येक क्षेत्र में एक गश्त भारतीय सैनिकों की तरफ से और एक गश्त चीनी सैनिकों की तरफ से की जाएगी। दोनों पक्ष राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य स्तरों पर कई दौर की बातचीत के बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ पूर्वी लद्दाख में देपसांग और डेमचोक से सैनिकों की वापसी के लिए समझौते पर पहुंचे हैं। भारतीय और चीनी पक्ष इन क्षेत्रों में नियमित अंतराल पर जमीनी कमांडर स्तर की बातचीत जारी रखेंगे।

जल्द सुलझेगा भारत और कनाडा विवाद : कैमरून

- हम कानून के प्रति गंभीर
- यूके और यूएस लंबे रणनीतिक साझेदार हैं

नई दिल्ली। भारत-कनाडा विवाद को लेकर मंगलवार को भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरून ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि हम संप्रभुता और कानून के प्रति काफी गंभीर हैं। हमारे मित्र और साझेदार भारत-कनाडा विवाद का जल्द हल निकाल लेंगे। जांच के बाद इस मामले को सुलझाने में मदद मिलेगी।

वहीं अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत पर उच्चायुक्त ने कहा कि ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की और उन्हें बधाई दी। यूके और यूएस लंबे रणनीतिक साझेदार हैं। दोनों के बीच सुरक्षा, सैन्य, खुफिया सहयोग है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप हमारे सहयोग के बड़े समर्थक हैं। हम सहयोग को जारी रखने की उम्मीद करते हैं। भारत-कनाडा के बीच विवाद कनाडा में पिछले साल हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद शुरू हुआ। भारत पहले ही निज्जर को आतंकवादी घोषित किया हुआ है। लेकिन कनाडा उसे अपना नागरिक मानता है और उसकी हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता का आरोप लगाता है। हालांकि, भारत इन आरोपों को कई बार खारिज कर चुका है। कनाडाई अधिकारियों ने कथित भारतीय एजेंटों पर उनकी धरती पर हत्या, फिरौती और खालिस्तान समर्थकों के खिलाफ हिंसक कार्रवाई में शामिल होने का आरोप लगाया है।

ब्रिटेन के डाउनिंग स्ट्रीट में दिवाली समारोह को लेकर लिंडी कैमरून ने कहा कि मुझे ब्रिटेन का हिस्सा होने पर बहुत गर्व है। हमारे प्रधानमंत्री 10 डाउनिंग स्ट्रीट की सीढ़ियों पर दीये जलाते हैं। हमारे पहले भारतीय मूल के प्रधानमंत्री जब ऐसा करते थे तो मुझे बहुत गर्व होता था। इस साल हमारे प्रधानमंत्री ने दिवाली पर दीये जलाए तो भी मुझे गर्व हुआ। दिवाली समारोह जहां आध्यात्मिक, धार्मिक आयोजन हैं, लेकिन यह एक बड़ा पारिवारिक उत्सव भी है। मैं भारत में कई दिवाली पार्टियों में जा चुकी हूं।

पीएम मोदी बिहार को देंगे बड़ी सौगात

- एम्स और दरभंगा बायपास सहित कई योजनाओं का करेंगे उद्घाटन

दरभंगा। बिहार के दूसरे एम्स कर शिलान्यास के लिए 13 नवम्बर का दिन ऐतिहासिक होने जा रहा है। यह बात कार्यक्रम की तैयारी में युद्धस्तर पर मोर्चा संभाल रहे भाजपा के नगर विधायक संजय सरावगी ने कहा कि दिल्ली के बाद सबसे बड़ा एम्स दरभंगा में बन रहा है। इसके साथ ही एक बाइपास रेलवे स्टेशन मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि मधुबनी जिले के झंझारपुर से लौकहा नई बड़ी रेल लाइन का उद्घाटन भी प्रधामनंत्री के हाथों किया जाएगा। इस रेलखंड के शुरू होने से विद्यार्थियों, किसानों और आम लोगों में खुशी है। वहीं व्यापारियों के लिए भी राहत का समय आ गया है। इसके साथ ही घोघरडीहा स्टेशन पर सहरसा-आनंद विहार-सहरसा विशेष गाड़ी का ठहराव भी होगा। इस बात की जानकारी रेलवे की तरफ से दी गई है। वही कई सड़कों सहित पेट्रोलियम की योजनाओं का उद्घाटन सह शिलान्यास प्रधामनंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों से होने जा रहा है। वही संजय सरावगी ने कहा कि चार दिनों के भीतर शोभन बाइपास वाली भूमि का कैसे कायाकल्प हो गया, यह तो सभी लोग देख रहे है।

दस राज्यों की 31 विधानसभा, एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव आज

- केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर होगी वोटिंग
- चार सीटें एससी और छह सीटें एसटी के लिए आरक्षित है

रांची। झारखंड विधानसभा की 81 सीटों में से बुधवार को 43 सीटों पर वोटिंग होगी। इसके अलावा देश के 10 राज्यों की 32 सीटों पर भी उपचुनाव होंगे। बुधवार को उपचुनाव के लिए जिन सीटों पर मतदान होगा उसमें 31 विधानसभा सीट शामिल है।

वहीं केरल की वायनाड लोकसभा सीट के साथ राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, असम और पश्चिम बंगाल सहित 10 राज्यों की विधानसभा सीटों पर उपचुनाव है। 23 नवंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे। बता दें कि देश के 10 राज्यों की 31 विधानसभा सीटों में से 28 विधायकों के सांसद बनने, 2 के निधन और 1 के दलबदल से उपचुनाव हो रहे हैं। इनमें से 4 सीटें एससी और 6 सीटें एसटी के लिए आरक्षित हैं। बुधवार को केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर वोटिंग होगी। यहां से कांग्रेस प्रत्याशी प्रियंका गांधी की प्रतिष्ठा दाव पर लगी हुई है। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 में राहुल गांधी ने रायबरेली और वायनाड सीट से चुनाव लड़ा था। राहुल गांधी ने दोनों सीटों से जीत दर्ज की थी। इसके बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोड़ने का फैसला किया। इसलिए इस सीट पर उपचुनाव हो रहे है। वायनाड से कांग्रेस ने प्रियंका गांधी को प्रत्याशी बनाया है वहीं बीजेपी ने नाव्या हरिदास को अपना उम्मीदवार बनाया है। लेफ्ट ने सत्यन माकेरी को अपना प्रत्याशी बनाया है। अब सभी की नजरे इस बात पर है कि प्रियंका गांधी क्या अपने भाई की सीट वायनाड को बचा पाएंगी या नहीं?

जी-20 शिखर सम्मेलन

ब्राजील, गुयाना और नाइजीरिया की यात्रा पर जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 से 21 नवंबर, 2024 के बीच नाइजीरिया, ब्राज़ील और गुयाना के लिए तीन देशों की यात्रा आरंभ करेंगे, विदेश मंत्रालय ने मंगलवार (12 नवंबर, 2024) को घोषणा की। यह यात्रा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 1968 के बाद पहली बार होगा जब कोई भारतीय प्रधानमंत्री गुयाना जा रहे हैं। वहीं, यह नाइजीरिया में भारतीय प्रधानमंत्री की 17 सालों में पहली यात्रा होगी।

ब्राज़ील में, प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति लुईस इनेसियो लुला दा सिल्वा द्वारा मेजबानी की जा रही जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। भारत जी-20 त्रिका (अतीत, वर्तमान, और आगामी राष्ट्रपतियों) का हिस्सा है जो ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका के साथ है और जी-20 शिखर सम्मेलन चर्चाओं में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। 16-17 नवंबर की नाइजीरिया यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नाइजीरिया और भारत के बीच रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा करने और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए और अधिक रास्ते पर विचार करने के लिए वार्ता करेंगे। वे नाइजीरिया में भारतीय समुदाय के एक सभा को भी संबोधित करेंगे। 2007 से भारत और नाइजीरिया रणनीतिक साझेदार रह चुके हैं जिसमें विकासशील आर्थिक, ऊर्जा और रक्षा सहयोग शामिल है।

अनुपस्थित मिले शिक्षक, शिक्षामित्र, चतुर्थ श्रेणी कार्मिक, डीएम ने रोका वेतन, स्पष्टीकरण तलब

अवधनामा संवाददाता

शिथिल पर्यवेक्षण पर बीईओ, प्रधानाध्यापक का स्पष्टीकरण तलब, वीडीओ निलंबित

लखीमपुर खीरी। मंगलवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने विकास क्षेत्र मितौली के अंतर्गत गणेशपुर ग्रंट, डहर, खम्हरिया, सरेली का औचक निरीक्षण कर पठन-पाठन की गुणवत्ता, साफ-सफाई, छात्र-छात्राओं, शिक्षकों की उपस्थिति व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान बीएसए प्रवीण तिवारी, डीपीओ भारत प्रसाद, बीडीओ अमित सिंह परिहार मौजूद रहे सर्वप्रथम डीएम संविलियन विद्यालय गणेशपुर ग्रंट पहुंचीं, जहां उन्होंने मिड डे मील के तहत तैयार किए गए दाल चावल की गुणवत्ता परखी। बच्चों को गाढ़ी दाल परोसने के निर्देश दिए। कक्ष में बंद पड़े फर्नीचर का कारण जाना।

प्रधानाध्यापक ने बताया कि फर्नीचर तीन माह में ही टूट गया। बीएसए को निर्देश दिए कि सप्लाई एजेंसी पर कार्रवाई कर एनुअल मेंटिनेंस चार्ज से टूटे फर्नीचर को ठीक करने के निर्देश दिए। बिना सूचना के अनुपस्थित सहायक अध्यापक राहुल कुमार का वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण तलब किया। उपस्थिति कम होने पर प्रधान को निर्देशित किया कि गांव से बच्चों को स्कूल भिजवाने के लिए प्रयास करें। इसके बाद संविलियन विद्यालय डहर पहुंचकर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने क्लास में ट्यूबलाइट ना होने, कम उपस्थिति एवं विद्यालय परिसर में व्याप्त गंदगी पर फटकार लगाई और इं. प्रधानाध्यापक अमिता सिन्हा का स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। डीएम ने शिथिल पर्यवेक्षण पर बीईओ मितौली का भी स्पष्टीकरण तलब किया। दाल सब्जीयुक्त ना बनाए जाने पर गहरी नाराजगी जताई। कक्षा तीन की छात्रा कोमल से गणित का प्रश्न हल कराया। सही सवाल हल करने पर ताली बजवाकर उत्साहवर्धन किया। "ग्राम विकास अधिकारी रीतू को विद्यालयों के टॉयलेट का रनिंग वाटर सप्लाई, स्वच्छता, टॉयलीकारण कार्य में शिथिलता बरतने पर निलंबित करने के निर्देश दिए। वही डीपीआरओ को ग्राम प्रधान डहर के विरुद्ध 95-जी का नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

अनुपस्थित सहायक अध्यापक, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का रोका वेतन, स्पष्टीकरण तलब- इसके बाद डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने संविलियन विद्यालय खम्हरिया पहुंचकर बच्चों से कई प्रश्न पूछकर शिक्षा की गुणवत्ता परखी। यही नहीं उन्होंने श्यामपट पर भी कई बच्चों को शैक्षिक स्तर भी जांचा। निर्देश दिए की कमजोर बच्चों को आगे बैठाया जाए। अनुपस्थित मिले सहायक अध्यापक सत्येंद्र कुमार का वेतन रोकने एवं स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। उच्च प्राथमिक विद्यालय सरेली पहुंच कर ब्लैक बोर्ड पर लिखे हिंदी के शब्दों को बच्चों से पढ़वाया और उनकी रीडिंग स्किल का परीक्षण किया। चतुर्थ श्रेणी कार्मिक वीरपाल गैर हाजिर मिले, इसपर वेतन रोकने एवं स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। डीएम ने बीडीओ को निर्देशित किया कि वह अपने ब्लॉक क्षेत्र के सभी विद्यालयों के शिक्षकों की बैठक ले, जिसमें विद्यालयों की सभी समस्याओं का सचिवों के माध्यम से निदान कराए।

गैर हाजिर शिक्षामित्र का रोका मानदेय, प्रिंसिपल पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश- डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने प्राथमिक विद्यालय सरेली में बिना सूचना के अनुपस्थित शिक्षामित्र सुनीता का मानदेय बाधित करने, स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। किसी भी कक्षा कक्ष में ट्यूबलाइट ना लगे होने और गैस सिलेंडर न भरवाने पर नाराजगी जताते हुए "इं. प्रधानाध्यापक अपूर्व श्रीवास्तव पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए। परिसर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यरत आंगनबाड़ी वर्कर पर शिथिल कार्यप्रणाली पर गहरी नाराजगी जताई एवं डीपीओ भारत प्रसाद को कार्यवाही के निर्देश दिए।

ताश के पत्ते व माल फड से बरामद 1200 रुपये की बरामदगी के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

लखीमपुर-खीरी। थाना पढुआ पुलिस बल द्वारा आज दि0 12.11.2024 को अभियुक्तगण इरफान पुत्र बराती नि0 पठाननपुरवा थाना पढुआ जनपद खीरी उम्र करीब 24 वर्ष गुड्डू पुत्र मैलु नि0 पठाननपुरवा थाना पढुआ जनपद खीरी उम्र करीब 35 वर्ष सलीम उर्फ छुटकन्ने पुत्र मजलुम नि0 पठाननपुरवा थाना पढुआ जनपद खीरी उम्र करीब 33 वर्ष मुनीर पुत्र छेद्दा नि0 पठाननपुरवा थाना पढुआ जनपद खीरी उम्र करीब 24 वर्ष 5. नूरआलम पुत्र नसरुद्दीन नि0 ढकेरवा चौराहा थाना पढुआ जनपद खीरी उम्र करीब 22 वर्ष को बहद ग्राम पठाननपुरवा से समय 02.29 बजे पुलिस हिरासत में लिया गया है। अभियुक्तगण से 52 अदद ताश के पत्ते व माल फड से बरामद 1200 रुपये की बरामदगी हुई। अभियुक्त के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मु0अ0सं0 420/2024 धारा 13 जुआ अधिनियम थाना पढुआ खीरी पंजीकृत किया गया नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

डीएम ने अफसरों संग की लखीमपुर महोत्सव-2024 के तैयारियों की समीक्षा

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जिले में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अभिनव पहल पर जिले में पहली बार लखीमपुर महोत्सव-2024 का आयोजन होगा।

जिला प्रशासन व जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के संयुक्त तत्वावधान में जिले में 25 से 28 नवंबर के मध्य क्रमशः दुधवा, लखीमपुर, कोटवारा, गोला, मेढक मंदिर ओयल में प्रस्तावित 'लखीमपुर महोत्सव' की तैयारियों की समीक्षा के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बैठक ली और अधिकारियों के साथ मिलकर तैयारियों की रूपरेखा तय की बैठक में अध्यक्ष, नपाप लखीमपुर डॉ ईरा श्रीवास्तव, डीएफओ संजय विश्वाल, एडीएम संजय कुमार सिंह, सीओ सिटी रमेश कुमार तिवारी, पर्यटन सूचना अधिकारी सुचित कुमार चौधरी सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद है।बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने महोत्सव आयोजन के लिए गठित मेला स्थल व्यवस्था समिति, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति, प्रचार प्रसार समिति, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था समिति, स्टाल आवंटन समिति, दर्शक दीर्घा समिति, आमंत्रण समिति, संसाधन समिति साज-सज्जा, आयोजित गतिविधियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम, कार्यक्रम स्थल पर की सुरक्षा व्यवस्था, वाहनों के पार्किंग, ट्रैफिक मैनेजमेंट प्लान इत्यादि की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि भव्यता के साथ समय से सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाय।

डीएम ने चयन किए गए वेंडर को आयोजन स्थल भ्रमण कराते हुए सभी जरूरी इंतजाम समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए।सीडीओ अभिषेक कुमार ने महोत्सव की आयोजन के लिए गठित की गई विभिन्न समितियां की उत्तरदायित्व बताएं। 25 नवंबर को सुबह 10 दुधवा टाइगर रिजर्व में महोत्सव का शुभारंभ प्रदेश के मा. पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह द्वारा प्रस्तावित है। शाम को जिला मुख्यालय के जीआईसी ग्राउंड में महोत्सव का आयोजन होगा। 26 को कोटवारा में, 27 को गोला के राजेंद्र गिरी स्टेडियम एवं 28 नवंबर को मेंढक मंदिर ओयल में लखीमपुर महोत्सव-2024 का कार्यक्रम आयोजित होगा।

ट्रांसफर के लिये मांगी एक लाख रिश्वत, 18 हजार लेते विजिलेंस ने अल्पसंख्यक अधिकारी को किया गिरफ्तार

बरेली अवधनामा संवाददाता। विजिलेंस बरेली सेक्टर की टीम ने अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ सहायक मो0 आसिफ को 18 हजार रुपये लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि वरिष्ठ सहायक ने दूसरी जगह ट्रांसफर करने के लिए एक लाख रुपये रिश्वत मांगी थी। आरोपी के खिलाफ विजिलेंस थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित ने बताया कि वह वर्तमान में मदरसा मंजूरिया अख्तरूल उलूम रजपुरा बहेड़ी में तैनात है। वह अपना स्थानतरंण बसुधरन जागीर में कराना चाहता है। इसके लिए पीड़ित ने ट्रांसफर के लिए अल्पसंख्यक कार्यालय के वरिष्ठ सहायक से बात की। वरिष्ठ सहायक ने उससे एक लाख रुपये की डिमांड की। इसके बाद तय हुआ कि 18 हजार रुपये हर महीने की किश्त देनी होगी, जब तक एक लाख रुपये पूरे नहीं हो जाते हैं। पीड़ित ने अल्पसंख्यक के पैसों की डिमांड करने के बाद एसपी विजिलेंस अरविंद कुमार से लिखित शिकायत की थी। इसके बाद एसपी ने आरोपी लिपिक को ट्रेप करने के लिये एक टीम गठित की। मामले की सूचना डीएम को दी। दो सरकारी गवाह लेने के बाद टीम वरिष्ठ सहायक को पकड़ने पहुंच गई। पीड़ित ने वरिष्ठ सहायक आसिफ को 18 हजार रुपये की रिश्वत जैसे ही दी, टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद उसके हाथ धुलवाये गये। उनमें पावडर और लाल रंग निकला। आरोपी आसिफ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बुधवार को उसे भ्रष्टाचार के आरोप में जेल भेजा जायेगा।

बसुधरन जागीर ट्रांसफर के लिये मांगे थे रुपये

आरोपी हवालात में बंद, आज जायेगा जेल

तीन लाख की घूस लेते हुए लेखपाल को दबोचा

लखीमपुर-खीरी अवधनामा संवाददाता। सिंगाही के किसान से करीब तीन लाख की घूस लेते हुए एंटीक्रप्शन टीम ने लेखपाल को दबोचा, रजिस्ट्री ऑफिस के सामने ही गाड़ी में बिठाकर सिंगाही की तरफ निकल गई टीम पूरी तहसील में मचा हड़कंप।

ग्राम प्रधानों ने प्रदर्शन कर कलेक्ट्रेट में दिया ज्ञापन

लखीमपुर खीरी अवधनामा संवाददाता। इंटरलॉकिंग ईंट, पाइप, सीमेंट आदि की दरें बाजार मूल्य से भी कम किये जाने पर भड़के ग्राम प्रधानों ने प्रदर्शन कर कलेक्ट्रेट में दिया ज्ञापन कहा- इतनी कम दरों पर ग्रामों में विकास एवं निर्माण कार्य करा पाना सम्भव नही कहा हर वर्ष कुछ न कुछ मूल्य बढ़ता है, ये पहली बार है कि रेट बाजार दरों से भी कम कर दिए गए।

कृषक बंधुओं के भुगतान में न हो किसी प्रकार की लापरवाही : मण्डलायुक्त

सहारनपुर अवधनामा संवाददाता। मण्डलायुक्त डॉ.हृषिकेश भास्कर यशोद ने मण्डल के तीनों जनपदों के जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान की स्वयं समीक्षा करें तथा मिल के क्रियाकलापों पर शीर्ष नियंत्रण रखने वाले अधिकारी के विरूद्ध आरसी जारी करने की कार्यवाही तत्काल की जाए। मण्डलायुक्त डॉ.हृषिकेश भास्कर यशोद ने मण्डल में चीनी मिलों पर वित्तीय वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में कुल देय गन्ना मूल्य, भुगतान एवं अवशेष की इकाईवार समीक्षा की। उन्होने कहा कि कोषाधिकारी व चार्टड अकाउन्टेंट की टीम बनाकर डिफाल्टर चीनी मिल के बैंक खातों, बैलेंस शीट की चेकिंग एवं समीक्षा कराकर वस्तुस्थिति ज्ञात कर वसूली हेतु अपेक्षित कार्यवाही सुनिश्चित कराएं। डॉ.हृषिकेश भास्कर यशोद ने निर्देश दिए कि पेराई सत्र 2023-24 में जनपद सहारनपुर में बजाज चीनी मिल गांगनौली पर 62.09 करोड़, दया चीनी मिल गागलहेड़ी पर 16.59 करोड़ व शाकुम्भरी चीनी मिल टोडरपुर पर 12.77 करोड़ रूपये सहित कुल 91.45 करोड़ गन्ना मूल्य अवशेष है। समीक्षा के दौरान पाया गया कि पेराई सत्र 2022-23 में चीनी मिल, शामली पर कुल देय गन्ना मूल्य 348.19 करोड़ रूपये के सापेक्ष 128.44 करोड़ का भुगतान अवशेष है, जिसके विरूद्ध आरसी निर्गत करायी गयी है। उन्होने कहा कि आरसी की कार्यवाही को बढाते हुए शीघ्र वसूली सुनिश्चित करायी जाए।

मितौली पुलिस ने दो शातिर लुटेरों को किया गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी अवधनामा संवाददाता। थाना मितौली पुलिस ने मुठभेड़ में दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक बदमाश पुलिस की गोली से घायल हुआ है। पकड़े गए लुटेरे पिछले दिनों मितौली सर्किल क्षेत्र में हुई ताबड़तोड़ लूट की घटनाओं में शामिल रहे थे। बदमाशों का एक साथी पुलिस की पकड़ में नहीं आया है थाना मितौली और नीमगांव क्षेत्र में हुई लूट की घटनाओं का खुलासा करने के लिए कई थानों की टीमें लगी थीं। सोमवार देर रात चेकिंग के दौरान पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने मितौली क्षेत्र में भीखमपुर नहर के पास बाइक सवार तीन युवकों को रोका। खुद को घिरता देख इन युवकों ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। इस पर पुलिस ने भी जवाब में फायर किया। इस दौरान गोली एक आरोपी के दाहिने पैर पर जा लगी। इसके बाद पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक आरोपी मौके से फरार हो गया है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है एएसपी नैपाल सिंह ने बताया कि इरशाद उर्फ मन्ना और वसीउल्ला निवासी गांव भुड़वारा थाना गोला को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें इरशाद के पैर में गोली गली है। तीसरा आरोपी संजय उर्फ पप्पू अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से तमंचा, कारतूस, लूट का सामान, नकद रुपये व मोटर साइकिल बरामद हुई है।

लकड़ी से भरे ट्रक से डीसीएम की हुई टक्कर

लखीमपुर-खीरी अवधनामा संवाददाता। नीमगांव थाना क्षेत्र के कस्वा सिकंदराबाद में रात करीब दो बजे लखीमपुर की तरफ से आ रहे लकड़ी से भरे ट्रक में मोहम्मदी की तरफ से सब्जी लिए आ रही डीसीएम की टक्कर हो गई, जिससे लकड़ी भरा ट्रक अनियत्रित होकर सिकंदराबाद चौराहे पर पुलिस चौकी के सामने पलट गया। गनीमत रही कि किसी को भी कोई चोट नही आई।

दलित किशोरी को गलत नियति से दबोच कर घर के भीतर खींचने का लगाया आरोप

लखीमपुर-खीरी अवधनामा संवाददाता। मोहम्मदी क्षेत्र के एक गांव में सुबह शौच करने के लिए सरकारी हैंड पंप पर पानी भरने गई दलित किशोरी को गलत नियति से दबोच कर घर के भीतर खींचने का आरोप पिता ने लगाया है। पुलिस ने पिता की शिकायत पर नामित आरोपीयों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पिता ने पुलिस को शिकायत देकर बताया उसकी 14 वर्षीय पुत्री सुबह गांव के नन्हेंलाल के मकान के सामने लगे हैंडपंप पर शौच जाने के लिए पानी भर रही थी तभी उसी के मकान में बैठे गांव के रिंकू ने पीछे से दबोच लिया और घर के भीतर खींचने लगा चीख पुकार मचाने पर सभी दौड़ पड़े विरोध करने पर आरोपी ने जान से मार डालने की धमकी देकर चले गए पुलिस ने मामले में दोनों नामित आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

खाटू श्याम बाबा के जन्मदिन के अवसर पर धूमधाम से बाजे-गाजे के साथ निकाली गई यात्रा

लखीमपुर-खीरी अवधनामा संवाददाता। प्रथम श्री खाटू निशान यात्रा मंगलवार को धूमधाम से बाजे गाजे के साथ निकाली गई। जिसमें बडी संख्या में भक्त श्रद्धालु मौजूद रहे। भव्य निशान यात्रा शहर के सिनेमा रोड स्थित श्री त्रिलोक गिरि मंदिर से आरंभ होकर सदर चौराहे होते हुए श्री खाटू श्याम मंदिर कंजा देव स्थान मोहम्मदी रोड पर विश्राम किया। बता दें कि पौराणिक आधार पर देवउठनी एकादशी के दिन बाबा खाटू श्याम का जन्मदिन मनाया जाता है। जिसके चलते आज 12 नवंबर को श्री खाटू श्याम बाबा के जन्मदिन के अवसर पर भक्तों आस्थालुओं ने भव्यता के साथ बाबा का जन्मदिन मनाते हुए निशान यात्रा निकाली। बाबा की निशान यात्रा में विधायक अमन गिरि सहित तमाम भक्त सुधीर गुप्ता, सूरज सिंह, अभिषेक गुप्ता, पुनीत गुप्ता, प्रिंस गुप्ता, अंकित यादव, जीतू गुप्ता सहित बडी संख्या में लोग बाजे गाजे व नीले निशान झंडे के साथ शामिल हुए।

हिंदू मुस्लिम एकता का प्रतीक है मौलवी साहब का मेला

लखीमपुर-खीरी अवधनामा संवाददाता। हैदराबाद थाना क्षेत्र के कस्बा रोशन नगर में लगने वाला चार दिवसीय मौलवी साहब का मेला हिंदू मुस्लिम एकता का प्रतीक है। यहां मुसलमानों से ज्यादा हिंदू वर्ग के लोग चादरपोशी कर मनौती मांगते हैं। उर्स की तैयारियां शुरू हो गई है। रोशननगर कस्बे के अंदर बनी मौलवी साहब की मजार पर चार दिवसी सालाना उर्स कार्तिक पूर्णिमा के बाद पड़ने वाले पहले रविवार से शुरू होकर बुधवार तक रहता है। जहां क्षेत्र से लेकर काफी दूर दराज के लोग चारों दिन मजार पर चादरपोशी कर मन्नत मांगते हैं। मान्यता है कि उर्स में जो भी अकीकदतमंद मौलवी साहब की मजार पर चादरपोशी कर मन्नत मांगता है उसकी मनौती पूरी होती है। चारों दिन मजार पर भीड़ रहती है। मजार के खादिम रमजान मियां ने बताया कि उसकी तैयारी जोरों पर चल रही है। मजार की सफाई रंग रोगन कराने कस्बे की गलियां को साफ किया जा रहा है। बाजार मैदान में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। दुकानदारों और मजार के लिए प्रकाश की वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। चारों दिन उर्स में हैदराबाद पुलिस की सुरक्षा रहती है।

चीनी मिल से बैंडबाजों से भगवान शालीग्राम की निकाली बारात

लखीमपुर-खीरी अवधनामा संवाददाता। स्थानीय चीनी मिल में देवउठनी एकादशी के मौके पर भगवान विष्णु के स्वरूप शालीग्राम का देवी तुलसी का विवाह बड़े धूमधाम से कराया गया। चीनी मिल से बैंड बाजों से भगवान शालीग्राम की बारात निकाली जो लक्ष्मी नारायण मंदिर पहुंची, जहां पर भगवान शालीग्राम व माता तुलसी का विवाह संपन्न हुआ। चीनी मिल कैंपस में रहने वालों के साथ- साथ गोला शहर की सैकड़ों पर महिलाओं ने भगवान शालीग्राम व माता तुलसी के विवाह के साक्षी रहे।

तहसील बार एसोसिएशन के अथक प्रयासों से संगठन की वर्षों पुरानी मांग स्वीकारोपरांत

लखीमपुर-खीरी अवधनामा संवाददाता। तहसील बार एसोसिएशन के अथक प्रयासों से संगठन की वर्षों पुरानी मांग स्वीकारोपरांत उपजिलाधिकारी सदर लखीमपुर न्यायालय लखीमपुर तहसील सदर में आज संचालित हुई। अब प्रत्येक मंगलवार को उक्त न्यायालय लखीमपुर तहसील के कक्ष संख्या 10 में संचालित की जाएगी।

गैंगस्टर एक्ट के वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

सहारनपुर। थाना नकुड़ पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसका चालान काटकर जेल भेज दिया। थाना नकुड़ प्रभारी अविनाश गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि आज उनके व उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने निरीक्षण भवन कस्बा नकुड़ के पास से गैंगस्टर एक्ट में वांछित आरोपी सलमान पुत्र पप्पू उर्फ शमशाद ग्राम धौलापड़ा थाना सरसावा को गिरफ्तार कर लिया।

बरेली में दर्दनाक हादसा, टैंकर की चपेट में आकर पिता-पुत्र की मौत

बरेली अवधनामा संवाददाता। नैनीताल हाईवे पर सोमवार देर शाम अटामांडा स्टेशन के समीप टैंकर की चपेट में आकर बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक टैंकर छोड़कर भाग गया। टैंकर विपरित दिशा से आ रहा था। थाना क्षेत्र के गांव जल्लापुर शोभाराम निवासी मेहंदी हसन (65) पुत्र वलीहसन (35) के साथ कस्बा जादौंपुर स्थित अस्पताल में भर्ती बड़े बेटे आरिफ की पत्नी को शाम साढ़े सात बजे देखकर घर लौट रहे थे। अटामांडा रेलवे स्टेशन से करीब दो सौ मीटर आगे कट पर बाइक सवार पिता पुत्र विपरित दिशा से आ रहे टैंकर की चपेट में आ गए। दोनों गंभीर घायल हो गए। निजी एंबुलेंस से दोनों को मेडिकल कॉलेज में भेजा गया। डाक्टरों ने जांच के बाद पिता-पुत्र को मृत घोषित कर दिया। उधर, मौका पाकर चालक टैंकर छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर परिजन मेडिकल कालेज पहुंचे। पुलिस ने टैंकर व बाइक को कब्जे में ले लिया है। दोनों शवों को मेडिकल कालेज की मोर्चरी में रखवाया गया है। प्रभारी निरीक्षक प्रवीन सोलंकी ने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। उधर, मोहम्मदपुर जाटान के ताहिर अली जान मोहम्मद आदि ने हाईवे पर गांव के पास खोले गए कटों को बंद कराए जाने की मांग की है।

जनहित में निगम सीईओ संजय चौहान के सख्त निर्देश

दुकानदारों को एक सप्ताह में स्थान दिया जाए, आवंटन हेतु तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया

अहमद रज़ा

सहारनपुर। नगरायुक्त संजय चौहान ने रायवाला से हटाये गए फड़ी दुकानदारों को एक सप्ताह के भीतर मेला गुघाल स्थल पर फड़ी लगाने के लिए स्थान आवंटित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इसके लिए अपर नगरायुक्त राजेश यादव की अध्यक्षता में एक तीन सदस्य समिति भी गठित की है जो मेला गुघाल स्थान पर स्थान चिह्नित कर फड़ी दुकानदारों को स्थान आवंटित करेगी। समिति में अपर नगरायुक्त के अलावा डूडा के परियोजना अधिकारी वेदप्रकाश व अतिक्रमण प्रभारी सुधीर शर्मा भी शामिल रहेंगे।

जनसुनवाई के दौरान आज रायवाला से हटाये गए फड़ी दुकानदार महताब, प्रवेज, शुभम गर्ग, अमीर व मुस्तकीम आदि ने नगरायुक्त को प्रार्थना पत्र देकर अपनी समस्या का समाधान कराने की मांग की थी। इसी संदर्भ में नगरायुक्त ने उक्त आदेश दिए। नगरायुक्त ने जनसुनवाई में आने वाली विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके समाधान में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान करना हमारा दायित्व है। जनसुनवाई में आज कुल चार समस्याएं आई, जिनमें से एक का निस्तारण करा दिया गया। वार्ड 55 अहमद बाग निवासी प्रदीप त्यागी ने अहमद बाग की गली में नाली की साफ सफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। जिस पर नगरायुक्त ने तत्काल क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक व सफाई कर्मचारी को भेजकर नाली की सफाई के साथ समस्या का निस्तारण करा दिया।

इसके अलावा वार्ड 7 जाटव नगर निवासी चतरपाल ने नाली के ऊपर बनायी गई शौचालय की दीवार हटवाने,वार्ड 8 रमजानपुरा निवासी बिलाल ने रमजानपुरा की गली से पानी निकलवाने तथा इसी वार्ड के हसनपुर बेहट रोड निवासी सैफ अली ने रमजान पुरा में नयी लाईट लगवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर नगरायुक्त ने सम्बंधित अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान अपर नगरायुक्त राजेश यादव व मृत्युंजय, महाप्रबंधक जलकल पुरुषोत्तम कुमार सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जनपद में नहीं होगी डीएपी एवं एनपीके की कमी

सहारनपुर अवधनामा संवाददाता। उप कृषि निदेशक डॉ.राकेश कुमार ने बताया कि अब जनपद में डीएपी की कमी नहीं रहेगी। आज कांडला पोर्ट पर एक रेक इफ्को डीएपी की 2605 मीट्रिक टन की जनपद सहारनपुर के लिए भरी जा रही है जो 16 तारीख तक जनपद सहारनपुर में पिलखनी में लग जाएगी। उपकृषि निदेशक डॉ.राकेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी सोसायटियों पर भरपूर डीएपी उपलब्ध करायी जाएगी। इसलिए किसानों को किसी तरह से परेशान होने की आवश्यकता नहीं हैं। जनपद में इसके उपरांत कृभको की भी एक रेक उपलब्ध हो जाएगी और एक आईपीएल की भी रेक आने वाली है। इस तरह से जनपद में भरपूर एनपीके तथा डीएपी खाद उपलब्ध रहेगी। किसान अपने गेहूं की बुवाई आसानी से कर सकते हैं।

टेबल-टेनिस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने किया बेहतर प्रदर्शन

सहारनपुर अवधनामा संवाददाता। जिला स्तरीय जूनियर टेबल-टेनिस बालक-बालिका प्रतियोगिता में खिलाडियो ने प्रतिभाग कर अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशानुसार क्षेत्रीय खेल कार्यालय द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिला स्तरीय जूनियर बालक-बालिका टेबल-टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन क्रीडाधिकारी अनिमेष सक्सेना की देख रेख में किया गया। टेबल-टेनिस प्रतियोगिता में जनपद के 77 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ डीपीआरओ आलोक शर्मा ने किया। इस अवसर पर क्रीड़ाधिकारी अनिमेष सक्सेना व जिला टेबल-टेनिस संघ सहारनपुर के सचिव अलंकार किशोर ने विजेता खिलाडियो को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

ग्रामों में ग्राम अदालत आयोजित कर करें वादों का निस्तारणः डीएम

अवधनामा संवाददाता

बदायूँ। कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव की अध्यक्षता में चकबन्दी विभाग के कार्यो की समीक्षा की गयी। बैठक में 10 वर्ष से अधिक समय से चकबन्दी प्रकिया में लम्बित ग्रामों की ग्रामवार विस्तृत समीक्षा की गयी तथा चकबन्दी निदेशालय द्वारा जारी प्रारूप-1 से 9 पर ग्रामवार समीक्षा की गयी। ग्रामवार समीक्षा के उपरान्त विभिन्न चकबन्दी न्यायालयों में विचाराधीन वादों के निस्तारण व सेवानिवृत्त व मृतक अधिकारियों, कर्मचारियों के अवशेष देयको के भुगतान व अवशेष आडिट आपत्तियों व सेवा सम्बन्धित प्रकरणों की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी द्वारा जनता से समन्वय स्थापित कर लक्षित ग्रामों का कार्य समयान्तर्गत पूर्ण करने तथा विभिन्न चकबन्दी न्यायालयों में विचाराधीन वादों में से पुराने वादों को प्राथमिकता पर निस्तारित करने का निर्देश दिया गया। जनविरोध के कारण बाधित ग्रामों में उप संचालक चकबन्दी की अध्यक्षता में ग्राम चैपाल व बैठक आहूत कर कार्य आगे बढ़ाये जाने, विभिन्न पटलों से प्राप्त आईजीआरएस संदर्भो का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने तथा चकबन्दी अधिकारी व सहायक चकबन्दी अधिकारी को ग्रामों में ग्राम अदालत योजित कर वादों का निस्तारण करने के निर्देश निर्गत किये गये।

घर में गढी माया को तंत्र-मंत्र से निकालने का झांसा देकर ठगी करने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

बरेली। बीते दिनों एक दंपति को घर के अंदर माया निकलने का झांसा देकर तांत्रिकों ने ठगी की घटना को अंजाम दिया था। अब भमोरा पुलिस ने आरोपी दो तांत्रिकों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के पास से 50 हजार रुपये भी बरामद किए हैं। मंगलवार को एसपी सिटी ने अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता कर पूरे मामले की जानकारी दी।

दरअसल ठगों ने एक बुजुर्ग दंपति को उनके घर मे माया (गढ़ा धन) होने का झांसा देकर अपनी बातों में लिया। इसके बाद ठगों ने बुजुर्ग के घर मे पूजा पाठ करके माया निकालने का खर्चा 5 लाख रुपए बताया। बुजुर्ग ठगों की बातों में आ गया। जिस दिन पूजा का दिन आया उस दिन तीन ठगों ने एक मिट्टी की हांडी में बुजुर्ग से पांच लाख रखवाये। पूजा शुरू होने से ठीक पहले 5 फिट का एक गड्डा खोदा गया, इसके बाद पड़ोस में पूजा शुरू की गई। पूजा शुरू होने के बाद ठगों ने बुजुर्ग दंपति पर कोई सुगंधित पदार्थ डाला, पदार्थ डालते ही बुजुर्ग दंपति बेहोश हो गए और तीनों ठग पांच लाख रुपये लेकर चंपत हो गए। **ठगी का अहसास होने पर की शिकायत**- जब बुजुर्ग दंपति को अपने साथ हुई ठगी होने का एहसास हुआ तो 10 नवंबर को पीड़ित ने एसएसपी बरेली से शिकायत की। इसके बाद मुकदमा दर्ज हुआ, 12 नवंबर को पुलिस ने घटना के दो आरोपी सादिक अली, निवासी देवरनिया, शेर खां निवासी भोजीपुरा को गिरफ्तार कर उनके पास से 50 हजार रुपये बरामद कर लिए। जबकि उनका एक साथी नजाकत अली फरार है। **फरार आरोपियों को तलाश रही पुलिस**- एसएसपी सिटी मानुष पारीख ने बताया कि तंत्र मंत्र कर माया निकालने के नाम पर वादी के साथ 5 लाख की ठगी की घटना सामने आई थी। इस घटना में आरोपियों ने बुजुर्ग दंपति के ऊपर कोई सुगंधित केमिकल डालकर बेहोश कर दिया था और उसके पांच लेकर फरार हो गए थे। पुलिस ने घटना के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 50 हजार रुपये बरामद कर लिये है। एक आरोपी अभी फरार है।

मंदिर से दान पात्र उड़ाने वाला चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे

सहारनपुर। थाना कोतवाली देहात पुलिस ने गोगा म्हाड़ी मंदिर से दान पात्र व नगदी चोरी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने दबोचे गये आरोपी के कब्जे से दान पात्र व 1250 रुपये की नगदी बरामद कर उसका चालान काटकर जेल भेज दिया है। थाना कोतवाली देहात प्रभारी चन्द्रसैन सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत् 12 नवम्बर को वादी राजेश्वर त्यागी पुत्र सागर सिंह निवासी ग्राम बहेड़की थाना कोतवाली देहात की तहरीर पर आरोपी कुर्बान पुत्र इन्द्रीश निवासी ग्राम घोघरेकी थाना कोतवाली देहात के खिलाफगोगा म्हाड़ी मंदिर ग्राम घोघरेकी से दान पात्र व उसमें रखे 1250 रुपये चोरी करने के सम्बन्ध में थाना कोतवाली देहात पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। श्री सैनी ने बताया कि आज उनके व उपनिरीक्षक यशपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम घोघरेकी से बहेड़की के बीच रास्ते से चोरी के वांछित आरोपी कुर्बान को मात्र 06 घण्टे में गिरफ्तार कर लिया।

मोहब्बत है तो पत्थर भी पिघल कर मोम बनता है...

महराजगंज (रायबरेली) अवधनामा संवाददाता। ब्लाक क्षेत्र के गांव जमुरावां में पवन कुमार मिश्रा के यहां सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के समापन पश्चात सोमवार को विशाल ब्रह्मभोज का आयोजन हुआ जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया वहीं रात्रि में शानदार कवि सम्मेलन का भी आयोजन हुआ जिसमें कवियों ने कविता पाठ कर समां बांध दी। कवि अभिषेक सिंह रुस्तम ने पढा, निर्दोष के विरुद्ध गवाही को बदल दे, जीवन में होने वाली तबाही को बदल दे, नाथों के नाथ विश्वनाथ कर दे जो कृपा ब्रह्मा के लिखे लेख की स्याही को बदल दे। वहीं शिखा त्रिपाठी ने पढा, प्यार अकारण सब करते है कितने अच्छे दिन, कोई फिर से लौटा दे वे बचपन वाले दिन। राष्ट्र पुत्री समीक्षा सिंह ने कहा, पुनः सनातन उदित होगा हार कर मत बैठ जाना, एक हिंदू मैं जगाऊं एक हिंदू तुम जगाना। राकेश रुस्तम ने पढा कि मोहब्बत है तो पत्थर भी पिघल कर मोम बनता है, मोहब्बत है तो हर अक्षर निकलकर ओम बनता है, मोहब्बत करके मीरा ने क्या से क्या बदल डाली, मोहब्बत है तो फिर विष भी बदल कर सोम बनता है। कवि प्रवीण त्रिपाठी प्रवीण ने पढा की प्रेम का रंग हो गईं राधा, श्याम का अंग हो गईं राधा, जुदा होके सदा सदा के लिए श्याम के संग हो गईं राधा।

मेडिकल कालेज में भ्रष्टाचार के खिलाफ छात्र संघ का चौथा दिन चला क्रमिक प्रदर्शन

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। पूर्वांचल छात्र संघर्ष समिति के मंडल उपाध्यक्ष अभय प्रताप शुक्ल के अगुआई में मेडिकल कालेज देवरिया में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ चौथे दिन क्रमिक प्रदर्शन जारी रहा।

धरने को अपना समर्थन देने पहुंचे बरहज के पूर्व विधायक स्वामी नाथ यादव ने कहा कि देवरिया मेडिकल में जन सुविधाओं का गहन अभाव है केवल बिल्डिंग बनी है यहां इलाज कुछ नही है यहां डाक्टर मरीजो से सही से बात तक नहि करते हैं प्राचार्य यहां भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। शिव सेना सेना के राष्ट्रीय सचिव दिग्विजय नाथ चौबे। अपना समर्थन देकर कहा की प्राचार्य का इस पर कोई अंकुश नहीं है। समय पर कोई डाक्टर नही आते हैं मरीज दूर दराज से आते हैं इलाज के लिए और उदासीन होकर। विवस और लाचारी की वजह से प्राइवेट नर्सिंग होम में अपना इलाज कराते हैं। मण्डल उपाध्यक्ष अभय प्रताप शुक्ल ने कहा कि आज हम लोग चार दिन से धरना पर बैठे है लेकीन प्रशासन गंभीरता से नहीं ले रहि है। शुक्ल ने कहा कि अगर छात्र नेताओं के सीमा की बांध टूट गया तो जिला प्रशासन को इन्हे रोकने में पसीना बहाना पड़ सकता है। पुर्व महामंत्री अमित पांडेय ने कहा कि मेडीकल कॉलेज के नाम पर यहां कोई सुविधा नहीं है। पूर्व अध्यक्ष अरविंद गिरी ने कहा कि मोतियाबिंद के अप्रेशन के लिए मरीज महीनो से चक्कर लगाते हैं लेकीन मेडीकल कॉलेज में लेंस भी नही रहता है।

गिरि ने कहा कि मेडीकल कॉलेज की इलाज व्यवस्था में बदलाव नही किया तो यह प्रदर्शन उग्र रूप धारण करेगी। कांग्रेस नेता धनमेंदे पांडेय, पन्ना लाल पाठक, पूर्व अध्यक्ष बालमुकुंद मिश्रा, अमित पांडेय, अरविंद गिरी, आशीष शुक्ल, मनीष चतुर्वेदी, देवेश मिश्र, जमालू अंसारी, नितेश पांडे,जयप्रकाश मिश्र, सतेंद्र यादव, यूवा कांग्रेस के राहुल मिश्र,, राणा सिंह, अखिलेश तिवारी, संजय यादव, मनोहर लाल यादव, पवन मिश्र, अश्वनी कुश्वाहा, आदि लोग मौजूद रहे।

डीएम ने किया हड्डी जांच शिविर का शुभारंभ

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। कलेक्ट्रेट सभागार फतेहगढ़ में डॉ0रजनी सरीन के संयोजन में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी फर्रुखाबा द्वारा आयोजित निशुल्क हड्डी जांच शिविर का शुभारंभ डॉ वीके सिंह द्वारा किया गया इसमें जिलाधिकारी डॉ वीके सिंह, अपर जिलाधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट,कलेक्ट्रेट कर्मियों सहित 160 लोगों द्वारा अपनी हड्डियों व रक्त की जांच कराई उसके बाद डॉ0 सुबोध कुमार वर्मा व मेक्लोइड्स कंपनी के प्रतिनिधि श्रवण शुक्ला व प्रिंस ने उन्हें चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया, अधिकांश लोगों की हड्डियों में कैल्शियम की मात्रा कम पाई गई रक्त के जो नमूने एकत्र किए गए हैं उनकी रिपोर्ट दो दिन बाद मिलेगी और उसी आधार पर उन्हें चिकित्सीय सलाह दी जाएगी जिनको आवश्यकता थी उन्हें कैल्शियम व अन्य मेडिसिन प्रदान की गई। इस अवसर पर इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के वाइस चेयरमैन शीष मेहरोत्रा, आयुषमेंद्र सिंह, अंजू कपूर, उदय, विशाल, संदीप उपस्थित रहे।

फर्रुखाबाद खाद्य विभाग द्वारा नमूना संग्रह किया गया

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य/पेय पदार्थ उपलब्ध कराये जाने एवं मिलावटी खाद्य व पेय पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम व खाद्य/पेय पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित कराये जाने के उद्देश्य से आज दिनांक 12.11.2024 को सहायक आयुक्त (खाद्य)-II अजीत कुमार के निर्देशन एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री अक्षय प्रधान के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री शिवदास सिंह, श्री विनोद कुमार, डा0 शैलेन्द्र रावत एवं श्री अरूण कुमार मिश्र द्वारा निम्न कार्यवाही सम्पादित की गयी। शुकरूल्लापुर पुल के पास, कायमगंज रोड, जनपद-फर्रुखाबाद पर खोया विक्रेता से खाद्य पदार्थ खोया का एक नमूना संकलित किया गया। रजीपुर चैराहा, फर्रुखाबाद, जनपद-फर्रुखाबाद पर स्थित नाश्ता भंडार से खाद्य पदार्थ बेसन का एक नमूना संकलित किया गया। बरगद चैराहा, याकूतगंज, जनपद-फर्रुखाबाद पर स्थित पकौड़े भंडार से खाद्य पदार्थ बेसन का एक नमूना संकलित किया गया।

ओम प्रकाश पाल को पुष्प देकर किया गया सम्मानित

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। फर्रुखाबाद के विकासखंड कायमगंज क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मदारपुर में औचक निरीक्षण करने पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश पाल रोज गार्डन में खिले पुष्प देकर सम्मानित करते प्रधानाचार्य राजकिशोर शुक्ल - स्कूल पहुंचकर बीईओ ने स्कूल परिसर और शौचालय के साथ ही साथ किचेन का निरीक्षण कर रसोईयों से मीनू की जानकारी ली। रसोईय आशा एवं उमा ने बताया कि सुबह केला वितरित किया गया। आलू, फूल, टमाटर, हरी मिर्च, धनिया मिलाकर सब्जी और रोटी तैयार की जा रही है। कक्षा पांच में कुमारी चांदनी से शब्दार्थ पूंछ कर पाठ पढ़वाया। सही जबाव देने पर शाबाशी दी। इसके बाद कार्यालय में एनएटी परीक्षा की तैयारी, डीबीटी, फोटो अपलोड स्थिति, अपार आईडी के सहमति फार्म देखे।अंत में एमडीएम में तैयार भोजन की गुणवत्ता चेक कर उत्तम बताकर प्रधानाध्यापक की प्रशंसा की। पंजीकृत 65 बच्चों के सापेक्ष 52 उपस्थित मिले। इस अवसर पर समस्त स्टाफ शैक्षिक गतिविधियों में लिप्त पाया गया।

सीएम योगी के प्रयासों से इंसेफेलाइटिस नियंत्रण में

अवधनामा संवाददाता

महायोगी गोरखनाथ विवि में बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ समारोह का सातवां दिन

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के सातवें दिन मंगलवार को एक विशिष्ट सत्र में 'बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन और इंसेफेलाइटिस की यात्रा' विषय पर व्याख्यान देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश का यह क्षेत्र दशकों तक इंसेफेलाइटिस की चपेट में रहा लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से किए गए गंभीर प्रयासों से इंसेफेलाइटिस अब नियंत्रण में है।

डॉ. वाजपेयी ने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक बच्चों में इंसेफेलाइटिस के कारण बड़े पैमाने पर मौतें होती थीं। यह रोग, मुख्यतः बच्चों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को प्रभावित करता है और इसमें मस्तिष्क में सूजन आ जाता है। इस रोग के फैलने के पीछे गंदगी, स्वच्छता की कमी, मच्छरों का प्रकोप और जलवायु संबंधी कारण माने जाते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, अस्पतालों में ज़रूरी उपकरणों की व्यवस्था, स्वच्छता अभियान और जागरूकता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाकर इंसेफेलाइटिस को नियंत्रण में ला दिया है। कुलपति ने बीएएमएस के विद्यार्थियों इंसेफेलाइटिस और ऐसे अन्य रोगों पर शोध के लिए प्रेरित किया। सातवें दिन के प्रथम सत्र में व्याख्यान देते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल दूबे ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पौधों पर आधारित है। आहार को स्वयं औषधि कहा गया है। डॉ. दूबे ने कहा कि सूक्ष्म से लेकर स्थूल तक पूरा वैश्विक जगत आहार पर आधारित है। आज उन्नत कृषि विज्ञान के कारण भारत अतिरिक्त पैदावार कर रहा है। उन्होंने कहा कि बीएएमएस विद्यार्थियों को औषधीय पौधों का पहचान करने आना चाहिए। इसके लिए क्लास रूम से बाहर निकलना पड़ेगा। डॉ. दूबे ने कहा कि कृषि और औषधि विज्ञान के बारे में ऋषि मुनियों को हजारों वर्ष पहले से पता था। आज तीन हजार औषधीय पौधों में से केवल नौ सो पौधों का ही पैदावार हो रहा है। ऐसे में बीएएमएस विद्यार्थियों के लिए हर्बल इंडस्ट्री में बहुत अधिक अवसर है। दूसरे सत्र में लैंगिक संवेदनशीलता और बाल उत्पीड़न विषय पर चर्चा करते हुए समाधान अभियान की निदेशक डॉ. शीलम वाजपेयी ने कहा कि यह समझना महत्वपूर्ण है कि हर व्यक्ति चाहे वह स्त्री हो, पुरुष हो, या अन्य लिंग का, समान गरिमा और सम्मान का अधिकारी है। लैंगिक संवेदनशीलता के तहत शिक्षा, कार्यक्षेत्र, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में लिंग के आधार पर होने वाले भेदभाव को कम करना शामिल है।

डीएम एवं एसपी द्वारा ढाईघाट पर लगने वाले कार्तिक पूर्णिमा मेले का लिया जायजा

अवधनामा संवाददाता

फर्रूखाबाद जिलाधिकारी डॉ वीके सिंह व पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी द्वारा ढाई घाट पर कार्तिक पूर्णिमा पर होने बाले स्नान व मेले की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि ढाई घाट पर जो अन्ना पशु घूम रहे है उन्हे पकड़ कर गौशाला में भेजा जाये। जिलाधिकारी द्वारा गंगा के दोनों तटों पर तैनात किये गये गोताखोर, वोट, नाविक के नाम व नंबरो की सूची प्रदर्शित करने के लिये निर्देश दिये, दोनो तटों पर ड्रिंकिंग वाटर, मोबाइल टॉयलेट, चेंजिंग रूम की व्यवस्था करने के लिये उपजिलाधिकारी को निर्देशित किया, मेला क्षेत्र में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था न पाये जाने पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी जताई व प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था के लिये निर्देशित किया, जिलाधिकारी द्वारा मेले क्षेत्र में विक्रय किये जा रहे खाद्य पदार्थों की खाद्य विभाग द्वारा जाँच कराने के लिये अपर जिलाधिकारी को निर्देशित किया, दुकाने व्यवस्थित तरीके से लगाने व रास्ते क्लियर रखने व मेडिकल कैम्प व एम्बुलेन्स उपलब्ध कराने के लिये निर्देशित किया गया, सभी घाटो पर अग्निशमन की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये।

जिम ट्रेनर स्नेहा सुसाइड मामले में बॉयफ्रेंड गिरफ्तार

उरई (जालौन) अवधनामा संवाददाता। कुछ दिनों पूर्व जिम ट्रेनर स्नेहा उर्फ जिया ने ब्लैक मेलिंग और शारीरिक प्रताड़ना से आहत होकर फांसी लगाकर जान दे दी थी। इस सम्बन्ध में प्राप्त विवरण के अनुसार मरने से पहले स्नेहा ने अपनी माँ रानी को व्हाट्सअप पर मैसेज किया था जिसमे बॉयफ्रेंड हिमांशु यादव पर धोखा देने का आरोप लगाया था। अपनी माँ से कहा था उसे कभी न छोड़ना। स्नेहा के निधन के बाद उसकी माँ रानी ने हिमांशु यादव और उसके तीन अन्य दोस्तों शानू पुत्र अज्ञात विशाल पुरवार, पुत्र अज्ञात, आकाश गुप्ता पुत्र अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच की। मंगलवार को हिमांशु यादव पुत्र अरविंद यादव निवासी करमेर रोड राजेंद्रनगर उरई को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने कहा हिमांशु और स्नेहा के वीच विवाद चल रहा था दोनों के बीच फोन पर कहासुनी के बाद स्नेहा ने यह कदम उठाया था

डलमऊ में आयोजित होने वाले मेले की तैयारियों की बैठक सम्पन्न

अवधनामा संवाददाता

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर और पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह की अध्यक्षता में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर डलमऊ मेले की तैयारियों की समीक्षा बैठक डलमऊ तहसील में हुई। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाले मेले की समस्त व्यवस्थाओं को शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जाए।

मेले की ओर जाने वाले सड़कों की आवश्यकतानुसार मरम्मत सुनिश्चित करा ली जाए। मेले में ड्यूटी पर तैनात समस्त कर्मचारी समय से अपने जोन में उपस्थित रहेंगे। मेले में आने वाले आगंतुकों और श्रद्धालुओं से शिष्टाचार बनाए रखें। जिलाधिकारी ने कहा कि मेले में आने के लिए प्रतिबंधित वाहनों का प्रवेश नहीं होना चाहिए। उन्होंने मेला परिसर में साफ-सफाई एवं आकस्मिक सेवाओं की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। माहिलाओं के लिए बने चेंज रूम के आस पास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रखी जाए।

आकस्मिक सेवाओं का समय रहते मॉक ड्रिल भी करा लिया जाए। शौचालय पर्याप्त संख्या में बनाये जाएं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आने जाने के मार्गो में साइन बोर्ड और सीसीटीवी कैमरे लगा दिए जाएं। ट्रैफिक व्यवस्था चाक चौबद रहे, अनावश्यक भीड़ न होने पाये। स्नान घाटों की बैरिकेटिंग व्यवस्था दुरूस्त रहे। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी बेरिकेटिंग,पानी की व्यवस्था, बिजली की व्यवस्था को पूरी तरह से दुरूस्त रखेंगे। उन्होंने कहा कि जिन घाटों पर स्नान आदि होता है, वहां पर नाव व गोताखोरों की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाये। रेडियो सेट समय से एक्टिंव करा ली जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक संजीव सिंह, अध्यक्ष बृजेश दत्त गौड़ सहित अन्य समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

इगलास पुलिस पर लगा सड़क हादसे के मुकदमे में दवाब बनाने व 10 दिन बाद मुकदमा दर्ज करने का आरोप

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ में सड़क हादसे में पुलिस पर लापरवाही और देर से मुक़दमा दर्ज करने का आरोप लगा है। दरअसल 1 तारीख के सड़क हादसे का 10 तारीख को मुक़दमा दर्ज किया गया है। प्रार्थी द्वारा लिखे पत्र में एसएसपी से कहा गया कि, प्रार्थिया बतूलन पत्नी नूरहसन निवासी ग्राम कजरौठ थाना-इगलास जिला अलीगढ़ की रहने वाली है। दिनांक 01.11.2024 को प्रार्थिया अपने पति नूरहसन के साथ मोटर साइकिल से अपने मायके से ग्राम दिवाना से अपेन गॉव कजरौठ आ रही थी।

प्रार्थिया मोटर साइकिल पर पीछे बैठी थी। प्रार्थिया के पति नूरहसन मोटर साइकिल को चला रहे थे कि समय करीब शाम 7.00 बजे लगभग स्थान मोकमपुर के पास मथुरा अलीगए रोड पर सामने से टैंकर संख्या यूपी-53 डीटी 1686 के ड्राइवर ने तेजी व लापरवाही से प्रार्थिया की मोटर साइकिल में सामने से टक्कर मार दी जिसके कारण प्रार्थिया के पति के गम्भीर चोटे आयी तथा प्रार्थिया के भी गम्भीर चोटे आयी। हम दोनों को वहाँ के लोगों ने सरकारी अस्पताल इगलास इलाज हेतु ले गये वहाँ से हम दोनों को जेएन मेडीकल कालेज अलीगढ़ भेज दिया लेकिन वहाँ मेन्टीलेटर खाली न होने के कारण हमारे परिवार वालों ने हम दोनों को वृन्दा अस्पताल नादापुल खैर रोड पर भर्ती कराया। जहाँ मेरे पति नूरहसन गम्भीर अवस्था में मेन्टीलेटर पर अभी तक पड़े हुऐ है तथां मुझे दिनांक 04.11.2024 को डिस्चार्ज कर दिया गया। इस दुर्घटना में प्रार्थिया के सीधे पैर की चार अगूली कट गयी है, प्रार्थिया अपनी रिपोर्ट थाने लिखाने गयी तो प्रार्थिया की रिपोर्ट नहीं लिखी है। मोटर साइकिल यू पी. 85 एएन 6329 डिसकवर मौके पर पड़ी है, तथा टैंकर थाने पर खड़ा है। वही पुलिस द्वारा मौके से ट्रक जब्त करने के बाद पुलिस द्वारा पीड़ित पर कॉम्प्रोमाइज का दवाब बनाने का आरोप लगा है। साथ ही पीड़ित का कहना है कि मुक़दमा दर्ज करने की मना करते हुए पुलिस द्वारा कहा गया कि दीवाल में अगर सिर मारोगे तो सर ही फूटेगा दीवाल नहीं। हालांकि घटना के 10 दिन बाद 10.11.2024 को पीड़ित का मुक़दमा दर्ज किया गया।

धूमधाम से मना खाटू श्याम जी महाराज का जन्मोत्सव

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। सहजनवा तहसील क्षेत्र के गाहासड बेलहर में स्थित खाटू श्याम मंदिर में समय माता खाटू श्याम मंदिर समिति द्वारा मंगलवार को महाराज खाटू श्याम जी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया कलाकारों द्वारा भव्य झांकी निकाल कर भजन संध्या कार्यक्रम आयोजित किया गया। हारे का सहारा, खाटू श्याम हमारा... सहजनवा तहसील क्षेत्र में मंगलवार को देवउठनी एकादशी के साथ-साथ तुलसी विवाह और खाटूश्याम जी महाराज का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया मनाया गया. खाटू श्याम मंदिर में भगवान खाटू श्याम के जन्मदिवस पर सुबह मंदिर की साफ सफाई की गई मंदिर को फूलों से सजाया गया खाटू श्याम महाराज को नहलाया गया नए वस्त्र धारण कराया गया फूल माला पहनाया गया दीप प्रज्वलित कर भोग लगाया गया श्रद्धालुओं द्वारा केक काटकर खाटू श्याम महाराज का जन्मोत्सव मनाया गया सुबह से ही श्रद्धालुओं ने खाटू श्याम महाराज का दर्शन पूजा की श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया इस दौरान कलाकारों द्वारा खाटू श्याम की भव्य झांकी निकाली गई भजन गायको ने खाटू श्याम महाराज का भजन कीर्तन किया श्रद्धालुओ ने भजन कीर्तन का आनंद लिया। इस दौरान खाटू श्याम प्रेमी पंडित जयशंकर मिश्रा, संतोष गुप्ता, विनय श्रीवास्तव, संजय सिंह, उदय चंद्र श्रीवास्तव आदि समिति के सदस्य और भक्तगण उपस्थित रहे।

बाप ही निकला बेटी का हत्यारा

कुशीनगर अवधनामा ब्यूरो। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के नौका टोला में घर में सो रही एक किशोरी की गला रेतकर हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। किशोरी की हत्या किसी और ने नहीं उसके ही बेरहम बाप ने फरसी से गला काटकर कर दिया। यह घटना उस समय किया जब परिवार के अन्य सदस्य छठ पूजा में गए थे। हत्याकांड का खुलासा करते पुलिस ने बताया कि बीते 8/9 नवंबर की रात नौरंगिया गांव के नौका टोला में एक 16 वर्षीय किशोरी की हत्या एक बेरहम बाप ने तब कर दिया जब परिवार के अन्य लोग छठ पूजा में रिश्तेदारी में गए थे। उस समय जयनारायण सिंह व उसकी बेटी प्रिया सिंह घर में सो रहे थे। इस प्रकरण में पुलिस ने जयनारायण के तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर पूछताछ कर रही थी। एसपी ने इस हत्याकांड का खुलासा करने के लिए टीम गठित कर दिया था। पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। मंगलवार को नेबुआ नौरंगिया पुलिस और स्वाट टीम ने इस मामले में हत्यारोपी जयनारायण सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान, मृतका के पिता जयनारायण सिंह ने कबूल किया कि उसने दूसरे व्यक्ति को फंसाने की मंशा से अपनी बेटी की हत्या की। वारदात में प्रयुक्त हथियार पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल गन्ना छीलने वाली लोहे की फरसी बरामद किया है। अभियुक्त जयनारायण सिंह पुत्र रामबरन निवासी नौरंगिया नौका टोला पर पहले भी मामले दर्ज हैं। 2017 में भी उस पर मारपीट और धमकी देने का मामला दर्ज था। गिरफ्तार करने वाली टीम पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक हर्षवर्धन सिंह और स्वाट टीम के प्रभारी उपनिरीक्षक आलोक यादव ने अपनी टीम के साथ अहम भूमिका निभाई।

श्री नवलकिशोर रामलीला महोत्सव का फीता काटकर विधायक व पालिकाध्यक्ष ने किया भव्य शुभारंभ

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। श्री नवलकिशोर रामलीला महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन एवं विशिष्ट अतिथि पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने संयुक्त रूप से फीता काटकर रामलीला महोत्सव का उद्घाटन किया। विधायक ने कहा, भगवान राम विश्व भर के सनातनियों की आत्मा में रचे-बसे हैं। उनका जीवन चरित्र सभी युगों में प्रासंगिक है, लोग राम के आदर्शों से अगर थोड़ा बहुत भी ग्रहण कर सके तो उनका जीवन सफल हो जाएगा। बजरिया स्थित रामलीला रंगमंच पर भगवान गजानन की पूजा अर्चना कर महोत्सव का शुभारंभ किया गया। पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता एवं समाजसेवी अनिल वैद ने कहा, भगवान राम ने मर्यादाओं का पालन करते हुए समाज को संदेश दिया कि एक मनुष्य को किस तरह परिवार, समाज और देश के प्रति अपने कर्तव्यों में तादात्म्य बिठा कर चलना चाहिए। उन्होंने अधर्म का नाश कर धर्म पर चलना सिखाया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे ब्राह्मण महासभा के संस्थापक अध्यक्ष सर्वाचरण वाजपेयी ने राम को भारतीय संस्कृति का आदर्श निरुपित करते हुए कहा, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने वनवास ने सीता अन्वेषण के दौरान समाज के सबसे दबे कुचले लोगों को संगठित किया संचालन राजेंद्र द्विवेदी ने किया। रामलीला समिति ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान रामलीला कमेटी के अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी, मंत्री मनोज पाटकार, आनंद दुवे, सोहन वाजपेयी, लला वाजपेयी, भास्कर दुवे, मनीष नगरिया, श्याम बिहारी तीते, अतुल चतुर्वेदी, अमित नगाइच, दिनेश सोनी, रंजन गोस्वामी, भास्कर सिंह माणिक्य, मोहनदास नगाइच, राजेंद्र निगम, बादामसिंह, ओपी कुशवाहा, विक्की दुवे, लकी दुवे, आवेश जाटव, मनोज इकड़या, रघुवीर कुशवाहा, आजाद उद्दीन, गौरव तिवारी, अनिल पटेल, प्रदीप वर्मा, बाबूराम पाल, मनोज मोर, धर्मेंद्र बबेले, हिम्मत यादव, पवन खिलाड़ी, अमरेंद्र दुवे, नृपेंद्र बबेले आदि मौजूद रहे।

कुंभ कलश जन-जागरण यात्रा का स्टेडियम में हुआ समापन

अलीगढ़। विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन महाकुंभ-2025 का प्रयागराज में 13 जनवरी से आरंभ होने जा रहा है। आमजन को प्रयागराज कुंभ-2025 की भव्यता से परिचित कराने के उद्देश से मंगलवार को अवर लेडी आफ फातिमा स्कूल से महारानी अहिल्याबाई होल्कर स्टेडियम तक ''कुंभ कलश जन-जागरण यात्रा'' का आयोजन किया गया। कुंभ कलश जन-जागरण यात्रा में पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे कलाकारों द्वारा नृत्य एवं गीत के माध्यम से कुंभ की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को बड़े ही मनमोहक अंदाज में प्रस्तुत किया गया। अवर लेडी ऑफ़ फातिमा स्कूल से आगे बढ़ी कुंभ कलश जन-जागरण यात्रा में कलाकारों द्वारा निरंतर उच्चारित वैदिक मन्त्रों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो गया। संपूर्ण यात्रा में भजनों के माध्यम से भक्ति भाव का संचरण हो रहा था। महारानी अहिल्याबाई होल्कर स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित कुंभ कलश जन-जागरण यात्रा के समापन कार्यक्रम में जिला पंचायतराज अधिकारी धनंजय जायसवाल ने कहा कि महाकुंभ देश की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत है।

खड़ी ट्रक से तिरपाल काट कर 60 बोरी मटर चोरी

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। गीडा सेक्टर 22 में खड़ी ट्रक का तिरपाल काट कर चोरों ने उसमें रखा 60 बोरी मटर चुरा ले गए। पीड़ित के शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी से अश्वनी कुमार पांडेय पुत्र दिवाकर पांडेय शिवनगर कालोनी बसारतपुर जिनके पत्नी मंजू देवी के नाम से एस आर एल कॉन्ट्रेक्शन का फर्म संचालित होता है। जो ट्रक की मालिक भी है। कानपुर से आसाम के लिए ट्रक पर मटर लादकर चला था । 10 नवंबर को ट्रक चालक गीडा सेक्टर 22 ट्रांसपोर्टनगर में ट्रक खड़ा कर सो गया। बीती रात्रि में चोरों ने ट्रक का तिरपाल काटकर उस पर लदा 60 बोरी मटर चुरा ले गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

टेलर चालक की खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। गीडा सेक्टर 26 मोड़ के पास सोमवार को अनियंत्रित टेलर ने बाइक सवार को रौद दिया था जिसमें बाइक सवार की मौत हो गई थी और एक घायल हो गया था। पुलिस ने मृतक के पिता के शिकायत पर टेलर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। हेमाचौरा थाना उरूआ निवासी पंकज यादव 25 वर्ष अपने साथी निधि अग्रहरि के साथ सोमवार को गीडा सेक्टर 26 मोड़ पर बाइक पर खड़ा था। उसी दौरान अनियंत्रित टेलर ने उसे रौद दिया था। जिसमे पंकज यादव की मौके पर मौत हो गई थी। घायल निधि अग्रहरि का अस्पताल में इलाज सीजीएल रहा था। पुलिस ने मृतक के पिता बजरंगी यादव की शिकायत पर टेलर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

कुदाल से किया हमला, केस दर्ज

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। सहजनवा थाना क्षेत्र के मटकापार निवासी एक व्यक्ति को मनबढ़ो ने कुदाल से हमला कर घायल कर दिया। पीड़ित के शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी से मटकापार निवासी इंद्रेश कुमार पुत्र मनोज के मकान के सामने पक्की सड़क है। गांव का एक व्यक्ति रास्ते में जायद समय गिर गया। जिसे पीड़ित ने उठा कर घर पहुंचाया। इसके बार गिरे हुए व्यक्ति के लड़के आए और पीड़ित के ऊपर कुदाल से हमला कर जान मारने की कोशिश किए।

भरतकुंड महोत्सव में देश भर के कलाकारों से रोज सज रही महफिल, संजो बघेल और अनूप जलोटा का हो रहा इंतजार

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। भरतकुंड महोत्सव दिन प्रतिदिन अपने चरम पर पहुंचता दिख रहा है एक के बाद एक बड़े कार्यक्रम से क्षेत्र वीडियो में अत्यंत ही उत्साह का माहौल है। महोत्सव के चौथे दिन देर रात भरत काव्यांजलि कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें अवध की स्वर कोकिला अर्चना द्विवेदी ने सरस्वती वंदना से कवि सम्मेलन प्रारंभ किया, ओज कवि वेद प्रकाश प्रचंड ने संचालन किया हास्य कवि आनंद शक्ति पाठक, श्रृंगार कवियत्री सुनीता पाठक, कवि संतोष सिंह तथा साढ़े चार हजार से अधिक मुक्तक और गीत लिख चुके कवि अंबरीश चंद्र पांडेय की रचनाओं को दर्शकों ने बहुत पसंद किया और देर रात तक डटे रहे। महोत्सव प्रभारी बृजेंद्र दुबे , उपाध्यक्ष के सी पांडे एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी अंकित उपाध्याय ने कवियों को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। महोत्सव के पांचवें दिन ओणम पर्व थीम के अंतर्गत भरत सरोवर में नौकायन प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें आशीष निषाद प्रथम, मोहम्मद वसीम द्वितीय तथा सुधीर कुमार तृतीय स्थान पर रहे। इसी अवसर पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में पृथ्वीराज चौहान इंटर कॉलेज ने बाजी मारी द्वितीय स्थान पर आर एल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज रहा।महोत्सव अध्यक्ष अंजनी कुमार पांडे तथा मुख्य व्यवस्थापक रामकृष्ण पांडेय ने विजेताओं को ट्रॉफी देकर उनका सम्मान किया। शाम को सांस्कृतिक संध्या का दीप प्रज्वलन मुख्य अतिथि के रूप में पधारे भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में गन्ना समिति के अध्यक्ष संतोष सिंह तथा डॉक्टर शेषधर पांडेय ने किया। लखनऊ से आई अंकिता बाजपेई और उनकी टीम ने कथक, भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी नृत्य से लोगों का दिल जीत लिया। अंबेडकर नगर की लोक कलाकार प्रतिमा यादव ने विवाह संस्कार के सारे रस्मो रिवाज पर गीत प्रस्तुत करके लोगों का खूब मनोरंजन किया। स्वरूपम डांस ग्रुप के फरीदा बानो और शिवम् निषाद की टीम ने भरत और हनुमान के मिलन तथा लक्ष्मण मूर्छा पर नृत्य नाटिका मंचन करके खूब वाहवाही बटोरी। लखनऊ के प्रख्यात भजन गायक पंडित किशोर चतुर्वेदी ने अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम भजन की शानदार प्रस्तुति कर दर्शकों को भक्ति और अध्यात्म के उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया एवं श्रीमती स्वाति मैं मीराबाई के भजन पायो जी मैंने राम रतन धन पायो गा करके शमा बांध दिया।

खालिस्तानी आतंकी ने दी राममंदिर उड़ाने की धमकी

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। राम मंदिर को एक बार फिर से बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। खालिस्तानी आतंकी और सिख फॉर जस्टिस चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो जारी कर यह धमकी दी है। उसने दी गई धमकी में 16 व 17 नवंबर को राम मंदिर में हिंसा होने, हिंदुत्व विचारधारा की स्थली अयोध्या को हिला देने की चेतावनी दी है।पन्नू की ओर से दी गई धमकी के बाद राम मंदिर की सुरक्षा ओर सख्त कर दी गई है। राम मंदिर की सुरक्षा मे लगे अधिकारियों के अनुसार पूरे परिसर की सुरक्षा अभेद्य है। खालिस्तानी आतंकी पन्नू की ओर से जारी वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर में पूजा करते भी दिख रहे हैं। धमकी के बाद श्रीराम जन्मभूमि परिसर हाई अलर्ट पर है। सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों ने पूरे परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता कर दिया है। .

क्या कहा आईजी अयोध्या रेंज

आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि आतंकी पन्नू की ओर से वीडियो

के माध्यम से धमकी की जानकारी मिली है। इस तरह के बयान पहले भी जारी किए गए हैं। हम सुरक्षा व्यवस्था की फिर से समीक्षा कर रहे हैं। वैसे भी रामजन्मभूमि मंदिर की सुरक्षा पहले से अभेद्य है। वहाँ परिन्दा भी पर नहीं मार सकता है।

एसपी रामजन्मभूमि सुरक्षा ने कहा

एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने एटीएस के जवानों व पुलिस बल के साथ श्रीराम जन्मभूमि के दर्शन पथ समेत पूरे परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को परखा। उन्होंने कहा कि परिसर की सुरक्षा पहले से ही अभेद्य है, 24 घंटे निगरानी की जाती है।

क्या कहते हैं सीओ अयोध्या

सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने बताया कि वीडियो जारी होने का मामला संज्ञान में है। अयोध्या व श्रीराम जन्मभूमि की सुरक्षा सख्त है। अलर्ट घोषित कर दिया गया है। वहीं आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि आतंकी पन्नू की ओर से वीडियो के माध्यम से धमकी की जानकारी मिली है। इस तरह के बयान पहले भी जारी किए गए हैं। हम सुरक्षा व्यवस्था की फिर से समीक्षा कर रहे हैं। पहले भी मिल चुकी हैं राम जन्मभूमि मंदिर उड़ाने की धमकी इससे पूर्व 22 अगस्त 2024 में भी धमकी दी गई थी। श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के हेल्प डेस्क मोबाइल नंबर पर वाट्सएप के जरिए यह धमकी दी गई थी। लिखा था कि मंदिर को बहुत जल्द नष्ट कर देंगे। यहां मस्जिद बनाएंगे। इस धमकी के बाद यूपी एटीएस ने 14 सितंबर को बिहार के भागलपुर से आरोपी मोहम्मद मकसूद को गिरफ्तार कर लिया था। इसी प्रकार इसी साल 28 मई को सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर धमकी भरी पोस्ट सामने आई थी। इसके बाद 112 नंबर पर कॉल कर मंदिर को उड़ाने की धमकी दी गई थी। बाद में कुशीनगर के बलुआ तकिया के रहने वाले 16 साल के एक किशोर को हिरासत में लिया गया था। जांच में पता चला था कि उसकी मानसिक हालत खराब है। बार बार सिरफिरे इसी प्रकार धमकियाँ देते रहे हैं। किन्तु प्रशासन हर बार धमकियों को गंभीरता से लेता रहा है। इस बार तारीख भी घोषित करने के कारण प्रशासन और अधिक चौकन्ना हो गया है।

मण्डल स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के लिए मोहम्मद अदीब का हुआ चयन

मया बाजार -अयोध्या। बीना सबीना पूर्व माध्यमिक विद्यालय गोसाईगंज, मया अयोध्या कक्षा 7 में अध्ययनरत मोहम्मद अदीब ने भारत सरकार द्वारा संचालित इन्स्पायर अवॉर्ड में स्मार्ट सेंसर स्ट्रीट लाईट विज्ञान शिक्षक एम.ए. इदरीशी के दिशा - निर्देश पर बनाया था, जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में मोहम्मद अदीब विज्ञान शिक्षक एम .ए. इदरीशी के साथ प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने के लिए राजकीय इण्टर कॉलेज अयोध्या गया था, जिसमें मोहम्मद अदीब ने मॉडल बनाने के उद्देश्य की विस्तृत जानकारी प्रदर्शनी के परीक्षक को दी , जिसमें मोहम्मद अदीब प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुआ। और उसके बाद बच्चे का चयन मण्डल स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने के लिए 13 नवम्बर को राजकीय इण्टर कॉलेज अयोध्या बुलाया गया हैं।

कार ओवरटेक के चलते बाइक सवार ट्रेक्टर में घुसा, एक कि मौत दूसरा घायल

जैदपुर बाराबंकी। कार को ओवरटेक करते समय मोटरसाइकिल सवार ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गया। जिसकी दर्दनाक मौत हो गयी। वहीं दूसरा भाई गम्भीर रुप से घायल हो गया। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज मामले की जांच कर रही है। बताते चलें कि हैदरगढ़ थाना क्षेत्र क भियापुर गांव निवासी 28 वर्षीय सूरज अपने भाई रमेश के साथ अपनी मोटरसाइकिल से बाराबंकी जा रहे थे। रास्ते में जैदपुर थाना क्षेत्र के हरख चौराहा के पास एक कार को ओवरटेक करते समय मोटरसाइकिल ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गयी। टक्कर फांसी तेज होने? के कारण मोटरसाइकिल ट्रॉली के नीचे घुस गई, जिससे सूरज की मौके पर मौत हो गयी जबकि भाई रमेश को घायल हालत में जिला अस्पताल भेजा गया है। सूचना मिलते ही जैदपुर पुलिस मौके पर कर शव को ट्रैक्टर ट्रॉली से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की। जैदपुर थाना प्रभारी निरीक्षक अमित प्रताप सिंह ने बताया कि हरख चौराहा के पास मोटरसाइकिल और ट्रैक्टर ट्रॉली के बीच हुई दुर्घटना में सूरज की मौत हो गयी है। शव को पोस्टमॉर्टम हेतु भेज मामले की जांच की जा रही है।

बिजली बकायेदारों पर की कार्यवाही, 90 हजार वसूली हुई

अवधनामा संवाददाता

मसौली बाराबंकी। विद्युत विभाग के अवर अभियंता द्वारा कस्बा त्रिलोकपुर मे मंगलवार को हुई छापामारी से बड़े बकायेदारों व बिजली चोरों में हड़कंप मच गया छापेमारी मे 3 कटिया चोर सहित 5 बड़े बकायेदारों के कनेक्शन काटते हुए विधिक कार्रवाई की गयी है। मंगलवार को एस डी ओ अभिषेक कुमार मल्ल के नेर्त्व मे कस्बा त्रिलोकपुर व उसके आसपास के गांवो मे चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमे सन्दीप पुत्र सन्तराम, वकील पुत्र फारुक , तौसीफ पुत्र असहद जहां बिजली चोरी करते हुए पकड़े गये वही रईश पुत्र सगीर, महफूज पुत्र नौसाद, वैश पुत्र अहमद, मैनुदीन पुत्र जलालुद्दीन, नसरुद्दीन पुत्र सुल्तान बड़े बकायेदार होने के कारण कनेक्शन काटे गये इसके आलावा बेरिया ,भयारा, छुल्हा बन्नी समेत कई गाँव मे सघन चेकिंग अभियान चलाया गया बड़े बकायेदारों से 90000 रुपए वसूली की गई इस बाबत में जे ई संदीप कुमार ने बताया 03 लोगो को बिजली चोरी करते व 5 लोगों बड़े बकायेदार के विरुद्ध करवाई की जा रही है।

कस्बे में ई रिक्शा की भरमार, राहगीरों का चलना हुआ मुश्किल

जैदपुर बाराबंकी। ई रिक्शा चालकों की लापरवाही के चलते आये दिन होते हैं हादसे आज फिर कस्बा के पानी टंकी चौराहा के पास लकड़ी लाटकर जा रहा ई रिक्शा पलटा, जिसमें चालक चालक हुआ चोटिल लोग बाल बाल बचे। मामला जैदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ज़ैदपुर कस्बा का है जहां ई चालकों की संख्या में हर रोज बढ़ोतरी होने से हादसे होते रहते हैं। वहीं आज पानी टंकी चौराहा गुड्डू टायर की दुकान के पास ओवरलोड लकड़ी लादकर ले जा रहा ई रिक्शा पलट गया। इसके बाद तत्काल मौके पर स्थानीय लोग पहुंच कर ई रिक्शा को सीधा किया। वहीं इस घटना में ई रिक्शा चालक चोटिल हो गया। जबकि लोग बाल बच गये। बताते चलें इन ई रिक्शा चालकों पर विभाग व पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही न होने से नाबालिग सहित बिना लाइसेंस के तमाम ई रिक्शा चालक दिन भर नियम कानून को ताक पर रख थाना चौराहे सहित क्षेत्र व विभिन्न मोहल्लों में फर्राटा भरते देखें जाते हैं। फिर भी पुलिस व विभाग मौन है।

पांच फेरों वाली परिक्रमा में श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

जैदपुर बाराबंकी। श्रीराम जानकी बालाजी महाराज संगत मंदिर में आयोजित श्रीराम-जानकी जी की पांच फेरों वाली परिक्रमा में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखने को मिली। जहां भक्तों ने बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ भगवान की परिक्रमा करते हुए आस्था का अनूठा प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार जैदपुर कस्बे की संगत मंदिर श्रीराम जानकी? की पांच फेरों की परिक्रमा में बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने जय श्रीराम, जय हनुमान÷ के जयकारों के साथ हाथों में भगवा ध्वज लिए, शंख, घंटा, और घड़ियाल बजाते हुए परिक्रमा करते रहे।

10 माह बाद न्यायालय के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा

अयोध्या। आखिर कार कोर्ट के आदेश पर 10 माह पुरानी घटना में कोतवाली बीकापुर में जान लेवा हमला सहित कई गंभीर मामलों में मुकदमा दर्ज हो गया।सिविल जज (सी डि) तृतीय/ एसीजेएम प्रीति गिरी ने घटना की गंभीरता को देखते हुए घटना के आरोपी राजीव तिवारी व उनके परिवार के चार लोगों के खिलाफ बीकापुर पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया।कोर्ट के आदेश पर थाना कोतवाली बीकापुर में राजीव तिवारी उनकी पत्नी अर्चना तिवारी, बहन मधु तिवारी एवं माता रामावती के विरुद्ध जान लेवा हमला करने सहित कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पीड़िता के अधिवक्ता कमलेश कुमार पाण्डेय व राजेन्द्र तिवारी के अनुसार पीड़िता संगीता बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के बल्लीपुर गांव की निवासी है। 28 जनवरी 2024 की सुबह घर के सामने सफाई कर रही थी। तभी उसके पड़ोसी राजीव तिवारी उसे गाली गुत्ता देते हुए ईंट गुम्मा से मारा। जब उसकी पुत्री वंदना लगभग 11:00 घर से बाहर निकली तो राजीव तिवारी के ललकारने पर मधु , अर्चना व रामावती ने मिलकर उस पर जानलेवा हमला कर दिया। सर में चोट लगने से वह बेहोश हो गई। वंदना को कान व आंख के पास भी गंभीर चोटे आई। पीड़िता अपनी पुत्री को लेकर थाना कोतवाली बीकापुर गई तो उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई और उसे डॉट कर भगा दिया। वंदना को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पीड़िता ने कही सुनवाई न होने पर अपने अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट के समक्ष घटना की रिपोर्ट दर्ज कराए जाने की याचना किया।

खाद के लिए इफको केंद्र और समितियों का चक्कर लगा रहे किसान

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। जनपद में रबी की खेती का अनुकूल समय तेजी से निकल रहा है। विशेषज्ञों की मानें तो नवम्बर माह गेहूं की बुआई महत्वपूर्ण होता है। लेकिन इफको केंद्रों व साधन सहकारी समितियों पर फास्फेटिक खाद का अकाल है। जहां थोड़ा बहुत है, भी वहां एक-एक बोरी खाद के लिए किसानों के माथे से पसीना टपक रहा है। आलम यह कि किसान भोर से लाइन लगा रहे हैं। बावजूद खाद मिलेगा अथवा नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है। प्राईवेट दुकानों पर खाद का भाव बेलगाम हो गया है। अवधनामा टीम ने जनपद के कई साधन सहकारी समिति पर पड़ताल की तो किसानों ने बताया कि एक सप्ताह से एक बोरी खाद के लिए दौड़ रहा हूं। लेकिन अभी तक खाद नहीं मिली। खेत की नमी तेजी से सुख रही है। इससे लगनें लगा है कि रबी की खेती पिछड़ जाएगी। इसी तरह की बात अन्य किसानों ने भी कही। इस समिति पर सुबह से शाम तक किसानों की भारी भीड़ उमड़ रही है। प्राईवेट दुकानों पर खाद इतना महंगा बिक रहा है कि उसे खरीदने में किसानों की हिम्मत टूट गई है। यही स्थिति इफको केंद्र महराजगंज पर भी है। यहां डीएपी/एनपीके खाद उपलब्ध नहीं है। इस वजह से किसानों की रबी की बुआई प्रभावित हो रही है। किसानों का आलम है कि बस नाम सुन जाए किसी के द्वारा कि इस केंद्र पर खाद है तो सुबह से ही जाकर लाइन में लग जाते हैं। जबकि किसान निराश हाथ ही घर लौट रहे हैं। इस बाबत इफको केंद्र महराजगंज के उप प्रबंधक जी टी ठाकुर से अवधनामा संवाददाता ने बात की श्री ठाकुर ने बताया कि रैक आने पर जो भी आवंटन के तहत खाद मिलेगा उसे किसानों में नियमानुसार वितरण किया जाएगा। हालांकि उन्होंने बताया कि समितियों पर खाद मिल रहा हैं।

डगरुपुर में डीएपी खाद के लिए किसानों ने किया प्रदर्शन

निचलौल (महराजगंज)। डगरुपुर साधन सहकारी समिति मंगलापुर जो डगरुपुर में स्थित है। समिति पर सोमवार की सुबह 2 सौ बोरी डीएपी खाद आया जैसे ही इसकी जानकारी क्षेत्र के किसानों को हुआ तो मंगलवार की भोर में ही समिति पर हजारों किसानों की भीड़ जुट गई। किसानों की भारी भीड़ देख सचिव व समिति अध्यक्ष बरगदवां थाने से खाद वितरण में पुलिस से सहयोग की मांग किया जिस पर मंगलवार की सुबह पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में खाद वितरण होना शुरु हुआ। खाद के लिए परेशान क्षेत्र के किसान समिति अध्यक्ष रविन्द्र कुमार तिवारी के नेतृत्व में साधन सहकारी समिति के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री व जिलाधिकारी को पत्र भेजकर समिति पर प्रयाप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने की मांग किया। उन्होंने ने बताया कि साधन सहकारी समिति मंगलापुर,डगरुपुर अन्तर्गत कुल 11 ग्राम पंचायतों के 32 मजरे निहित है जिसमें कुल खेतों का क्षेत्रफल लगभग 6 हजार है इसके वावजूद केवल दो सौ बोरी डीएपी खाद 10 टन आवंटन किया जा रहा है। इस दौरान विभूति यादव,राम आशीष, शंभू यादव, गंगासागर, रामरतन,राजू सहानी, रमेश चौधरी,रामशकल सहानी, राजेश यादव,लक्ष्मण, हरिश्चंद्र चौधरी आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मना चित्रगुप्त मंदिर का चतुर्थ स्थापना दिवस

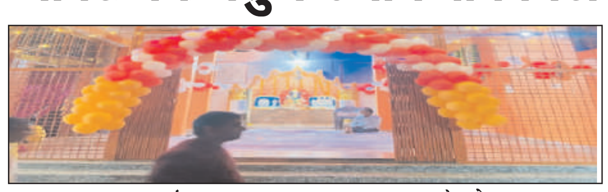

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। श्री चित्रगुप्त महासभा के तत्वावधान में नगर के बिस्मिल नगर मोहल्ले में चित्रगुप्त मंदिर का चतुर्थ स्थापना दिवस सोमवार को धूमधाम से मनाया गया। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम में पवन कुमार व उनकी टीम ने भक्ति गानों के साथ सबका मन मोह लिया। कायस्थों के आराध्य देव चित्रगुप्त की महिमा और कायस्थों के संबंध में खूब चर्चा की गई। सभा के पदाधिकारियों ने बताया कि यह मंदिर स्थापना का चतुर्थ दिवस है। जिसको लेकर कायस्थ समाज के लोगों में काफी उत्साह हैं। पदाधिकारियों ने बताया कि भगवान चित्रगुप्त कायस्थों के आराध्य देव है, कायस्थ समाज के लोग कलम दवात की पूजा कर अपने आराध्य देव को समर्पित करते हैं। संस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने भक्तिमय संगीत प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। वहीं मौके पर मौजूद लोगों ने उत्साहवर्धन किया। इस दौरान नायब अध्यक्ष आरसी लाल श्रीवास्तव, तहसीलदार विवेक कुमार श्रीवास्तव, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जयसवाल, डॉ चंदन कुमार श्रीवास्तव, जर्नलिस्ट प्रेस क्लब के अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव, राधे श्याम श्रीवास्तव जी, राज नारायन लाल श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, राकेश बिहारी लाल श्रीवास्तव, आकाश श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव मौजूद रहे।

दबंगों ने बस परिचालक को पीटा पुलिस बनी रही मूकदर्शक

रामनगर बाराबंकी। थाना रामनगर अंतर्गत बुढ़वल चौराहे पर बांदा बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग होने के चलते सभी प्रकार के वाहनों का ठहराव होता है। जिसके चलते प्राइवेट वाहनों से रंगदारी वसूली करने का मामला प्रकाश में आया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रावस्ती से लखनऊ जा रही एक प्राइवेट बस उ प्र 43 ए टी 4124 जब बुढ़वल चौराहे पर सुबह 8:30 बजे पहुंची तो गोविंदे गोस्वामी सहित लगभग डेढ़ दर्जन लोग बस में घुस गए और यह कहने लगे कि अगर इस रोड पर चलना है तो तुम्हें ढाई सौ रुपए प्रति दिन देने होंगे। जिस पर कहा सुनी होने लगी बस पर चढ़े अज्ञात युवकों ने मारपीट कर बस कंडक्टर से 16300 की नगदी भी छीन ले गए।

पावन को भी पावन करती है अयोध्या पुरीः अजय शास्त्री

अवधनामा संवाददाता

हैदरगढ़ बाराबंकी। श्री राम की अयोध्या पुरी पावन को भी पावन करने वाली है। यहां की भूमि वंदनीय है । क्योंकि अयोध्या का संबंध उन तीर्थों से है जो जीवों को मुक्ति प्रदान करते है। उक्त बात मानस मर्मज्ञ पंडित अजय शास्त्री ने ब्रह्मलीन बाबा प्रेमदास कुटी 108 लालता दास जी के द्वारा आयोजित 10 दिवसीय मानस सम्मेलन-महायज्ञ कार्यक्रम के अंतिम दिन कहीं। श्री शास्त्री ने बताया कि अयोध्या धाम में पापी से पापी व्यक्ति भी तर जाता है। उन्होंने कहा कि मथुरा, काशी, हरिद्वार सहित सात तीर्थो में ऐसा ही प्रताप है। लेकिन संतमत है कि अयोध्या पुरी का महत्व ही अलग है। क्योंकि मथुरा में बहने वाली यमुना भगवान सूर्य देव जी की पुत्री है।जो कि अयोध्या के सम्राट हैं। वहीं हरिद्वार में बहने वाली मां गंगा को अयोध्या के भागीरथी ही लाए थे। काशी नगरी में भी राम नाम का महत्व है। क्योंकि भगवान भोलेनाथ राम जी का सुमिरन किया करते हैं। अजय शास्त्री ने कहा कि सनातन धर्म राष्ट्र कल्याण शिक्षा देता है।हम पूरे विश्व में हर तरफ प्रसन्नता रहे इसके अनुयाई हैं। उन्होंने कहा कि कलयुग में राम नाम सुमिरन का अत्यधिक महत्व बताया गया है। सम्मेलन में देवी प्रसाद पांडे ने बताया कि अहंकार त्याग कर जो भगवान की भक्ति करता है। उसका कल्याण होता है। अयोध्या से पधारे संत पंडित दीन बंधुजी महाराज ने कहा कि सनातन संस्कृति विश्व के कल्याण का संदेश देती है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने सभी का कल्याण किया।

इस मौके पर प्रमुख रूप से राम तीरथ दास जी महाराज, अखिलेश्वर दास जी महाराज,पुजारी दास, तेज सिंह, सौरभ मिश्रा, दिलीप शुक्ला, ओमप्रकाश मौर्य , गोविन्द सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता कृष्ण कुमार द्विवेदी राजू भैया, राम फेर ,सच्चिदानंद मिश्रा ,श्याम सुंदर मिश्रा, दुःख हरण सिंह, रोहित कुमार मिश्रा, महेन्द्र मिश्र, अबिकेश सिंह, कुंवर बहादुर यादव, कृपा शंकर तिवारी, पवन चौरसिया सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

तस्करी का पांच बोरी खाद और गेहूं हुआ बरामद

निचलौल (महराजगंज)। ठूठीबारी भारत नेपाल सीमा ठूठीबारी क्षेत्र में तस्करी बदस्तूर जारी है। जिसके उपरांत कोतवाली पुलिस तस्करी पर लगाम लगाने के लिए धर पकड़ में जुट गई है। झरही नदी बंधा रोड के पास से

तस्करी कर नेपाल ले जाई जा रही तीन बाइक और दो साइकिल लदे यूरिया और डीएपी खाद तथा गेहूं पकड़े बरामद सामान को कस्टम एक्ट में चालान कर कस्टम कार्यालय को सुपुर्द कर दिया। पकड़े गये आरोपियों की पहचान उमेश रौनियार, छन्नू, पवन कुमार पटेल, बजरंग खटीक निवासी पाल्हिनन्दन गोपालपुर थाना पिपरहवा जिल्ला नवलपरासी नेपाल, तबरेज निवासी रमपुरवा थाना महेशपुर जिला नवलपरासी नेपाल को गिरफ्तार किया।

खाटू नरेश का मनाया गया जन्मदिवस

अवधनामा संवाददाता

सिसवा बाजार(महराजगंज)। सिसवा कस्बे के अंतर्गत एचडीएफसी बैंक के सामने श्री श्याम खाटू नरेश का 307 वां जन्मदिवस बड़े ही धूमधाम से केक काटकर मनाया गया द्य स्थानीय भजन गायक उत्सव शर्मा एवं पडरौना के भजन गायक राजेश रौनक ने अपने भक्ति गीत से सबको सराबोर कर दिया द्यइसके साथ ही भंडारे का भी आयोजन श्रद्धालुओं के लिए किया गया था, सभी श्रद्धालु एक स्वर में मिलकर बोले हैप्पी बर्थडे टू यू। मंगलवार को अपराह्न करीब बारह बजे सिसवा कस्बे में एचडीएफसी बैंक के सामने श्रीश्याम खाटू नरेश का जन्मदिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मारवाड़ी समाज के वरिष्ठ नागरिक मक्खन लाल शर्मा एवं आयोजक सुंदर दीप इंडिया निधि लिमिटेड के दीपक मद्धेशिया ने आये हुए खाटू नरेश प्रेमियों के साथ

मिलकर केक काटा। इस दौरान विजय अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, विकास जायसवाल, अवध किशोर सुल्तानिया, धीरज सिंघानिया, ऋषि जायसवाल सहित तमाम श्याम भक्त मौजूद रहे।

सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार को लेकर विधायक ने खोला मोर्चा

महाराजगंज। महाराजगंज लोक निर्माण विभाग द्वारा सिंदुरिया से सिसवा मार्ग का निर्माण कराया जा रहा है। जिसमें मानकों की अनदेखी करने के शिकायत सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग से करने के बाद मंगलवार को जिला मुख्यालय पर जिलाधिकारी महाराजगंज को भी शिकायती पत्र देकर जांच कराते हुए दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की बात की। विधायक ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री भारत सरकार पंकज चौधरी और हम जनप्रतिनिधियों के अथक प्रयास से सिंदुरिया सिसवा मार्ग के निर्माण की स्वीकृति मिली। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और कार्यदायी संस्था के मिलीभगत से सड़क निर्माण में व्यापक धांधली और भ्रष्टाचार किया जा रहा है। हमारी सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाती है।

खाद बीज के लिए दर दर भटक रहे बढ़नी क्षेत्र के दर्जनों किसान

बढ़नी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। रबी की बुवाई शुरू हो चुकी है। इस समय किसानों को सरसों, मटर, मसूर, गेहूं चना आदि बीज के साथ ही डीएपी व यूरिया जैसे उर्वरक की सख्त जरूरत है। लेकिन समय पर आवश्यकता अनुसार खाद बीज नही मिलने से बढ़नी- क्षेत्र के किसान दर दर भटकने को मजबूर हो गये है। क्षेत्रीय किसानों का कहना है कि हम लोगों को जैसे ही पता चलता है कि उक्त सहकारी समिति या राजकीय कृषि बीज गोदाम पर खाद बीज वितरण के लिए आया है। तो हम लोग समय से ही पहुंच जाते हैं। लेकिन भीड़ इतना अधिक होती है कि घंटों लाइन में लगने के बावजूद भी जरुरत भर की खाद बीज मिलना मुश्किल हो जाता है। कभी थोड़ा बहुत मिल जाता है तो कभी खाली हाथ ही वापस लौटना पड़ता है।

वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक बने निरुपम द्विवेदी

सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा जिले के मिठवल ब्लॉक के ग्राम नरही के रहने वाले निरुपम द्विवेदी पुत्र अंबरीश द्विवेदी का चयन वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक के पद पर हुआ है। श्री द्विवेदी वर्ष 2016 में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में शामिल हुए थे।2024 में आयोग द्वारा इनका साक्षात्कार हुआ और परिणाम घोषित किया गया जिसमें निरुपम द्विवेदी का चयन वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक के पद पर हुआ। निरुपम द्विवेदी का चयन वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक के पद पर होने से घर परिवार व शुभ चिंतकों में खुशी की लहर है।इस सफलता पर सांसद जगदंबिका पाल, पूर्व सांसद डॉ.चंद्रशेखर त्रिपाठी,अनुपम द्विवेदी, राजेन्द्र दूबे,रिंकू श्रीवास्तव,रवि,विनय दुबे,देवेंद्र धर द्विवेदी सहित सभी शुभ चिंतकों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य का कामना किया है।

विधायक ने सहकारिता मंत्री से की मुलाकात

बढ़नी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने मंगलवार को प्रदेश के सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर से लखनऊ स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात किया। इस दौरान उन्होंने काला नमक चावल के भण्डारण के लिए अत्याधुनिक व बड़े गोदामों की आवश्यकता को मंत्री को बताया। उन्होंने बताया कि शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में काला नमक चावल का उत्पादन अधिक होता है, लेकिन उसके भण्डारण के लिए अत्याधुनिक व बड़े गोदामों की कमी है। भविष्य में बढ़ती आबादी व पीडीएस में अनाजों के वितरण की जरुरत को देखते हुए यह जरुरी है कि शोहरतगढ़ व बढ़नी ब्लाक में 25 हजार एमटी के एक-एक गोदाम/भण्डारण गृह बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया जायें। जिसके बाद सहकारिता मंत्री ने विधायक को भण्डारण गृह बनवाने का आश्वासन दिया।

डॉ सुरेशलाल श्रीवास्तव भारतीय रत्न से सम्मनित

अम्बेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। तुरकानी बाग, गयासपुर के मूल निवासी तथा राजकीय हाई स्कूल जहाँगीरगंज, अम्बेडकरनगर के प्रधानाचार्य, श्रीमती उर्मिला देवी व स्वर्गीय रामेश्वर लाल के लाल डॉ. सुरेश लाल श्रीवास्तव को वार्थी वेलनेस फाउंडेशन द्वारा भारतीय रत्न सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया। फाउंडेशन के संस्थापक व निदेशक राम मोहन बाजपेयी ने सुरेश लाल कोडॉ. एपीजे अब्दुल कलाम भारतीय रत्न सम्मान से सम्मानित करते हुए कहा कि श्री श्रीवास्तव को यह सम्मान बतौर एक लेखक, कवि व स्तम्भकार शिक्षा एवं साहित्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदानों के लिए दिया गया। नौ सौ से अधिक रचनाओं और 800 से अधिक सम्मान पत्रों तथा चार दर्जन से अधिकअवॉर्ड हासिल करने वाले डॉ. सुरेश लाल श्रीवास्तव को अभी हाल में ही संगम अकादमी कोटा, राजस्थान द्वारा लाल बहादुर शास्त्री स्मृति सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया।श्रीवास्तव की इन उपलब्धियों के लिए शिक्षा व साहित्य जगत से जुड़े लोगों तथा क्षेत्रवासियों ने बधाईयाँ दीं हैं।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने लगाई फांसी

उरई (जालौन) अवधनामा संवाददाता। मलकपुरा रोड स्थित ग्राम छिरिया में 27 वर्षीय युवक राहुल दोहरे ने गमछे का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक ने अपने झोपड़ी में इस घटना को अंजाम दिया। परिवारजनों ने बताया कि राहुल ने चार साल पहले लव मैरिज की थी। शादी के बाद दोनों गांव छिरिया में रहने लगे थे। जानकारी के अनुसार, दो महीने पहले राहुल की पत्नी किसी बात को लेकर नाराज होकर मुंबई चली गई थी। हाल ही में फोन पर दोनों के बीच किसी बात पर विवाद हुआ था, जिसके बाद राहुल मानसिक रूप से काफी तनाव में था। इसी तनाव के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। राहुल अपने पीछे दो वर्ष का बेटा भी छोड़ गया है, जो अब पिता के साये से वंचित हो गया है।इस घटना के बाद घरवालों का रो-रो कर बुरा हाल है।

भारतभारी में लगने वाले प्रसिद्ध मेले का डीएम ने विधि-विधान से पूजन कर किया शुभारंभ

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर ऐतिहासिक स्थल भारतभारी में लगने वाले प्रसिद्ध मेले का फीता काटकर एवं विधि विधान से पूजा कर शुभारंभ किया। जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाले प्रशासनिक मेले को राजकीय मेले का दर्जा प्राप्त होगा। स्थानीय स्तर से फाइल शासन स्तर को भेज दी गई है। भारतभारी स्थल का हर स्तर से विकास किया जाएगा। वंदन योजना के तहत 2 करोड़ रुपए शासन से प्राप्त हो चुके हैं। डीपीआर तैयार है जल्द ही विकास कार्य शुरू हो जाएंगे। मेले के दौरान अब तक इकट्ठा धनराशि का प्रयोग मंदिर के चौमुखी विकास के लिए किया जाएगा। इसके लिए प्रशासनिक समिति व स्थानीय लोगों से सुझाव लिए जाएंगे। इस पर कार्य लगातार हो रहे हैं। कार्तिक पूर्णिमा पर अखंड कीर्तन, भजन-पूजन, भंडारा व स्नान ध्यान प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी चलेगा। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी संजीव दीक्षित, उपजिलाधिकारी न्यायिक डुमरियागंज करमेंद्र, सीओ सतीश चंद्र पाण्डेय, तहसीलदार रवि कुमार यादव, ईओ भारतभारी राजन गुप्ता, मेला व्यवस्थापक रमेश चंद्र श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

डीएम की मौजूदगी में कु. मनीषा ने किया प्रा. स्वा. के. का शिलान्यास

आफ़ताब रिज़्वी

कु. मनीषा ने यूपी बोर्ड के हाईस्कूल परीक्षा में प्राप्त किया था सर्वोत्तम अंक

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 2024 की हाई स्कूल परीक्षा में सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाली राजकीय उ0मा0 वि0 कूडी, डुमरियागंज की छात्रा कु0 मनीषा पुत्री लालमन द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र डुमरियागंज का शिलान्यास किया गया। शिलान्यास के दौरान जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, उपजिलाधिकारी डुमरियागंज संजीव दीक्षित भी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्वारा कु0 मनीषा को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।जिलाधिकारी ने कहा कि मेरे द्वारा 3 माह पूर्व निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जर्जर अवस्था में था। मेरे द्वारा त्वरित संज्ञान लेकर भवन के ध्वस्तीकरण हेतु शासन से अनुमति लेकर ध्वस्त कराया गया। इसके पश्चात क्रिटिकल गैप से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र डुमरियागंज का शिलान्यास किया जा रहा है। इसके बन जाने से यहां के लोगो को इलाज कराने में सुविधा होगी। प्रशासन की कोशिश रहेगी बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र/छात्रा से इस भवन का उद्घाटन कराया जायेगा। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 2024 की हाई स्कूल में सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाली राजकीय उ0मा0 वि0 कूडी, डुमरियागंज की छात्रा कु0 मनीषा पुत्री लालमन द्वारा विधि विधान से भूमि पूजन कर शिलान्यास किया गया। इस भवन का निर्माण कार्यदायी संस्था सीएनडीएस द्वारा कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को निर्देश देते हुए कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण 3 माह में एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

एसडीएम ने पीएचसी की नई निर्माण होने वाले भवन के स्थल का किया निरीक्षण

पीएचसी के नये भवन का भूमिपूजन आज, तैयारी पूरी

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज नगर पंचायत के वार्ड नं. 13 लक्ष्मणनगर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भवन जर्जर हो था। भवन ध्वस्तीकरण के बाद नवीन भवन निर्माण के मंगलवार को भूमि पूजन किया जाएगा। जिसकी तैयारी को लेकर एसडीएम सहित अन्य अधिकारियों ने मौके पर जायजा लिया।

सोमवार को एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित ने कहा कि न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का भवन काफ़ी जर्जर हो गया था। जिसको लेकर स्थानीय लोगों की मांग पर शासन द्वारा नये भवन निर्माण के लिए स्वीकृति मिल गई। पुराने भवन का ध्वस्तीकरण करके मलबा निलामी के बाद नया भवन निर्माण के लिए मंगलवार को भूमि पूजन जिलाधिकारी राजा गणपति आर व पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह आदि की मौजूदगी में संपन्न होगा। उन्होंने कहा कि भूमि पूजन की तैयारियां पूरी कराने के लिए निरीक्षण किया गया है। इस दौरान बेवा सीएचसी अधीक्षक विकास चौधरी, ईओ महेश प्रताप श्रीवास्तव, महंत मिश्रा, हैदर आदि मौजूद रहे।

प्रदेश की भाजपा सरकार आमजन के मुद्दों पर पूर्ण रूप से विफल है : इकरा हसन

टांडा अंबेडकरनगर दानिश मेहदी। समाजवादी पार्टी प्रत्याशी को उपचुनाव में जीतने के लिए कैराना की सांसद इकरा हसन तथा मछली शहर की विधायक रागिनी सोनकर ने इल्तिफातगंज स्थित हाजी नुरुल्लाह विद्यालय में एक जनसभा को संबोधित किया। अंबेडकर नगर के सांसद लाल जी वर्मा के नेतृत्व में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए इकरा हसन ने भाजपा सरकार पर बदले की भावना से कार्य करने तथा जनहित के मुद्दों पर पूरी तरह से विफल बताते हुए कहा कि भाजपा समाज में नफरत पैदा कर वोट बटोरने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता अब इस सरकार से ऊब चुकी है। कार्यक्रम को मछली शहर की विधायक रागिनी सोनकर ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर टांडा विधायक राममूर्ति वर्मा, सांसद अंबेडकर नगर लाल जी वर्मा, जिलाअध्यक्ष जंग बहादुर यादव, जिला महासचिव मुजीब अहमद उर्फ सोनू के अतिरिक्त मुसाब अजीम, कांग्रेस नेता मेराजुद्दीन किछौछवी ,विधायक नफीस अहमद जिला पंचायत सदस्य विजय यादव, इल्तिफातगंज नगर पंचायत प्रतिनिधि इरफान अहमद, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि निजाम अहमद उसैद सिद्दीकी सरवर बेग, बजहुल बेग ,गोलू यादव आदि बड़ी संख्या में महिलाएं भी उपस्थित रही।

भूमाफिया के प्रभाव में डुमरियागंज पुलिस व प्रशासन

अपर जिलाधिकारी के आदेश के बावजूद पांच में से सिर्फ एक मामले में दर्ज हुई एफआईआर

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। मामला सिद्धार्थनगर जनपद के डुमरियागंज तहसील और थाने से जुड़ा है। यहां भूमाफिया शबरेज़ हसनैन उर्फ बिल्डर पुत्र जियाउल हसनैन द्वारा लोगों की जमीनों पर गलत तरीके से कब्ज़ा करने, राजस्व अभिलेखों में छेड़छाड़ कर फर्जी बैनामा कराने लाखों की ज़मीन कौड़ियों के भाव लेकर भूमिधर को बेवकूफ बनाने और पैसा लेकर भी जमीन बैनामा न करने सम्बन्धी तमाम आरोप तहसील दिवस के मौके पर जिलाधिकारी के समक्ष लगाये गए। तहसील दिवस पर प्राप्त 9 शिकायतों की जांच के लिए तहसीलदार डुमरियागंज द्वारा राजस्व जांच टीम का गठन किया गया जिसमें से 5 शिकायतों में भूमाफिया शबरेज़ उर्फ बिल्डर पर लगा आरोप सत्य पाया गया। इस बात का खुलासा अपर जिलाधिकारी (वि/रा), सिद्धार्थनगर के उप जिलाधिकारी डुमरियागंज को भेजे पत्र से हुआ। पत्र में एसडीएम डुमरियागंज को 7 दिन में कार्यवाही करने को कहा गया था। 5 अक्टूबर 2024 को जिलाधिकारी के कार्यालय के पत्रांक 117/शिकायत सहायक/2024 जो अपर जिलाधिकारी (वि/रा) द्वारा भेजा गया उस पर कार्यवाही करते हुए उप जिलाधिकारी, डुमरियागंज ने 8 नवम्बर 2024 को थाना प्रभारी डुमरियागंज को विधिक कार्यवाही करने को कहा है लेकिन पत्र में यह भी लिख दिया कि आवेदकों द्वारा तहरीर प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। अब मामला यह बन रहा है कि जब सक्षम अधिकारी द्वारा गठित टीम ने आरोप की सत्यता जांच ली और 9 में से 5 मामलों में आरोप सही पाया गया तब फिर प्रशासन क्यों तहरीर का इंतज़ार कर रहा है। आपको बताते चलें कि बिल्डर के जुर्म की फ़ेहरिस्त बहुत लंबी है और अपने गैरकानूनी कृत से उसने अकूत सम्पत्ति अर्जित कर लिया है। शबरेज़ हसनैन उर्फ बिल्डर का शिकंजा डुमरियागंज पुलिस प्रशासन और निबंधक कार्यालय पर इतना मजबूत है कि कोई चाहकर भी उसका बालबिका नही कर सक । पीड़ित इधर उधर दौड़ते रहे लेकिन आज तक बिल्डर के खिलाफ कुछ नही कर सके। बाद में जब जिलाधिकारी ने मामले को संज्ञान में लिया तो बिल्डर के आर्थिक अपराध और जालसाजी परत दर परत खुलकर सामने आ गई। बहरहाल अभी भी 5 में से सिर्फ एक मामले में ही प्राथमिकी दर्ज हो पायी है जो इस बात का प्रमाण है कि बिल्डर के भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहराई तक फैली हुई है और बिल्डर का पुलिस प्रशासन में यही प्रभाव एफआईआर की जांच को प्रभावित कर सकता है।

जनपद मे अवैध नर्सिंग होम व डायग्नोस्टिक सेंटरो की भरमार

अवधनामा संवाददाता

प्रतिष्ठित अस्पतालों का साइन बोर्ड लगाकर संचालक दे रहे विभाग को चकमा

अम्बेडकरनगर। जनपद मुख्यालय अवैध नर्सिंग होम और डायग्नोस्टिक सेंटरों की मंडी बनता जा रहा है।हालत ये है कि संचालकों की डिग्री का अता-पता नहीं है और विभागीय अधिकारी इस पर अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं। संचालक बेहतर इलाज का दावा कर मरीजों को भर्ती कर मोटी रकम वसूल रहे हैं। बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं अस्पताल किया जाता है अबॉर्शन। जिले के प्रमुख कस्बों में बिना पंजीकरण के अस्पताल एवं मेडिकल क्लीनिक चलाने की होड़ मची है।

जनपद में बिना रजिस्ट्रेशन के अस्पताल धड़ल्ले से चल रहे हैं जहां पर अबॉर्शन भी किया जाता है मीडिया की पड़ताल में बड़ा खुलासा हुआ फैजाबाद रोड पर स्थित लाल ब्रदर्स पेट्रोल पंप के निकट परिवार हॉस्पिटल का मीडिया द्वारा स्टिंग ऑपरेशन किया गया और इसका खुलासा किया गया जानकारी मिली थी कि फैजाबाद रोड पर स्थित परिवार हॉस्पिटल में अबॉर्शन किया जाता है मिली जानकारी के अनुसार इस अस्पताल का रजिस्ट्रेशन भी नहीं है मामले में मीडिया द्वारा पड़ताल किया गया और वहां पर स्थित डॉक्टर से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि 10000 प्लस अबॉर्शन का लगेगा आप अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट हमें दे दीजिए उसके उपरांत हम आपको निश्चित बता पाएंगे कि आपका कितना लगेगा। आखिर जनपद में मौत का सिलसिला चल रहा है , सीएमओ के कार्यवाही पर उंगलियां उठती दिख रही है सीएमओ अम्बेडकर नगर राजकुमार से पत्रकारों द्वारा जब लिस्ट मांगी जाती है तो वे गोपनीय है कहके पल्ला झाड़ देते हैं। मिली जानकारी अनुसार जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजकुमार द्वारा वसूली के बाबत कार्य किया जाता है मीडिया पर पड़ताल करती है और मुख्य चिकित्सा अधिकारी वसूली आखिर जनता को कैसे पूर्ण विश्वास हो कि हम जहां इलाज करने जा रहे हैं वह पूरी तरह से सुरक्षित है। मीडिया द्वारा खबर चलाने के बाद सीएमओ द्वारा फॉर्मेलिटी नोटिस देकर पूरी कर दी जाती है और फिर वसूली का सिलसिला चलता है किसी प्रकार का हादसा होने पर कुछ दिन जनपद की जिम्मेदार अधिकारी अलर्ट होते हैं और जैसे-जैसे धन लक्ष्मी के दर्शन होते हैं फिर शांत हो जाते हैं।

मिशन शक्ति फेज 5 अंतर्गत पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

बांसी सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज 5 अंतर्गत मंगलवार को राम प्यारी देवी सरोजनी सिंह इंटर कालेज कलनाखोर मे प्रबंधक योगेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में विद्यालय के नौवीं और दसवीं के बच्चों के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिला कल्याण विभाग के तरफ से विधि सह परिवीक्षा अधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि पेंटिंग से लोगों को बिना शब्दों के अपनी भावनाओं और संवेदनाओं को व्यक्त करने का मौका मिलता है।

कभी-कभी खुलकर बात करना मुश्किल हो सकता है, इसलिए पेंटिंग आंतरिक विचारों को व्यक्त करने का एक शानदार तरीका है। पेंटिंग करने वाले लोग शर्म को दूर करने और अपने व्यक्तित्व को व्यक्त करने के लिए कला का उपयोग करते हैं ।पेंटिंग हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाने में मदद करती है। पेंटिंग एक ऐसी कला है जो सकारात्मक विचारों और अतीत के समय, पसंदीदा स्थानों, व्यक्तियों या घटनाओं की अच्छी यादों को जगाता है। इसके बाद उन्होंने महिला कल्याण विभाग से संबंधित सभी योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य, स्पॉन्सरशिप योजना, वाल विवाह योजना, बाल श्रम, की रोकथाम, वन स्टॉप सेंटर, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, तथा चाइल्ड लाइन 1098, एवं महिला हेल्प लाइन नम्बर 181 घरेलू हिंसा से सम्बंधित जानकारी दिया। रोमा पांडेय ने बालिकाओं से संबंधित महिला सशक्तिकरण की जानकारी दिया। पेंटिंग प्रतियोगिता मे रिमझिम, गीता ,शीतल साहनी, रिया सिंह, नक्की साहनी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। अवसर पर प्रधानाचार्य उपेन्द्र कुमार, शिक्षक रमेश उपाध्याय, शैलेन्द्र सिंह, संजय पाण्डेय, ब्रह्मानंद द्विवेदी ,अशोक पाण्डेय, संजय सिंह, कल्पना द्विवेदी, रिमझिम सिंह, रामलौट यादव सहित काफी संख्या में विद्यालय के बच्चे उपस्थित रहे।

युवती के साथ जबरिया छेड़छाड़ करने के मामले में पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

जलालपुर अंबेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। युवती के साथ जबरिया छेड़छाड़ करने व मारपीट करने के मामले में पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर एससी एसटी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। मामला जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है। पीडिता की मां ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि बीते सोमवार को पिंटू पुत्र लाल मोहम्मद और सुनील पुत्र लाल मोहम्मद मेरी पुत्री घर पर अकेली थी जिसमें दोनों लोगों ने पुत्री से जबरन छेड़खानी करने लगे पुत्री के विरोध करने पर पिंटू एवं सुनील ने मेरी पुत्री पर धारदार हथियार से आक्रमण कर दिया जिससे मेरी पुत्री के उंगली में काफी चोट आई उसकी सहेली भी को भी चोट आई है ।पुलिस ने पीडिता की मां की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध छेड़छाड़ एससी एसटी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल शुरू कर दिया है।

परिवारिक अंतर्कलह के चलते युवक ने दी जान

अवधनामा संवाददाता

जलालपुर अंबेडकरनगर। पारिवारिक कलह के चलते 45 वर्षीय व्यक्ति ने बंद कमरे में फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। मामला मालीपुर थाना क्षेत्र के कजरी नंदापुर गांव का है उक्त गांव निवासी 45 वर्षीय अशोक कुमार पुत्र राम सिंगर ने मंगलवार को कमरा बंद कर छत से रस्सी के सहारे फांसी लगा लिया काफी देर बाद जब गांव के लोग पहुंचे और बुलाने लगे जब दरवाजा खोलने का प्रयास किए तो दरवाजा नहीं खुला। तत्पश्चात ग्रामीणो द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर फांसी से लटक रहे व्यक्ति के शव को नीचे उतरवाया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। जानकारी के अनुसार इसके घर पर कोई नहीं था और पत्नी मायके थी। थाना अध्यक्ष प्रभागकांत तिवारी ने बताया कि मृतक के मौत का कारण स्पष्ट नहीं है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

राष्ट्र उत्थान को हमेशा अग्रसर भूमिका में रहे अधिवक्ता : प्रशांत सिंह

अवधनामा संवाददाता

बार एसोसिएशन डुमरियागंज के नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का हुआ शपथ ग्रहण, पदाधिकारियों ने ली पद व गोपनीयता की शपथ

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील परिसर में मंगलवार को डुमरियागंज बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि यू पी बार काउंसिल के मौजूदा सदस्य व पूर्व अध्यक्ष एवं उच्च न्यायालय के अधिवक्ता प्रशांत सिंह अटल व विशिष्ट अतिथि सिविल जज जू. डि. उमाम जाहिद सम्मलित हुए। उन्होंने बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाया और बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवनिर्वाचित अध्यक्ष व महामंत्री ने मुख्य अतिथि को बुके, अंगवस्त्र व मोमेंटो भेंटकर स्वागत सत्कार किया। इस दौरान नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व वरिष्ठ अधिवक्ताओं का माल्यार्पण कर व बैज लगाकर स्वागत सम्मान किया गया। अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य व पूर्व अध्यक्ष प्रशांत सिंह अटल ने कहां कि देश की आजादी से लेकर अब तक अधिवक्ता समाज का अमूल योगदान रहा है, अधिवक्ता हमेशा राष्ट्र उत्थान के लिए अग्रसर भूमिका में रहा है, देश को परम बैभब के शिखर पर ले जाने में अधिवक्ता के कंधे पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रही हैं। इस दौरान सिविल जज जू. डि. उमाम जाहिद ने कहां कि बार व बेंच का तालमेल बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। अधिवक्ताओं की जो समस्याएं सामने आएंगी, उन्हें मिल बैठकर निपटाया जाएगा। उन्होंने बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों से सहयोग बनाए रखने की अपील किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिवक्ता रामचंद्र सहाय, राधेश्याम सिंह, मलिक इकबाल यूसुफ, प्रेमशंकर उर्फ भोला श्रीवास्तव, कृष्ण मोहन श्रीवास्तव, राम कृष्ण मिश्रा, महबूब आलम खां आदि ने नई कार्यकारिणी से अधिवक्ता व वादकारी हितों के लिए कार्य करने का संकल्प लेने की बात, जिसका पदाधिकारियों द्वारा पालन करने का आश्वासन दिया गया। इस दौरान अध्यक्ष एडवोकेट वीरेन्द्र सिंह, महामंत्री एडवोकेट शिवशंकर चतुर्वेदी को प्रथम छह माह और राकेश श्रीवास्तव छह माह बाद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवपूजन श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष प्रशासनिक मो. इसराइल अहमद फारूकी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष विकास सिंह, अखिलेश मिश्रा, संयुक्त मंत्री प्रशासन भारत भूषण, संयुक्त मंत्री प्रशासक गंगोत्री प्रसाद त्रिपाठी, पुस्तकालयाध्यक्ष अशोक कुमार श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार त्रिपाठी, सदस्य कार्यकारिणी वरिष्ठ पद पर एडवोकेट मोनिश हैदर रिज़्वी, अवधेश कुमार राही, मो. हारून, हरिश्चंद्र सिंह, उदय सिंह, दीनदयाल यादव और सदस्य कार्यकारिणी कनिष्ठ पद पर एडवोकेट महेश कुमार मौर्या, रामपाल सिंह, संदीप कुमार श्रीवास्तव, धर्मपाल चौधरी, खुर्शीद खान, रमन श्रीवास्तव आदि ने शपथ ग्रहण करने के दौरान दायित्वों का ईमानदारी के साथ निर्वहन करने का भरोसा दिलाया।

कार्यक्रम का संचालन माधवेंद्र मिश्रा ने किया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता रमापति सिंह ने आए हुए सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। इस दौरान सिद्धार्थ सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यदेव सिंह, नायब तहसीलदार महबूब आलम, इंद्रमणि पाण्डेय, हरीराम, गंगा प्रसाद गुप्ता, शक्ति प्रकाश, अंकित पाण्डेय, अवध बिहारी सिंह, मो. हुसैन, विनोद कुमार सिंह, रविंद्र श्रीवास्तव, ओंकार श्रीवास्तव, इंद्रासन त्रिपाठी, शोएब फारूकी, आदिल, पारस नाथ श्रीवास्तव आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

जलवायु कोष का सम्मेलन

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन का सालाना सम्मेलन 'कॉप 29' अजरबेजान की राजधानी बाकू में 11 नवंबर से शुरू हुआ है। सम्मेलन और संवाद करीब 15 दिनों तक चलेंगे। सम्मेलन का बुनियादी थीम 'वित्तपोषण' तय किया गया है। करीब 15 साल के बाद जलवायु कोष और संसाधनों के दिशा-निर्देश तय किए जाएंगे। जलवायु परिवर्तन के क्रांतिकारी प्रयास निरंतर जारी रहें, उनके लिए आर्थिक संसाधनों की ऐसी चिंता पहली बार की गई है। यह सिर्फ विकासशील, गरीब, पिछड़े देशों की ही समस्या नहीं है, बल्कि बड़े और विकसित देश भी चक्रवात, तूफान, बाढ़ जैसी बारिश, मरुस्थल जैसे सूखे और बढ़ती गर्मी को झेलते रहे हैं। वहां भी व्यापक नुकसान होता है, लोग हताहत होते हैं। जलवायु की गर्मी और निरंतर परिवर्तन वैश्विक समस्या है। जब 'कॉप 29' का सम्मेलन आरंभ हुआ है, तब दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमरीका में डोनाल्ड ट्रंप नए राष्ट्रपति चुने गए हैं। ट्रंप ने पिछले कार्यकाल में 'पेरिस जलवायु समझौते' को खारिज करते हुए अमरीका को उससे अलग कर लिया था। इस बार जब राष्ट्रपति ट्रंप का दूसरा कार्यकाल शुरू होगा, तब भी अमरीका की सोच और रवैया पूर्ववत ही होगा, ऐसे संकेत मिल रहे हैं। 'कॉप 29' के सामने अनिश्चित भविष्य और वित्तीय संकट हैं। जलवायु परिवर्तन के 2009 के 'कोपेनहेगन सम्मेलन' के दौरान तय किया गया था कि विकसित देश 2020 तक 100 अरब डॉलर प्रति वर्ष का कोष जुटाएंगे। उससे कमजोर, गरीब, विकासशील देशों की मदद की जाएगी, ताकि वे जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को संबोधित कर सकें। 2022 तक लक्ष्य आंशिक तौर पर ही हासिल किया जा सका। इस दौरान 'ग्लोबल साउथ' के वित्तीय बोझ उससे कई गुना बढ़ गए, जिसके अनुमान 'कोपेनहेगन सम्मेलन' के दौरान लगाए गए थे। 'कॉप 29' बाकू में नया वित्तीय लक्ष्य तय करेगा। चूंकि अमरीका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और सबसे अधिक 'ग्रीन हाउस गैसों' का उत्सर्जन भी करता है, लिहाजा अमरीका को अपनी जिम्मेदारियों से भागना नहीं चाहिए।

यदि ऐसा होता है और अमरीका जलवायु परिवर्तन समझौते से अलग रहता है, तो 'कॉप 29' के लक्ष्यों को पूरा नहीं किया जा सकता। इस बार चीन और खाड़ी देशों के वित्तीय योगदान के भी प्रयास किए जा रहे हैं। जो देश ऐसे योगदान से इंकार करते रहे हैं, क्योंकि उन देशों के लिए जलवायु संकट के हालात नहीं हैं, उनसे भी आर्थिक मदद मांगी जाएगी। उन देशों का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अमीर पश्चिमी देशों की तुलना में नगण्य-सा है। तेल और गैस का योजनाबद्ध विस्तार का आधे से ज्यादा हिस्सा पांच अमीर देशों का ही है। यह गौरतलब रहेगा कि बाकू सम्मेलन के दौरान भू-राजनीतिक न्याय, विकास और कर्ज सरीखे मुद्दों पर क्या संवाद होता है और क्या निष्कर्ष सामने आते हैं? लेकिन यह बिल्कुल ही 'विनाश और अंधकार' की स्थिति नहीं है। 'कॉप फेमवर्क' के समानांतर निजी क्षेत्र ने भी अपनी प्रतिबद्धताएं निभाई हैं। सरकारों और जनहितैषी वर्ग ने भी काम किए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा पहले की अपेक्षा सस्ती है। सौर ऊर्जा भी पिछले दशक की तुलना में 90 फीसदी सस्ती हुई है। बैटरी भंडारण और पवन ऊर्जा में भी नाटकीय सुधार हुए हैं। चीन का उत्सर्जन चरम पर पहुंच चुका है और अब दशक के अंत तक कम होना शुरू हो जाएगा। फिर भी ये विकास, सुधार और प्रयास जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के सामने 'बौने' हैं। बाकू सम्मेलन इस मुद्दे पर बंटे हुए विश्व को एकजुट करने का प्रयास साबित होगा, वैश्विक हित सामूहिक होंगे, यह 15 दिन के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। इस बार सम्मेलन ज्यादा मजबूत आधार पर शुरू हुआ है, संवाद भी सशक्त रूप से होंगे। अभी तक कॉप के प्रतिनिधि एक खास तरह का कोष गठित करने पर सहमत हुए हैं। भारत यह मांग करने में अग्रसर रहा है कि देशों को 2030 तक एक ट्रिलियन डॉलर का कोष जुटाना चाहिए। भारत और चीन समेत कई देश जलवायु कोष को लेकर सख्त संवाद कर सकते हैं। यूरोपीय संघ जैसे विकसित देशों की भी इच्छा है कि प्रति वर्ष एक ट्रिलियन डॉलर का कोष जुटाया जाए, ताकि गरीब, पिछड़े, संवेदनशील देशों को जलवायु परिवर्तन के थपेड़ों से बचाया जा सके। बेहतर यह होगा कि विकसित देश अपने दायित्वों से दूर न भागें। विशेषकर अमरीका से अपेक्षा रहेगी कि वह अपने दायित्वों को निभाएं। यह एक ऐसा मसला है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग से ही सुलझाया जा सकता है। आशा है कि विकसित देश विकासशील देशों की समस्याओं और अपेक्षाओं को समझेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप और चीन-पाकिस्तान की बढ़ती चिंता-बेचैनी

संजीव ठाकुर

डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी 47वें राष्ट्रपति बनने के साथ ही पाकिस्तान की सरकार में मायूसी छा गई है। पाकिस्तान सरकार के विरोधी जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से डोनाल्ड ट्रंप के अच्छे रिश्तों के चलते पाकिस्तान सरकार घबराई हुई है। वैसे भी डोनाल्ड ट्रंप चीन के घोर विरोधी है और एशिया में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके अच्छे रिश्तो ने पाकिस्तानऔर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की बेचैनी को बढ़ा दिया है। डोनाल्ड ट्रंप चीन विरोधी होने के साथ-साथ पाकिस्तानी नीतियों को भी पसंद नहीं करते हैं। इसके अलावा वे बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस को भी बर्दाश्त नहीं करेंगे क्योंकि मोहम्मद यूनुस ने डोनाल्ड ट्रंप की खुलकर आलोचना की थी ऐसे में अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही एशिया की नीतियों के प्रति उनका नजरिया स्पष्ट रूप से बदल जाएगा।

पाकिस्तान नागरिक विद्रोह की आग में जल रहा हैद्य यह इतिहास में पहली बार हुआ है कि पाकिस्तान में सेना और आम नागरिक आमने-सामने हैं. इमरान खान को कई केसों में जेल भेज कर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर छोड़ना पड़ा, पर इमरान पूरी तरह से अभी छूटे नहीं हैद्य इमरान की गिरफ्तारी में उनके समर्थकों ने सड़क पर आकर जो तोड़फोड़ और सरकारी संपत्ति का नुकसान किया है उस घटना ने पाकिस्तान को 20 साल पीछे धकेल दिया है। शहवाज शरीफ की सरकार बुरी तरह से घबराई हुई है और वहां के सेना के जनरल मुनीर मार्शल लॉ लगाने की तैयारी में हैद्य यह उल्लेखनीय है कि सेना के 6, 7 कमांडर इमरान खान के खुले समर्थक हैं इस स्थिति में मार्शल ला लगना भी संभावित नहीं दिखाई दे रहा है।

पाकिस्तान पहले से ही परेशान, कर्ज में डूबा हुआ और महंगाई, बेरोजगारी से बुरी तरह त्रस्त रहा हैद्य शहबाज शरीफ सरकार के पास शासन चलाने के लिए पर्याप्त धनराशि भी नहीं हैद्य शरीफ के पास सरकार चलाने का पर्याप्त अनुभव भी नहीं हैद्य 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद पाकिस्तान सरकार में 18 प्रधानमंत्रियों में से एक प्रधानमंत्री भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सका है ।करेला ऊपर से नीम चढ़ा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पाकिस्तानी सेना और शाहबाज शरीफ सरकार की नाक में दम कर रखा है। रावलपिंडी में इमरान खान पर गोली दागने से क्रोधित समर्थकों ने कई जगह सेना पर आक्रमण कर मेजर जनरल, गृहमंत्री राणा और प्रधानमंत्री के निवास को घेरकर तोड़फोड़ की है। इमरान खान के समर्थक अब रावलपिंडी से इस्लामाबाद तक लोंग मार्च करेंगे और सेना तथा सरकार का खुलकर विरोध करने वाले हैं। 1947 से स्वतंत्रता के बाद यह पहली बार हुआ जब सेना के विरुद्ध पाकिस्तानी आवाम खुलकर विद्रोह करने पर आमादा है। ऐसा लगता है कि वहां सरकार तथा सेना के विरुद्ध आम नागरिकों का विद्रोह हो जाएगा। पहली बार सेना के जनरल मुनीर की की सेना आवाम से डरी दिखाई दे रही है, पाकिस्तान विद्रोह की ज्वालामुखी कर बैठा है कभी भी विस्फोटक स्थिति बन सकती है। यह तथ्य सार्वजनिक है कि पाकिस्तान चीन का सबसे बड़ा शागिर्द देश है। अमेरिका ने इसी के फल स्वरुप पाकिस्तान को सबसे संदिग्ध एवं खतरनाक आतंकवादी देश घोषित कर दिया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन

स्थानीय संपादक

मोहम्मद आलम रिज़वी

RNI No UPHIN/2010/31173

टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716

avadhnamahindi@gmail.com,

वायु प्रदूषण के कारण समय पूर्व प्रसव या फिर कम वजन वाले बच्चे पैदा होते हैं और ये दोनों ही शिशुओं की मृत्यु के प्रमुख कारण हैं। अत्यधिक प्रदूषण में पलने वाले बच्चे अगर बच भी जाते हैं, तब भी उनका बचपन अनेक रोगों से घिरा रहता है। बच्चों पर वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों को लेकर दुनियाभर में समय-समय पर परेशान करने वाली रिपोर्टें सामने आती रही हैं। किसी नवजात का स्वास्थ्य किसी भी समाज के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होता है, लेकिन बेहद चिंताजनक स्थिति है कि कई अध्ययनों में बताया जा चुका है कि गर्भ में पल रहे शिशुओं पर भी वायु प्रदूषण का घातक असर पड़ता है।

वायु प्रदूषण के कारण संकट में बचपन

योगेश कुमार गोयल

देश के कई इलाकों में इन दिनों वायु प्रदूषण को लेकर स्थिति बहुत विकराल है। दिल्ली और आसपास के कई क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर बनी हुई है, जहां कुछ जगहों पर एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) 400 के पार है, जबकि यह 50 से कम रहना चाहिए। मौसम में ठंड की शुरुआत होते ही यह हर साल की कहानी है। हाल ही में नीदरलैंड के एल्सेवियर जर्नल में प्रकाशित हुए आईआईटी दिल्ली के वायुमंडलीय विज्ञान अध्ययन केंद्र द्वारा किए गए अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है कि दिल्ली में जून और अक्तूबर में प्रदूषण बाहरी कारकों से होता है, लेकिन सर्दियों में गंभीर प्रदूषण के लिए 72 प्रतिशत प्रदूषकों में स्थानीय कारक शामिल होते हैं। ऐसे में प्रदूषण कम करने के लिए समग्र योजना बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया है। वैसे वायु प्रदूषण अब एक वैश्विक समस्या बन चुका है, जिससे कई प्रकार की खतरनाक बीमारियां जन्म ले रही हैं और लाखों लोग असमय ही काल के ग्रास बन रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ फेडरेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक दशक में वायु प्रदूषण के कारण दिल की बीमारियों से होने वाली मौतों में करीब 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार हवा में छोटे प्रदूषक (अदृश्य कण) हृदय की लय, रक्त के थक्के जमने, धमनियों में प्लाक बनने और रक्तचाप को प्रभावित कर रहे हैं। वायु प्रदूषण का खतरा सबसे ज्यादा छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर बना है क्योंकि वे बहुत संवेदनशील होते हैं और जहरीली हवा की चपेट में जल्दी आते हैं।

दरअसल वयस्कों की तुलना में छोटे बच्चे ज्यादा तेज गति से सांस लेते हैं, जिससे उनके शरीर में प्रदूषण के कण तेजी से तथा ज्यादा मात्रा में चले जाते हैं। इसी कारण वायु प्रदूषण छोटे बच्चों को बहुत जल्दी अपनी चपेट में लेता है और उनमें अस्थमा से लेकर फेफड़ों के संक्रमण तक कई बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। वायु प्रदूषण से बच्चों के मस्तिष्क और दूसरे अंगों पर भी प्रभाव पड़ता है। देश की राजधानी दिल्ली हो या देश के अन्य प्रदूषित इलाके, छोटे-छोटे बच्चे वायु प्रदूषण की चपेट में सबसे ज्यादा आ रहे हैं। हवा में बढ़ती नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें और प्रदूषक कण बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालते हैं। प्रदूषित हवा में जो जहरीले 2.5 नैनोपार्टिकल होते हैं, वे छोटे बच्चों के फेफड़ों की गहराई तक पहुंचकर उन्हें बीमार बना रहे हैं। वायु प्रदूषण छोटे बच्चों की श्वसन प्रणाली को बहुत जल्द अपनी चपेट में लेता है, जिससे उनका इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार, बच्चों में प्रदूषित हवा के कारण निमोनिया, फेफड़ों की समस्याएं, कमजोर दिल, ब्रोंकाइटिस, साइनस और अस्थमा जैसी बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। प्रदूषित हवा के कारण फेफड़े कमजोर होने से बच्चे अन्य बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। वायु प्रदूषण के कारण समय पूर्व प्रसव या फिर कम वजन वाले बच्चे पैदा होते हैं और ये दोनों ही शिशुओं की मृत्यु के प्रमुख कारण हैं। अत्यधिक प्रदूषण में पलने वाले बच्चे अगर बच भी जाते हैं, तब भी उनका बचपन अनेक रोगों से घिरा रहता है। बच्चों पर वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों को लेकर दुनियाभर में समय-समय पर परेशान करने वाली रिपोर्टें सामने आती रही हैं। किसी नवजात का स्वास्थ्य किसी भी समाज के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होता है, लेकिन बेहद चिंताजनक स्थिति है कि कई अध्ययनों में बताया जा चुका है कि गर्भ में पल रहे शिशुओं पर भी वायु प्रदूषण का घातक असर पड़ता है। एम्स द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार वायु प्रदूषण गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए बहुत ज्यादा खतरनाक है। अधिक प्रदूषित क्षेत्रों में रह रही माताओं के नवजात शिशु के फेफड़े सिकुड़ने का भी खतरा होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक वायु प्रदूषण बच्चों के दिमाग को भी कमजोर कर रहा है।

यूनीसेफ की 'डेंजर इन एयर' रिपोर्ट के अनुसार भी बढ़ता प्रदूषण दिमाग को खराब कर सकता है, जिससे बच्चों के दिमागी विकास पर असर पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रदूषित कण फेफड़ों के जरिये शरीर के कई दूसरे अंगों को भी नुकसान पहुंचाते हैं और कुछ मामलों में ये बच्चों की दिमाग की कार्यप्रणाली पर भी असर डाल सकते हैं। हालांकि प्रदूषण का सीधा संबंध दिमाग की कार्यप्रणाली से नहीं है, लेकिन लंबे समय तक प्रदूषण रहने पर यह गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। बढ़ते प्रदूषण के कारण हवा में नाइट्रोजन, सल्फर जैसी विषाक्त गैसों का स्तर बहुत ज्यादा हो गया है और जब बच्चे सांस के जरिये इसी प्रदूषित हवा को अपने शरीर में लेते हैं तो इसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य और विकास पर पड़ता है। ये विषाक्त गैसें बच्चों के दिमाग तक पहुंचकर उनके मानसिक और बौद्धिक विकास को धीमा कर देती हैं। नॉर्थ कैरोलिना के ड्यूक विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने दो हजार से भी ज्यादा लोगों पर एक व्यापक अध्ययन किया और अध्ययन के दौरान बच्चों की मानसिक सेहत पर वायु प्रदूषण के प्रभावों का आकलन किया गया। कई दशकों के आंकड़ों का विश्लेषण करने पर अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि शहरों में प्रदूषित वायु और वायु प्रदूषण के बीच पलने-बढ़ने वाले बच्चों में वयस्कावस्था में मानसिक सेहत संबंधी विकार होने की संभावना सबसे ज्यादा होती है। बच्चों पर प्रदूषण के कहर को लेकर वैश्विक स्तर पर कई चिंता पैदा करने वाली रिपोर्टें आ चुकी हैं। यूनीसेफ द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में बताया जा चुका है कि भारत में लगभग सभी स्थानों पर वायु प्रदूषण निर्धारित सीमा से अधिक है, जिससे बच्चे सांस, दमा तथा फेफड़ों से संबंधित बीमारियों और अल्प विकसित मस्तिष्क के शिकार हो रहे हैं। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु में से दस फीसदी से अधिक की मौत वायु प्रदूषण के कारण उत्पन्न होने वाली सांस संबंधी बीमारियों के कारण होती हैं। भारत में बच्चों के मस्तिष्क की कार्यप्रणाली वायु प्रदूषण के कारण प्रभावित हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण के कारण बच्चे मंदबुद्धि हो रहे हैं, जन्म के समय कम वजन के बच्चे पैदा हो रहे हैं। गर्भ में भी बच्चे वायु प्रदूषण के प्रभाव से अछूते नहीं हैं, उनका तंत्रिका तंत्र प्रभावित हो रहा है।

बच्चों में सांस संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं, उनमें दमा और हृदय रोगों के मामले बढ़ रहे हैं और वायु प्रदूषण के कारण हर साल लाखों बच्चों की मौत वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों के कारण हो रही हैं। डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट में बताया जा चुका है कि दुनियाभर में पांच वर्ष से कम आयु के करीब छह लाख बच्चों की मृत्यु प्रतिवर्ष वायु प्रदूषण के कारण हो जाती है, जिनमें से एक लाख से भी ज्यादा बच्चे भारत के ही होते हैं। वायु प्रदूषण के कारण नवजात शिशुओं की सर्वाधिक मौतें अफ्रीका तथा एशिया में होती हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार विश्वभर में करीब 90 फीसदी बच्चे, जिनकी कुल संख्या लगभग 1.8 अरब है, ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं, जहां वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर है। भारत जैसे विकासशील देशों में तो स्थिति और भी खराब है।

अभी राहुल को मीलों चलना है!

नेहरू से मोदी तक के दौर में इसी संविधान को 105 बार संशोधित किया जा चुका है। ताजातरीन वाला है वस्तु एवं सामान्य सेवा कर (GST) हेतु किया गया संशोधन। इन्दिरा गाँधी ने तो 42वें संशोधन (1976) द्वारा सर्वोच्च न्यायलय से ऊपरी पायदान पर संसद को रखा था। तब संसद में कांग्रेस का अपार बहुमत था। सारा विपक्ष जेल में था। तभी संसदीय प्रणाली की जगह राष्ट्रपति पद्धति का प्रस्ताव विचाराधीन था। भला हो जनता पार्टी सरकार का कि दोनों अधिनायकवादी प्रस्तावों को तज दिया गया।

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा हुई छानबीन से पता चला कि राहुल गांधी अपनी सभाओं में भारतीय संविधान की फर्जी प्रति दिखाते हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने (09 नवंबर 2024) इस बात को झारखंड की छतरपुर विधानसभा सीट पर चुनावी सभा में उजागर भी किया। शाह ने कहा राहुल गांधी जनसभाओं में संविधान के नाम पर लाल कवर वाली जो किताब लहराते हैं, उसमें ऊपर भले ही भारत का संविधान लिखा है, लेकिन उसके पन्ने कोरे हैं। वह नकली किताब है। यह भारत के संविधान और बाबासाहेब अंबेडकर का अपमान है। किन्तु मेरी राय में राहुल गांधी पर यह मिथ्याचार का आरोप इसलिए नहीं लग सकता क्योंकि संविधान उनके जन्म से 25 वर्ष पूर्व पारित हुआ था। राहुल का ज्ञान तो केवल अपनी पैदाइश के बाद की घटनाओं तक ही सीमित हैं।

के. विक्रम राव

राहुल की अनभिज्ञता एक और नमूना देखिये। यह प्रमाणित तथ्य है कि प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और भीमराव अंबेडकर ने प्रस्तावना में सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द शामिल करने में पक्षधर नहीं थे। मगर राहुल इसी की पैरोकारी करते हैं। कृपया 17 अक्टूबर 1949 की संविधान सभा की कार्यवाही देख लें। संसद भवन के संदर्भ शाखा अथवा #Google पर देख सकते है। गया (बिहार) से निर्वाचित सदस्य बाबू ब्रजेश्वर प्रसाद (संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ0 राजेंद्र प्रसाद के साथी) ने सर्व प्रथम संशोधन प्रस्ताव रखा था कि प्रस्तावना में हम भारत के लोग के बाद सेक्युलर तथा सोशलिस्ट शब्द जोड़ दिये जायें, नेहरु ने इसे नज़रअंदाज़ कर दिया। अम्बेडकर चुप्पी लगा गये। इस संशोधन पर ना हाथ उठे, न ध्वनि मत न डिविज़न माँगा गया। इसका कारण था की नेहरु की राय में यदि नये गणराज्य को सेक्युलर स्टेट कह देते तो भारत में बचे मुसलमान मानते कि की राष्ट्र धर्म विरोधी है। संशोधन के प्रस्तावक श्री ब्रजेश्वर प्रसाद धर्म नगरी गया के वासी थे, लखनऊ विश्विद्यालय के पढ़े थे, खेतिहर मज़दूरों के पुरोधा थे। अम्बेडकर जो, 1942 में अंग्रेज़ी वाइसराय के मंत्री थे, अपनी मसौदा समिति से इस संशोधन को मनवा नहीं पाये। कांग्रेसी प्रधानमंत्री सरदार मनमोहन सिंह ने परिभाषा दी (9 दिसम्बर 2006) कि ÷सेक्युलर सोशलिस्ट भारत के संसाधनों पर पहला हक़ मुसलमानों का है।

संसद में राष्ट्रवादी मुसलमानों का इस संविधान के प्रति नज़रिया कैसा रहा? सैय्यद फ़ज़्लुर हसन उर्फ़ हसरत मोहानी ने इस संविधान पर हस्ताक्षर करने ने इंकार कर दिया था। उनकी नज़र में ये दस्तावेज त्रुटियों से भरा था। नेहरु स्वयं हसरत मोहानी को मनाते रहे। जिन्ना के इस विरोधी, इंक़लाब ज़िंदाबाद का नारा देने वाले, कम्युनिस्ट शायर रहे हसरत मोहानी पर हर हिंदू को नाज़ है। अतः मूल मसला बनता है कि क्या सात दशक पुराना भारतीय संविधान बदला जाना चाहिये? युगानुसार परिवर्तन का तकाजा क्या वस्तुनिष्ठ नही होगा? राष्ट्र कब तक गातिहीन या प्रतिगामी दशा में रहेगा?

यह मुद्दा अनंतकुमार दत्तात्रेय हेगड़े ने अपने ढंग से उठाया (दिसंबर 2017)। हेगड़े ने सेक्युलर वाला पूर्वसर्ग निरस्त करने की बात की थी। आखिर आंबेडकर और नेहरू ने संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलर शब्द लगाया ही नहीं था। वह तो आपात्काल (1975-77) में इंदिरा गांधी ने जोड़ा था। तो क्या भारत पहले पच्चीस वर्षो तक सेक्युलर नही था? मसौदा समिति के अध्यक्ष डा- भीमराव आंबडेकर ने तो राज्य सभा में एक दफा यहा तक कह डाला था कि, मै प्रथम व्यक्ति होऊंगा जो इस संविधान को जला दूंगा, (राज्य सभाः 19 मार्च 1955)। तब पंजाब के कांग्रेसी सदस्य डा. अनूप सिंह ने चौथे संशोधन (निजी संपत्ति विषयक) पर चर्चा के दौरान डा. आंबेडकर से उनकी भस्म कर डालनेवाली हुँकार पर जिरह भी की थी।

सांसद तथा संपादक/सांसद स्व0 के0 रामा राव ने राज्य सभा में डा. आंबेडकर की संविधान जला डालनेवाली उक्ति पर टिप्पणी की थी कि डा. आंबेडकर एक सियासी पहेली, एक मनोवैज्ञानिक गुत्थी तथा मानसिक तौर पर रुग्ण हैं। यदि आज हेगड़े ने कह दिया होता है कि सेक्युलर संविधान को जला दो तो लोग उन्ही को भस्म कर देते। आखिर भारतीय संविधान कोई गीता, बाइबिल या कुरान तो हैं नहीं कि जिसमें तब्दीली वर्जित हो। यह तो मानवकृत है। फिर मानव कब से सर्वथा दोषमुक्त हो गया?

नेहरू से मोदी तक के दौर में इसी संविधान को 105 बार संशोधित किया जा चुका है। ताजातरीन वाला है वस्तु एवं सामान्य सेवा कर (GST) हेतु किया गया संशोधन। इन्दिरा गाँधी ने तो 42वें संशोधन (1976) द्वारा सर्वोच्च न्यायलय से ऊपरी पायदान पर संसद को रखा था। तब संसद में कांग्रेस का अपार बहुमत था। सारा विपक्ष जेल में था। तभी संसदीय प्रणाली की जगह राष्ट्रपति पद्धति का प्रस्ताव विचाराधीन था। भला हो जनता पार्टी सरकार का कि दोनों अधिनायकवादी प्रस्तावों को तज दिया गया।

भारतीय संविधान के प्रति मोह पालने वालों को कुछ तथ्य पता चलना चाहिये। केवल 166 दिनों मे निर्मित इस संविधान के मसौदे पर ही प्रथम चरण में ही दो हजार संशोधन पेश हुये थे। संविधान सभा के सदस्य वयस्क मताधिकार के आधार पर वोटरों द्वारा निर्वाचित नहीं हुये थे। प्रांतीय विधान मंडलों के विधायकों द्वारा 1946 में परोक्ष रूप से 292 लोग चुने गये थे। उन्तीस रजवाड़ों ने 70 प्रतिनिधि मनोनीत किये थे। इन सबका जनधार क्षीण था। हर सदस्य वर्गहित का रक्षक तथा पोषक था। संविधान बनने के समय दिल्ली की सड़कों पर विपक्ष ने नारा लगाया था यह आजादी झूठी है, देश की जनता भूखी है। नेहरू के तेवर चढ़ जाते थे। मगर आज उनके पडनाती का वही अंदाज है। वैसी ही बात करते हैं।

दयालुता मुस्कानों से भरकर बनाती है ईश्वरतुल्य

'हम जैसे भी है, अपने आप में बेहतरीन है और हमारी बेहतरी इसी में है कि हम दुनिया को बेहतर बनाये'- यही भावना आत्मसम्मान और विश्वास जगाएं और अपने गुण-दोषों का आंकलन करें। वास्तव में दया की भावना ही वास्तविक धर्म है। दलाई लामा ने कहा कि मैं इस आसान धर्म में विश्वास रखता हूं। मन्दिरों की कोई आवश्यकता नहीं, जटिल दर्शनशास्त्र की कोई आवश्यकता नहीं। हमारा मस्तिष्क, हमारा हृदय ही हमारा मन्दिर है, और दयालुता जीवन-दर्शन है।

विश्व दयालुता दिवस दुनिया के मानव समुदायों में अच्छे कार्यों को उजागर करने के लिए मनाया जाता है, जिसमें सकारात्मक शक्ति, मानवीय संवेदनाओं और दयालुता के सामान्य जीवन-सूत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए इंसान से इंसान को जोड़ने का उपक्रम किया जाता है। दयालुता मानवीय स्थिति का एक मूलभूत हिस्सा है जो जाति, धर्म, नस्ल, राजनीति, लिंग, भाषा, गरीबी-अमीरी और स्थान के विभाजन को पाटती है। आज दुनिया में प्रेम, करुणा, दया एवं उदारता रूपी संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है। इनमें दया एवं दयालुता ही ऐसा मानवीय मूल्य है जिस पर मानव की मुस्कान छिपी है। दयालुता एक ऐसा भाव है जो न केवल दूसरों के प्रति प्रेम जगाता है बल्कि ईश्वर के करीब भी ले जाता है। मानव जीवन के इस सौन्दर्य एवं खूबसूरत भाव को बल देने के लिये प्रतिवर्ष 13 नवंबर को विश्व दयालुता दिवस के रूप में मनाया जाता है। सकारात्मक शक्ति और दया की डोर पर आधारित इस अनूठे एवं अलौकिक दिवस पर समाज में अच्छे कामों को उजागर करने के साथ हमें अच्छे, परोपकारी काम करने को प्रेरित किया जाता है।

ललित गर्ग

हिंसा, युद्ध, आतंक, आर्थिक प्रतिस्पर्धा की गलाकाट प्रतियोगिता के दौर में दयालुता ही ऐसा हथियार जो मानव होने के अर्थ को नई ऊंचाई प्रदान करता है। ऐसे कई तरीके हैं जिनसे कोई व्यक्ति अपनी दयालुता प्रदर्शित कर सकता है और दूसरों को भी उसका अनुसरण करने के लिए प्रेरित कर सकता है। यह दिन समाज में अच्छी गतिविधियों, सेवा-परोपकार और दयालुता का भाव रखने वालों का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। दयालुता एक ऐसा भाव है जो हर मनुष्य के अंदर संवेदनशीलता एवं मानवीयता की अलख जगाते हुए हमेशा दयालु एवं परोपकारी कार्य करने, हमेशा लोगों की मदद करने, हमेशा अच्छा करने का मौका देता है। यह दिवस न केवल हमारे अंदर बदलाव लाता है बल्कि हमारे आसपास की दुनिया को भी बदल कर जीने लायक बना देता है।

विश्व दयालुता दिवस की शुरुआत 1998 में वर्ल्ड किंडनेस मूवमेंट संगठन द्वारा की गई थी, जिसकी स्थापना 1997 के टोक्यो सम्मेलन में दुनिया भर के दयालु संगठनों द्वारा की गई थी। साल 2019 में, इस संगठन को स्विस कानून के तहत एक आधिकारिक एनजीओ के रूप में पंजीकृत किया गया था। वर्तमान में वर्ल्ड किंडनेस मूवमेंट में 28 से अधिक राष्ट्र शामिल हैं जिनका किसी भी धर्म या राजनीतिक गतिविधियों से कोई संबद्धता नहीं है। इसे 1998 में विश्व दयालुता आंदोलन, राष्ट्रों की दयालुता वाले गैर सरकारी संगठनों के गठबंधन द्वारा पेश किया गया था। यह कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, नाइजीरिया और संयुक्त अरब अमीरात सहित कई देशों में मनाया जाता है। सिंगापुर ने पहली बार 2009 में यह दिन मनाया। इटली और भारत में भी यह दिन मनाया जाता है। यूके में, इसका नेतृत्व डेविड जेमिली ने किया, जिन्होंने लुईस बर्फिट-डॉन्स के साथ काइंडनेस डे यूके की सह-स्थापना की।

विश्व दयालुता दिवस

'हम जैसे भी है, अपने आप में बेहतरीन है और हमारी बेहतरी इसी में है कि हम दुनिया को बेहतर बनाये'- यही भावना आत्मसम्मान और विश्वास जगाएं और अपने गुण-दोषों का आंकलन करें। वास्तव में दया की भावना ही वास्तविक धर्म है। दलाई लामा ने कहा कि मैं इस आसान धर्म में विश्वास रखता हूं। मन्दिरों की कोई आवश्यकता नहीं, जटिल दर्शनशास्त्र की कोई आवश्यकता नहीं। हमारा मस्तिष्क, हमारा हृदय ही हमारा मन्दिर है, और दयालुता जीवन-दर्शन है। इस दुनिया में दया से बढ़कर कुछ भी नहीं है। हालांकि यह सच है कि जघन्य अपराधों, आतंकवाद, युद्ध, हिंसा, मिलावट, नारी शोषण एवं उत्पीड़न की गतिविधियों के मामले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि दयालुता अभी भी मौजूद है और दुनिया पर राज कर रही है। किसी ने एक बार कहा था कि 'दया उन लोगों को आशा दे रही है जो सोचते हैं कि वे इस दुनिया में बिल्कुल अकेले हैं। लेकिन बड़ा प्रश्न है कि हम दयालुता की बात क्यों कर रहे हैं? क्योंकि दयालुता की भावना ही यह परिभाषित करती है कि व्यक्ति अच्छा है या बुरा। एक व्यक्ति में यह गुण अवश्य होना चाहिए क्योंकि दूसरों के साथ व्यवहार करने का यही एकमात्र सही एवं प्रभावी तरीका है, जो सीधा मनुष्य के दिल को छूता है। यदि आप उन लोगों में से हैं जो दयालुता का कोई भी कार्य करने के बाद अच्छा महसूस करते हैं, तो आप समझते हैं कि वास्तव में दयालुता क्या है! 1990 के दशक के मध्य में, लघु दयालुता आंदोलन ने दुनिया भर से प्रतिभागियों को आमंत्रित करने के लिए एक सम्मेलन आयोजित किया और अपने-अपने देशों में शुरू किए गए दयालुता आंदोलनों के बारे में अपनी कहानियाँ साझा कीं। सम्मेलन सफल रहा और दूसरा सम्मेलन 1997 में आयोजित किया गया। इन सम्मेलनों ने विश्व दयालुता आंदोलन को बल मिला।

विश्व दयालुता दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों, समाज और समुदाय को अच्छे काम करने और सभी के प्रति दयालु होने के लिए प्रोत्साहित करना है। साथ ही, यह दिन एक अनुस्मारक प्रदान करता है कि दयालुता के गुण में एक साथ रहने और एक दयालु दुनिया बनाने की शक्ति है जहां सभी लोग एक साथ काम कर सकते हैं, समानतापूर्वक एक साथ रह सकते है। इसमें कोई शक नहीं कि इसे समझना आसान नहीं है लेकिन एक छोटा सा कार्य भी बदलाव ला सकता है। आज एक दयालु दुनिया को निर्मित करने की ज्यादा अपेक्षा है, जिसके नागरिकों में समानुभूति हो, सुनने का अच्छा कौशल हो, सामाजिक सहयोग की भावना हो एवं दान करने की प्रवृत्ति हो। उदारता, परोपकार, मदद की वृत्ति, विनम्रता की भावना से दुनिया को अधिक मानवीय बनाय जा सकता है। इसी एक भाव में दुनिया की जटिल समस्याओं के समाधान निहित है, चाहे वह युद्ध हो, हिंसा हो, भूख हो, गरीबी हो, अभाव हो, पीड़ा एवं परेशानी हो। खलील जिब्रान ने कहा भी है कि दया बर्फ की तरह है, यह जिस चीज को ढक लेती है उसे सुंदर बना देती है।

विश्व दयालुता दिवस हमें यह विश्वास करने के लिए भी प्रेरित करता है कि दयालुता का एक कार्य हमारे बीच, समाज में और समुदाय में वैश्विक परिवर्तन ला सकता है। यह एक ऐसा गुण है जिसे मिलनसार, उदार और विचारशील होने के रूप में परिभाषित किया गया है। दयालुता से संबंधित शब्द स्नेह, गर्मजोशी, नम्रता, चिंता, देखभाल आदि हैं। दयालु होने के लिए साहस और शक्ति की आवश्यकता होती है। यह एक पारस्परिक कौशल एवं मानवीय संवेदना है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले में ग्रेटर गुड साइंस सेंटर ने लिखा है कि कैसे दयालुता आपको खुश करती है और खुशी आपको दयालु बनाती है। वे एक अध्ययन के परिणामों का हवाला देते हैं जो दयालुता और खुशी के बीच एक 'सकारात्मक प्रतिक्रिया पाश' का सुझाव देते हैं, जिसमें एक दूसरे को प्रोत्साहित करता है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव : अचलपुर में योगी का कांग्रेस अध्यक्ष पर निशाना

'मैं योगी, योगी के लिए देश पहले'

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की गई टिप्पणी का जवाब दिया। सीएम योगी ने मंगलवार को महाराष्ट्र में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को खरी-खरी सुनाई। उन्होंने कहा कि मैं योगी हूं, मेरे लिए देश पहले है, राजनीति बाद में, लेकिन आपके लिए कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति पहले है।

महाराष्ट्र के अचलपुर में रैली को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तीन दिन से मुझ पर नाराज हो रहे हैं कि मैं ऐसी भाषा का प्रयोग क्यों कर रहा हूं। खड़गे जी! मैं योगी हूं, योगी के लिए देश पहले है। राजनीति बाद में। मेरे और आपमे यही अंतर है। मेरे नेता मोदी ने यही बताया है कि हर काम, पहले देश के नाम। आपके लिए

कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति पहले है। यही कारण है कि आप न सच्चाई बोल पा रहे हैं, न समझ पा रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि खड़गे जी के परिवार के साथ आजादी के तत्काल बाद घटना घटित हुई थी। खड़गे जी का गांव बारावत्ती हैदराबाद के निजाम के अधीन था। देश की आजादी के पहले अंग्रेजों को लगा कि अब भारत के क्रांतिकारियों के सामने अधिक दिन तक नहीं टिक पाएंगे तो उसने भारत के विभाजन को लेकर

मेरा हर काम पहले देश के नाम : मुख्यमंत्री योगी

रोडमैप तय किया। वे देश में मुस्लिम लीग को देश में प्रोत्साहित करने का कार्य कर ही रहे थे। उस समय कांग्रेस नेतृत्व भी मुस्लिम लीग के सामने सरेंडर कर चुका था। यही कारण था कि मुस्लिम लीग निर्ममता से हिंदुओं को काट रहा था, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व सत्तालोलुप होकर मौन बना था।

सीएम योगी ने कहा कि ब्रिटिशरों ने देसी रियासतों को स्वतंत्रता दी कि वे चाहें तो भारत का हिस्सा बनें, चाहें तो पाकिस्तान का हिस्सा और चाहें तो स्वतंत्र अस्तित्व भी रख सकते हैं। भारत में जूनागढ़ का नवाब और हैदराबाद के निजाम ने खुद को स्वतंत्र रियासत के रूप में स्थापित करने की चेष्टा की। जिस समय लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल गृह मंत्री थे तो हैदराबाद के निजाम को लगा कि बहुत दिनों तक अलग अस्तित्व नहीं बना पाऊंगा, तब उसने निर्ममता से हिंदुओं का कत्लेआम शुरू कराया था।

सीएम योगी ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने हैदराबाद रियासत के सभी अनुसूचित जाति, जनजाति व हिंदुओं का आह्वान किया कि वे वहां सुरक्षित नहीं हैं, महाराष्ट्र की तरफ आ जाएं। उस समय हैदराबाद रियासत के अधीन बारावत्ती गांव भी जलाया गया था। यह मल्लिकार्जुन खड़गे जी का गांव था। इसमें खड़गे जी की मां, चाची और बहन को निजाम के रजाकारों द्वारा जलाया गया, लेकिन खड़गे जी सच्चाई को नहीं बोलना चाहते। उन्हें लगता है कि निजाम पर आरोप लगाऊंगा तो मुस्लिम वोट खिसक जाएगा। कांग्रेस इतिहास को झुठलाने का कार्य कर रही है। निजाम के रजाकारों ने हैदराबाद रियासत के अंदर निर्ममता से हिंदुओं का कत्लेआम किया।

अभिनेत्री सांसद कंगना रनौत की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

आगरा। भाजपा सांसद एवं फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ राष्ट्र द्रोह एवं किसानों के अपमान के मामले में कोर्ट द्वारा नोटिस जारी किया गया है। स्पेशल कोर्ट एमपी एमएलए अनुज कुमार सिंह ने हिमाचल प्रदेश के मंडी क्षेत्र से भाजपा सांसद एवं प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के विरुद्ध नोटिस जारी कर 28 नवंबर 2024 को अपना पक्ष रखने के लिए आदेश किए हैं।

कंगना रनौत के विरुद्ध आगरा के वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रमाशंकर शर्मा ने 11 सितंबर 2024 को एक वाद दायर किया था। इस वाद में कहा गया कि 27 अगस्त 2024 को कंगना रनौत ने एक बयान जो अखबारों में छपा था पढ़ा, जिसमें कंगना ने कहा कि अगस्त 2020 से दिसंबर 2021 तक जो किसान दिल्ली बॉर्डर पर काले कानूनों के विरोध में धरने पर बैठे थे, वहां हत्याएं हो रही थीं, बलात्कार हो रहे थे और अगर उस समय देश का नेतृत्व मजबूत नहीं होता तो देश में बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हो जाते।

उन्नाव के लिए योगी सरकार ने खोला पिटारा

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। जनपद की छह विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 15 लाख आबादी को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। शासन ने छह विधानसभा के अंतर्गत कुल 17 लघु सेतु व पहुंच मार्ग निर्माण के लिए बजट जारी किया है। कुल 17.38 करोड़ रुपये के बजट से इन लघु सेतुओं का निर्माण लोक निर्माण विभाग करवाएगा।

बनने वाले लघु सेतुओं में सदर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बसधना से माना बंगला छह मीटर स्पान व पहुंच मार्ग निर्माण पर 60 लाख रुपये, बरबट से राजेपुर पतारी के मध्य 18 मीटर लघु सेतु व पहुंच मार्ग लागत 93 लाख, बिलग्राम उन्नाव प्रयागराज मार्ग पर कब्बा खेड़ा नाला पर लघु सेतु, लागत 1.06 करोड़ खर्च होंगे।

वहीं पुरवा विधानसभा में हिलौली भवानी गंज पिपरी जोरावर गंज से दिर्गनखेड़ा पांच मीटर का लघु सेतु, लागत 1.01 करोड़, खेरवा संपर्क मार्ग में 4.5 मीटर लंबा लघु सेतु व पहुंच मार्ग, लागत 63 लाख, अहमदाबाद ग्रंट में स्थानीय नाले पर आठ मीटर लघु

17 ब्रिजों के निर्माण को दी मंजूरी, कई जगहों पर बनेंगे पुल

सेतु निर्माण में 52 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

बांगरमऊ विधानसभा में कटरी गदनपुर आहार संपर्क मार्ग पर 12 मीटर का लघु सेतु व पहुंच मार्ग, लागत 1.03 करोड़, किशनपुर टेढ़वा संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त पुलिया का निर्माण 25 लाख रुपये से, अलीगंज संपर्क मार्ग पर में उदशाह रसूलाबाद रजबहा पर छह मीटर स्पान निर्माण लागत 43 लाख रुपये से करवाया जाएगा।

भगवंत नगर विधानसभा में बीघापुर कला से रायपुर गढ़ेवा मार्ग 15 मीटर का लघु सेतु लागत 1.08 करोड़ व इसी मार्ग पर आगे पांच मीटर दूसरा

> "फिलहाल उक्त काम अभी शासन से स्वीकृत नहीं है। जब स्वीकृत होंगे तब टेंडर व निर्माण कार्य शुरू कराये जाएंगे।
> **- सुबोध कुमार**, एक्सईएन लोनिवि, निर्माण खंड प्रथम

लघु सेतु लागत 73 लाख रुपये से बनाया जाएगा। कैलाश खेड़ा से गौरा संपर्क मार्ग के मध्य लघु सेतु निर्माण 2.66 करोड़ रुपये खर्च होगे।

मोहान विधानसभा में नवाबगंज बिछिया संपर्क मार्ग पर लघु सेतु चार मीटर, लागत 1.32 करोड़ रुपये, नौगवां से सलारपुर संपर्क मार्ग पर 12 मीटर लघु सेतु, 50 लाख रुपये खर्च होंगे। इसी प्रकार सफीपुर विधानसभा में अकबर पुर सई अप्रोच मार्ग पर पुलिया के स्थान पर छह मीटर आरसीसी पुलिया के किमी एक व दो पर छह-छह मीटर का लघु सेतु लागत 1.38 करोड़ रुपये, संडीला चकलवंशी बिठूर संपर्क मार्ग पर छह मीटर का स्पान निर्माण 95 लाख रुपये, सफीपुर मियागंज मार्ग पर 30 मीटर लघु सेतु का निर्माण लागत 2.30 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

पति को लिवर दान करके दिया नया जीवन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के शहीद पथ स्थित कॉर्पोरेट अस्पताल में पति को लिवर दान करने वाली महिला की आंत में कट लग गया। इससे हुए संक्रमण के चलते उसकी मौत हो गई। घरवालों ने आरोप लगाया कि कट लगने की बात अस्पताल प्रशासन छिपाए रहा। एक के बाद एक चार सर्जरी कर डाली। आखिर में महिला की मौत हो गई। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री के पास की गई है।

आरोप है कि पति को लिवर दान करने वाली 30 वर्षीय महिला की आंत में कट लग गया था। इसके बाद पेट में संक्रमण हो गया। चार सर्जरी के बाद भी संक्रमण ठीक नहीं हुआ। 35 दिन तक आईसीयू और 14 दिन वेंटिलेटर पर रखने के बावजूद महिला की जान नहीं बची।

खुद काल के गाल में समाई, डॉक्टरों की लापरवाही से उजड़ गई दुनिया

23 लाख एस्टीमेट, खर्च हो गए 39 लाख

पीड़ित परिवार ने बताया कि पहले दोनों के ऑपरेशन का 23 लाख रुपये का एस्टीमेट बताया गया था, लेकिन बाद में कुल 39 लाख रुपये लिए गए। उधर, अस्पताल प्रशासन ने लापरवाही से इन्कार किया है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि हर सर्जरी में कुछ जोखिम होते हैं। इस मामले में कुछ जटिलताएं पैदा हो गईं। पूरी कोशिश के बावजूद महिला की जान नहीं बचाई जा सकी।

जो बंटेगा, वो जरूर कटेगा : असीम अरुण

पीडीए के परिवारों के भीतर ही खुद खटपट, भाजपा की उपलब्धियों का बखान

अवधनामा संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री असीम अरुण ने मंगलवार को कुंदरकी में समाजवादी पार्टी (सपा) पर जमकर हमला बोला। जो बंटेगा, वो कटेगा बयान पर सपा के नेताओं को निशाने पर लेते हुए कहा कि सपा के लोग जो अपने ही परिवार को एक साथ नहीं रख सके वह समाज और देश को क्या जोड़ सकते हैं।

असीम अरुण कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव के भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह ठाकुर के समर्थन में आयोजित जनसभा में हिस्सा लेने के लिए मुरादाबाद पहुंचे थे। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा की उपलब्धियों का बखान किया। अरुण ने कहा कि भाजपा की विचारधारा सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर आधारित है।

यह पार्टी हर जाति और मजहब के

लोगों से वोट प्राप्त कर रही है। उनका कहना था कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है जो समाज के हर वर्ग को जोड़ने का काम करती है। इसी कारण पार्टी को हर धर्म और जाति से समर्थन मिल रहा है। असीम अरुण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक हैं तो सेफ हैं नारे पर भी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि यह नारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे के सिद्धांत को आगे बढ़ाता है। उन्होंने भारतीय राजनीति और इतिहास की ओर इशारा करते हुए कहा कि इतिहास साक्षी है कि जो विभाजनकारी ताकतें थीं, जिन्होंने समाज को तोड़ने की राजनीति की, उन्होंने विभाजन करके पाकिस्तान का निर्माण किया।

आज पाकिस्तान की स्थिति किसी से छिपी नहीं है, जबकि भारत ने एकजुटता की दिशा में काम किया और अब वह विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है।मंत्री ने सपा के पीडीए के नारे पर भी तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि सपा के लोग जो अपने परिवार को जोड़कर नहीं रख सकते वह समाज को क्या जोड़ सकते हैं।

उन्होंने सपा की नीति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि केवल तीन धर्मों और जातियों को जोड़ने की सोच निंदनीय है। उनका कहना था कि यह सोच समाज के बाकी वर्गों की अनदेखी करने के बराबर है, और इसका उद्देश्य केवल अपनी राजनीति की चुप्पी साधने के लिए है।

असीम अरुण ने कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की जीत पर पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। कहा कि भाजपा सभी नौ सीटें जीतने जा रही है।

राजकोट की रजत जयंती वर्ष पर जारी किया विशेष आवरण

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। डाक टिकट संग्रह या फिलेटली के क्षेत्र में डाक विभाग द्वारा तमाम नए कदम उठाये जा रहे हैं। इसका उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता के विकास के साथ-साथ यह भी है कि तमाम समसामयिक विषयों, घटनाओं, देश की विभूतियों, जैव विविधता आदि से बच्चे इन डाक टिकटों के माध्यम से रूबरू हो सके। फिलेटली का शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने में अहम योगदान है। राजकोट परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने सेंट पॉल स्कूल की रजत जयंती वर्ष पर 12 नवंबर को विशेष आवरण व विरूपण जारी करते हुए उक्त विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर राजकोट मंडल के प्रवर अधीक्षक डाकघर एस के बुनकर, सेंट पॉल स्कूल के प्राचार्य फादर जेम्स, सीनियर पोस्टमास्टर राजकोट श्री अभिजीत सिंघ और सेंट मेरी स्कूल के पूर्व प्राचार्य

फिलेटली का शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने में अहम योगदान : पोस्टमास्टर जनरल

फादर बिनोय भी उपस्थित रहे।

पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि डाक टिकट और विशेष आवरण अतीत को वर्तमान से जोड़ते हैं। डाक टिकट वास्तव में एक नन्हा राजदूत है, जो विभिन्न देशों का भ्रमण करता है एवम् उन्हें अपनी सभ्यता, संस्कृति और विरासत से अवगत कराता है। हर डाक टिकट के पीछे एक कहानी छुपी हुई है और इस कहानी से आज की युवा पीढ़ी को जोड़ने की जरूरत है। सेंट पॉल स्कूल जैसे तमाम संस्थान इसमें अहम् भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में एक अभिनव पहल के तहत डाक विभाग विभिन्न स्कूलों में फिलेटली क्लब खोल रहा है, ताकि विद्यार्थियों में डाक टिकट संग्रह की अभिरुचि के प्रति उनकी प्रवृत्ति को विकसित किया जा सके।

टीएमयू में पेरिफेरल ज्वाइंट मोबिलाइजेशन पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण

अवधनामा संवाददाता

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के फिजियोथेरेपी विभाग की ओर से पेरिफेरल ज्वाइंट एवम् न्यूरल मोबिलाइजेशन में नवीनतम प्रगति पर दो दिनी वर्कशॉप में डॉ. आशीष डोभाल ने बतौर मुख्य अतिथि पेरिफेरल ज्वाइंट मोबिलाइजेशन के सिद्धांतों और तकनीकों को विस्तार से समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों को कंधें और कूल्हे के ज्वाइंट्स की परेशानियों को दूर करने के विभिन्न तरीकों, उनकी संरचना और प्रक्रिया के बारे में गहनता से चर्चा की। डॉ. डोभाल ने नसों की गतिशीलता को बढ़ाने वाली तकनीकों और उनके लाभों पर को भी बताया। उन्होंने न्यूरल स्ट्रक्चर्स के मूवमेंट और उनकी कार्यप्रणाली के महत्व पर जोर दिया। साथ ही तंत्रिका तंत्र की गतिशीलता और कार्यक्षमता को सुधारने के लिए न्यूरल मोबिलाइजेशन के विभिन्न तकनीकी पहलुओं और सुरक्षित अनुप्रयोगों पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने बताया, इस तकनीक से तंत्रिका के संकुचन से जुड़े लक्षणों जैसे- दर्द, झुनझुनी, और सुन्नता को कम करने में मदद मिलती है। न्यूरल मोबिलाइजेशन विशेष रूप से सियाटिका, कार्पल टनल सिंड्रोम और संकुचन सिंड्रोम जैसे दीगर सिंड्रोम में फायदेमंद हो सकता है। उन्होंने व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के लिए हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण भी दिया गया।

इससे पहले डॉ. आशीष डोभाल ने बतौर मुख्य अतिथि, डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोथैरेपी की एचओडी प्रो. शिवानी एम. कौल आदि ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके वर्कशॉप का शुभारम्भ किया। अंत में डॉ. डोभाल को मोमेंटो और प्रमाण-पत्र प्रदान देकर सम्मानित किया गया। डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोथैरेपी की एचओडी प्रो. शिवानी एम. कौल ने फिजियोथैरेपी स्टुडेंट्स से कहा, कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान और तकनीकों को भविष्य में अपने अभ्यास में शामिल करना उनकी पेशेवर सफलता के लिए आत्मसात करें।

भाषा वि. वि. में राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं पुस्तक विमोचन का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में ÷वर्तमान परिवेश में वयंग्य की भूमिका÷ पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में प्रख्यात साहित्यकार पंकज प्रसून की पुस्तक ÷सच बोलना पाप है÷ का विमोचन हुआ। इस अवसर पर पंकज प्रसून ने अपनी चर्चित कविता लड़कियां लडाका होती हैं पढ़ा, जिसे खूब सराहा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुभाष चंद्र ने पंकज प्रसून की रचनाओं पर चर्चा करते हुए उनके लेखन को समाज की सच्चाई का आइना बताया। उन्होंने साहित्य और किताबों की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि हार्ड कॉपी में किताबें पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने साहित्य को सामाजिक बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो एन बी सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीरज शुक्ला ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सौबान सईद ने दिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों में प्रो. मो. एहतेशान, प्रो. फखरे आलम, प्रो. मसूद आलम फलाही, प्रो. तनवीर खदीजा, डॉ. अकमल शादाब, डॉ. वासी आजम, और डॉ. ज़फरुन नकी सहित कई अन्य शिक्षक, शोधार्थी और छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम में साहित्य पढ़ने और वयंग्य की सामाजिक भूमिका पर सार्थक चर्चा हुई।

सांस्कृतिक शोभायात्रा से शुरू होगा प्रथम अंतरराष्ट्रीय भागीदारी उत्सव

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। जनजाति विकास विभाग उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान और उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित लोक नायक बिरसा मुण्डा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय भागीदारी उत्सव की शुरुआत 15 नवम्बर को सांस्कृतिक शोभायात्रा से होगी। यह शोभायात्रा सुबह 11 बजे गोमती नगर स्थित 1090 चौराहे से शुरू होकर आयोजन स्थल संगीत नाटक अकादमी तक जाएगी।

संस्थान के निदेशक अतुल द्विवेदी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय भागीदारी उत्सव में प्रतिदिन शाम पांच से रात नौ बजे तक सतरंगी कार्यक्रम होंगे। इसके साथ ही 15 से 18 नवम्बर तक स्लोवाकिया और वियतनाम के लोक कलाकारों की विशेष प्रस्तुतियां भी होंगी। उद्घाटन

15 से 18 तक प्रतिदिन होंगी स्लोवाकिया और वियतनाम के लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां

संध्या के दिन 15 नवम्बर को गुजरात का सिद्धि धमाल नृत्य, जम्मू कश्मीर का मोंगों नृत्य-बकरवाल, सिक्किम का सिंघी छम नृत्य, ओडिशा का घुड़का नृत्य, महाराष्ट्र का सांघी मुखौटा नृत्य, छत्तीसगढ़ माटी मंदरी, राजस्थान का लंगा मांगणीयार नृत्य और तेरहताली नृत्य, कर्नाटक का फुगड़ी-सिद्धि नृत्य, मध्य प्रदेश का रमढोल नृत्य, उत्तर प्रदेश का लोकप्रिय गरदबाजा, नगमतिया नृत्य, चंगेली नृत्य और बीन वाद्य का मंचीय प्रदर्शन देखने को मिलेगा। जिनसे यह आकर्षक कार्यक्रम देखने छूट गए हैं वह दोबारा इनका आनन्द 16 नवम्बर को उठा सकेंगे।

तीसरी शाम 17 नवम्बर को बिहार का उरांव नृत्य, पश्चिम बंगाल का नटुआ नृत्य, मिजोरम का चेराव नृत्य, अरुणाचल प्रदेश का अनेय-ना नृत्य, गोवा का कुनबी नृत्य, केरल का इरुला नृत्य, छत्तीसगढ़ का गैण्डी नृत्य, हिमाचल प्रदेश का सिरमौरी नाटी-मास्क नृत्य, मध्य प्रदेश का भगोरिया नृत्य, उत्तर प्रदेश का डोमकच-झूमर नृत्य और सोहराई नृत्य के साथ ही थारू जनजाति के नृत्य भी पेश किए जाएंगे। यही कार्यक्रम चौथी शाम 18 नवम्बर को भी देखे जा सकेंगे। पांचवी शाम को 19 नवम्बर को बिहार का भुजिया आदिवासी नृत्य, असम का बर्दोई शिखला नृत्य, त्रिपुरा का होजागिरी नृत्य, पंजाब का शम्मी नृत्य, झारखण्ड का खड़िया नृत्य, राजस्थान का कालबेलिया नृत्य देखने को मिलेगा।

ऋषि साहित्य नैतिक शिक्षा प्रदान करता है : उमानंद

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत 'यशराज इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, गोमती नगर विस्तार, लखनऊ' के केन्द्रीय पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 426वाँ ऋषि वांड़मय की स्थापना कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उपरोक्त साहित्य गायत्री परिवार की सक्रीय कार्यकत्री इन्दिरा देवी ने अपने प्रिय जीवन साथी स्व. गुलाब चन्द्र की स्मृति में भेंट किया तथा सभी छात्र-छात्राओं, संकाय सदस्यों, विभागाध्यक्षों एवं फार्मेसी के अधिकारीगणों को (हिन्दी) अखण्ड ज्योति पत्रिका भेंट की।

इस अवसर पर वाड्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि ऋषि साहित्य नैतिक शिक्षा प्रदान करता है। डॉ. नीलम गुप्ता, संस्थान के निदेशक डा. स्वदेश कुमार अहिरवार ने भी अपने विचार रखे, संस्थान के बी.एड. विभागध्यक्ष श्री ओ.पी. यादव ने धन्यवाद ज्ञापन व्यक्त किया। इस अवसर पर उमानंद शर्मा, देवेन्द्र सिंह, डॉ नीलम गुप्ता, इंदिरा देवी, विजय, एवं संस्थान के चेयरमैन अभय प्रताप सिंह, वॉयस चेयरमैन योगेश प्रताप सिंह, प्रबन्ध निदेशक एस. ठाकुर चिकित्सकगण एवं छात्र-छात्रायें मौजूद थे।

'विश्व के मुख्य न्यायाधीशों का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन' 22 से

54 देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश व कानूनविद् पधारेंगे लखनऊ

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। 'विश्व के मुख्य न्यायाधीशों का 25वाँ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन' आगामी 22 नवम्बर, शुक्रवार से सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में प्रारम्भ हो रहा है। सम्मेलन में प्रतिभाग हेतु विभिन्न देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संसद के अध्यक्ष, संसद सदस्य, इण्टरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस के न्यायाधीशों समेत 54 देशों के मुख्य न्यायाधीश, न्यायाधीश व कानूनविद् लखनऊ पधार रहे हैं।

यह जानकारी आज यहाँ सी.एम.एस. गोमती नगर प्रथम कैम्पस ऑडिटोरियम में आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेन्स में सम्मेलन की संयोजका एवं सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने दी। इस अवसर पर सी.एम.एस. संस्थापिका-निदेशिका डा. भारती गाँधी एवं सम्मेलन के जनरल सेक्रेटरी श्री आर. सी. गुप्ता भी उपस्थित रहे। पत्रकारों

से बातचीत करते हुए प्रो. किंगडन ने बताया कि 'भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51' पर आधारित यह ऐतिहासिक सम्मेलन 'ए गवर्नेन्स फॉर द फ्यूचर' थीम पर आधारित है एवं विश्व एकता, विश्व शान्ति एवं विश्व के ढाई अरब से अधिक बच्चों के सुन्दर व सुखमय भविष्य को समर्पित है। लखनऊ की सरजमीं पर बीते 24 वर्षों से लगातार आयोजित यह सम्मेलन विश्व में एकता, शान्ति, न्याय व बच्चों के अधिकारों की अलख जगा रहा है। इसी कड़ी में '25वाँ अन्तर्राष्ट्रीय मुख्य न्यायाधीश सम्मेलन' आयोजित किया जा रहा है।

प्रेस कान्फ्रेन्स में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रो. किंगडन ने बताया कि आगामी 22 नवम्बर को इस एतिहासिक सम्मेलन के उद्घाटन हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमन्त्रित किया गया है। इसके अलावा, राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री, भारत सरकार, अर्जुन राम मेघवाल, कानून एवं न्यायमंत्री, भारत सरकार, कीर्तिवर्धन सिंह, राज्यमंत्री, विदेश,

यह सम्मेलन विश्व में एकता, शान्ति, न्याय व बच्चों के अधिकारों की अलख जगा रहा

भारत सरकार, डा. सुधांशु त्रिवेदी, सांसद, राज्यसभा, काटालिन नोवाक, पूर्व राष्ट्रपति, हंगरी, सर रॉडनी एरे लारेंस विलियम्स, गवर्नर-जनरल, एंटीगुआ और बारबुडा, न्यायमूर्ति एंथनी थॉमस एक्विनास कार्मोना, पूर्व राष्ट्रपति, त्रिनिदाद और टोबैगो, डा. पाकलिथा बी मोसिसिली, पूर्व प्रधानमंत्री, लेसोथो, जीन-हेनरी सेन्ट, पूर्व प्रधानमंत्री, हैती, अल्बान किंग्सफोर्ड सुमाना बागबिन, संसद के अध्यक्ष, घाना एवं न्यायमूर्ति श्री दलवीर भंडारी, न्यायाधीश, इण्टरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस, नीदरलैंड आदि अपनी गरिमामय उपस्थिति से सम्मेलन का गौरव बढ़ायेंगे।

इस ऐतिहासिक सम्मेलन की विस्तृत रूपरेखा बताते हुए प्रो. किंगडन ने बताया कि कि विभिन्न देशों के न्यायविद् व अन्य प्रख्यात हस्तियाँ 20 नवम्बर को नई दिल्ली में एकत्रित होंगे एवं प्रातः 10.00 बजे राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की समाधि 'राजघाट' पर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे एवं इसके उपरान्त दोपहर 12.00 बजे कान्स्टीट्यूशन क्लब में सम्मेलन के प्रथम सत्र को सम्बोधित करेंगे। इसी दिन, ये प्रख्यात हस्तियां राष्ट्रपति भवन जायेंगे एवं इसके उपरान्त लोटस टेम्पल में राष्ट्रीय बहाई आध्यात्मिक सभा द्वारा आयोजित रात्रिभोज में सम्मिलित होंगे। 21 नवम्बर को सभी प्रख्यात हस्तियाँ आगरा में ताजमहल का दीदार कर लखनऊ के लिए रवाना होंगे। सी.एम.एस. संस्थापिका-निदेशिका डा. भारती गाँधी ने इस अवसर पर कहा कि लखनऊवासियों के लिए यह गर्व का विषय है कि देश-दुनिया की तमाम प्रख्यात हस्तियाँ एक बार फिर से लखनऊ का नाम विश्वपटल पर आलोकित करने हेतु यहाँ पधार रही है।

प्रॉपर्टी डीलर से जमीन के नाम पर 95 लाख की ठगी

बहराइच। यूपी के बहराइच में मुड़की कुंडासपारा गांव निवासी प्रॉपर्टी डीलर से ठगों ने मुजफ्फरनगर में 52 बीघा जमीन का सौदा कराने के नाम पर फर्जीवाड़ा करते हुए स्टांप पेपर पर लिखा-पढ़ी कर 95 लाख रुपये हड़प लिए। काफी समय बीतने के बाद भी जब पैसा लौटाने में आनाकानी की तब जाकर उन्हें अपने ठगे जाने का अहसास हुआ। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने छह आरोपियों पर धोखाधड़ी, जान से मारने की धमकी समेत अन्य धारा में रिपोर्ट दर्ज की।

कुंडासपारा निवासी एजाज अहमद की फखरपुर थाना में दर्ज एफआईआर के अनुसार वे प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं और उनकी पारले चीनी मिल पर एक प्लॉटिंग की साइट है। कुछ माह पहले सादिक आया और मुजफ्फरनगर जनपद में एक प्लॉटिंग की साइट होने की जानकारी देते हुए एक करोड़ रुपये में एग्रीमेंट कर काम शुरू कराने की बात बोली।

उर्दू में डाक्टरेट की उपाधि से सम्मानित हुए सहायक प्रोफेसर रियाज़ अनवर

अवधनामा संवाददाता

संभल। रियाज़ अनवर, सहायक प्रोफेसर, उर्दू विभाग, एम.जी.एम. पीजी कॉलेज, सम्भल को भारत के प्रख्यात उच्च शिक्षण संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा शुक्रवार, 18 अक्टूबर, 2024 को शोध प्रबंध संबंधी मौखिक परीक्षा का चरण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उर्दू में डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्होंने डॉ. मुहम्मद आसिफ ज़हरी (भारतीय भाषा केंद्र, जे.एन.यू. नई दिल्ली) के मार्गदर्शन में उपेन्द्रनाथ अश्क के साहित्यिक योगदान का आलोचनात्मक अध्ययन शीर्षक से अपना शोध प्रबंध पूरा किया है। उनकी पीएच.डी. संबंधी मौखिक परीक्षा विश्वविद्यालय के नियमानुसार ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई जिस में डॉ. अब्दुल्लाह इम्तियाज़ अध्यक्ष, उर्दू विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, परीक्षक के रूप में सम्मिलित हुए। मौखिक परीक्षा के इस कार्यक्रम में शोध पर्यवेक्षक डॉ. मुहम्मद आसिफ ज़हरी के अतिरिक्त कई रिसर्च स्कॉलर और बुद्धिजीवी उपस्थित रहे। डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किए जाने पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. योगेन्द्र सिंह, प्रो. आबिद हुसैन हैदरी, उर्दू विभाग के साथी शिक्षक डॉ. नवेद अहमद ख़ान और डॉ. हुमा फ़ातिमा के अलावा कॉलेज के अन्य शिक्षकों और कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी। बता दें कि डॉ. रियाज़ अनवर का संबंध सम्भल की ही धरती से है। उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा नगर में स्थित मदरसा अंजुमन मुआविनुल इस्लाम द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालय से और माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक शिक्षा हिन्द इण्टर कॉलेज और मनोकामना इण्टर कॉलेज से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने देश के दो प्रख्यात विश्वविद्यालयों जामिया मिल्लिया इस्लामिया और जे.एन.यू. से बी.ए, बी.एड, एम.ए, एम.फिल. और पीएच.डी. की डिग्रियां हासिल की?। 2015 से 2020 तक, उन्होंने लेह-लद्दाख में केंद्र सरकार के अधीन नवोदय विद्यालय और दिल्ली सरकार के अधीन स्कूल व्याख्याता उर्दू के रूप में कार्य किया और 2020 में यूपी उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग द्वारा नियुक्ति लेकर सम्भल के प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थान एम.जी.एम. कॉलेज में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया और अपनी जन्मभूमि को कर्मभूमि बनाया। उनकी इस उपलब्धि पर शहर के विद्वानों और विशिष्ट हस्तियों ने भी ख़ुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने दिवंगत माता-पिता की दुआओं और अपने भाई-बहनों के त्याग और प्यार को दिया है। इस अवसर पर डॉ. रियाज़ अनवर ने सभी मित्रों, प्रशंसकों और शिक्षकों, विशेषकर डॉ. मुहम्मद आसिफ़ ज़हरी और प्रोफेसर मुहम्मद शाहिद हुसैन को धन्यवाद दिया।

गड्ढे में कबाड़ी बिनने वाले युवक की डूबने से मौत

बलिया। दोकटी थाना क्षेत्र के हृदयपुर गांव स्थित एक गड्ढे में कबाड़ बिनने वाले युवक की डूबने से मौत हो गई। मंगलवार की सुबह ग्रामीणों ने शव को बाहर निकाला। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। बता दें कि दोकटी थाना क्षेत्र हृदयपुर गांव स्थित एक गड्ढे से सोमवार की रात करीब दो बजे बचाओ- बचाओ की आवाज आई। आवाज सुन आस-पास के लोग घर से बाहर निकले और जिधर से आवाज आ रही थी उधर गए। देखा गया एक युवक गड्ढे के दलदल में डूब रहा है। फिर लेगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसको बचाया नहीं जा सका। गांव वालों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। रात में ही क्षेत्राधिकारी बैरिया डीके श्रीवास्तव, थानाध्यक्ष दोकटी वंश बहादुर सिंह,उप निरिक्षक कमलेश पाठक, उप निरीक्षक समर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की सहायता से शव को बाहर निकालने का प्रयास किया। लेकिन शव को बाहर नहीं निकाला जा सका। मंगलवार की सुबह होते ही गड्ढे के पास लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। गांव के युवाओं ने किसी तरह शव को गड्ढे के दलदल से बाहर निकाला। मृतक की पहचान तेज़न कमकर 32 वर्ष पुत्र शिवजी कमकर के रूप की गई।

प्राइवेट विद्यालयों का उत्पीड़न नहीं होगा बर्दाश्त : अजय श्रीवास्तव

- प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन की जखौरा ब्लाक स्तरीय इकाई गठित
- अरुण ताम्रकार ब्लॉक अध्यक्ष एवं हरिमोहन गोस्वामी बने महामंत्री

अवधनामा संवाददाता

अनावश्यक दबाव में ना आए विद्यालय

प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी प्राइवेट विद्यालय का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा जनपद का कोई भी विद्यालय संगठन की सदस्यता से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा किसी भी सरकारी विभाग या व्यक्ति द्वारा विद्यालयों पर अनावश्यक दबाव बनाकर यदि किसी भी तरह से उत्पीडऩ या शोषण किया जाता है तो एसोसिएशन संगठित रूप से उसका मुंह तोड़ जवाब देगी।

ललितपुर। एमकेजी पब्लिक स्कूल बांसी में प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन की ब्लॉक स्तरीय बैठक संगठन के जिलाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की ब्लॉक स्तरीय इकाई का गठन किया गया। प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन की विकास खंड जखौरा स्तरीय बैठक का आयोजन एमकेजी पब्लिक स्कूल बांसी के सभागार में किया गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने कहा कि एसोसिएशन की सभी ब्लॉक स्तर पर इकाइयों का गठन बहुत शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। प्रत्येक विकास खण्ड स्तरीय इकाई का गठन आगामी दिसंबर माह तक पूर्ण करने की योजना है। उन्होंने कहा कोई भी विद्यालय एसोसिएशन की सदस्यता से वंचित नहीं रहेगा। अजय श्रीवास्तव ने कहा कि सभी विद्यालय साथी संगठित रहे एवं संगठन के विकास के लिए कार्य करें। इस अवसर पर महामंत्री ध्रुव साहू ने बताया कि विकासखंड जखौरा की इकाई का गठन सर्वसम्मति से किया गया है जिसमें अरुण ताम्रकार ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश कुमार झा उपाध्यक्ष, हरिमोहन गोस्वामी महामंत्री वीर सिंह यादव कोषाध्यक्ष, राजेंद्र सिंह राजपूत मंत्री, भानु प्रताप यादव थनवारा को मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया। इस अवसर पर संगठन के संरक्षक अक्षय अलया, आलोक रिछारिया, जिलाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, जिला महामंत्री ध्रुव साहू, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामबाबू राजपूत, कनिष्ठ उपाध्यक्ष वसीम खजुरिया, कोषाध्यक्ष शिशुपाल, राहुल राठौर, संगठन मंत्री आकाश मसीह, विकासखंड बार के प्रभारी रामसेवक, बृजेंद्र सिंह ननौरा, दिनेश कुमार झा, वीरसिंह यादव, हरि मोहन गोस्वामी, राकेश जैन, सुदामा प्रसाद दुबे, रमाशंकर गोस्वामी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जल गुणवत्ता परीक्षण कार्यशाला का आयोजन

ललितपुर। एडीएम नमामि गंगे राजेश कुमार श्रीवास्तव एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के मुख्य आतिथ्य में एक दिवसीय जल गुणवत्ता परीक्षण कार्यशाला का आयोजन कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय जल निगम (ग्रामीण) के परिसर में किया गया। कार्यशाला में जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में उपचारित पेयजल की आपूर्ति हेतु निर्मित 15 नग जल शोधन संयंत्रों पर कार्यरत लैब सहायकों को जल निगम (ग्रामीण) ललितपुर के ट्रेनरों द्वारा जल परीक्षण के सम्बन्ध में ट्रेनिंग दी गयी एवं पेयजल हेतु निर्धारित पैरामीटर (गंदलापन, टी.डी.एस., पी.एच., फ्लोराईड, एसनेक, ई-कोली) के परीक्षण को विस्तृत रूप से समझाया गया। कार्यशाला में अपर जिलाधिकारी द्वारा आये हुए लैब सहायकों से संवाद किया गया तथा स्थापित लैब को सुव्यवस्थित रखकर ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक ग्रामों में शुद्ध उपचारित पेयजल आपूर्ति हेतु निर्देश दिये गये। कार्यशाला में जल निगम अधिशासी अभियन्ता इंजी.अवनीश सिंह, लीडर थीम इंजी. रमेश गुप्ता, टीम लीडर बी.एल.जी. सर्विसेज आशुतोष श्रीवास्तव, ट्रेनर केमिस्ट प्रियंका पाल व विनीषा राज आदि उपस्थित रही।

मेसर्स संगम मेडीसर्व प्रा.लि. बलिया का उठाएगी बायो मेडिकल वेस्ट

अवधनामा संवाददाता

बलिया। पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए प्रस्तुत संयुक्त जैव चिकित्सा अपशिष्ट उपचार संस्था मेसर्स संगम मेडीसर्व प्राली की सुनवाई त्रिभुवन, मुख्य राजस्व अधिकारी बलिया की अध्यक्षता में तथा क्षेत्रीय कार्यालय, उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, आजमगढ़ द्वारा प्लाट नं0-1381, मून छपरा, परगना खरीद, तहसील-बलिया, जनपद-बलिया की सुनवाई प्रस्तावित स्थल पर हुई। सुनवाई के समय क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों द्वारा संयुक्त जैव चिकित्सा अपशिष्ट उपचार संस्था से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गए। लोगों के समक्ष तमाम सवालों के बाद बलिया बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण के लिए संयुक्त जैव चिकित्सा अपशिष्ट उपचार संस्था मेसर्स संगम मेडीसर्व प्रालि का चयन किया गया। इस बार नये सत्र का बायो मेडिकल वेस्ट यही संस्था उठाएगी। अधिकतर लोगों द्वारा प्लाण्ट के संचालन होने पर रोजगार एवं वायु प्रदूषण से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गये। मौके पर उपस्थित प्लाण्ट के प्रबन्ध निदेशक हरिओम द्विवेदी द्वारा आश्वासन दिया गया कि क्षेत्र के लोगों को प्लाण्ट में रोजगार हेतु प्राथमिकता दी जाएगी। प्लाण्ट से होने वाले जल, वायु एवं ध्वानि प्रदूषण के सम्बन्ध में क्षेत्रीय अधिकारी, उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, आजमगढ़ द्वारा अवगत कराया गया कि प्लाण्ट में जल, वायु एवं ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण की पूर्ण व्यवस्था स्थापित की जाएगी। इस मौके पर हरिओम द्विवेदी, प्रबन्ध निदेशक प्लाण्ट तथा अजीत कुमार सुमन, क्षेत्रीय अधिकारी, ओएच सिद्दीकी, सहायक वैज्ञानिक अधिकारी तथानवीन कुमार, प्रयोगशाला सहायक उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, आजमगढ़ उपस्थित रहे।

अमन व सलामती की दुआओ के साथ संपन्न हुआ दो रोजा उर्स

अवधनामा संवाददाता

हरदोई। बिलग्राम कस्बे मोहल्ला मैदानपुरा में बीते दिन शनिवार-इतवार 800वाँ उर्से फ़ातहे बिलग्राम शुरुआत तिलावते कुरान पाक से हुई जिसकी सरपरस्ती मखदूमे मिल्लत पीर बरहक सरकार सैय्यद उवैस मुस्तफा वास्ती ने की और वास्ती कॉन्फ्रेंस में लोगों को नेकराह पर चलने की हिदायत दी और अपने मुल्क हिंदुस्तान से मोहब्बत करने के लिए आमादा किया उर्स के पहले दिन शनिवार बाद नमाज़े फजर कुरानख्वानी बाद नमाज़े मगरिब क़ादरी दादा मियां रहमतुल्लाह अलैह का कुल शरीफ हुआ इशा से फजर तक वास्ती कॉन्फ्रेंस शुरू हुई जिसमें शोराए कराम ने नातों से रौनक बढ़ाई वहीं उलमाए कराम ने दीन पर रोशनी डाली अगले दिन रविवार बाद नमाज़े फजर कुरानख्वानी बाद ख्वाजा इमादुद्दीन चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह का कुल शरीफ हुआ सुबह आठ बजे वास्ती कॉन्फ्रेंस बाद 12:45 पर कुल शरीफ फातहे बिलग्राम हुआ बाद सलातो सलाम के बाद हज़रत सैय्यद उवैस मुस्तफा वास्ती ने वतन के अमन व सलामती के लिए दुआ की और लंगर बटा जिसमें शोराए कराम उलमाए कराम ने उर्स मुबारक को कामयाब बनाकर बुजुर्गो के फ़ज़्ल बरकात से अपने आपको मालामाल किया इस मौके पर सैय्यद बादशाह हुसैन वास्ती, सैय्यद नजीब मियां हैदर, सैय्यद अमान मियां, सैय्यद फैजान मियां वास्ती, सैय्यद हुसैन मियां वाहिदी, सैय्यद सोहेल मियां वाहिदी ,सैय्यद सालार मियां वास्ती, सैय्यद अनस मियां वास्ती, सैय्यद अली मियां वास्ती,मंच पर सभी उल्लमाए कारम, शोराए कराम, कमेटी अध्यक्ष वाजिद हुसैन, समाजसेवी राजू खान, शजर आलम एवं अंजुमन गुलमने रसूल के तमाम मेंबरान मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा जागरूकता के संबंध में जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं होगी आयोजित

ललितपुर। नगर के रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय में 14 नवंबर को सुबह 10.30 बजे से सड़क सुरक्षा से संबंधित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं को आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में प्राचार्य प्रो. केशव देव एवं कार्यक्रम के संयोजक डा.रीतेश कुमार खरे ने बताया कि शासन के दिशा निर्देश के अनुक्रम में छात्र-छात्राओं में सड़क दुर्घटनाओं के प्रति जागरूकता के संबंध में भाषण, पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

भाषण प्रतियोगिता का विषय आधुनिक भारत में सड़क सुरक्षा-एक चुनौती होगा। इसमें जनपद ललितपुर के विभिन्न महाविद्यालय से चयनित प्रतिभागी छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को परिवहन विभाग द्वारा धनराशि एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में एआरटीओ, प्रभारी यातायात आलोक कुमार तिवारी, महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षक आदि उपस्थित रहेंगे।

यातायात जागरूकता के लिए महाविद्यालय पहुंचे सीओ ट्रैफिक

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निकट पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी यातायात अजय कुमार द्वारा कुंवर हरपाल सिंह चंदेल महाविद्यालय सौजना रोड महरौनी में यातायात जागरूकता कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय स्टाफ और छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों यथा- वैध लाइसेंस के साथ ही वाहन चलाना, दो पहिया वाहन चलाते समय सदैव हेलमेट का प्रयोग, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग, सड़क पर वाहन चलाते समय स्टंट, खतरनाक ड्राइविंग न करने, दुर्घटना में घायल व्यक्ति की तुरंत मदद करने, गोल्डन हॉवर आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और शपथ दिलाई गई। साथ ही प्रभारी यातायात आलोक कुमार तिवारी द्वारा जागरूकता अभियान के तहत शहर के प्रमुख चौराहों पर वृहद चेकिंग अभियान एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बिना सीट बेल्ट बांधे, तीन सवारी, बिना हेलमेट, बिना लाइसेंस, बिना बीमा, बिना फिटनेस, स्टंट, मोडिफाइड साइलेंसर, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग, अवैध हूटर्स आदि के खिलाफ प्रभावी प्रवर्तन की कार्यवाही करते हुए 241 वाहनों का चालान किया गया।

मुख्य मार्ग पर गंदगी से परेशान छात्रों और अभिभावकों ने प्रदर्शन किया

अवधनामा संवाददाता

संभल। ब्लॉक पंवासा क्षेत्र के गांव मिलक धुरैटा बरवाली मड़ैया मैं मुख्य मार्ग पर गंदगी से ग्रामीण परेशान हो रहे। बच्चे नहीं पहुंच पा रहे स्कूल पढ़ने के लिए गंदगी से निकलने के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल आपको बता दे पूरा मामला संभल के पंवासा क्षेत्र के गांव मिलक धुरैटा बरवाली मड़ैया का है जहां पर गांव के मुख्य रास्ते पर जल भराव गंदगी का अंबार लगा हुआ है जिससे ग्रामीण व स्कूली बच्चे रास्ते से निकलने से कीचड़ का सामना करना पड़ रहा है जिससे स्कूली छात्रा गंदगी मैं निकलने को मजबूर हैं गंदगी से संक्रमण बा घातक बीमारियों का जन्म होता है कुछ समय पहले सारंगपुर में इसी तरह का मामला सामने आया था जहां पर गलियों में जल भराव गंदगी का अंबार लगा हुआ था जिससे ग्रामीण परेशान होकर गांव में धरना प्रदर्शन व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की ग्रामीणों का आरोप है ना तो ग्राम प्रधान द्वारा जल भराव की बा गंदगी की साफ सफाई नहीं की जाती है ग्रामीणों ने काफी बार प्रधान से जल भराव की शिकायत की थी मगर ग्राम प्रधान के कानों में जू तक नहीं रेंगी ग्राम प्रधान सारंगपुर जैसे बड़े हादसों का इंतजार कर रहा है जब तक प्रशासन इस और ध्यान नहीं देगा तब तक ग्राम प्रधान द्वारा गांव में ना तो साफ सफाई कराएगा और ना ही जल भराव को साफ कराएगा ग्रामीण बा स्कूली बच्चे इस समस्या से जूझ रहे हैं अनंत प्रयास करने के बाद ग्रामीणों का कोई समाधान नहीं हो पा रहा है जिससे ग्रामीणों ने इसकी शिकायत वीडियो से शिकायत की हैं देखना यह होगा की वीडियो साहब का इस शिकायत से कितना असर होगा शिकायतकर्ता पुष्पेंद्र सिंह महिपाल तोताराम शिवकुमार रामसेवक रोहित आदि रहे उपस्थित रहे।

सैनी समाज का 18 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न

अवधनामा संवाददाता

- 11 जोड़े हुए एक दूजे के, दहेज रहित शादी सम्पन्न

मथुरा। महात्मा ज्योतिबा फूले विकास समिति मथुरा द्वारा 18 वॉ सामूहिक विवाह समारोह नगला चिरंजी लक्ष्मी नगर जमुनापार मथुरा में कार्यक्रम संयोजक मुकेश सैनी तथा राम अचल मौर्य व ओमप्रकाश सैनी के संचालन में आयोजित किया गया। सामूहिक विवाह समारोह में सर्वप्रथम वर वधू ने महात्मा ज्योतिबा फुले, माता सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित किए तत्पश्चात मंगल गीत के साथ नाचते गाते बाराती हंसी खुशी के साथ दहेज रहित शादियों की आयोजन में बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में 11 जोड़े दांपत्य जीवन से जुड़े। विवाह समारोह में मुख्य रूप से लक्ष्मण सैनी,हुकुम सिंह सैनी, अनिल सैनी, नत्थी लाल सैनी, कन्हैया लाल सैनी आदि ने संयुक्त रूप से नव दंपतियों को घर के भरण पोषण हेतु आवश्यक वस्तुएं उपहार स्वरूप भेंट किया। 18 वे सामूहिक विवाह समारोह में संस्था के अध्यक्ष रमेश सैनी ने समस्त सहयोगी एवं व्यवस्थापक लोगों के साथ नगला चिरंजी के नागरिक, जिन्होंने भोजन की व्यवस्था को सफल तरीके से निभाया सबका आभार व्यक्त किया। अध्यक्षता गिरिराज सैनी ने की। इस मौके पर लोगों ने दहेज रहित शादी करने का संकल्प लिया। सामूहिक विवाह के दौरान सुनील सैनी, प्रेमचंद सैनी, बांके सैनी, लुकेश कुमार राही, पवन ठाकुर, देवो सैनी, शिवचरण सैनी, जसवंत सिंह कुशवाह, विवेक कुमार, बुद्दीलाल सैनी, डॉ राजकुमार सैनी, जगदीश सैनी, संतोष सैनी, योगेंद्र सैनी, बिहारी लाल सैनी, अध्यापक अनिल सैनी, कैलाश सैनी, बिंद्रा सैनी, मुन्नी सैनी, चंदा सैनी आदि।

मस्तिष्क ट्यूमर के लिए मिनिमली इनवेसिव प्रकिर्या एक बेहतर ईलाजः डॉ. आशीष गुप्ता

अवधनामा संवाददाता

- मथुरा के 41 वर्षीय मरीज़ को नया जीवन मिला

मथुरा। दिल्ली के पटपड़गंज स्थित मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के डॉक्टरों ने मथुरा निवासी 41 वर्षीय मरीज़ को जीवन की नई उम्मीद दी। इस मरीज़ के पिट्यूटरी ग्रंथि में मस्तिष्क ट्यूमर (मैक्रो एडेनोमा) पाया गया था, जिसके उपचार में एंडोस्कोपिक नेविगेशन गाइडेड मस्तिष्क सर्जरी का उपयोग किया गया, जिसमें शरीर में कोई चीरा नहीं लगाया गया।

मरीज़ मनीष बंसल ने दृष्टि में धीरे-धीरे आई गिरावट, दृष्टि में धुंधलापन और सिर दर्द की शिकायत की थी। मामले पर विस्तार से बताते हुए, एक सार्वजनिक जागरूकता सत्र के दौरान, मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, पटपड़गंज के, न्यूरोसर्जरी और स्पाइन विभाग के वरिष्ठ निदेशक डॉ. आशीष गुप्ता ने कहा, ÷विस्तृत जांच में पिट्यूटरी ग्रंथि के पास एक स्पष्ट ट्यूमर पाया गया। यह ट्यूमर ऊपर की ओर बढ़कर ऑप्टिक नसों पर दबाव डाल रहा था, जिससे मरीज़ की दृष्टि में समस्या आ रही थी। एमआरआई स्कैन में ट्यूमर मिश्रित तीव्रता के साथ एक समान दिखाई दिया। ट्यूमर का आकार लगभग 25×20×27 मिमी था, और यह इतना बड़ा था कि इसने सामान्य पिट्यूटरी ग्रंथि और स्टॉक को ढक दिया था।

डॉ. आशीष ने आगे बताया, ÷न्यूरो नेविगेशन मस्तिष्क और रीढ़ की सर्जरी में सुरक्षित और सटीकता प्रदान करता है, जिससे मरीज़ जल्दी ठीक होता है। एंडोस्कोपिक और न्यूरो नेविगेशन- गाइडेड तरीका हमें बिना किसी पारंपरिक चीरे के सटीकता के साथ ट्यूमर को निकालने में मदद करता है, जिससे रिकवरी जल्दी होती है और जोखिम कम हो जाते हैं। इस तकनीक में उन्नत इमेजिंग और छोटे उपकरणों का उपयोग किया जाता है, जिन्हें नाक के माध्यम से मस्तिष्क के गहरे हिस्सों तक पहुँचाने में आसानी होती है, जो कि ओपन सर्जरी से मुश्किल होता। यह विशेष रूप से संवेदनशील हिस्सों, जैसे कि ऑप्टिक नसों के पास के ट्यूमर के लिए उपयोगी है, जैसे कि इस मरीज़ के मामले में। मरीज़ की स्थिति अच्छी है और उनकी दृष्टि सामान्य हो गई है। यह आधुनिक तरीका मस्तिष्क ट्यूमर के मरीज़ों को सुरक्षित, कम जटिल और जल्दी ठीक होने के विकल्प प्रदान करता है।

घर-घर में ब्रजवासी महिलाओं ने जगाये देव

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। चार माह की लंबी नींद के बाद मंगलवार को ब्रज भूमि के घर-घर में देवउठनी एकादशी पर देवों को उठाया गया। शाम को घर के चौक या आंगन में देवों की प्रतिमा उकेर कर उनकी पूजा की गई। देव उठनी एकादशी के साथ ही शादी व अन्य शुभ कार्यो को शुरू करने का सीजन शुरू हो गया। देवउठनी एकादशी पर शहर व कस्बे ही नहीं ग्रामीण अंचल शादी की शहनाई से गूंजायमान हो उठा। काफी शादी दिन में भी हुई। इससे दिन-रात में बारात निकलने की वजह से कई जगह जाम भी लग गया। देवउठनी पर शादी का सबसे शुभ व अबूझ मुहूर्त था। ऐसे में इस दिन बड़ी संख्या में शादी हुई। शहर के लगभग सभी वैवाहिक स्थलों की बुकिंग फुल रही। काफी शादी दिन में भी हुई। बारात की वजह से लोगों को जाम का सामना करना पड़ा। इस दौरान धूमधाम से तुलसी विवाह का आयोजन किया गया। इस मौके पर कई समाजसेवी संस्थाओं द्वारा सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। कई जगह देवोत्थान एकादशी के उपलक्ष्य में शालीग्राम तुलसी का पाणिग्रहण संस्कार संपन्न कराया गया। मंगलवार को देवउठनी एकादशी के पर घर-घर में देवता को उठाया गया। घरों में दीवार पर देवों की प्रतिमा को उकेर कर शाम को महिलाओं ने देवों को जगाया। उठो देवा बैठो देवा, पानी पियो देवा ,हाथ पैर फटकारो देवा भजन गाएं। इस मौके पर गन्ने, सिंघाड़े व घर में बने भोजन से देवों को भोग लगाया गया। यही प्रसाद आस-पड़ोस व अन्य लोगों में वितरित किया गया।

देवोत्थान एकादशी पर तीन वन परिक्रमा लगाने उमड़ परिक्रमार्थियों का रेला

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। कल शाम को कंस का वध करने के बाद देवोत्थान एकादशी के पावन पर्व पर तीन वन की लगाने के लिए मंगलवार को हजारों की संख्या में परिक्रमार्थी उमड़ पड़े। परिक्रमार्थियों ने प्रातः यमुना में स्नान किया। उसके बाद तीन वन की परिक्रमा भोर में प्रारंभ की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मथुरा, वृंदावन, छटीकरा के प्राचीन देवालयों के दर्शन करके पुण्य लाभ कमाया। तीन वन की परिक्रमा के लिए मंगलवार की भोर से ही भक्ति व आस्था का रेला उमड़ पड़ा। मथुरा-वृंदावन और छटीकरा के रूप में प्रसिद्ध तीन वन यानि की 18 कोस की इस परिक्रमा में सबसे ज्यादा भीड़ ग्रामीण अंचल के लोगों की नजर आयी। मथुरा जनपद के अलाव आसपास के जनपद के लोगों ने भी बड़ी संख्या में परिक्रमा लगाई। परिक्रमार्थियों का रेला सुबह चार बजे से बढ़ना शुरु हुआ, जो शाम तक जारी रहा। चतुर्वेदी समाज के लोगों ने कंस वध के बाद बीती रात्रि से परिक्रमा प्रारंभ कर दी। ये लोग हाथों में लाठियां लेकर परिवार सहित परिक्रमा लगाते हुए दिखाई दिए। विश्राम घाट से परिक्रमा का प्रारंभ करने के बाद श्रद्धालुओं का रेला बंगाली घाट, ध्रुव घाट, जीआईसी चौराहा, नौगजा अंबाखार, क्वालिटी चौराहा, डंपियर नगर, सौंख अड्डा, शिवताल, नया बस स्टैंड, कंकाल देवी मंदिर, भूतेश्वर महादेव, जगन्नाथपुरी, पोतरा कुंड, महाविद्या मैदान, सरस्वती कुंड, गोकुल रेस्टोरेंट, राष्ट्रीय राजमार्ग, छटीकरा, गरुण गोविंद, बांके बिहारी, कालीदह, केसी घाट, टटिया स्थान, राजपुर गांव, अक्रूर घाट, जयसिंहपुरा, मोक्षधाम, चक्रतीर्थ घाट, कंस किला, गऊ घाट होते हुए वे श्राम घाट पर सम्पन्न हो रही थी। इस बीच मथुरा की पंचकोसीय परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं की भी भारी भीड़ रही। ये श्रद्धालु सरस्वती कुंड से चामुंडा होते हुए गायत्री तपोभूमि होकर मोक्षधाम होते हुए विश्राम घाट पहुंचे। यही हाल वृंदावन की परिक्रमा करने वालों का रहा। इस दौरान वृंदावन में जगह जगह जाम की स्थिति दिखाई दी। परिक्रमा मार्ग में फल, फलाहार, गन्ना, सिंघाड़े, चाट-पकौड़ी व खेल-खिलौने बेचने वालों लंबी कतार थी। चाय की दुकानें भी बड़ी संख्या लगी हुई थीं। परिक्रमार्थियों की सेवा के लिए लोगों ने कहीं विश्राम स्थल तो कहीं भंडारे लगाए थे।

नंदीग्राम मेले की तीसरी नेत्र से हो रही निगहबानी

बलिया। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भृगु मुनि के शिष्य दर्दर मुनि के नाम पर लगने वाले ददरी मेला के नंदीग्राम मेला की शुरूआत दीपावली व भैया दूज के बाद हो गई है। नंदीग्राम मेले आए पशुपालकों व व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस महकमा चप्पे-चप्पे पर मुश्तैद है। इसके अलावा पूरे नंदीग्राम मेले में 20 सीसीटीवी कैमरे लगाकर निगहबानी की जा रही है। यह कैमरे किसी भी क्षेत्र से मेले में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्याक्ति को कैद कर ले रहा है। इसके अलावा कैमरे में वाइस रिकार्डिंग भी है। जिसके कारण मेले के अंदर कोई भी परिंदा पर तक नहीं मार सकता है। इसके साथ ही जगह–जगह नंदीग्राम मेला प्रभारी का मोबाइल नंबर भी बैनर व होर्डिंग पर अंकित किया गया है। ताकि कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार की असुविधा होने पर संपर्क कर सकता है।

मथुरा में दिनदहाड़े बुजुर्ग का अपहरण

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। जैत थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक बुजुर्ग का अपहरण दिनदहाड़े किया गया, जिसकी तस्वीरें सीसीटीवी में कैद हो गई। तीन नकाबपोश बदमाशों ने एक ढाबे पर चाय पी रहे सुमेर सिंह (60) को जबरदस्ती अपनी सफेद ऑल्टो कार में डालकर फरार हो गए। जब आसपास के लोगों ने इसका विरोध किया तो बदमाशों ने फायरिंग करके उन्हें डरा दिया। इस किडनैपिंग का लाइव वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। मथुरा के राल इलाके में मंगलवार सुबह एक चाय के ढाबे पर सुमेर सिंह अपने दिन की शुरुआत कर रहे थे, तभी एक सफेद रंग की ऑल्टो कार आई। कार से तीन नकाबपोश बदमाश उतरे और उन्होंने बुजुर्ग को जबरदस्ती अपनी गाड़ी में डाल लिया। इस दौरान सीसीटीवी कैमरे में पूरा घटनाक्रम रिकॉर्ड हो गया, जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे बदमाश बुजुर्ग को उठा कर कार में बैठाते हैं। इसके बाद, जब स्थानीय लोगों ने विरोध किया, तो बदमाशों ने फायरिंग की और फरार हो गए। मथुरा पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, सुमेर सिंह के किडनैपिंग के पीछे पारिवारिक और जमीनी विवाद का हाथ हो सकता है। पुलिस ने बताया कि सुमेर सिंह के नाम पर काफी कीमती ज़मीन है, जिसके कारण ये घटना घटित हुई हो सकती है।

संन्यास को लेकर जेम्स एंडरसन का खुलासा, ब्रेंडन मैकुलम-बेन स्टोक्स की बातें सुन रह गए थे हैरान

इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जिमी एंडरसन का कहना है कि वे अभी संन्यास नहीं लेना चाहते थे। कोच ब्रेंडन मैकुलम और कप्तान बेन स्टोक्स की बातें सुनकर वह हैरान रह गए थे। उन्होंने द गार्जियन को बताया कि जब मैकुलम और स्टोक्स ने कहा कि वे उनसे आगे बढ़ने की योजना कर रहे हैं, तो उन्हें गुडफेलास के जो पेस्सी जैसा महसूस हुआ। इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट क्रिकेट लेने वाले गेंदबाज ने कहा कि उन्हें गुस्सा नहीं आया, उन्हें झटका लगा था। उन्होंने कहा कि, मुझे नहीं लगता कि मैं गुस्सा था। मैं बस चौंक गया था। ईमानदारी से कहूं तो, मैं तब तक खेलना जारी रख सकता था तब तक मेरा शरीर मुझे अनुमति देता। शायद मुझे इस एहसास की जरुरत थी कि अब संन्यास लेने का सही समय है।

गेंदबाजी कोच के तौर पर इंग्लैंड की टीम से जुड़ने से उन्हें संन्यास के बाद मदद मिली। उन्होंने कहा, अगर ये मेरे जीव से पूरी तरह से चला जाता तो मुझे नहीं लगता कि मैं इसका बहुत अच्छी तरह से सामना कर पाता। वे चाहते थे कि मैं ग्रुप के साथ रहूं, इससे मुझे मदद मिली। मैं अभी भी ड्रेसिंग रूम के माहौल में हूं, अभी भी अपने साथियों को हर दिन खेल रहा हूं। अभी भी टेस्ट मैचों पर प्रभाव डाल रहा हूं, लेकिन जाहिर तौर पर बहुत अलग तरीके से।

एंडरसन का कहना है कि कोचिंग के दौरान के वे अपने व्यक्तित्व को लेकर नए पहलुओं को सीख रहे हैं। उन्होंने कहा कि, मुझे ये काफी रोमांचक लगता है कि मैं एक अलग काम सीख रहा हूं। अपने बारे में और अधिक जान रहा हूं। ये जान रहा हूं कि मैं इसमें अच्छा हूं या नहीं। इसलिए ये काफी दिलचस्प रहा है और एक कोच के तौर पर मैं अब देख सकता हूं कि इस फेसले से वास्तव में टीम को फायदा हुआ है क्योंकि गेंदबाजों के लिए आने और अच्छा प्रदर्शन करने के ज्यादा अवसर मिले हैं।

एंडरसन एंड कंपनी के लिए आगे का समय बहुत व्यस्त रहने वाला है। इंग्लैंड को भारती की मेजबानी करने से पहले न्यूजीलैंड का दौरा करना है। फिर एशेज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है। कहना है कि उनका मुख्य काम युवा तेज गेंदबाजों को तैयार करना है। उन्होंने कहा कि, यही वह चीज है जो वे एक साल के समय में होने वाली एशेज के साथ करने की कोशिश कर रहे थे। वे ये सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनके पास पर्याप्त अनुभवी खिलाड़ी हों।

बीजीटी के लिए ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने किया टीम इंडिया का अनोखा स्वागत, अखबारों में दी विराट कोहली को स्पेशल जगह

आईपीएल 2025 को लेकर कुछ ना कुछ खबरे सामने आती रहती हैं। अब केकेआर यानी कोलकाता नाइट राइडर्स की तरफ से एक खबर सामने आई है दरअसल, केकेआर के नए कप्तान को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। केकेआर के कप्तान को लेकर ऐसा नाम सामने आया है। जिस पर यकीन करना मुश्किल होगा।

रिपोर्ट के अनुसार टीम के बेहतरीन बल्लेबाज रिंकू सिंह आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रिंकू सिंह ही आईपीएल 2025 में श्रेयस अय्यर की जगह टीम की अगुवाई करेंगे। हालांकि, फ्रेंचाइजी ने इस पर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। आईपीएल 2025 के लिए केकेआर ने आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह और हर्षित राणा को रिटेन किया है। केकेआर ने 4 कैप्ड खिलाड़ी और 2 अनकैप्ड खिलाड़ी रिटेन किए हैं। 55 लाख रुपये वाले रिंकू सिंह को केकेआर ने आगामी सीजन के लिए 13 करोड़ रुपये में रिटेन किया है। वरुण चक्रवर्ती 12 करोड़ रुपये, सुनील नरेन 12 करोड़ रुपये, आंद्रे रसेल 12 करोड़ रुपये, हर्षित राणा 4 करोड़ रुपये और रमनदीप सिंह भी 4 करोड़ रुपये में रिटेन हुए हैं।

केकेआर ने 120 करोड़ में से करीब 57 करोड़ रुपये 6 खिलाड़ी रिटेन करने में खर्च कर दिए हैं। अब केकेआर के पास आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में 63 करोड़ रुपये होंगे। पहले ऐसा कहा जा रहा था कि केकेआर सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाना चाहती है, लेकिन सूर्या अब मुंबई में ही रहेंगे। ऐसे में केकेआर को नए कप्तान की तलाश थी, अब खबर है कि केकेआर ने कप्तान के तौर पर रिंकू सिंह के नाम की मुहर लगा दी है। हालांकि, इसका आधिकारिक एलान नहीं हुआ है।

पर्थ स्टेडियम में लगा लॉकडाउन, टीम इंडिया करेगी सीक्रेट ट्रेनिंग

आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2024-25 साइकल की सबसे अहम टेस्ट सीरीज 22 नवंबर से पर्थ में शुरु होगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में इस बार चार की जगह पांच टेस्ट मैच खेले जाने हैं और इस टेस्ट सीरीज का रिजल्ट ये फैसला करेगा की डब्ल्यूटीसी 2023-25 के फाइनल में भारत जगह बना पाएगा या नहीं।

टेस्ट सीरीज का पहला मैच 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाना है। पर्थ के पुराने टेस्ट वेन्यू यानी वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट एसोसिएशन पर भारतीय टीम ने सीक्रेट ट्रेनिंग कैंप लगाया है। स्टेडियम के चारों तरफ नेट्स लगाए गए हैं और इसके पब्लिक के लिए बंद कर दिया गया है। विराट कोहली पर्थ पहुंचने वाले भारतीय टेस्ट टीम के पहले खिलाड़ी थे, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज शुरू होने से दो हफ्ते पहले ही पहुंच गए। सीरीज के पहले टेस्ट मैच में कप्तान रोहित शर्मा का खेलना मुश्किल है।

द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, स्टेडिय इस समय लॉकडाउन में है, जो उस समय की याद दिलाता है जब ऑस्ट्रेलिया में 2022 टी20 वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय टीम पर्थ पहुंची थी। इसकी बाउंड्री को नेट्स लगाकर ढक दिया गया था और पब्लिक के लिए इसे बंद कर दिया गया था और इसके अलावा स्टेडियम के कर्मचारियों को भी अंदर फोन इस्तेमाल करने की परमिशन नहीं थी। भारत को ऋतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली भारत ए टीम के खिलाफ प्रैक्टिस खेल खेलना था, जो पहले से ही ऑस्ट्रेलिाय ए के खिलाफ दो मैचों की अनऑफिशियल टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया में थी। हालांकि, बीसीसीआई ने घरेलू टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड के खिलाफ क्लीनस्वीप के बाद प्रैक्टिस मैच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट मैच के रूप में ही खेलेंगे।

रिपोर्ट में खुलासा, पाकिस्तान वापस ले सकता है आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से नाम

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान जाने की संभावनाओं पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आने के बीच, डॉन की एक रिपोर्ट में आधिकारिक सूत्रों का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि मेजबान टीम टूर्नामेंट से पूरी तरह से हट सकती है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को सूचित किया है कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी और वह अपने मैचों के लिए यूएई जैसे तटस्थ स्थल पर खेलने को लेकर सहज है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन फरवरी में किया जाएगा। यह ताजा घटनाक्रम उन रिपोर्टों के बाद सामने आया है जिनमें कहा गया है कि आईसीसी इस टूर्नामेंट को पूरी तरह से स्थानांतरित करने पर विचार कर सकता है। डॉन ने एक सूत्र के हवाले से कहा, ÷ऐसे मामले में सरकार जिन विकल्पों पर विचार कर रही है, उनमें से एक विकल्प पीसीबी से यह सुनिश्चित करने के लिए कहना है कि पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी में भाग न ले। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से देख रही है। इसके अलावा, पीटीआई की एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीवीबी) से पुष्टि मांगी है कि क्या हाइब्रिड मॉडल उन्हें स्वीकार्य है। एक सूत्र ने सोमवार को पीटीआई को बताया, जब तक पीसीबी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी से हटने का फैसला नहीं करता, तब तक मौजूदा योजना भारत के मैच यूएई में और फाइनल दुबई में आयोजित करने की है। सूत्र ने कहा, भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी से कहा है कि हाइब्रिड मॉडल उन्हें तभी स्वीकार्य है जब फाइनल दुबई में हो, पाकिस्तान में नहीं।

प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में होगी शमी की वापसी, मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच खेलेंगे

भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की लगभग एक साल बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी होगी जब वह बुधवार से इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी मुकाबला खेलेंगे। बंगाल क्रिकेट संघ ने यह घोषणा की। पिछले साल 19 नवंबर को विश्व कप 2023 फाइनल के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर शमी के टखने में चोट थी जिसके लिए उन्हें आपरेशन कराना पड़ा। उनका लक्ष्य बेंगलुरू में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कड़े रिहैबिलिटेशन के बाद मैच स्थिति में मैच फिटनेस साबित करना होगा।

बंगाल क्रिकेट संघ के सचिव नरेश ओझा ने बयान में कहा, ''भारतीय क्रिकेट टीम और बंगाल रणजी ट्रॉफी को स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के बुधवार से इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ शुरू हो रहे बंगाल के रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मैच के साथ प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने से मजबूती मिलेगी।'' ओझा ने कहा कि शमी बंगाल के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे और ऑस्ट्रेलिया में मौजूद भारत के थिंक टैंक की नजरें भी उनके प्रदर्शन पर टिकी होंगी।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया में बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का साथ देने के लिए आकाश दीप, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे अनुभवहीन तेज गेंदबाजों पर भरोसा किया है। मुकेश कुमार, नवदीप सैनी और खलील अहमद भी रिजर्व खिलाड़ियों को शामिल हैं लेकिन इन्हें भी टेस्ट क्रिकेट खेलने का अधिक अनुभव नहीं है। शमी ने 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया में भारत की टेस्ट श्रृंखला में 2-1 की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 26.18 के औसत से 16 विकेट चटकाए थे।

मनोज मित्रा के निधन से बेहद दुखी है बंगाली सिनेमा, मौत की खबरों से बीजेपी नेताओ सहित ममता बनर्जी भी दुखी, जानें जाने-माने कलाकार की उपलब्धियां क्या थी?

वरिष्ठ बंगाली अभिनेता और नाटककार मनोज मित्रा नहीं रहे। प्रसिद्ध बंगाली रंगमंच व्यक्तित्व मनोज मित्रा अक्सर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर आधारित अपने नाटकों और काल्पनिक नाटकों के लिए जाने जाते थे। मनोज मित्रा ने मंगलवार सुबह कोलकाता के एक अस्पताल में उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। वे 86 वर्ष के थे।

अस्पताल के एक डॉक्टर ने पुष्टि की कि मनोज मित्रा का मंगलवार सुबह लगभग 8÷50 बजे निधन हो गया। डॉक्टर ने बताया, उन्हें कई स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 3 नवंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और समय के साथ उनकी हालत बिगड़ती गई। दुर्भाग्य से आज सुबह वे हमें छोड़कर चले गए।

उनके निधन की खबर मिलने के बाद, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। ममता ने अपनी पोस्ट में लिखा आज सुबह प्रसिद्ध अभिनेता, निर्देशक और नाटककार बंगा विभूषण मनोज मित्रा के निधन से दुखी हूं। वे हमारे थिएटर और फिल्म जगत में एक अग्रणी व्यक्तित्व थे और उनका

योगदान बहुत बड़ा रहा है। मैं उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। उनका सबसे लोकप्रिय प्रोजेक्ट तपन सिन्हा की बंछारामर बागान है, जिसे उनके अपने नाटक सजानो बागान से रूपांतरित किया गया था। इतना ही नहीं, उन्होंने दिग्गज निर्देशक सत्यजीत रे की फिल्मों जैसे घरे बैरे और गणशत्रु में भी काम किया है। उन्होंने बंगाली फिल्मों में कई हास्य और खलनायक की भूमिकाएँ निभाई हैं। पिछले कुछ वर्षों में, उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कार और प्रशंसाएँ मिली हैं, जिनमें 1985 में सर्वश्रेष्ठ नाटककार के लिए संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, 1980 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए फिल्मफेयर अवार्ड ईस्ट, 2012 में दीनबंधु पुरस्कार आदि शामिल हैं।

मनोज ने 1957 में नाटक में अभिनय करना शुरू किया। उन्होंने 1979 में फिल्मों में अभिनय करना शुरू किया। रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय में नाटक विभाग के प्रमुख के रूप में शामिल होने से पहले उन्होंने विभिन्न कॉलेजों में दर्शनशास्त्र भी पढ़ाया। उन्होंने पहला नाटक मृत्यु खेज जल 1959 में लिखा था। लेकिन 1972 में नाटक चक बंगा मधु से उनकी प्रसिद्धि और पहचान बढ़ी। नाटक का निर्देशन बिवास चक्रवर्ती ने किया। मनोज द्वारा स्थापित थिएटर ग्रुप का नाम सुंदरम है। कभी-कभी उन्होंने सुंदरम को छोड़कर रितायन नामक समूह बनाया, लेकिन कुछ ही दिनों में वे सुंदरम में लौट आए। मनोज का नाम अपहरण प्रजापति, नीला, मृत्यु कहे जल, सिंहद्वार, फेरा जैसे कई लोकप्रिय नाटकों से जुड़ा।

मनोज ने तपन सिंह, तरूण मजूमदार, बासु चटर्जी की कई फिल्मों में काम किया। उन्होंने सत्यजीत रे द्वारा निर्देशित %गणशत्रु% और %घरे बेयरे% में भी अभिनय किया। इसके अलावा, मनोज कई मुख्यधारा की फिल्मों में एक जाना-पहचाना चेहरा थे। नकारात्मक भूमिका निभाने के बावजूद उन्होंने दर्शकों का सम्मान और प्रशंसा अर्जित की।

पिछले साल सितंबर में मनोज बीमार थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस वक्त सोशल मीडिया पर एक्टर की मौत की फर्जी खबर फैलाई गई थी. वह अपनी बीमारी से ठीक होकर घर लौट आए। फैंस को उम्मीद थी कि मनोज इस बार भी बीमारी पर काबू पा लेंगे लेकिन अब ऐसा नहीं हुआ। मनोज ने जीवन मंच का पर्दा खींच दिया।

शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स को छत्तीसगढ़ में हिरासत में लिया

मुंबई पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शाहरुख खान को धमकी भेजने के आरोप में छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। फिलहाल, मुंबई पुलिस की टीम रायपुर में मौजूद है और संदिग्ध से पूछताछ कर रही है।फिलहाल संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है, उससे पूछताछ की जा रही है और उसे गिरफ्तार नहीं किया गया है। शाहरुख खान को रायपुर के रहने वाले एक शख्स ने धमकी भरा कॉल किया, जिसके बाद मुंबई पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच के लिए एक टीम रायपुर भी पहुंची। जिस नंबर से बॉलीवुड सुपरस्टार को धमकी भरा कॉल आया था, उसे ट्रेस करने के बाद पता चला कि यह नंबर रायपुर के फैजान के नाम से रजिस्टर्ड है, जिससे पहले पुलिस ने पूछताछ की थी। बांद्रा पुलिस स्टेशन को 5 नवंबर को अभिनेता शाहरुख खान को 50 लाख रुपये की धमकी देने वाला कॉल आया था।

जिस व्यक्ति के फोन नंबर से यह धमकी भेजी गई थी, उसने पुलिस को अपना बयान दिया है। रायपुर कोर्ट में वकालत करने वाले फैजान ने बताया कि उनका फोन चोरी हो गया था, जिसकी शिकायत उन्होंने रायपुर में दर्ज कराई थी। फैजान ने आगे कहा कि उन्होंने अपना नंबर बंद न करके गलती की है। गौरतलब है कि फैजान पहले मुंबई के लालबाग में रहते थे और बाद में छत्तीसगढ़ चले गए थे।

शाहरुख खान को पहली बार धमकी भरा फोन नहीं आया है। पिछले साल अक्टूबर में भी उन्हें पठान और जवान फिल्मों की सफलता के बाद जान से मारने की धमकी मिली थी। अभिनेता ने इस संबंध में महाराष्ट्र पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद उन्हें वाई प्लस सुरक्षा दी गई थी।

66 साल की उम्र में मुकेश खन्ना फिर से बनने जा रहे हैं शक्तिमान लोग खूब उड़ा रहे मजाक, भारत के पहले सुपरहीरो की पोशाक में फिर नजर आये एक्टर

भारत के असली सुपरहीरो शक्तिमान की भूमिका निभाने के लिए मशहूर दिग्गज अभिनेता मुकेश खन्ना ने भारतीय स्क्रीन पर इस प्रतिष्ठित किरदार की वापसी की घोषणा करके प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया। सोमवार को एएनआई से बात करते हुए, अभिनेता ने इस भूमिका के साथ अपने गहरे जुड़ाव और इसे फिर से निभाने के लिए अपनी उत्सुकता के बारे में खुलकर बात की। मुकेश खन्ना ने साझा किया यह मेरे भीतर की एक पोशाक है। व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि यह पोशाक मेरे भीतर से आई है... मैंने शक्तिमान के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया क्योंकि यह किरदार मेरे भीतर से आता है। अभिनय का मतलब आत्मविश्वास है। जब मैं शूटिंग कर रहा होता हूं, तो मैं कैमरे के बारे में भूल जाता हूं। मैं फिर से शक्तिमान बनकर दूसरों से भी ज्यादा खुश हूं।

शक्तिमान के रूप में अपनी प्रतिष्ठित भूमिका के लिए मशहूर

मुकेश खन्ना हाल ही में अपनी सुपरहीरो पोशाक में देखे गए और उन्होंने घोषणा की कि वह शक्तिमान के रूप में वापसी कर रहे हैं। यह 90 के दशक के इस टेलीविजन शो पर फिल्म बनने की खबरों और फिल्म में नए शक्तिमान के रूप में रणवीर सिंह को कास्ट किए जाने की अफवाहों के बीच आया है। मुकेश ने इस विचार का विरोध किया है और रणवीर सिंह को शक्तिमान के रूप में स्वीकार नहीं किया है और शो में गीता बिस्वास का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री वैभवी मैकडोनाल्ड ने हाल ही में एक साक्षात्कार में यही कहा था।

इस बीच, मुकेश खन्ना ने शक्तिमान की पोशाक में नज़र आने पर हृद्ध से एक साक्षात्कार में कहा, यह मेरे भीतर की पोशाक है...मुझे व्यक्तिगत रूप से भी लगता है, मेरे दिमाग में, यह पोशाक मेरे भीतर से आई है...मैंने शातिमान में अच्छा प्रदर्शन किया क्योंकि यह मेरे भीतर से आई थी...अभिनय का मतलब आत्मविश्वास है। जब मैं शूटिंग कर रहा होता हूँ तो मैं कैमरे के बारे में भूल जाता हूँ...मैं फिर से शक्तिमान बनने के बारे में दूसरों से ज़्यादा खुश हूँ। उन्होंने आगे कहा, मैं अपना कर्तव्य निभा रहा हूँ जो मैंने 1997 में शुरू किया था और जो 2005 तक चला। मुझे लगता है कि मेरा काम 2027 में जनता तक पहुँचना चाहिए क्योंकि आज की पीढ़ी अंधी दौड़ रही है। उन्हें रोकना होगा और उन्हें अपनी साँस संभालने के लिए कहना होगा.. हालाँकि, 90 के दशक के बच्चे इससे बहुत खुश नहीं हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि अब समय आ गया है कि वह इस किरदार से आगे बढ़ जाएँ और किसी और को आगे आने दें। एक यूजर ने कहा, कल्पना कीजिए कि कुछ मुकाबलों के बाद, शक्तिमान को मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया जाता है। एक अन्य प्रशंसक ने कहा, शक्तिमान को बर्बाद मत करो, कृपया ऐसा मत करो। एक यूजर ने लिखा, यार अतीत में फंस गया है। किसी को उसे समझदारी से बोलना चाहिए।

खत्म नहीं हो रही हैं कंगना रनौत की मुसिबतें, अब इस वजह से आगरा कोर्ट से मिला एक और कानूनी नोटिस

कंगना रनौत को आगरा कोर्ट से एक और कानूनी नोटिस मिला है। हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से बीजेपी सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की मुश्किलें बढ़ गई हैं। देशद्रोह और किसानों के अपमान के मामले में कोर्ट ने उनके खिलाफ नोटिस जारी किया है। किसान आंदोलन और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को लेकर दिए गए बयान के मामले में आगरा की स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट ने कंगना रनौत को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है।

कोर्ट ने नोटिस के जरिए कंगना रनौत से जवाब मांगा है। कंगना के खिलाफ एडवोकेट रमाशंकर शर्मा ने स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए में केस दायर किया था। इसकी सुनवाई मंगलवार को हुई। कोर्ट ने कहा कि कंगना रनौत कोर्ट में आकर अपना पक्ष रखें। इसके लिए जज ने उन्हें नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है।

इस मामले को लेकर अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने कहा, मैंने एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। 27 अगस्त को हमने उनका एक बयान पढ़ा, जिसमें उन्होंने किसान आंदोलन से लेकर बांग्लादेश के हालात तक की बात की थी। उन्होंने एक और बयान दिया जो 17 नवंबर 2021 को अखबारों में छपा, जिसमें उन्होंने महात्मा गांधी का अपमान किया।

11 सितंबर 2024 को राजीव गांधी बार एसोसिएशन आगरा के अध्यक्ष रमाशंकर शर्मा ने कंगना रनौत के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। इस मुकदमे में कहा गया था कि 27 अगस्त 2024 को कंगना रनौत ने एक बयान पढ़ा जो अखबारों में छपा, जिसमें अभिनेत्री ने कहा कि अगस्त 2020 से दिसंबर 2021 तक दिल्ली बॉर्डर पर काले कानूनों के खिलाफ जो किसान धरने पर बैठे थे, वहां हत्याएं हो रही थीं, बलात्कार हो रहे थे और अगर उस समय देश का नेतृत्व मजबूत नहीं होता तो देश में बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हो जाते। वादी अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने आरोप लगाया है कि कंगना रनौत ने देश के करोड़ों किसानों का अपमान किया है। किसानों को हत्यारा, बलात्कारी और उग्रवादी तक कहा है।

गौरतलब है कि 2021 में कंगना ने किसान आंदोलन और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि गाल पर थप्पड़ खाने से भीख मिलती है, आजादी नहीं। कंगना ने कहा था कि देश को असली आजादी 2014 के बाद मिली है। साथ ही किसान आंदोलन को लेकर उन्होंने कहा था कि कृषि कानून के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शन में खालिस्तानी आतंकवादी शामिल हैं। इन दोनों बयानों के बाद कंगना को जबरदस्त विरोध का भी सामना करना पड़ा था।

धर्मेंद्र प्रधान ने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा पर राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया

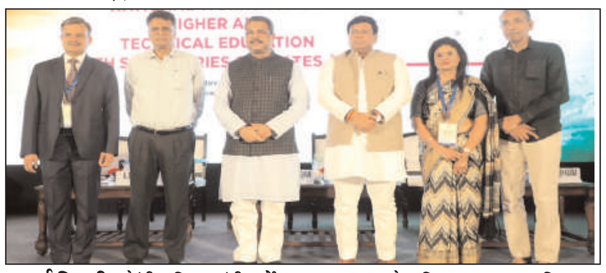

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को नई दिल्ली में राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के सचिवों के साथ उच्च एवं तकनीकी शिक्षा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। प्रधान ने अकादमिक नेताओं और प्रशासकों को ध्यान केंद्रित करने के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों का सुझाव दिया।

इसमें वित्त पोषण के अभिनव तरीकों के माध्यम से सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को मजबूत करना, उद्योग की मांग के अनुसार और राज्यों व संघ शासित प्रदेशों की जरूरतों और आकांक्षाओं के अनुसार पाठ्यक्रम को संरेखित करने और तैयार करने के लिए थिंक टैंक स्थापित करना है। वैश्विक समस्याओं को हल करने में नेतृत्व संभालने के लिए अनुसंधान और नवाचार के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण अपनाना है। प्रतिष्ठित केंद्रीय व राज्य संस्थानों के साथ सहयोग के माध्यम से प्रत्येक राज्य व संघ शासित प्रदेश में अकादमिक नेतृत्व विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देना और खेल, वाद-विवाद, कविता, नाटक, प्रदर्शन कला के माध्यम से परिसर जीवन की जीवंतता को पुनर्जीवित करना और इन गैर-शैक्षणिक क्षेत्रों को प्राथमिकता देना शामिल है। इस अवसर पर प्रधान ने कहा कि कार्यशाला कठोर अकादमिक विचार-विमर्श के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी। विशेष रूप से यह कि कैसे शिक्षा जीवन को आसान बनाने, प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है।

बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में ईडी की छापेमारी में फर्जी आधार, जाली पासपोर्ट और अवैध हथियार बरामद

रिपोर्ट

यह मामला झारखंड पुलिस की एक जांच रिपोर्ट पर आधारित है, जिसे जून में रांची के बरियातू पुलिस थाना में दर्ज किया गया था।

रांची। बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम झारखंड में रांची और पाकुड़ सहित पश्चिम बंगाल के 24 परगना और कोलकाता में कुल 17 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। ईडी की टीम ने मंगलवार सुबह रांची के बरियातू स्थित होटल स्काई लाइन, आश्वी डायग्नोसिस, बाली रिसॉर्ट और माउंटेन व्यू रिसॉर्ट सहित छह ठिकानों पर पहुंचकर तलाशी ले रही है। इसके अलावा पाकुड़ के पिरतल्ला में अल्ताफ मनकर के यहां भी छापेमारी चल रही है। ईडी के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, छापेमारी के दौरान अब तक फर्जी आधार, जाली पासपोर्ट, अवैध हथियार, अचल संपत्ति के दस्तावेज, नकदी, आभूषण, प्रिंटिंग पेपर, प्रिंटिंग मशीन और आधार बनाने के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले खाली प्रोफार्मा सहित कई सामान बरामद किये गये हैं। उल्लेखनीय है कि ईडी ने 16 सितंबर को झारखंड में बांग्लादेशी महिलाओं की तस्करी और संदिग्ध घुसपैठ की जांच के लिए मनी लॉन्ड्रिंग के तहत मामला दर्ज किया था। ईडी का आरोप है कि यह कथित रूप से काले धन को उत्पन्न करने के लिए किया गया। इस संदर्भ में ईडी ने पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया है। यह मामला झारखंड पुलिस की एक जांच रिपोर्ट पर आधारित है, जिसे जून में रांची के बरियातू पुलिस थाना में दर्ज किया गया था। पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की थी, जिससे पता चला कि उसने काम की तलाश में दलालों की सहायता से बांग्लादेश से भारत में प्रवेश किया। इस मामले में पांच से छह महिलाओं को आरोपित के रूप में नामित किया गया था, जिन्हें एक स्थानीय रिसॉर्ट में छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया था। शिकायतकर्ता ने कहा था कि उन्हें ब्यूटी सैलून में नौकरी दिलाने का वादा करके वेश्यावृत्ति के लिए बांग्लादेश से भारत लाया गया था। एफआईआर के अनुसार, 21 वर्षीय बांग्लादेशी युवती को एक अन्य लड़की की मदद से कोलकाता लाया गया था। इसके बाद 31 मई की रात निजी एजेंटों की सहायता से युवती को जंगल क्षेत्र से अवैध रूप से बांग्लादेश की सीमाओं को पार कराया गया था। इसके अलावा यह मामला उन एजेंटों से संबंधित है, जो बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में अवैध घुसपैठ में संलग्न हैं और उन्हें भारतीय नागरिकता स्थापित करने के लिए फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराते हैं। ईडी के अनुसार, कई व्यक्ति अवैध घुसपैठ और फर्जी पहचान प्रमाण बनाने से संबंधित गतिविधियों में संलिप्त हैं। ऐसे में बांग्लादेश से भारत में अवैध घुसपैठ करने वाले व्यक्तियों और संबंधित एजेंटों के खिलाफ जांच करना अत्यंत आवश्यक है, जिसका उद्देश्य काला धन बनाना और अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होना है।

नाना पटोले के बयान पर भाजपा हमलावर, कहा-हार के डर से कांग्रेस पार्टी भूली सारी मर्यादाएं

नई दिल्ली। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बारे में अभद्र टिप्पणी करने (%कुत्ता% कहने) पर विवाद खड़ा हो गया है। उनके इस बयान को लेकर भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस हार के डर से राजनीतिक परंपराओं और सारी मर्यादाओं को भूल चुकी है। मंगलवार को मीडिया में प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि सकारात्मक राजनीतिक विरोध स्वच्छ लोकतंत्र का परिचायक होता है। लेकिन यहां कांग्रेसी हार के डर से बौखला गए हैं। जनता ऐसे शब्दों का जवाब वोट से देगी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने कहा कि नाना पटोले के शर्मनाक बयानों ने कांग्रेस पार्टी के डर और हताशा को भी उजागर किया है। कांग्रेस पार्टी जानती है कि महाराष्ट्र चुनावों में वह बर्बाद हो जाएगी। महाराष्ट्र के लोगों ने %महाविनाश अघाड़ी% के 2.5 वर्षों में इस विनाशकारी राजनीति को देखा है। लोग विभाजन और विनाश की राजनीति नहीं चाहते हैं। कांग्रेसियों को याद रखना चाहिए कि उन्होंने नामांकन दाखिल करने के दौरान अपनी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को अछूतों की तरह बाहर रखा था। जो अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष का सम्मान नहीं करता, वह किसी और का सम्मान कैसे करेगा

वाराणसी में 16 नवंबर मध्यरात्रि तक नो फ्लाई जोन घोषित, ड्रोन-गुब्बारे उड़ाने पर प्रतिबंध

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में विश्व प्रसिद्ध देव दीपावली पर्व (15 नवंबर) को देखते हुए पूरे शहर को आज मध्यरात्रि से 16 नवंबर की मध्यरात्रि तक नो फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया है। वाराणसी में हर साल कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर देव दीपावली का पर्व मनाया जाता है। वाराणसी के अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के आदेश के अनुसार यह प्रतिबंध 12 नवंबर की मध्यरात्रि (मंगलवार) से 16 नवंबर की मध्यरात्रि तक प्रभावी रहेगा। आदेश में कहा गया है कि देव दीपावली पर गंगा किनारे लाखों श्रद्धालुओं, स्थानीय निवासियों और विभिन्न विशिष्ट अतिथियों के आगमन के कारण सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है।

इस अवसर पर भीड़भाड़ और विशिष्ट अतिथियों के भ्रमण की स्थिति को देखते हुए बिना अनुमति के ड्रोन, पतंग, गुब्बारा, रिमोट संचालित माइक्रो लाइट्स एयरक्राफ्ट और पैराग्लाइडर के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यह कदम इस संभावना को ध्यान में रखकर उठाया गया है कि इन वस्तुओं का प्रयोग सुरक्षा में बाधा डाल सकता है। इस आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडनीय कार्यवाही होगी। उल्लेखनीय है कि देव दीपावली पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गंगा किनारे एक घाट का लोकार्पण करेंगे। इसके चलते गंगा किनारे सहित पूरे शहर को नो फ्लाई जोन घोषित किया गया है।

तिनसुकिया में सड़क हादसा, 7 साल का बच्चा समेत 4 लोगों की मौत

तिनसुकिया (असम), 12 नवंबर (हि.स.)। तिनसुकिया शहर के बाईपास इलाके में मंगलवार तड़के भीषण सड़क हादसे में सात साल का बच्चा समेत कार सवार चार लोगों की मौत हो गई। कार बाईपास के पास अचानक छोटे पुल के नीचे पानी भरे गड्ढे में गिर गई। मृतकों की पहचान अर्थ गुप्ता, राजेश गुप्ता, मोंटू शाह और महत शाह के रूप में हुई है। मोंटू शाह कार का ड्राइवर बताया जा रहा है। महत शाह परिवार को बिहार से तिनसुकिया बोरडूबी पहुंचाने गए थे। महत और मोंटू शाह का घर तिनसुकिया के बोरडूबी में है। जानकारी के अनुसार कार अनियंत्रित होकर पुल से पलट कर पानी में समा गयी। हादसे में कार सवार सभी लोगों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से हादसाग्रस्त कार को बाहर निकाला। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

कस्टम ने मुंबई एयरपोर्ट पर दुबई से आए एक यात्री के पास से 3 किलो सोना जब्त किया

मुंबई। सीमा शुल्क विभाग (कस्टम) की टीम ने मंगलवार को मुंबई एयरपोर्ट पर दुबई से आए एक यात्री के पास से 2.27 करोड़ रुपये मूल्य का 3 किलोग्राम सोना जब्त किया है। यह सोना यात्री ने अपनी पतलून में छिपा रखा था। यात्री को गिरफ्तार करके उससे मामले की गहन छानबीन की जा रही है। कस्टम सूत्रों ने बताया कि आज सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर नियमित निगरानी के दौरान दुबई से आया एक यात्री संदिग्ध अवस्था में दिखा। उसकी तलाशी के दौरान एक किलो वजन की 24 कैरेट की तीन सोने की छड़ें जब्त की गईं। जब्त किए गए सोने की कीमत 2.27 करोड़ रुपये बताई जा रही है। दुबई के इस यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में आगे की जांच शुरू हो गई है कि ये सोना भारत क्यों लाया जा रहा था।

नक्सलियों ने की मुखबिरी के आरोप में एक ग्रामीण की हत्या

बीजापुर/जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के जांगला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पोटेनार के जंगल में नक्सलियों ने एक बार फिर कथित जनअदालत लगाकर मुखबिरी के आरोप में एक ग्रामीण युवक माड़वी दुलारु निवासी ग्राम माटवाड़ा की निर्मम हत्या कर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है। नक्सलियों ने ग्राम पोटेनार के जंगल में सोमवार को जनअदालत लगाई थी। इस तालीबानी जनअदालत में माड़वी दुलारु पर मुखबिरी का आरोप लगाया गया था। जिसे बिना किसी सुनवाई या बचाव का मौका दिए नक्सलियों ने उसे सजा-ए-मौत का फरमान सुना दिया और उसकी हत्या कर दी। बीजापुर एएसपी चंद्रकांत गवर्णा ने बताया कि इस मामले की जानकारी आज मंगलवार सुबह पुलिस को मिलते ही जवानों को मौके के लिए रवाना किया गया है। मामले की जांच की जा रही है, जांच के बाद ही नक्सली हत्या की बात स्पष्ट होंगी। बताया गया है कि नक्सलियों ने माटवाड़ा निवासी माड़वी दुलारू का अपहरण कर लिया था। इसके बाद एक दिन पहले पोटेनार गांव में जनअदालत लगाकर इस पर पुलिस की मुखबिरी का आरोप लगाया गया। नक्सलियों ने गांव वालों के सामने कहा कि यह पुलिस के साथ मिलकर हमारी सूचना देता है। इसलिए इसे मौत की सजा दी जा रही है, जिसके बाद धारदार हथियार से वारकर उसे मार डाला। उल्लेखनीय है कि नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में वर्ष 2001 से 2023 तक नक्सलियों ने लगभग 1,774 आदिवासियों की हत्या कर चुके हैं।

प्रधानमंत्री ने शारदा सिन्हा के पुत्र को पत्र लिख कर उनके निधन पर शोक व्यक्त किया

प्रशंसकों

इस मुश्किल समय में मेरी संवेदनाएं आपके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिष्ठित लोक गायिका शारदा सिन्हा के पुत्र अंशुमन सिन्हा को पत्र लिख कर उनके निधन पर शोक व्यक्त किया तथा संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। अंशुमान सिन्हा ने मंगलवार को अपनी दिवंगत मां के एक्स हैंडल पर प्रधानमंत्री की ओर से प्राप्त पत्र की प्रति साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शोक संदेश प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि आज मां द्वारा किए गए पुनीत सांस्कृतिक योगदान का यथोचित सम्मान सहित भावपूर्ण शब्दावलियों में प्रधानमंत्री ने शोक संदेश भेजा है, साक्षी बन हम परिजन अभिभूत हैं। प्रधानमंत्री ने पत्र में लिखा कि आपकी माता शारदा सिन्हा के निधन से अत्यंत दुःख हुआ। इस मुश्किल समय में मेरी संवेदनाएं आपके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। लोक परंपरा और जीवन के संस्कारों से जुड़े अपने गीतों से शारदा सिन्हा ने हमारी संस्कृति को समृद्ध किया। मैथिली और भोजपुरी में अपनी सहज और खनकती आवाज में गाए लोकगीतों से उन्होंने जन-जन के हृदय को छुआ। उन्होंने लिखा कि लोकगीतों के अलावा फिल्मों में भी शारदा सिन्हा की आवाज के जादू ने अनगिनत संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध किया। उन्हें पद्म पुरस्कारों सहित कई सम्मान मिले। संगीत से जुड़े युवाओं को उनका अमूल्य मार्गदर्शन मिलता रहा। प्रधानमंत्री ने लिखा कि आस्था के महापर्व छठ से जुड़े उनके गीत तो मानो इस महापर्व का अभिन्न अंग बन गये हैं। भगवान भास्कर और छठी मैया को समर्पित उनके गीत आने वाली पीढ़ियों को भी अपनी परंपरा से जोड़ते रहेंगे। उन्होंने लिखा कि बिहार कोकिला की आधी सदी से भी लंबी संगीत की साधना कला जगत की एक अनमोल धरोहर है। उनका निधन संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

इमरान खान और बुशरा बीबी ने 79 सवालों का जवाब देने के लिए 14 दिन का समय मांगा

रावलपिंडी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी ने अल-कादिर ट्रस्ट के 190 मिलियन पाउंड के निपटान मामले में 79 सवालों का जवाब देने के लिए जवाबदेही अदालत से कम से कम एक 14 दिन का समय मांगा है। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को इस मामले में 14 पन्नों की प्रश्नावली सौंपी गई थी। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने पिछले हफ्ते ट्रायल कोर्ट को इस संदर्भ में खान और बुशरा बीबी की बरी करने की याचिका पर फैसला करने का निर्देश दिया था। बचाव पक्ष के वकील ने जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश से खान और उनकी पत्नी के बयान दर्ज करने से पहले इन आवेदनों पर निर्णय लेने का आग्रह किया। जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश ने 14 पन्नों की प्रश्नावली में 79 सवाल तय किए हैं। बचाव पक्ष के वकील फैसल हुसैन चौधरी ने इस बात पर जोर दिया कि सीआरपीसी की धारा 342 के तहत तैयार किए गए विस्तृत 79 प्रश्नों वाले दस्तावेज का जवाब देने के लिए समय मिलना चाहिए। बचाव पक्ष के वकील ने बयान की तैयारी के लिए पर्याप्त समय देने के लिए 14 दिन का समय देने का अनुरोध किया। जवाबदेही अदालत के अभियोजक ने तर्क दिया कि आरोपितों के बयान बिना किसी देरी के दर्ज किए जाने चाहिए। इसके बाद अदालत ने सुनवाई 13 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी।

पीटीआई के कई शीर्ष नेताओं को रावलपिंडी जेल के बाहर गिरफ्तार किया गया

रावलपिंडी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के कई शीर्ष नेताओं को रावलपिंडी की अदियाला जेल (रावलपिंडी सेंट्रल जेल) के बाहर से मंगलवार को हिरासत में ले लिया गया। यह लोग जेल में बंद पीटीआई संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से मिलने गए थे। नेशनल असेंबली के विपक्ष के नेता उमर अयूब खान, सीनेट के विपक्ष के नेता शिबली फराज, पंजाब विधानसभा के विपक्ष के नेता मलिक अहमद भचर और सहयोगी सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के एमएनए साहिबजादा हामिद रजा को गिरफ्तार किया गया है। उमर अयूब खान को कड़ी सुरक्षा के बीच एक सफेद टोयटा वाहन की पिछली सीट पर बैठा दिखाया गया है।

फ्लोरिडा के सीनेटर मार्को रुबियो हो सकते हैं ट्रंप के राज्य सचिव

संभावना

ट्रंप के तीन करीबी व्यक्तियों ने यह संभावना जताई। उनका कहना है कि ट्रंप उन्हें अपने राज्य सचिव के रूप में नामित कर सकते हैं।

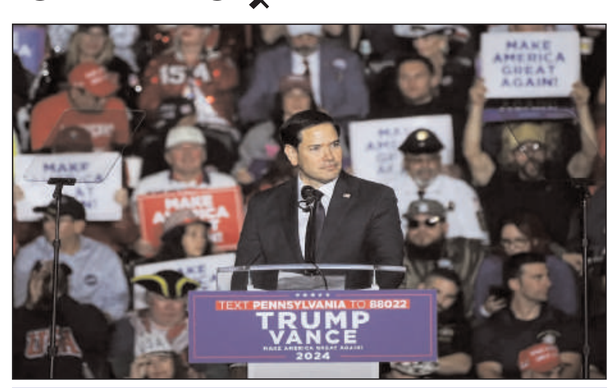

वाशिंगटन। फ्लोरिडा के सीनेटर मार्को रुबियो नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के राज्य सचिव हो सकते हैं। ट्रंप के तीन करीबी व्यक्तियों ने यह संभावना जताई। उनका कहना है कि ट्रंप उन्हें अपने राज्य सचिव के रूप में नामित कर सकते हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, ट्रंप की कार्यशैली से परिचित तीन करीबी लोगों ने सोमवार को कहा कि इस समय वो विदेश नीति और राष्ट्रीय नीत को मजबूत करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने रुबियो पर फैसला कर लिया है। रुबियो को 2010 में सीनेट के लिए चुना गया था। उन्हें चीन, ईरान, वेनेजुएला और क्यूबा का विशेषज्ञ माना जाता है। रूस के बारे में उनका रुख कठोर रहा है। रुबियो संभवतः ट्रंप की यूक्रेन पर रूस के साथ समझौता करने और नाटो से बाहर रहने का रास्ता खोजने में मदद करेंगे। पहले ट्रंप प्रशासन के दौरान कांग्रेस में सेवा करते हुए उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका को चीन की राज्य-निर्देशित अर्थव्यवस्था के साथ बेहतर प्रतिस्पर्धा करने में मदद करने के लिए औद्योगिक नीति की वकालत की। रुबियो ने चीन पर द्विदलीय कांग्रेस-कार्यकारी आयोग के सह-अध्यक्ष के रूप में भी काम किया है। 2020 में उनका चीन के जातीय उइगर अल्पसंख्यकों पर लाया गया विधेयक महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति बाइडेन ने अगले वर्ष इस पर हस्ताक्षर कर इसे कानून बना दिया।

पाकिस्तान के पंजाब में वायु प्रदूषण का कहर, पांच और डिवीजन के स्कूल व कॉलेज बंद

इस्लामाबाद। लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के पांच और डिवीजनों में स्कूलों और कॉलेजों को बंद करने की घोषणा की गई है। पर्यावरण संरक्षण विभाग ने इस बारे में अधिसूचना जारी की है। एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार, पंजाब सरकार के प्रवक्ता ने यह जानकारी आज दी। पर्यावरण संरक्षण विभाग ने अधिसूचना जारी कर सरगोधा, रावलपिंडी, डेरा गाजी खान, बहावलपुर और साहीवाल डिवीजनों में शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया है। अधिसूचना के अनुसार, नर्सरी से 12वीं कक्षा तक के सभी स्कूल, कॉलेज, अकादमी और ट्यूशन सेंटर 13 से 17 नवंबर तक बंद रहेंगे। साथ ही गुजरांवाला, लाहौर, मुल्तान और फैसलाबाद डिवीजनों में पहले लगाए गए प्रतिबंध जारी रहेंगे।इससे पहले लाहौर जिला प्रशासन स्मॉग के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए 11 नवंबर को बाहरी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा चुका है।

मॉरीशस के चुनाव में नवीन रामगुलाम की लेबर पार्टी की ऐतिहासिक जीत, प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई

मूवमेंट

10 नवंबर को हुए चुनाव में मौजूदा प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ की पार्टी सोशलिस्ट मूवमेंट का खाता भी नहीं खुल सका।

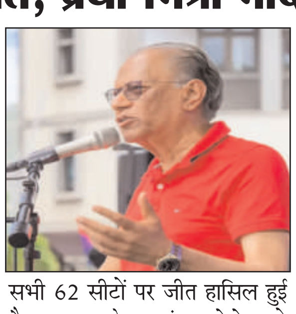

पोर्ट लुइस। मॉरीशस के संसदीय चुनाव में लेबर पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम की ऐतिहासिक जीत हुई है। 10 नवंबर को हुए चुनाव में मौजूदा प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ की पार्टी सोशलिस्ट मूवमेंट का खाता भी नहीं खुल सका। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवीन रामगुलाम को जीत पर बधाई दी है। मॉरीशस की न्यूज वेबसाइट ले मौरिसियन की खबर में यह जानकारी दी गई है। इस बार के चुनाव में रामगुलाम की लेबर पार्टी के एलायंस डु चेंजमेंट गठबंधन को सभी 62 सीटों पर जीत हासिल हुई है। जुगनाथ के गठबंधन लेलेप को एक भी सीट हासिल नहीं हुई है। प्रधानमंत्री जुगनाथ ने हार मानते हुए कहा कि उन्होंने देश को आगे बढ़ाने के लिए जो भी हो सकता था किया लेकिन मतदाताओं ने दूसरी पार्टी को विजयी बनाने का फैसला किया। इसके लिए सभी मतदाता बधाई के पात्र हैं। उल्लेखनीय है कि नवीन रामगुलाम 1995 से 2000 और 2005 से 2015 तक प्रधानमंत्री रहे हैं। जुगनाथ और रामगुलाम दोनों उन परिवारों से आते हैं, जिन्होंने 1968 में ब्रिटेन से आजादी के बाद मॉरीशस की राजनीति पर अपना प्रभुत्व जमाया। 77 वर्षीय रामगुलाम, सिवसागर रामगुलाम के बेटे हैं, जिन्होंने मॉरीशस को आजादी दिलाई। रामगुलाम तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। भारत के मॉरीशस से मजबूत संबंध हैं। इसकी अहम वजह भारतीय मूल के लोगों की आबादी का वर्चस्व होना है। फिलहाल 12 लाख की आबादी में से 70 फीसद भारतीय मूल के लोग हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मॉरीशस के भावी प्रधानमंत्री डॉ. नवीन रामगुलाम को उनकी ऐतिहासिक चुनावी जीत पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को एक्स पर लिखा, अपने मित्र रामगुलाम से गर्मजोशी से बातचीत की, उन्हें उनकी ऐतिहासिक चुनावी जीत पर बधाई दी। मैंने मॉरीशस का नेतृत्व करने में उनकी बड़ी सफलता की कामना की और उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया। हमारी विशेष और अनूठी साझेदारी को मजबूत करने के लिए साथ मिलकर काम करने के प्रति आशान्वित हूं।

पोखरा पुलिस की हिरासत में पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने को पूछताछ के लिए भैरहवा लाया गया

काठमांडू (हि.स.)। सहकारी घोटाला में पिछले 25 दिनों से पोखरा पुलिस की हिरासत में चल रहे पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने को मंगलवार सुबह एक अन्य सहकारी घोटाला में पूछताछ के लिए भैरहवा लाया गया है। जिला अदालत में सरकारी वकील के सामने रवि लामिछाने का बयान दर्ज कराया जा रहा है।

भैरहवा पुलिस की डीएसपी लक्ष्मी खनाल ने बताया कि बुटवल जिले के सुप्रीम सहकारी बैंक घोटाला में वारंट जारी होने के बाद उन्हें पूछताछ के लिए लाया गया है। खनाल ने बताया कि सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे भैरहवा विमानस्थल पर पहुंचे लामिछाने को सीधे जिला सरकारी वकील के दफ्तर में ले जाकर बयान लेना शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पोखरा विमानस्थल और सरकारी वकील के दफ्तर तथा जिला अदालत परिसर के आसपास बड़े पैमाने पर सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। साथ ही जिला अदालत और सरकारी वकील के दफ्तर सहित जिला पुलिस मुख्यालय और जिला प्रशासन कार्यालय के आसपास निषेधाज्ञा जारी कर दी गई है।

भारतीय थल सेनाध्यक्ष नेपाली सेना के प्रधान सेनापति की मानद पदवी से अलंकृत होंगे

काठमांडू,। भारतीय थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी 20 नवंबर से नेपाल के पांच दिनों के भ्रमण पर काठमांडू आएंगे। थल सेनाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार वो नेपाल आ रहे हैं, जहां उन्हें नेपाली सेना के प्रधान सेनापति के मानद उपाधि से अलंकृत किया जाएगा। नेपाली सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल गौरव केसी ने बताया कि नेपाली सेना के प्रधान सेनापति जनरल अशोक सिग्देल के निमंत्रण पर भारतीय थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी पांच दिनों के नेपाल भ्रमण पर 20 नवंबर को नेपाल पहुंचने वाले हैं। भारतीय सेना विशेष विमान से काठमांडू आने वाले थल सेनाध्यक्ष के लिए 21 नवंबर को राष्ट्रपति भवन में एक विशेष समारोह रखा गया है, जिसमें उन्हें नेपाली सेना के प्रधान सेनापति के मानद उपाधि से अलंकृत किया जाएगा। सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि नेपाल और भारत के बीच 1950 से ही यह परंपरा चली आ रही है, जहां दोनों देशों के आर्मी चीफ को एक-दूसरे देश के आर्मी चीफ की मानद उपाधि दी जाती है। अपने पांच दिनों के नेपाल भ्रमण के क्रम में भारतीय थल सेनाध्यक्ष जनरल द्विवेदी की कई राजनीतिक शिष्टाचार मुलाकात भी तय हैं। नेपाली सेना के प्रवक्ता केसी के मुताबिक राष्ट्रपति भवन में नेपाली सेना की मानद उपाधि ग्रहण करने के साथ ही राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल से शिष्टाचार मुलाकात होगी। इसके अलावा वो प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, उपप्रधानमंत्री प्रकाशमान सिंह, रक्षा मंत्री मनवीर राई, विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा से भी मुलाकात करने वाले हैं।

नेपाल भ्रमण के दौरान भारतीय थल सेनाध्यक्ष नेपाली सेना के उच्च अधिकारियों के एक सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे। इसके अलावा वो माउंटेन वारफेयर कॉलेज में प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करेंगे। साथ ही पोखरा में रहे भारतीय सेना के पेंशन कैंप ऑफिस का दौरा करेंगे, जहां वो भूतपूर्व गोरखा सैनिकों और उनके परिवार वालों से मिलेंगे। इस दौरान वहां पर भारतीय सेना के शहीद परिवारों को आर्थिक सहायता भी प्रदान करने वाले हैं।

कपड़े व सर्राफा दुकान में लगी भीषण आग, लाखों के समान फूंके

- शार्टसर्किट से लगी आग, फट गई घर और छत की दीवारें, किसी तरह परिजनों ने बचाई जान

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। नगर के जंघई रोड स्थित बालाजी ज्वेलर्स एवं वस्त्रालय में सोमवार की बीती रात लगभग दो बजे विद्युत शार्ट सर्किट से लगी आग से करीब डेढ़ लाख नगदी समेत 30 लाख रुपए से अधिक का कीमती सामान जलकर राख हो गया। फायर ब्रिगेड के जवानों और स्थानीय लोगों की मदद से दो घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका।आग की विभीषिका को देखकर लोग दहल गये। मुंगराबादशाहपुर नगर के जंघई रोड निवासी दिव्यांशु सोनी पुत्र प्रेमचन्द सोनी अपने रिहायशी माकान के ऊपरी मंजिल पर परिवार में मां गीता सोनी भाई विभांशु सोनी पत्नी शिवानी सोनी एवं डेढ़ साल की पुत्री गौरी के साथ रहते हैं तथा ग्राउंड फ्लोर पर बालाजी ज्वेलर्स एवं वस्त्रालय संचालित करते हैं। सोमवार की रात वह देर शाम अपनी दुकान बंद कर ऊपरी मंजिल पर परिवार के साथ खाना खा कर सो गए।

आधी रात धुंआ उठता देख उनके होश उड़ गए।उठ कर देखा तो ग्राउंड फ्लोर पर दुकान में रखे कीमती कपड़े आदि धूं धूं कर जल रहे थे।वह जोर जोर से चिल्लाने लगे आस पास के लोगों को फोन पर भी जानकारी दी लोग बाहर निकले तो घर में लगी आग की लपटे देख कर सहम गये । परिवार के लोग आग से अपने आपको को घिरा देखकर पड़ोसी की छतों पर कूद कर अपनी जान बचाई। घटना की जानकारी लोगों ने फायर ब्रिगेड व पुलिस को दी सूचना दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड व पुलिस की टीम ने घंटों मशक्कत करने के बाद आग पर काबू पाया। तब तक दुकान में रखे गए कपड़े फर्नीचर आदि जल कर राख हो गए थे। आग इतनी भयंकर थी की माकान की दीवारें भी चटक गई। दूकान व माकान में रखा सारा कीमती सामान राख हो गया।इस बाबत थानाध्यक्ष संतोष पाठक ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो राहत व बचाव कार्य में जुट गई। दूकान मालिक दिव्यांशु सोनी के मुताबिक करीब 25 लाख से अधिक का सामान जला है।

संदिग्ध अवस्था में मिली किशोर की लाश

जौनपुर। घर से ननिहाल के लिए निकले की की संदिग्ध अवस्था में लाश लखनऊ में मिली। बताया गया है कि जफराबाद थाना क्षेत्र के टकटकपुर गांव निवासी मुनीब कुमार चैहान का 16 वर्षीय पुत्र किशन कुमार चैहान कुछ साथियों के साथ तीन दिन पूर्व अपने ननिहाल के लिए निकला था। उसका ननिहाल वाराणसी जनपद के सिंधोरा थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव बताया गया है। तीन दिन से लापता रहे इस किषोर के ननिहाल ना पहुंचने पर परिवार के लोगों ने खोजबीन शुरू किया है। सोमवार को पता लगा कि उसकी लाश लखनऊ में मिली है। उसके साथ रहे साथियों ने मृतक युवक के घर वालों को बताया कि इस करंट मार दिया है जिसके कारण इसकी मृत्यु हो गई है। जैसे ही इस बात की जानकारी परिजनो को हुई परिजन लखनऊ के लिए रवाना हो गए और वहां से लाश लेकर सीधे जाफराबाद थाने पर पहुंचे और पुलिस को पूरी जानकारी दी। पुलिस ने इस लड़के के साथ गए थे युवकों को हिरासत में देकर पूछताछ शुरू कर दिया है। दूसरी तरफ पुलिस ने मौत का सही कारण जानने के लिए लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

भारत के विकास के लिए गांव का विकास अत्यंत आवश्यक है : डीएम

- ग्राम पंचायत परौवा में जन चौपाल का किया आयोजन

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में विकास खंड मुफ्तीगंज के ग्राम पंचायत परौवा में जन चौपाल का आयोजन किया गया। जन चौपाल में विभिन्न विभागों के द्वारा स्टॉल लगाकर ग्रामवासियों को योजनाओं की जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने आयुष्मान कार्ड के लाभार्थी लौटूं प्रसाद, सोहन चौहान, कैलाश, कमला देवी, परदेसी को कार्ड वितरित किया और कहा कि अब इस कार्ड से 05 लाख तक का मुफ्त इलाज करा सकते है। 05 लाभार्थियों को घरौनी का वितरण किया गया। पारिवारिक झगड़े को भी चौपाल के माध्यम से निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। चौपाल में कुल 16 लोगों ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत सिलिण्डर गैस का आवेदन, व्यक्तिगत शौचालय के 22 आवेदन प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी से अपील किया कि किसान क्रेडिट कार्ड बनवाकर लोन लेकर खेती शुरु कर सकते है यदि कोई बैंक लोन देने में अनाकानी करता है तो उसकी सूचना अवश्य दे। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा पारदर्शिता के साथ शासन की योजनाओं को धरातल पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उनके जनपद जौनपुर में आने के बाद से 10000 से अधिक वृद्धा पेंशन, 12000 से अधिक मृतकों के उत्तराधिकार और 3100 से अधिक विधवा पेंशन के लाभार्थियों को लाभ प्रदान कराया गया है। मिशन शक्ति फेज 5 के तहत महिलाओं को सुरक्षा स्वावलंबन की तरफ बढ़ाया जा रहा है। जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों द्वारा चिराग और युवराज का अन्नप्रासन, और पूनम और माया देवी की गोद भराई की गई। गांव में बने अमृत सरोवर की तारीफ की और नौका विहार भी किया। इस दौरान उन्होंने पौधरोपण भी किया। इस दौरान प्रशिक्षु आईएएस समीर गोयल ने अपने आज के अनुभव को साझा किया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को केन्द/राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गयी। उन्होंने समस्त प्रशिक्षु अधिकारियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि भारत के विकास के लिए गांव का विकास अत्यंत आवश्यक है यही हमारे विकास की रीढ़ है और उद्योग के विकास का रास्ता भी इन्ही के माध्यम से जाता है। इस दौरान उपजिलाधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला विकास अधिकारी, जिला स्तरीय अधिकारी, ग्रामवासी सहित अन्य उपस्थित रहे।

अभ्यर्थियों की चिंताओं का जल्द निराकरण करे उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग

प्रयागराज। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित यूपी पीसीएस एवं आरओ/एआरओ परीक्षा के संबंध में अभ्यर्थियों की विभिन्न चिंताओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्रों के व्यवस्थापन एवं निर्धारण, नॉर्मलाइजेशन (मानकीकरण), परीक्षाओं को दो पाली में करवाने एवं परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने हेतु आयोजन संबंधी विषयों पर अभ्यर्थियों से बातचीत शीघ्र सकारात्मक उचित कदम उठाने की मांग किया है। अभाविप, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन, शुचिता एवं पारदर्शिता से संबंधित अभ्यर्थियों की चिंताओं का जल्द निराकरण करने की मॉग करती है, जिससे अभ्यर्थी परीक्षा की तैयारी बिना किसी आशंका एवं संदेह के कर सकें। इसी के साथ अभाविप प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों पर हुए लाठीचार्ज की भी निंदा करती है। अभाविप का यह स्पष्ट मत है की संवाद ही समाधान का माध्यम है।

बेघर बच्चों का मर्म मंच पर दिखा गया नाटक

- गदाई के मंचन के साथ चार दिवसीय राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव का समापन

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। रूपकथा एवं बंगाली सोशल कल्चरल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव का समापन सोमवार को विनोद रस्तोगी स्मृति संस्थान, प्रयागराज की प्रस्तुति गदाई के साथ हुआ। नाटक के लेखक एवं निर्देशक अजय मुखर्जी थे।

नाटक गदाई कहानी ऐसे नवयुवकों की है जो अपरिहार्य परिस्थितियों वश माँ बाप से दूर एक अनाथ का जीवन बिताते हैं। दिल मे दर्द लिए, पर कठोर बनके स्थितियों का सामना करते हैं। इनका ठिकाना बनता है रेलवे स्टेशन का कोई सुनसान प्लेटफार्म, बस अड्डा या कोई और निर्जन स्थान जहाँ ये अपने जैसों के दु:ख सुख के साथी बनते हैं और विपरीत परिस्थितियों को हँसते खेलते झेल जाते हैं। इनमे कोई मेहनत की कमाई करता है तो कोई चोरी गिरहकटी का पेशा अपनाता है। सटीक माहौल बनाने के लिए एक किन्नर, गूंगा, पगली जैसे पात्रों का समावेश किया गया जो अक्सर ऐसी जगहों पर दिख जाते हैं। निर्देशक का कौशल और कलाकारों की मेहनत मंच को जीवंत कर गयी।

नाटक में भाग लेने वाले कलाकारों में कृष्ण प्रताप सिंह, अनुज कुमार, प्रतीक, दिग्विजय, उत्कर्ष, शुभम, गजेन्द्र, तुषार, साहित्य, अभिषेक, प्रतिमा श्रीवास्तव, निवेदिता दासगुप्ता मधुरिमा बोस आदि रहे। मंच परे प्रकाश एवं मंच सुजॉय घोषाल, संगीत संचालन शुभम वर्मा, प्रचार प्रसार शांकू एवं अक्षत, प्रस्तुतकर्ता आलोक रस्तोगी, आलेख एवं परिकल्पना एवं निर्देशन अजय मुखर्जी का रहा।

सपा ने सीओ हंडिया एवं थानाध्यक्ष झूंसी की चुनाव आयोग से की शिकायत

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी ने फूलपुर विधानसभा के उप चुनाव में पुलिस क्षेत्राधिकारी हंडिया सुनील कुमार सिंह एवं थानाध्यक्ष झूंसी उमेश सिंह पर सपा प्रत्याशी के समर्थकों को नाजायज परेशान करने एवं भाजपा के पक्ष में प्रचार करने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश को लिखित शिकायत देख कर दोनों अधिकारियों के स्थानांतरण की मांग की है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने पत्र लिख कर मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ को अवगत कराया है कि पुलिस क्षेत्राधिकारी हंडिया एवं थाना अध्यक्ष झूंसी के अपने पद पर बने रहने पर निष्पक्ष, स्वतंत्र, पारदर्शी एवं भयमुक्त मतदान नहीं हो सकता है। दोनों अधिकारी भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं।

प्रोजेक्ट मिलने पर शिक्षकों को कुलपति ने किया सम्मानित

- शिक्षकों को शोध के लिए मिली है 14 रिसर्च ग्रांट

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विश्वविद्यालय शोध परियोजना पाने पर परिसर के शिक्षकों को सम्मानित किया। विश्वविद्यालय विभिन्न विभागों के शिक्षकों को हाल ही में उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार की रिसर्च डेवलपमेंट एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा कुल 14 रिसर्च ग्रांट मिली है।

इस अवसर पर कुलपति प्रो वंदना सिंह ने शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपने शोध कार्य के सभी प्रमुख उद्देश्यों को पूरा करें। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी शिक्षक मिलकर एक बहु-विषयक टीम बनाएं और भारत के परंपरागत विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर नए शोध प्रस्ताव तैयार करें। जिससे की पौराणिक विज्ञान के अनछुए पहलुओं को तथ्यपरक तरीके से दुनिया के सामने लाया जा सके। प्रो वंदना सिंह ने शोध पत्रों के प्रकाशन के साथ-साथ पेटेंट प्रकाशन करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि शोध कार्य को संरक्षित किया जा सके। विश्वविद्यालय इस दिशा में वित्तीय सहायता प्रदान करने के प्रयास में भी जुटा हुआ है, जिससे पेटेंट प्रक्रिया को सुगम बनाया जा सके। इस अवसर पर वित्त अधिकारी एवं कुलसचिव ने शिक्षकों को शोध कार्यों की सराहना करते हुए शोध के क्षेत्र में विश्व पटल पर अपना नाम अंकित करने के लिए प्रेरित किया। प्राप्त अनुदान के अंतर्गत विश्वविद्यालय में थर्मोइलेक्ट्रिक डिवाइसेस, कालीन उद्योग से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थों के शोधन, नदियों मे व्याप्त हेवी मेटल्स, सेन्सर टेक्नॉलजी, हाइड्रोजन एनर्जी, ग्रीन लूब्रीकैन्ट, सोडीअम आयन बैटरी, कॉम्प्लेक्स मेनीफ़ोल्ड जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में शोध होगा। कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. रामनारायण, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. प्रमोद यादव, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. पुनीत धवन, डॉ. धीरेन्द्र चौधरी, डॉ. सुजीत चौरसिया, डॉ. काजल कुमार डे, डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ. दिनेश कुमार वर्मा, डॉ. सुशील शुक्ला, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. श्याम कन्हैया आदि उपस्थित रहे।

उप्र लोक सेवा आयोग पर दूसरे दिन भी छात्रों का प्रदर्शन जारी

अवधनामा संवाददाता

- थाली और ड्रम बजाकर कर रहे नारेबाजी, पुलिस बल तैनात
- पूर्व आईपीएस हिरासत में, छात्रों ने आयोग के अध्यक्ष की शव यात्रा निकाली, गेट पर लिखा- लूट सेवा आयोग

प्रयागराज। पीसीएस व आरओ/एआरओ की एक दिन एक पाली में परीक्षा और नार्मलाइजेशन रद करने की मांग को लेकर छात्रों का दूसरे दिन भी प्रदर्शन जारी है। सैकड़ों की संख्या में छात्र उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के बाहर एकत्र होने लगे हैं। हालांकि पुलिस ने अपनी स्ट्रेटजी में बदलाव किया है। आयोग के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल व पीएसी तैनात है। प्रदर्शन के दूसरे दिन की शुरूआत छात्रों ने राष्ट्रगान करने के बाद किया।

मंगलवार दोपहर छात्रों ने थाली बजाकर विरोध जताया। बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। यही नहीं, आयोग के मेन गेट पर कालिख से %लूट सेवा आयोग% लिख दिया। आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीनेत की शव यात्रा निकाली। पुलिस यह सब देखती रही। छात्रों के प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। छात्रों के प्रदर्शन पर सियासत भी शुरू हो गई है। डिप्टी सीएम केशव मौर्य छात्रों के समर्थन में उतर आए। कहा कि अधिकारी छात्रों की मांगों को संवेदनशीलता से सुनें और जल्द समाधान निकालें। सुनिश्चित करें कि छात्रों का कीमती समय आंदोलन में नहीं, एग्जाम की तैयारी में लगेगा।

वहीं सुबह जिलाधिकारी व पुलिस कमिश्नर एक बार फिर आंदोलनकारी छात्रों से बात करने पहुंचे। जिलाधिकारी ने लाउडस्पीकर के माध्य से छात्रों से बात की। छात्रों से कहा कि हम आपके लिए बातचीत का एक मंच दे रहे हैं। आप अपनी बातें अपने प्रतिनिधी मंडल के माध्यम से आयोग के अधिकारियों के समक्ष रख सकते हैं। अधिकारियों ने अभ्यर्थियों से प्रदर्शन खत्म करने की बार-बार अपील की। एक दिन पहले भी आयोग ने छात्रों से बातचीत करते हुए कहा था कि इस संबंध में एक कमेटी बना दी जाती है, पर छात्र नहीं माने। कहा- अब आयोग को निर्णय लेना है। एक दिवसीय परीक्षा की बहाली होने पर ही वह हटेंगे। आयोग के सामने चुनौती है कि यदि वह एक दिवसीय परीक्षा का निर्णय लेगा तो पीसीएस और आरओ- एआरओ दोनों परीक्षा टलनी तय है और यदि दो दिवसीय परीक्षा पर अड़ा रहता है तो उसके छात्रो के प्रतिरोध का सामना करना पड़ेगा। एक दिन एक पाली में परीक्षा और नार्मलाइजेशन रद करने की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के बाहर प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कहा- परीक्षा कराने में अक्षमता छुपाने के लिए आयोग दो दिवसीय परीक्षा और नार्मलाइजेशन के नाम पर अभ्यर्थियों के भविष्य से खेल रहा है। ऐसे में डेढ़ साल से परीक्षा का इंतजार कर रहे प्रतियोगी छात्रों को यह आयोग ओवरएज करके ही दम लेगा।

उग्र विरोध प्रदर्शन के लाठी चार्ज करने वालों को बर्खास्त करने की मांग

आजमगढ़। बूढ़नपुर अधिवक्ता संघ का गाजियाबाद की घटना पर उग्र विरोध प्रदर्शन, भ्रष्टाचार में लिप्त जज और पुलिसकर्मियों को बर्खास्त करने की मांग को लेकर बूढ़नपुर तहसील के अधिवक्ताओं ने गाजियाबाद में हाल ही में सामने आई भ्रष्टाचार और अन्याय की घटना को लेकर बूढ़नपुर अधिवक्ता संघ के सदस्यों ने सोमवार को बारह बजे विरोध प्रदर्शन किया। संघ के अधिवक्ताओं ने जुलूस के साथ चक्रमण कर अपना आक्रोश जताया और न्यायपालिका व पुलिस विभाग में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद की।अधिवक्ता संघ के सदस्यों का कहना है कि गाजियाबाद की घटना में न्यायपालिका और पुलिस विभाग के कुछ अधिकारी भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल पाए गए हैं, जिसके कारण आम जनता का न्याय व्यवस्था से भरोसा उठ रहा है। उनका मानना है कि न्यायपालिका और पुलिस विभाग को साफ-सुथरा रखने के लिए ऐसे दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

राहुल सांकृत्यायन और हरिऔध के विद्यालय पर कब्जे के खिलाफ प्रदर्शन

अवधनामा संवाददाता

निजामाबाद,आजमगढ़। राहुल सांकृत्यायन और अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध की प्राथमिक पाठशाला पर कब्जे के खिलाफसुबह से शाम तक राहुल सांकृत्यायन की विरासत संवर्धन अभियान और नागरिक समाज के लोग उप जिलाधिकारी निजामाबाद कार्यालय पर ज्ञापन देने के लिए मौजूद रहे लेकिन उप जिलाधिकारी से न मुलाकात हुई और न ही फोन और मैसेज पर उन्होंने कोई जवाब दिया। नागरिक समाज कल जिलाधिकारी आजमगढ़ से मुलाकात करेगा। समाज के लोगों ने उप जिलाधिकारी के रवैया पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि 12 अगस्त 2024, 10 सितंबर 2024 और 29 अक्टूबर 2024 को ज्ञापन पर आश्वासन देने के बाद भी आजतक राहुल पूर्व माध्यमिक विद्यालय निजामाबाद की चारदीवारी का निर्माण नहीं हुआ। शासकीय निर्देश पर हो रहे निर्माण पर एक व्यक्ति द्वारा अवरोध उत्पन्न करने पर प्रशासन ने निर्माण को रुकवा दिया और महीनों बाद भी चारदीवारी का निर्माण न होना संदेह पैदा करता है कि अवैध कब्जा करने वालों को प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त है। पिछले छह महीने से सीमांकन करवा कर चारदीवारी के निर्माण कराने की मांग को अनसुना किया जा रहा है जिससे अवैध कब्जा करने वालों का मनोबल बढ़ रहा है। नागरिक समाज के द्वारा तीन बार तहसील पर उप जिलाधिकारी निजामाबाद के नाम ज्ञापन देकर राहुल पूर्व माध्यमिक विद्यालय की भूमि के सीमांकन की मांग की गई है। इसके बावजूद अब तक प्रशासन का रवैया उपेक्षात्मक रहा है। नागरिक समाज के लोगों ने कहा कि महापंडित राहुल सांकृत्यायन से जुड़े स्थलों के संवर्धन से कस्बाई आजमगढ़ को विश्व के मानचित्र पर जोड़ पाने में सफलता मिलेगी। इस मौके पर राहुल सांकृत्यायन की विरासत संवर्धन अभियान के संयोजक पुष्पराज, राजीव यादव, कामरेड जितेन्द्र हरि पाण्डेय, वीरेंद्र यादव, राज शेखर, नंदलाल यादव, सत्यम प्रजापति, श्याम सुंदर मौर्या, सुनील विश्वकर्मा, प्रेमचंद मौर्या, मनीष यादव, और अन्य मौजूद रहे।

छात्रों को गलत जानकारी देकर गुमराह किया जा रहा है

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के सचिव अशोक कुमार ने कहा कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार पीसीएस-प्री (प्रारंभिक) परीक्षा निर्धारित तिथि सात और आठ दिसंबर को और आरओ-एआरओ परीक्षा 22 और 23 दिसंबर को होगी। प्रतियोगी छात्रों को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कुछ अवैध कोचिंग संस्थानों, नकल माफिया और अराजक तत्वों द्वारा छात्रों को भ्रामक जानकारी देकर भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है। आग्रह किया कि वे ऐसी गलत सूचनाओं से बचें और अपनी तैयारी पर ध्यान दें। अभ्यर्थियों के आग्रह पर ही पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा दो दिवस में कराने का निर्णय लिया गया है। शासनादेश के अनुसार पांच लाख से अधिक अभ्यर्थियों वाली परीक्षा के लिए एक से अधिक पालियों में परीक्षा कराने का निर्देश है, पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा में 5,76,154 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। इसके सापेक्ष 1758 केंद्र की जरूरत है पर 75 जिलो में मानक के अनुसार 978 केंद्र ही मिले। इसलिए परीक्षा दो दिवसों में करानी पड़ी। वहीं आरओ-एआरओ के 10,76, 004 अभ्यर्थियों के लिए 22 व 23 दिसंबर को तीन पालियों में परीक्षा होगी। नार्मलाइजेशन पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत के पूर्व मुख्यसांख्यिकीय विद की अध्यक्षता में लब्ध प्रतिष्ठित विशेषज्ञों कीउच्च स्तरीय समिति ने नार्मलाइजेशन का फार्मूला तैयार किया है। यह कंप्यूटर आधारित है और इसमें फूलप्रूफ है। नार्मलाइजेशन के संबंध में अभ्यर्थियों के पास कोई सुझाव हो तो वह हमें दे सकते हैं। इसे विशेषज्ञ समिति के समक्ष रखा जाएगा।

छात्रों ने दे डाली डीएम व पुलिस कमिश्नर को भी नसीहत

प्रयागराज। छात्रों को नार्मलाइजेशन के फायदे गिनाने आए डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ और पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा को भी छात्रों ने नसीहत दे डाली। उन्होंने कहा कि आपके समय में नार्मलाइजेशन लागू होता तो आज पर डीएम या कमिश्नर नहीं होते। डीएम और पुलिस कमिश्नर ने प्रतियोगी छात्रों को दो दिवसीय परीक्षा कराने की वजह बताई और नार्मलाइजेशन की प्रक्रिया को पारदर्शी बताते हुए आंदोलन खत्म करने की अपील की। इसपर छात्र भड़क गए और चिल्ला-चिल्ला कर नसीहत देने से मना करने लगे।

महाकुंभ में पहली बार विकसित किया जा रहा चैटबॉट कुंभ सहायक

- श्रद्धालु 10 से अधिक भाषाओं में लिख और बोल कर पा सकेंगे सूचनाएं
- नेवीगेशन, पार्किंग व रुकने के स्थान समेत सभी जानकारियां होंगी उपलब्ध

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 सीएम योगी के विरासत और विकास के विजन का सबसे बड़ा उदाहरण बनता जा रहा है। महाकुंभ एक ओर तो विश्व की सबसे प्रचीनतम् सनातन परंपराओं का वाहक है, तो वहीं दूसरी ओर आधुनिक तकनीक से जुड़ कर विकास का प्रतिमान बनता जा रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण बन रहा है डिजीटल महाकुंभ, जो कि एआई और चैटबॉट जैसी अत्याधुनिक तकनीकि के उपयोग से श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुविधा उपलब्ध कराएगा। महाकुंभ 2025 में पहली बार एआई जेनरेटिव चैटबॉट कुंभ सहायक विकसित किया जा रहा है। जो भाषिनी एप की मदद से दस से अधिक भाषाओं में श्रद्धालुओं को महाकुंभ से जुड़ी सभी जानकारियां उपल्ब्ध करवाएगा। ये चैटबॉट गूगल नैविगेशन, इंटरैक्टिव कनवरसेशन व व्यक्तिगत जीआईएफ की सुविधा से लैस होगा। कुंभ सहायक चैटबॉट का स्वागत स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है। महाकुंभ 2025 स्वयं में ही कई कीर्तिमानों का महाकुंभ बनता जा रहा है। अपर मेलाधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि महाकुंभ में पहली बार पर ÷कुंभ सहायक÷ चैटबॉट विकसित किया जा रहा है। जो कि विश्व की आधुनिकतम् तकनीक जेनरेटिव एआई आधारित है। ये चैटबॉट महाकुंभ 2025 ऐप या व्हाट्स ऐप के द्वारा संचालित होगा। चैटबॉट महाकुंभ के दौरान आपके व्यक्तिगत मार्गदर्शक के तौर पर कार्य करेगा। चैटबॉट भाषिनी एप के माध्यम से हिंदी, अंग्रेजी समेत 10 से अधिक भाषाओं में महाकुंभ से जुड़ी सभी जरूरी जानकारियां प्रदान करेगा। ये चैटबॉट श्रद्धालुओं को लिखकर व बोलकर दोनों तरह से इनटरैक्टिव कनवरसेशन के माध्यम से जानकारियां प्रदान करेगा। चैटबॉट के माध्यम से आपको महाकुंभ के इतिहास, परंपरा समेत साधु, संन्यासी, अखाड़ा, स्नान के घाट, तिथियां, रास्ते, पार्किंग स्थल, रुकने- ठहरने के स्थान जैसी सभी जानकारियां प्रदान करेगा। अपर मेलाधिकारी ने बताया कि कुंभ सहायक चैटबॉट गूगल नैविगेशन की सुविधा भी प्रदान करेगा। जिसके माध्यम से महाकुंभ क्षेत्र में सेक्टर, अखाड़े, कल्पवास के टेंट, स्नान घाट के रास्तों का नैविगेशन भी प्राप्त हो सकेगा। चैटबॉट महाकुंभ क्षेत्र के साथ प्रयागराज शहर के प्रमुख दर्शनीय स्थलों, मंदिरों, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों के रास्ते भी बताएगा। इसके साथ ही महाकुंभ में होने वाले विविध आयोजनों की जानकारी से भी समय–समय पर अवगत कराता रहेगा। चैटबॉट सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त टूर–ट्रैवेल यात्रा पैकेज व होटल्स एवं होम स्टे के नाम व पतों की भी जानकारी देगा। कुंभ सहायक चैटबॉट महाकुंभ के दौरान अपका व्यक्तिगत मार्गदर्शक बन कर कार्य करेगा। व्यक्तिगत जीआइएफ के माध्यम से ये आपसे बातें भी करेगा। ये चैटबॉट देश के कोने-कोने से आने वाली विविध भाषा-भाषियों के साथ अंतराष्ट्रीय पर्यटकों को भी विशेष सुविधा प्रदान करेगा। जो कि सीएम योगी के सुगम और सुरक्षित महाकुंभ के ध्येय को पूरा करने में सहायक साबित होगा।

अहोना को मिला सम्मान विपिन शर्मा स्मृति युवा कलाकार सम्मान

प्रयागराज। प्रत्येक वर्ष की भाँति वरिष्ठ रंगकर्मी विपिन शर्मा स्मृति युवा रंगकर्मी सम्मान इस साल युवा रंगकर्मी एवं भरतनाट्यम नृत्यांगना अहोना भट्टाचार्य को दिया गया। यह सम्मान विपिन शर्मा के परिवार की ओर से हर वर्ष एक युवा कलाकार को दिया जाता है, जिसमे प्रमाण पत्र और शाल के अतिरिक्त 5000 रुपये की सम्मान राशि भी सम्मिलित है। अहोना विगत कई वर्षों से प्रयाग के रंगमंच से सक्रिय रूप से जुड़ी हुई हैं तथा संप्रति काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संगीत विभाग से भरतनाट्यम नृत्य की शिक्षा ग्रहण कर रही हैं।

विकसित राष्ट्र की प्रमुख कड़ी है गांव का विकास

आजमगढ़। जहानागंज ब्लॉक परिसर में नवनिर्मित प्रधान संघ भवन सहित 13 परियोजनाओं का लोकार्पण मंगलवार को पूर्व मंत्री व पूर्व विधान परिषद सदस्य यशवंत सिंह ने फीता काटकर किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में जैसे ही मुख्य अतिथि यशवंत सिंह ब्लॉक परिसर में पहुंचे ब्लॉक प्रमुख रमेश कनौजिया, सहित अन्य ग्राम प्रधानों के नेतृत्व में गाजे बाजे के साथ उनका स्वागत किया गया। विद्वान ब्राह्मण अंगद पांडेय ने वेद मंत्र उच्चारण किया तत्पचात यशवंत सिंह ने फीता काटकर तथा ढके कवर को हटाकर विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसके पश्चात ब्लॉक प्रमुख रमेश कनौजिया ने मंचासीन मुख्य अतिथि यशवंत सिंह, सठियांव के प्रमुख पति अरविंद सिंह, रानीपुर पूर्व प्रमुख अरुण सिंह, तथा जिला पंचायत सदस्य स्वतंत्र सिंह मुन्ना को माला पहनाने के साथ स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री यशवंत सिंह ने कहा की गुलामी से आजादी के बाद महात्मा गांधी ने सपना देखा था कि जब गांव की गालियां पगडंडिया पक्की होंगी और गांव का विकास होगा तो राष्ट्र के विकास में उसकी भूमिका अहम होगी।

बिजली उत्पादन में मिश्रण उद्देश्यों के लिए कोयले का आयात अप्रैल-सितंबर के दौरान 8.5 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। भारत विश्व में पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार वाला देश है और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण कोयले का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। हालांकि, वर्तमान खपत परिदृश्य आयात की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता को दर्शाता है, विशेष रूप से कोकिंग कोल और उच्च श्रेणी के थर्मल कोयले के लिए, जो घरेलू भंडार में पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं हैं। इस कमी के कारण इस्पात सहित प्रमुख उद्योगों को समर्थन देने के लिए आयात की आवश्यकता होती है।

वाणिज्यिक खुफिया और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएस) की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-अगस्त अवधि के दौरान कोयले के आयात में 2.2 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के 108.81 मीट्रिक टन की तुलना में 111.20 मिलियन टन (एमटी) तक पहुंच गया। हालांकि, गैर-विनियमित क्षेत्र में पिछले वर्ष की

उपलब्धता

कोयला मंत्रालय कोयला उत्पादन को बढ़ावा देने और इसकी उपलब्धता को बेहतर करने के उद्देश्य से रणनीतिक पहलों को लागू करना जारी रखे हुए है।

समान अवधि की तुलना में अप्रैल-अगस्त 2024 के दौरान 10.3 प्रतिशत की अच्छी-खासी गिरावट देखी गई। अप्रैल 2024 से सितंबर 2024 तक कोयला-आधारित बिजली उत्पादन में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4.97 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद, मिश्रण उद्देश्यों के लिए आयात पिछले वर्ष की तुलना में

घटकर 9.79 मिलियन टन हो गया, जो इसी अवधि के दौरान 10.70 मीट्रिक टन था, जो 8.5 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है।

कोयला मंत्रालय के अनुसार यह गिरावट कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। बिजली क्षेत्र के लिए कोयले के आयात में वृद्धि का श्रेय आयातित कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों (केवल आयातित कोयले का उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किए गए) द्वारा कोयले के आयात को दिया जाता है, यानि इस अवधि के दौरान 26.14 मीट्रिक टन, जो पिछले वर्ष की इसी समय सीमा में 17.07 मीट्रिक टन से 53.1 प्रतिशत की वृद्धि पर पहुंच गया।

इसके अलावा अप्रैल-सितंबर 2024 की अवधि के दौरान कोयला उत्पादन में सराहनीय वृद्धि देखी गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि में 428.21 मीट्रिक टन की तुलना में 453 मीट्रिक टन तक पहुंच गया, जो 5.79 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस बढ़ोतरी का रुझान कोयले के उपयोग को सुव्यवस्थित करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए सरकार के चल रहे प्रयासों को इंगित करता है।

हालांकि, मूल्य के संदर्भ में अप्रैल-अगस्त 2024-25 के दौरान कुल आयातित कोयले की कीमत 120,532.21 करोड़ रुपये है जबकि पिछले वर्ष (2023-24) इसी अवधि के दौरान कुल आयातित कोयले की कीमत 133,461.65 करोड़ रुपये थी। इसके फलस्वरूप 12,929.44 करोड़ रुपये की बचत हुई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में मूल्य के लिहाज़ से लगभग 9.69 प्रतिशत की बचत है।

मर्सिडीज़-बेंज ने नई मर्सिडीज़-एएमजी सी 63 एस ई परफॉर्मेंस का लॉन्च किया

मर्सिडीज़-बेंज ने दिल्ली एनसीआर-नोएडा में अपने पुराने पार्टनर सिल्वर एरोज़ के साथ अपना अत्याधुनिक लग्ज़री 3एस आउटलेट शुरू किया। अगले 30 दिनों में दिल्ली एनसीआर में 3 और आउटलेट खोले जाएंगे।

मर्सिडीज़-बेंज ने किसी भी लग्ज़री कार निर्माता के मुकाबले दिल्ली एनसीआर में अपने सबसे विशाल लग्ज़री फुटप्रिंट का निर्माण कर लिया है।

2024 में मर्सिडीज़-बेंज ने अपने 18 आउटलेट्स को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया, जिनमें 7 नए आउटलेट और 11 वो आउटलेट हैं, जिन्हें लग्ज़री मानकों के अनुरूप पुनः विकसित किया गया है। 2024 के अंत तक मर्सिडीज़-बेंज के 40 आउटलेट्स को ग्लोबल लग्ज़री फॉर्मेट में परिवर्तित किया जाएगा।

मर्सिडीज़-बेंज के इनोवेटिव 'रिटेल ऑफ द फ्यूचर' बिज़नेस मॉडल ने भारत में 3 सफल वर्ष पूरे

किए; भारत में इसके 'डायरेक्ट टू कस्टमर' रिटेल मॉडल के अंतर्गत 50,000 से ज्यादा कारें डिलीवर की गईं। ''मर्सिडीज़-बेंज लग्ज़री कार बाजार का नेतृत्व कर रही है। इसकी सी-क्लास ग्राहकों की सबसे पसंदीदा कार बनी हुई है, जो हमारी सेल में सबसे बड़ा योगदान दे रही है। एएमजी सी 63 एस ई परफॉर्मेंस में एफ1 हाईब्रिड टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है, जिसकी मदद से मर्सिडीज़-बेंज भारत में लग्ज़री परफॉर्मेंस सेगमेंट को नई परिभाषा दे रही है। एएमजी सी 63 महत्वाकांक्षी ड्राईवर्स, परफॉर्मेंस-प्रेमियों, और अपनी कार में मोटरस्पोर्ट्स की अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी पसंद करने वालों के लिए है। हम अपने स्पोर्टी सी-क्लास पोर्टफोलियो को और ज्यादा मजबूत करते हुए सबसे विशाल और डायनामिक रेंज पेश कर रहे हैं, जिनमें सी 200, सी 220डी, सी 300 एएमजी लाईन, एएमजी सी43 और एक्सक्लुसिव एएमजी सी 63 एस ई परफॉर्मेंस शामिल हैं।''

घरेलू शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, निवेशकों को एक दिन में लगी 5.34 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों की बिकवाली और कंपनियां के कमजोर तिमाही नतीजे की वजह से घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को एक बार फिर बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई और दोनों सूचकांकों को खरीदारों का सपोर्ट भी मिला, लेकिन पहले घंटे का कारोबार खत्म होने के बाद बिकवाली का दबाव बढ़ता चला गया, जिसकी वजह से दोनों सूचकांकों में बड़ी गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.03 प्रतिशत और निफ्टी 1.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में आईटी को छोड़ कर बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। ऑटोमोबाइल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और मेटल सेक्टर के शेयरों में आज सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह एनर्जी, बैंकिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.98 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.26 प्रतिशत टूट कर आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 437.02 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 442.36 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.34 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

पीडब्ल्यू स्कूल ऑफ स्टार्टअप्स ने आरम्भ 2.0 के लिए आवेदन खोले

नई दिल्ली। फिजिक्स वाला की पहल, पीडब्ल्यू स्कूल ऑफ स्टार्टअप्स, ने अपने पहले बैच आरम्भ 1.0 को पूरा किया है, जिसका उद्देश्य भारत भर के नए उद्यमियों को एक साथ लाना है। पहले चरण की समाप्ति के बाद, दूसरा बैच आरम्भ 2.0 के लिए आवेदन खुल चुके हैं, जो 19 नवंबर, 2024 से नोएडा कैंपस में शुरू होने वाला है। पीडब्ल्यू स्कूल ऑफ स्टार्टअप्स का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देना और भारत के भविष्य के उद्यमियों को अपने विचारों को आगे बढ़ाने में सहायता प्रदान करना है। पीडब्ल्यू स्कूल ऑफ स्टार्टअप्स नए उद्यमियों को सलाह और वित्तीय संसाधनों के साथ समर्थन करने का प्रयास कर रहा है। यह पांच-दिवसीय रेजिडेंशियल प्रोग्राम ने भारत के विभिन्न स्थानों से प्रतिभागियों का स्वागत किया, जिनमें बिहार के मोतिहारी से लेकर केरल के कोच्चि तक प्रतिभागी शामिल हैं। आरम्भ 1.0 ने प्रतिभागियों को एक शानदार सीखने का अनुभव प्रदान किया, जिसमें बॉम्बे शेविंग कंपनी के सीईओ शंतनु देशपांडे, IIM और

DTU के प्रोफेसर, पी डब्लू के चीफ टेक्नोलॉजी और प्रोडक्ट ऑफिसर, विनीत गोविल और वीपी-प्रोडक्ट, योगेश शुक्ला जैसी इंडस्ट्री से जुड़ी हस्तियों के सत्र शामिल थे। इन मेंटर्स ने स्टार्टअप स्किल्स पर व्यवहारिक जानकारी साझा की, जिसमें यूनिट इकॉनॉमिक्स, MVP (मिनिमम वायबल प्रोडक्ट) डेवलपमेंट, ब्रांड बिल्डिंग और प्रभावी पिचिंग जैसे विषयों पर चर्चा की गई।फिजिक्स वाला के को-फाउंडर, प्रतीक माहेश्वरी ने कहा, आरम्भ 1.0 ने हमें भारत के युवा पीढ़ी में छुपी अपार संभावनाओं को दिखाया। सही मार्गदर्शन और संसाधनों के साथ, ये नए उद्यमी ऐसे समाधान तैयार कर सकते हैं जो न केवल स्थानीय चुनौतियों को हल करेंगे बल्कि वैश्विक स्तर पर भी असर डाल सकते हैं। पीडब्ल्यू स्कूल ऑफ स्टार्टअप्स में, हम इन होनहार प्रतिभागियों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सकें।

आरम्भ 1.0 के बाद, पीडब्ल्यू स्कूल ऑफ स्टार्टअप्स आरम्भ 2.0 को लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है, जो 19 नवंबर, 2024 से नोएडा कैंपस में शुरू होगा। यह नया प्रोग्राम इस रफ्तार को आगे बढ़ाने का इरादा रखता है, जो पटना, भोपाल, इंदौर, लखनऊ, जयपुर जैसे कई शहरों के अन्य नए उद्यमियों को एक साथ लाएगा।

देश का औद्योगिक उत्पादन सितंबर महीने में 3.1 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) सालाना आधार पर सितंबर में 3.1 फीसदी बढ़ा है। पिछले महीने अगस्त में औद्योगिक उत्पादन में 0.1 फीसदी की गिरावट आई थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक विनिर्माण क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन के कारण औद्योगिक उत्पादन सितंबर में 3.1 फीसदी की दर से बढ़ा है। आंकड़ों के मुताबिक सितंबर महीने में खनन, विनिर्माण तथा बिजली क्षेत्र के उत्पादन में क्रमशः 0.2 फीसदी, 3.9 फीसदी और 0.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। सितंबर, 2023 में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 6.4 फीसदी रही थी।

एनएसओ के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर चार फीसदी रही है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि में इसमें 6.2 फीसदी की वृद्धि हुई थी। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के त्वरित अनुमान हर महीने की 12 तारीख (या यदि 12 तारीख को छुट्टी हो तो पिछले कार्य दिवस पर) छह हफ्ते के अंतराल के साथ जारी किए जाते हैं। इन त्वरित अनुमानों को आईआईपी की संशोधन नीति के अनुसार बाद की रिलीज़ में संशोधित किया जाएगा।

खुदरा महंगाई दर अक्टूबर महीने में बढ़कर 6.21 फीसदी पर आई

नई दिल्ली। अक्टूबर महीने में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर बढ़कर 6.21 फीसदी पर पहुंच गई है। खुदरा महंगाई दर का यह 14 महीनों का उच्चतम स्तर है। पिछले साल इसी महीने में यह 4.87 फीसदी थी, जबकि अगस्त 2023 में यह 6.83 फीसदी रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के जारी आंकड़ों के मुताबिक खाद्य वस्तुओं की महंगाई अक्टूबर में बढ़कर 10.87 फीसदी हो गई है, जो सितंबर महीने में 9.24 फीसदी और पिछले साल अक्टूबर में 6.61 फीसदी थी। गौरतलब है कि आरबीआई ने पिछले महीने नीतिगत दर रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर यथावत रखा था। केंद्र सरकार ने रिजर्व बैंक को मुद्रास्फीति को चार फीसदी (दो फीसदी घट-बढ़) पर रखने की जिम्मेदारी दी हुई है। इस तरह खुदरा मुद्रास्फीति रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के छह फीसदी के संतोषजनक स्तर के ऊपर निकल गई है।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का पहली छमाही में कारोबार 11 फीसदी बढ़ाः वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में मजबूत प्रदर्शन किया है, जिससे उनके कारोबार में 11 फीसदी और शुद्ध लाभ में करीब 26 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसके अलावा गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में भी गिरावट आई है।

वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में मजबूत प्रदर्शन किया है। अप्रैल-सितंबर के दौरान इनका कारोबार 236.04 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 11 फीसदी की वृद्धि है। इन बैंकों का वैश्विक ऋण और जमा पोर्टफोलियो में सालाना आधार पर 12.9 फीसदी और 9.5 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो क्रमशः 102.29 लाख करोड़ रुपये और 133.75 लाख करोड़ रुपये है। मौदूगा वित्त वर्ष की पहली छमाही में इनका परिचालन और शुद्ध लाभ 1,50,023 करोड़ रुपये और 85,520 करोड़ रुपये रहा, जो क्रमशः सलाना आधार पर 14.4 फीसदी और 25.6 फीसदी की वृद्धि है। इन बैंकों का 24 सितंबर तक सकल और शुद्ध एनपीए 3.12 फीसदी और 0.63 फीसदी रहा। इसके अलावा सकल और शुद्ध एनपीए में साल-दर-साल क्रमशः 108 बीपीएस और 34 बीपीएस की गिरावट आई है।

वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन ने प्रोफेसर ललित कुमार दास को 2024 के डिजाइन गुरु अवार्ड से सम्मानित किया

नई दिल्ली। रचनात्मकता के क्षेत्र में शिक्षा के लिए समर्पित भारत की पहली युनिवर्सिटी- वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन (डब्लूयूडी) ने 11 नवंबर, 2024 को अपने परिसर में एक भव्य समारोह में प्रोफेसर ललित कुमार दास को प्रतिष्ठित डिजाइन गुरु अवार्ड से सम्मानित किया। प्रोफेसर ललित दास, औद्योगिक डिजाइन शिक्षा में एक बड़ी हस्ती हैं और उन्हें समावेशी और टिकाऊ डिजाइन को लेकर उनके अनूठे दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है। इस क्षेत्र में उनके नेतृत्व ने ना केवल अगली पीढ़ी के डिजाइनरों को आकार दिया है, बल्कि ऐसे उत्पादों और पर्यावरण के सृजन के महत्व को रेखांकित किया है जो सभी की पहुंच में हो और सभी के लिए लाभप्रद हो।

नेशनल डिजाइन गुरु डे के अवसर पर वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन द्वारा प्रदान किया जाने वाला यह अवार्ड उन लीडरको सम्मान देता है जिन्होंने डिजाइन के भविष्य को आकार देते और रचनात्मक सोच

वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते हुए भारत में डिजाइन शिक्षा में असाधारणयोगदान दिया है। हर साल नौ नवंबर को मनाए जाने वाले नेशनल डिजाइन गुरु डे की शुरुआत डिजाइन के शिक्षकों की अग्रणी पीढ़ी को पहचान देने के लिए की गई जिन्होंने भारत में डिजाइन की शिक्षा की नीव डाली। संयोग से जिस दिन डिजाइन के इन नेताओं को सम्मानित किया जाता है, वह स्वर्गीय प्रोफेसर एमपी रंजन की जयंती है जो नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) में डिजाइन चिंतन और शिक्षा में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व रहे।

इन वर्षों में वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन ने प्रोफेसर ए.जी. कृष्ण मेनन, प्रोफेसर इफ्तिकार मुल्क चिश्ती, श्री राजीव सेठी, प्रोफेसर जतिन भट्ट, प्रोफेसर अर्चना शास्त्री और सुश्री लैला तैयबजी सहित प्रख्यात नेताओं को डिजाइन गुरु अवार्ड से सम्मानित किया है।

वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन (डब्लूयूडी) के कुलपति डाक्टर संजय गुप्ता ने कहा, वर्ष 2017 में इस युनिवर्सिटी की शुरुआत के समय से ही हमने उन लोगों को सम्मान देने के लिए इस दिन को एक अवसर बनाया जिन्होंने भारतीय डिजाइन परिदृश्य पर गहरी छाप छोड़ी है। हर वर्ष एक अग्रणी डिजाइन पुरोधा को सम्मानित कर इस विरासत को आगे बढ़ाना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। डब्लूयूडी 2024 के डिजाइन गुरु अवार्ड के साथ प्रोफेसर दास के योगदान को याद करते हुए गौरवान्वित है और डिजाइन शिक्षा को उन्नति प्रदान करने और डिजाइन समुदाय पर अपनी गहरा प्रभाव छोड़ने की उनकी प्रतिबद्धता का जश्न मना रही है।

भारत में औद्योगिक डिजाइन शिक्षा विशेषकर आईआईटी दिल्ली में मौलिक कार्य के जरिए औद्योगिक डिजाइन में प्रोफेसर दास के उल्लेखनीय योगदान को डिजाइन गुरु अवार्ड एक सम्मान है।

देश में पेटेंट दाखिल करने की संख्या हुई दोगुनी, भारत विश्व में 6ठे स्थान पर

नई दिल्ली। भारत अब पेटेंट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइन सहित प्रमुख आईपी अधिकारों में वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 देशों में शामिल हो गया है। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) की वैश्विक पेटेंट फाइलिंग रिपोर्ट के अनुसार भारत ने बौद्धिक संपदा (आईपी) फाइलिंग में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिससे 2023 में पहली बार वैश्विक स्तर पर छठा स्थान हासिल किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि वर्ष 2018 और 2023 के बीच भारत के पेटेंट और औद्योगिक फाइलिंग में दोगुनी वृद्धि हुई है जबकि ट्रेडमार्क में 60 फीसदी की वृद्धि हुई है। डब्ल्यूआईपीओ रिपोर्ट के अनुसार देश अब 64,480 पेटेंट फाइलिंग के साथ दुनियाभर में छठे स्थान पर है, जो 15.7 फीसदी की वृद्धि है।

रिपोर्ट के अनुसार पहली बार भारत को तीन मुख्य बौद्धिक संपदा (आईपी) अधिकारों पेटेंट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइन में वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 देशों में शामिल किया गया है। भारत में पेटेंट फाइल की दर लगातार पांचवें साल दोहरे अंकों में रही है। डब्ल्यूआईपीओ की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में भारत में फाइल पेटेंट की संख्या 64,480 थी। पेटेंट फाइल करने में देश की वृद्धि दर 2022 की तुलना में 15.7 फीसदी रही।

डब्ल्यूआईपीओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में दुनियाभर में 35 लाख से अधिक पेटेंट फाइल किए गए हैं। ये लगातार चौथा साल था, जब वैश्विक पेटेंट फाइल करने में सकारात्मक वृद्धि देखी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में सबसे अधिक पेटेंट 1.64 मिलियन चीन से फाइल किए गए, जिसके बाद बाद संयुक्त राज्य अमेरिका से 5,18,364 पेटेंट और दक्षिण कोरिया से 2,87,954 पेटेंट फाइल हुए।

अल्पेनलीबे जुज़्ट जेली ने भारत की पहली दिल के आकार की डबल लेयर वाली जेली लॉन्च की

नई दिल्ली। परफ़ेटी वैन मेल्ले के प्रतिष्ठित ब्रांड अल्पेनलीबे जुज़्ट जेली ने भारत की पहली दिल के आकार की डबल लेयर वाली जेली पेश की है। इस जेली की कीमत सिर्फ 2 रुपये है और इसे एक अनूठा स्वाद प्रदान करने के लिए बनाया है। इस नई जेली में दो लेयर हैं एक लेयर सॉफ्ट-फॉमी है तो दूसरी लेयर सॉफ्ट और चेवी अनुभव देती है। ये दोनों लेयर मिलकर एक खुशनुमा कंबीनेशन बनाती हैं जो इसके खाने के अनुभव को यादगार बनाती हैं। अल्पेनलीबे जुज़्ट जेली अपने जेली सेगमेंट में इनोवेशन करती रहती है और एक बेहतरीन कन्फेक्शनरी अनुभव के लिए इसका हर बाइट स्वाद, आनंद और टेक्सचर का अनोखा कंबीनेशन है।

गुंजन खेतान, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, परफेटी वैन मेल्ले इंडिया ने कहा भारत में जेली बाजार निरंतर आगे बढ़ रहा है और इसकी वजह है कि कंज्यूमर नए अनुभव चाहते हैं। अल्पेनलिबे जस्ट जेली हार्ट के साथ, हम क्रिएटिविटी को नई

ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं क्योंकि हम एक ऐसा प्रोडक्ट पेश कर रहे हैं जो एक प्लेफुल शेप को एक खास टेक्स्चर से मिलाता है केवल 2 रुपये वाली यह जेली उन कंज्यूमर्स के लिए एक सुखद अनुभव की तरह है जो अपने कन्फेक्शनरी ऑप्शन्स में गुणवत्ता और मूल्य की चाहत रखते हैं। इस प्रीमियम प्रोडक्ट को लेकर हम काफी उत्साहित हैं। इसकी डबल लेयर कंज्यूमर को सॉ्फट, फॉमी एवं चेवी अनुभव प्रदान करती है।

यह अनूठा प्रोडक्ट बाजार में आ रही जेली कैटेगरी में सबसे हटकर है, जहां आकार, टेक्सचर और स्वाद कंज्यूमर की पसंद को निर्धारित करते हैं। स्वादिष्ट स्ट्रॉबेरी फ्लेवर और नई डबल लेयर वाली अल्पेनलिबे जस्ट जेली हार्ट प्रीमियम के साथ किफायती जेली तलाश रहे कंज्यूमर्स का दिल जीतने के लिए तैयार है। भारत में अल्पेनलिबे जस्ट जेली को 2012 में लॉन्च किया गया था और आज इसने खुद को कन्फेक्शनरी के क्षेत्र एक प्रतिष्ठित ब्रांड के रुप में स्थातित कर लिया है जेली कैटेगरी में बाजार के लीडर के रूप में, इसने गुणवत्ता और इनोवेशन के क्षेत्र में अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली है। ब्रांड ने सबसे पहले अपनी फ्रूटी फ्लेवर वाली जेली को सिर्फ 1 रुपये की किफायती कीमत पर पेश किया।

उत्तर प्रदेश के स्कूलों में न्यूरोडायवर्स छात्रों के लिए सीखने की संप्राप्तियों में सुधार - 'प्रोजेक्ट इन्क्लूजन' का उद्देश्य

लखनऊ। अरविंद सोसाइटी रूपांतरण की एस.बी.आई फाउंडेशन के साथ साझेदारी में 'प्रोजेक्ट इन्क्लूजन' पहल, भारत में शिक्षक प्रशिक्षण और विकास में बदलाव लाने के प्रयासों में सबसे आगे है, जिसमें समावेशी शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस व्यापक तीन-वर्षीय कार्यक्रम के तहत उत्तर प्रदेश में 63,000 शिक्षकों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया है। कुल मिलाकर, प्रोजेक्ट इन्क्लूजन ने भारत में 3,60,000 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है और अब यह 36 भारतीय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सभी 1,254 केंद्रीय विद्यालय संगठन स्कूलों के साथ कार्यरत है।प्रोजेक्ट इन्क्लूजन न्यूरोडायवर्स छात्रों के लिए शिक्षण वातावरण में सुधार कर मुख्यधारा की शिक्षा में एक बड़ी चुनौती का समाधान कर रहा है। इस लक्ष्य – यह सुनिश्चित करना कि हर बच्चा, चाहे उसकी सीखने की आवश्यकताएं कुछ भी हों, प्रगति कर सके। न्यूरोडायवर्स छात्रों का समर्थन करने की रणनीतियों से सुसज्जित शिक्षक उसकी विशिष्ट आवश्यकताओं को समझ पाए और उन्होंने अपने शिक्षण तरीकों को उसी अनुसार अनुकूलित किया। उन्होंने उसे व्यक्तिगत सहायता दी और कार्यक्रम के माध्यम से उपलब्ध कराए गए विशेष उपकरणों का उपयोग किया। डॉ. सिम्मी महाजन, मुख्य कार्यक्रम अधिकारी, प्रोजेक्ट इन्क्लूजन, श्री अरविंद सोसाइटी ने कहा, ÷समावेशी शिक्षा को आगे बढ़ाने के हमारे प्रयासों में उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण स्थान है। प्रोजेक्ट इन्क्लूजन के माध्यम से, हमारा उद्देश्य राज्य भर के शिक्षकों को वह कौशल और संसाधन प्रदान करना है जिनकी उन्हें न्यूरोडायवर्स छात्रों का प्रभावी ढंग से समर्थन करने के लिए आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश में शिक्षकों को प्रशिक्षित कर हम कक्षाओं में अधिकाधिक समावेशी वातावरण का निर्माण कर रहे हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हर बच्चे–चाहे उसकी सीखने की आवश्यकताएं कुछ भी हों–को प्रगति का अवसर मिले।

नए शोज़ और पसंदीदा शोज़ की वापसी के साथ ज़िंदगी डीटीएच नवंबर महीने में मना रहा है परदे की सबसे बेहतरीन जोड़ी का जश्न

ज़िंदगी डीटीएच नवंबर महीने में अपने दर्शकों के लिए नए ड्रामे और लोगों के पसंदीदा शोज के दोबारा प्रसारण का एक रोमांचक लाइनअप लेकर आया है। यह प्यार के जज्बे, परिवार और परदे की मशहूर जोड़ियों का जश्न है। शोज़ और फिल्मों के सटीक लाइनअप के साथ इस महीने के कार्यक्रमों की रोचक कहानियां और पसंदीदा जोड़ियां एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लेंगी। इस लाइनअप की शुरुआत बिलकुल नए शो बी ऐब के साथ हो रही है। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच पारिवारिक दांव-पेंच और प्यार की ताकत को लेकर यह शो बुना गया है। मजबूत इरादों वाली एक मां सदफ दुर्घटना के बाद अपनी बेटी टूबा और कजिन तैमूर की सगाई में रुकावट डालती है। इससे एक के बाद एक कई सारे भावनात्मक ट्विस्ट आते हैं क्योंकि ये किरदार प्यार तथा वफादारी की राह पर आगे बढ़ रहे होते हैं। समीना पीरजादा, इस्मत जैदी और तारिक जमील अभिनीत बी ऐब का

हर दिन प्रसारण किया जाएगा। लोगों की मांग पर वापसी कर रहे डंक में धोखे और न्याय की एक दमदार कहानी दिखाई गई है। एक स्टूडेंट अमल अपने प्रोफेसर पर बड़ा सनसनीखेज इल्जाम लगाती है और इससे जुड़े सभी लोगों को बड़े ही चौंकाने वाले परिणामों का सामना करना पड़ता है। बिलाल अब्बास खान, सना जावेद, यसरा रिजवी और नोमान एजाज अभिनीत यह सनसनीखेज ड्रामा 30 नवंबर से प्रसारित किया जाएगा। एक अन्य पसंदीदा सीरीज लापता अधूरे प्रेम और गलत फैसलों से जन्मी परेशानियों को लेकर बुनी गई दिलचस्प कहानी के साथ वापसी करने के लिए तैयार है। सारा खान, अयाज खान, अली रहमान खान और गोहर रशीद जैसे सितारों से सजी सीरीज, लापता अपने गंभीर विषय को हंसी के कुछ पलों की फुहारों से संतुलित करने का काम करती है। 29 नवंबर से इस सीरीज को जरूर देखें। दर्शकों का भरपूर प्यार पाने वाला पुरस्कृत ड्रामा काबली पुलाव, 9 नवंबर से जिंदगी के यूट्यूब चैनल पर प्रसारित होगा। ये दिल छू लेने वाली बरबीना की कहानी है।

गठन के बाद नगर पंचायत मथौली में नहीं मिल रही बुनियादी सुविधाएं

वार्ड नंबर 5 में सामुदायिक शौचालय पर लटक रहा ताला

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। मथौली नगर पंचायत का गठन होने के बाद यहां के लोग बुनियादी सुविधाओं से महरूम है। यहां नगर वासियों को जो शहरी सुविधाएं मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है। शौचालय, एटीएम वाटर, मोबाइल ट्रांसफार्मर, रैन बसेरा, सड़क, विद्युत आदि बुनियादी सुविधाएं नदारद है। लेकिन सरकार करोड़ों रुपए नगर में विकास करने के लिए धन भेज रही जो ऐसे तैसे खर्च कर दिया जा रहा है। बता दें कि 6 सितंबर 2022 को मथौली समेत छह ग्राम पंचायतों को मिलाकर नगर पंचायत का दर्जा मिला था। नगर पंचायत का दर्जा मिलने के बाद यहां के लोगों को लगा कि अब शहरी जैसी सुविधा मिलेगी लेकिन नगर पंचायत का गठन होने के डेढ़ साल बाद मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। नगर पंचायत में अब तक सार्वजनिक शौचालय का निर्माण नहीं कराया गया है जिससे लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। हालांकि नगर के विकास के लिए शासन ने हर महीने लाखों रुपए भेज रहीं है जिससे नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों का विकास तो तेजी से हों रहा है लेकिन जहां शासन के मिले रूपये खर्च करना चाहिए वहां न करके ऐसे तैसे मनमाना खर्च किया जा रहा है जिससे आम जनों का कोई सरोकार नहीं है। हां इतना जरूरी है कि जो अन्य विकास कार्य हो रहे है वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती जा रही है। नगर पंचायत द्वारा नगर वासियों के सुविधा के लिए एक मोबाइल टॉयलेट खरीदा था जो प्रयोग में न आने से मोबाइल टॉयलेट वैन धूल फांक रहा है। अभी हाल ही में मनमाने तरीके से नगर पंचायत द्वारा प्राथमिक विद्यालयों में साउंड सिस्टम व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दो दो कुर्सी वितरण किया गया। चेयरमैन अपने पास से देने का दावा कर रहे है जबकि जिस फर्म से उक्त सामग्री खरीदी गई है ठेकेदार ने स्वीकार किया है। कुल मिलाकर नगर पंचायत मथौली में सरकारी धन का मनमाने तरीके से खर्च किया जा रहा है।

- **समय-समय पर नहीं होती है फागिंग व ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव**
- **मोबाइल टॉयलेट भी फांक रहा धूल, नहीं है स्थाई रैन बसेरा**

नगर पंचायत मथौली में पहले चरण में नाली व सीसी रोड का निर्माण हो रहा है। अब शौचालय, पाइप लाइन व लाइट के लिए शासन को प्रस्ताव भेज दी गई है। पेयजल के लिए पूरे नगर में पाइप लाइन बिछाई जाएगी। धीरे धीरे नगर के लोगों को बुनियादी सुविधाएं मिलना शुरू हो जाएगी।

सर्वेश कुमार श्रीवास्तव, अधिशाषी अधिकारी

चेयरमैन पद के प्रत्यशी रहे कृष्णा उर्फ मिंटू सिंह ने बताया कि नगर पंचायत में तीन दिन बाजार लगती है, लोगों की आवाजाही रहती है, साथ ही दर्जनों विद्यालय के लिए छात्रों का आना जाना रहता है लेकिन नगर में कहीं भी सार्वजनिक शौचालय का निर्माण नहीं कराया गया है, जिससे लोगों को आए दिन काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

वार्ड नंबर 12 सरदार भगत सिंह निवासी मोनू शर्मा का कहना हैं कि नगर पंचायत गठन होने के बाद लोगों को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। अब तक जो भी सीसी रोड व नाली का निर्माण कराया गया वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। जिम्मेदारों की मिली भगत से सरकारी धन का खूब बंदरबांट किया जा रहा है।

वार्ड नंबर 9 रविंद्रनाथ टैगोर नगर निवासी यशवंत सिंह ने बताया कि नगर पंचायत में सामग्रियों की खरीददारी मनमाने तरीके से की गई है। जो भी खरीदा गया है वह प्रयोग में नहीं लाने से बेकार साबित हो रहा है। नगर के कई वार्डों में स्ट्रीट लाइट खराब हो गई है। कुछ लाइटें दिन में ही जलती नजर आती है। इंडिया मार्क हैंड पम्प के रिवोर व मरम्मत में भी खेला किया जा रहा है। लेकिन जिम्मेदार इसपर ध्यान नहीं दे रहे है।

सपा नेता व चेयरमैन पद के प्रत्याशी रहे राकेश उर्फ भोला यादव ने बताया कि वार्ड नंबर 12 मुख्य चौराहे के दोनों तरफ पर व्यापारिक क्षेत्र का सुंदरीकरण व पथ प्रकाश पर करीब 75 लाख रुपए खर्च किया गया है, लेकिन दोनों तरफ पथ वे अतिक्रमण का शिकार हो गया है। वहीं कई जगह इंटरलॉकिंग भी धंस गई है और इसमें भी कई जगह अधूरा काम हुआ है। उक्त परियोजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। नगर के कई वार्डों में सीसी रोड व भूमिगत नाली का निर्माण हुआ है जो निर्माण के कुछ माह बाद ही टूटकर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। मानक के विपरीत निर्माण कार्यों में सामग्रियों का प्रयोग किया गया है, इसकी जांच होनी चाहिए।

देवरिया पहुंचे करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष निहाल के परिजनों को बंधाया ढांढस

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। देवरिया में करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरू सिंह ने मृतक निहाल सिंह के घर जाकर उनके परिवार से मिलकर संवेदना जताई और छः दिन बाद भी अपराधियों की गिरफ्तारी न होने पर नाराजगी जताई। वीरू सिंह और उनके समर्थकों ने मृतक के आवास से विरोध प्रदर्शन की शुरुआत की, जो धीरे-धीरे बढ़ते हुए कचहरी चौराहा तक पहुंचा।यहां से प्रदर्शनकारी डीएम आवास के सामने सिविल लाइंस रोड पर जाम कर दिए। प्रदर्शन का समापन सुभाष चौक पर हुआ। इस दौरान एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी और एएसपी दीपेंद्र नाथ चौधरी से बातचीत के बाद करणी सेना ने दो दिन का समय दिया है, ताकि अपराधियों को गिरफ्तार किया जा सके। वीरु सिंह ने साफ तौर पर कहा कि यह प्रदर्शन कोई राजनीतिक नहीं है, बल्कि यह एक हत्या का विरोध है। निहाल सिंह की बेरहमी से हत्या की गई, और उनके परिवार को न्याय नहीं मिल रहा है। पिछले छह दिनों से पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर पाई है। यह शासन पर बहुत बड़ा सवाल उठाता है कि क्या प्रशासन अपराधियों के साथ साठगांठ कर रहा है या राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है। वीरू सिंह ने आगे कहा, हम क्षत्रिय समाज से आते हैं हमारे पूर्वजों ने इस देश को कई बार अपराधियों और विदेशी आक्रांताओं से मुक्त किया है, तो ये अपराधी हमारे सामने क्या कर सकते हैं। सवाल का जवाब देते हुए वीरु सिंह ने कहा, पिछले छह दिनों में एक भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। यह सवाल खड़ा करता है कि क्या सरकार के भीतर अपराधियों का हौसला बढ़ा है? यहां के सांसद और विधायक भी इस मामले में चुप हैं। यह बीजेपी के हार्डकोर वोटर, क्षत्रिय समाज के लिए चिंता का विषय है। अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले विधानसभा चुनाव में इसका असर होगा। वीरु सिंह ने यह भी कहा कि परिवार की एक ही मांग है - निहाल सिंह के हत्यारों का एनकाउंटर। ÷हम न कोई पैसा चाहते हैं, न नौकरी। हमारा और परिवार का सिर्फ एक ही सवाल है, और वह है एनकाउंटर। अगर पुलिस कुछ नहीं कर पाई, तो हम अपने हिसाब से काम करेंगे। अंत में वीरु सिंह ने प्रशासन को दो दिन का समय दिया है और कहा, 15 तारीख को हम फिर आएंगे और देवरिया का इतिहास खुद लिखेंगे।

कस्तूरबा विद्यालय मोतीचक के छात्र नए भवन में हुए शिफ्ट

अवधनामा संवाददाता

- **जिम्मेदारों की लापरवाही से वर्षों से इधर उधर भटक रहे थे कस्तूरबा के छात्र**
- **बीआरसी मोतीचक, कसया व रामकोला कस्तूरबा विद्यालय के बाद राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरायनपुर थे शिफ्ट**

मथौली बाजार, कुशीनगर। पिछले कई वर्षों से भटक रहे कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय मोतीचक के छात्र अब नए भवन में प्रवेश कर लिए। इसके पूर्व बालिकाओं को कई विद्यालयों में शिफ्ट कराया गया था जिससे तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अब नए भवन में शिफ्ट होने से छात्रों में खुशी की लहर दौड़ गई।

मोतीचक ब्लाक का कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय जर्जर हो गया था। जर्जर होने के बाद उक्त विद्यालय दो वर्ष तक बीआरसी मोतीचक में शिफ्ट थे। इसके बाद कसया व रामकोला स्थित कस्तूरबा विद्यालय में छात्रों को अध्यापकों के साथ शिफ्ट रहना पड़ा। इसके बाद 1 नवंबर 2022 को राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरायनपुर में संचालित हो रहा था। इस बीच छात्रों और अध्यापकों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ती थी। जबकि कस्तूरबा विद्यालय के छात्रों के लिए नए भवन बनकर तैयार था। लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही से खुद के भवन में प्रवेश के लिए फाइलें लटकाई गई थी। निर्माण होने के बाद पिछले वर्ष 28 अगस्त 2023 को गृह प्रवेश के लिए पूजन भी किया गया था लेकिन फिर कुछ कारणों से बच्चे प्रवेश नहीं कर पाए। छात्रों की परेशानी देखते हुए बेसिक शिक्षाधिकारी राम जियावन मौर्य ने पत्र जारी कर नए इस वर्ष भवन में हस्तांतरित होने का आदेश दिया था जिसके क्रम दीपावली से पहले समानों को शिफ्ट कर दिया गया था, अब बच्चे भी शिफ्ट हो गए। नए भवन में जाते ही छात्रों के चेहरे पर खुशी छा गई है। बताया जाता है कि मोतीचक कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में इस सत्र से 6 से 8 तक के कक्षाओं के साथ 9 तक कक्षाएं संचालित है जिसके क्रम में 6 से 8 तक 100 तथा 9 के अभी 20 छात्राएं हैं। इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि बीएसए के आदेश के क्रम में मथौली स्थित पुराने कस्तूरबा भवन के पास बने छात्रावास में हस्तांतरित कर दिया गया है।

कलर कोडिंग के साथ चलेंगे ई रिक्शा

रायबरेली। रायबरेली का यातायात विभाग एक नए प्रयोग के साथ जाम के झाम को कम करने की कोशिश करने जा रहा है। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर यशवीर सिंह को जिले का कार्यभार ग्रहण किए हुए कई महीने गुजर गए इस दौरान उन्होंने देखा कि शहर में यातायात व्यवस्था में कुछ कमियां है जिसको लेकर उन्होंने ट्रैफिक सीओ को यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निर्देशित किया साथ ही उन्होंने कुछ सुझाव दिए जिसको अमल करवाने और यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए ट्रैफिक सीओ अमित सिंह ने शहर में चल रहे ई रिक्शा की संख्या को देखते हुए शहर को 6 रूटों में विभाजित किया। इसके अतिरिक्त ई रिक्शा की संख्या को देखते हुए उन्हें भी 6 भागों में विभाजित करने का निर्देश दिया साथ ही हर एक भाग को एक कलर कोडिंग दी जाएगी साथ ही उस कलर कोडिंग के रिक्शे के लिए एक रूट निर्धारित होगा जो अपने निर्धारित रूप पर चलेगा इसके अतिरिक्त कुछ महीने चलने के बाद उनके रूटों में परिवर्तन किया जाएगा।

किसानों को डी.ए.पी.खाद न मिल पाने के सम्बन्ध में ज्ञापन जिलाधिकारी को कांग्रेस कमेटी द्वारा सौंपा

अवधनामा संवाददाता

रायबरेली। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा किसानों को डी.ए.पी.खाद न मिल पाने के सम्बन्ध में एक ज्ञापन जिलाधिकारी महादेया को सौंपा गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि वर्तमान समय में रवी की फसल की बुआई का व्यस्ततम समय चल रहा है, किन्तु प्रदेश की भाजपा सरकार की उदासीनता एवं अव्यवस्था के चलते रायबरेली जनपद में किसानों को डी.ए.पी. खाद नहीं मिल पा रही है। वहीं दूसरी ओर आपदा में अवसर खोजकर खाद की काला-बाजारी हो रही है। जिसके फलस्वरुप किसानों को मजबूरन बिक्री मूल्य से अधिक दामों पर ब्लैक में खाद क्रय करना पड़ रहा है। खेती-किसानी के इस व्यस्ततम समय में किसान खाद क्रय केन्द्रों पर मजबूरन चक्कर लगा रहे है, जिसकी वजह से उनका अन्य कृषिक कार्य भी प्रभावित व बाधित हो रहा है। किसानों को समय से खाद-बीज न मिल पाने के कारण वें हताश व निराश है। भाजपा सरकार किसानों के दुःख-दर्द को नहीं समझ रही है और भाजपा सरकार चुप्पी साधे बैठी है, जो चिन्ताजनक है।किसानों की समस्याओं को देखते हुए कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि अविलम्ब किसानों को खाद, बीज इत्यादि उपलब्ध कराया जाये।

परिषदीय विद्यालयों के बच्चे खेलकूद में विभाग का नाम कर रहे रोशनः डीएम

अवधनामा संवाददाता

रायबरेली। बेसिक शिक्षा विभाग की जनपद स्तरीय दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता मंगलवार को पुलिस लाइंस के मैदान में शुरू हुई। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह और सीडीओ अर्पित उपाध्याय ने किया। हल्की ठंडी हवाओं के बीच में मैदान पर बच्चों के थिरकते कदम, तयताल के साथ चलते बच्चों के आगे बढते कदम और नौनिहालों का बहता पसीना एक अलग ही जोश पैदा कर रहा था।

प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने कहा कि यह बहुत ही अच्छी बात है कि परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे आज नेशनल स्तर की प्रतियोगिता में खेलकर विभाग और जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। आज यहां के बच्चे शिक्षकों की मेहनत की वजह से शूटिंग और आर्चरी जैसे गेम्स में प्रतिभाग कर रहे हैं। पढ़ाई के साथ ही साथ अब बच्चे शिक्षकों के सहयोग से खेलकूद प्रतियोगिता स्तर पर भी बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यहां पर प्रतिभाग करने वाले बच्चों को हमेशा ही यह सोचकर खेलना चाहिए कि हम मैदान को फतेह करके ही रहेंगे। आज यहां पर आप जीतेंगे या फिर कोई और लेकिन मैदान से बहुत कुछ सिखकर जाएंगे। इस मौके पर खेलकूद प्रतियोगिता के नोडल बीईओ बृजलाल व डॉ. सत्यप्रकाश यादव, बीईओ राम मिलन यादव, धर्मप्रकाश, वीरेंद्र नाथ द्विवेदी, विजय कुमार, सुधा वर्मा, ऋचा सिंह, अनिल मिश्रा, अश्वनी गुप्ता, सत्यप्रकाश सिंह, शिव सिंह, राजीव ओझा, नंदलाल रजक, शीतल शिक्षक संघ से समर बहादुर सिंह, राघवेंद्र यादव, बीरेंद्र सिंह, मधुकर सिंह, संजय सिंह, राजेश शुक्ला, चंद्रमणि, महेंद्र यादव, शैलेष यादव, जिला व्यायाम शिक्षिका रेनू शुक्ला, स्काउट मास्टर शिवशरण सिंह, निरूपमा बाजपेई, ऊषा, नीरज कुमार, लक्ष्मी सिंह, ब्रजेन्द्र, सुनीता सिंह, शोएब हसन, ज्ञानदेवी, मीनाक्षी, विजय सिंह, सूर्यप्रकाश, रामभरत राजभर आदि लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की निगरानी में क्रॉप कटिंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

देवरिया अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल की उपस्थिति में देवरिया जिले की सदर तहसील के ग्राम रघवापुर में खरीफ फसल धान की उत्पादकता का सही आंकलन करने हेतु क्रॉप कटिंग का आयोजन किया गया। इस प्रक्रिया के तहत जनपद में धान की औसत पैदावार 48.266 क्विंटल प्रति हेक्टेयर मापी गई। चयनित खेत में समबाहु त्रिभुज के प्रति 10 मीटर भुजा वाले क्षेत्र में धान की कटाई की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने किसानों से संवाद करते हुए विभिन्न आवश्यक जानकारियां प्राप्त कीं। उन्होंने जानकारी दी कि जिले के सभी सरकारी क्रय केंद्रों पर धान की खरीदारी शुरू हो चुकी है और किसानों से अनुरोध किया कि वे अतिरिक्त उत्पादन को इन केंद्रों पर बेचें। उल्लेखनीय है कि क्रॉप कटिंग के माध्यम से फसल की औसत पैदावार का आंकलन किया जाता है, जिसे शासन को भेजा जाता है। इन आंकड़ों के आधार पर फसल बीमा धारकों को मुआवजा मिलता है। क्रॉप कटिंग से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत नुकसान की भरपाई तथा आपदा की स्थिति में मुआवजा देने में भी किया जाता है। इसी आधार पर जनपद में विभिन्न फसलों की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता का आंकलन होता है। इस अवसर पर एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी, मंडलीय सांख्यिकीय अधिकारी प्रकाश कुमार शुक्ला, प्रभारी अपर सांख्यिकीय अधिकारी संजीव सिंह, तहसीलदार केके मिश्रा समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अज्ञात कारणों से लगी आग में दो दुकान समेत झोपड़ी जलकर खाक

अवधनामा संवाददाता

- **फायर बिग्रेड के पहुंचने पर आग पर पाया गया काबू**

तमकुहीराज, कुशीनगर। हाइवे चौराहे पर अज्ञात कारणों से लगी भयंकर आग में फल के दो दुकानों तथा उसमें रखे समान एक झोपड़ी सहित चार ठेला जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंचे फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया।

सोमवार की रात को करीब 12 बजे के आसपास तमकुहीराज नगर के मुख्य हाइवे के ओवरब्रिज चौराहे पर स्थित फल के दुकानों में एक साथ चारों तरफ से आग पकड़ लिया। स्थानीय लोग जब तक आग पर काबू पाने का प्रयास करते तब तक आग बिकराल रूप धारण कर चुका था। स्थानीय लोगों की सूचना पर तमकुहीराज पुलिस व फायरब्रिगेड की टीम ने पहुंच आग को बुझाया। अन्यथा आग इतनी बिकराल थी कि आसपास की अन्य दुकानें भी जलकर राख हो गई होती। आग कैसे लगी इसकी जानकारी किसी को नहीं है, कोई बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात कह रहा, तो कोई यह कह रहा कि किसी ने जलते सिगरेट को फेकने से आग लगने की बात कह रहा। वैसे भी यह बिहार सीमा पर स्थित प्रमुख कस्बा है, जहां पूरी रात यूपी व बिहार से आते रहते हैं। इस आगलगी की घटना में फल विक्रेता मेराज अहमद निवासी वार्ड नं. एक अंबेडकर नगर का लगभग दो लाख रुपए का फल, दो ठेला व नगदी, कौसर अली निवासी वार्ड नं. दो यशोदा नगर का दो लाख रुपए का फल, एक ठेला व नगदी, किरण देवी की झोपड़ी जलकर राख हो गया है। फल विक्रेताओं ने नगर पंचायत के सहयोग से बैंक से ऋण लेकर दुकान खोल रखी थी। फल विक्रेताओं मेराज अहमद व कौसर अली ने बताया कि शादी विवाह का मौसम चल रहा है, इस लिए उन्होंने पर्याप्त मात्रा में फलों की खरीदारी कर रखी थी। इस घटना में उनका सब कुछ जलकर राख हो गया है। आगलगी के शिकार फल विक्रेताओं ने घटना की जानकारी नगर पंचायत तमकुहीराज, तहसील प्रशासन तमकुहीराज व ऋण देने वाले बैंक को देते हुए कार्रवाई की मांग की है।

कुशीनगर में कोहरे का दिखा असर आपस में भिड़े तीन ट्रक, दो घायल

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। नेशनल हाइवे पर मंगलवार को सुबह घने कोहरे के कारण तीन ट्रकों का आपस में भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में दो ट्रकों के चालक घायल हो गए। दुर्घटना में एक ट्रक ड्राइवर घंटों केबिन में घायलावस्था में बुरी तरह फंसा रहा जिसे गैस कटर से काटकर निकाला गया। पुलिस ने सभी घायलों को कसया सीएचसी में भर्ती कराया और ट्रकों को सड़क के किनारे कराया। पंजाब के मोगा जिला निवासी 60 वर्षीय दलजीत सिंह कृषि यंत्र लदा ट्रक लेकर पंजाब से बिहार के मोतीहारी जा रहा थे। अभी वह मल्लूडीह ओवरब्रिज पर पहुंचे थे कि घना कोहरा होने के चलते सड़क पर पहले से खराब खड़ा ट्रक दिखाई नहीं दिया और पीछे से भिड़ंत हो गई। अभी ड्राइवर दलजीत निकलने का प्रयास कर रहे थे इसी दौरान दोनों ट्रकों में पीछे से एक तीसरे ट्रक ने टक्कर मार दिया। जिससे वह बुरी तरह फंस गए। हादसे में तीसरा ट्रक ड्राइवर आलोक सिंह निवासी ग्राम संग्रामगढ़ जिला प्रतापगढ़ सहित दो लोग घायल हो गए। दुर्घटना के कारण नेशनल हाइवे पर अफरा तफरी ला माहौल रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। घायलों का उपचार कराया जा रहा है।

डॉ आशा गुप्ता बनी उपाध्यक्ष

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। डा राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ के निर्वाचन में आर आर पी जी कालेज अमेठी को प्रतिष्ठापूर्ण स्थान हासिल हुआ है। कालेज की संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ आशा गुप्ता को उपाध्यक्ष चुना गया है।

महाविद्यालय शिक्षक संघ की राजनीति में आर आर पी जी कालेज की शून्यता को समाप्त करते हुए डॉ आशा गुप्ता ने 26 साल बाद यह पद हासिल किया है।संघ के चुनाव में बीस अनुदानित महाविद्यालयों के 462शिक्षकों ने मतदान किया और अपनी पसंद के शिक्षक नेताओं को संघ के विभिन्न पदों के लिए चुना है। डा एम आशा गुप्ता ने संघ की प्रथम महिला उपाध्यक्ष होने का गौरव भी हासिल किया है। इसके पूर्व कालेज के प्रोफेसर डॉ हरीश चंद्र चतुर्वेदी 1989 व 1991और1993में संघ के महामंत्री चुने गए थे।1998 में डा अर्जुन पांडेय ने महामंत्री का पद सुशोभित किया था। डा अर्जुन पांडेय ने अवकाश प्राप्त करने के बाद में स्वयं को शिक्षक राजनीति से अलग करते हुए साहित्य,जल संरक्षण और पर्यावरण के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि अवध विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ के चुनाव में साकेत महाविद्यालय के जन्मेजय सिंह और अमूल सिंह क्रमशः अध्यक्ष एवं महामंत्री निर्वाचित हुए हैं जबकि वरिष्ठ उपाध्यक्ष का पद के एन आई के डा अवधेश सिंह और धनंजय कुमार मौर्य को मिला है। डा आशा गुप्ता को उपाध्यक्ष चुने जाने पर संस्कृत के विद्वान और साहित्य कार डा ज्वलंत कुमार शास्त्री पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अब्दुल रसीद वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयराम कनौजिया महिला उपाध्यक्ष मीरा महामंत्री रमाकांत मौर्य उत्तर प्रदेशीय प्रदेशीय शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह अटेवा के जिला अध्यक्ष मंजीत यादव महामंत्री अजय कुमार मौर्य बी जी वी एस राज्य कमेटी के सदस्य आर के मिश्रा आर आर पी जी कालेज के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ धनंजय सिंह पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष अम्बरीष मिश्रा सामाजिक कार्यकर्ता इन्द्र पाल गौतम डा सुनील दत्त सुनीता भारती सतीश वर्मा दिनेश यादव आदि ने खुशी जताई है और बधाई दी है।

कबड्डी प्रतियोगिता को जिला स्तरीय चयन आज

अमेठी अवधनामा संवाददाता। उप क्रीड़ाधिकारी मुशर्रफ़ खां ने बताया कि प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता हेतु जिला एवं मण्डल स्तरीय चयन ट्रायल्स का आयोजन 2024-25 में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता हेतु जिला एवं मण्डल स्तरीय चयन ट्रायल्स किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय ट्रायल्स दिनांक 13 नवम्बर 2024 को डॉ भीमराव अंबेडकर स्टेडियम अमेठी में मण्डल स्तरीय ट्रायल्स 16 नवंबर 2024 को अयोध्या में तथा प्रदेश स्तरीय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता क्षेत्रीय खेल कार्यालय वाराणसी में दिनांक 28 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उक्त खेल का जिला स्तर चयन ट्रायल्स दिनांक 13 नवंबर 2024 को प्रातः 10 बजे डॉ0 भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम अमेठी में आयोजित कराया जायेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चयन ट्रायल्स में भाग लेने वाले बालकों को अपने साथ आधार कार्ड निवास प्रमाण पत्र पासपोर्ट साइज की फोटो लाना अनिवार्य है तथा आयु दिनांक 31 दिसम्बर 2024 को 20 वर्ष से कम अर्थात जन्मतिथि 01 जनवरी 2005 के बाद एवं वजन 70 किग्रा से कम होनी चाहिए।

एक दिन के लिए खंड शिक्षा अधिकारी बनी छात्रा शीतल

अमेठी अवधनामा संवाददाता। मिशन नारी शक्ति के अन्तर्गत एक दिन के लिए खंड शिक्षा अधिकारी बनी छात्रा शीतल मौर्य ने मंगलवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र भादर और कम्पोजिट विद्यालय भादर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बी ई ओ ने ब्लाक संसाधन केंद्र के पटल सहायकों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। स्कूल के निरीक्षण के दौरान कक्षाओं में बच्चों से प्रश्न पूछे और बच्चों के सीखने के स्तर और शिक्षण गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। बीईओ शीतल मौर्य ने कहा कि नैट परीक्षा की तैयारी शिक्षक निरंतर कराते रहें। कोई भी बच्चा सी ग्रेड में नहीं आना चाहिए। तीन दिन तक लगातार गैरहाजिर बच्चों के घर जाकर उनके अभिभावकों से सम्पर्क के भी निर्देश दिए। ब्लाक संसाधन केंद्र के निरीक्षण के दौरान बी ई ओ शीतल मौर्य ने माक नैट परीक्षा के रिजल्ट नैस की परीक्षा और खेलकूद प्रतियोगिता की तैयारी बच्चों के आधार बनने के काम की प्रगति आदि के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मोबाइल चला रहे एक कार्मिक की खिंचाई भी की। कम्पोजिट विद्यालय भादर -1 के निरीक्षण के दौरान शिक्षामित्र शिवकरन गुप्ता अवकाश पर पाए गए।

ड्रग्स रिएक्शन रिपोर्टिंग पर संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, सुल्तानपुर में फार्माकोविजिलेंस के तहत ड्रग रिएक्शन रिपोर्टिंग के लिए एक संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह था कि दवाओं की प्रतिक्रियाओं को कैसे पहचाना जाए और उन्हें रिपोर्ट किया जाए, जिससे दवाओं के असर और उनके साइड इफेक्ट्स पर नज़र रखी जा सके। यह कार्यक्रम एडवर्स ड्रग रिएक्शन मॉनिटरिंग सेंटर (AMC) के साथ संबंधित है, जो यहां PvPI (फामाकोविजिलेंस प्रोग्राम आफ़ इंडिया) के अंतर्गत खुलने वाला है। AMC का उद्देश्य है कि अस्पताल के डॉक्टरों, छात्रों और नर्सिंग स्टाफ को दवाओं से होने वाले प्रतिकूल प्रभावों को तुरंत रिपोर्ट करने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि उनका रिकॉर्ड रख कर लोगों की सुरक्षा बढ़ाई जा सके। इस संवेदीकरण कार्यक्रम में सभी हितधारकों को प्रशिक्षण दिया गया कि प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं को कैसे समझें, रिपोर्ट करें और किस प्रक्रिया से उन्हें PvPI के पोर्टल पर अपडेट किया जाएगा. इस कार्यक्रम के आयोजक फार्माकोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. सलील श्रीवास्तव (प्रिंसिपल), सहायक प्रोफेसर डॉ. सबाहत हसन, सहायक प्रोफेसर डॉ. स्वाति राय, जूनियर रेजिडेंट डॉ. दीपक यादव और जूनियर रेजिडेंट डॉ. विक्रम सिंह थे।इस कार्यक्रम में इंडियन फार्माकोपिया कमीशन भारत सरकार, गाजियाबाद से आये श्री अनूप कुमार सीनियर फामाकोविजिलेंस एसोषिएट पीवीपीआई, CMS जिला महिला अस्पताल, CMS जिला पुरुष अस्पताल , अन्य फैकल्टी मेंबर और नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहे।

जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय का डीएम ने किया निरीक्षण

- पेंशन लाभार्थियों का शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनवाये जाने के दिये निर्देश
- आधा दर्जन से अधिक कार्मिक मिले अनुपस्थित, समस्त कार्मिकों का रोका गया वेतन
- अनुसुचित जाति/जनजाति के छात्राओं के हास्टल की व्यवस्थाओं का लिया जायज़ा

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने गेंद घर परिसर स्थित जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय तथा इसी परिसर में अनुसूचित जाति/जनजाति की 48 छात्राओं के रहने हेतु निर्मित छात्रावास का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। उल्लेखनीय है कि पूर्व में कार्यालय का भवन निर्मित न होने के कारण इस बिल्डिंग में जिला समाज कल्याण अधिकारी का कार्यालय संचालित हो रहा था। परन्तु कार्यालय का अलग भवन बन जाने के कारण अब इस छात्रावास में अनुसूचित जाति/जनजाति की छात्राएं रहेंगी। डीएम ने छात्रावास का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया तथा छात्रावास के चौकीदार रामनाथ द्वारा अपने व परिवार के रहने हेतु 02 कमरों का उपयोग करने पर डीएम ने कड़ी नाराज़गी जताते हुए निर्देश दिया कि तत्काल रहने की अलग व्यवस्था करें। इसके उपरान्त डीएम ने समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति का जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान सह प्रधान सहायक/उर्दू अनु. मसीउल्लाह अंसारी, वरिष्ठ सहायक अमरेन्द्र सिंह, कनिष्ठ सहायक नवनीत कुमार आर्या, सूरज कनौजिया, रमेश कश्यप, वसीम अहमद व कु. आंशिका यादव अनुपस्थित पायी गयी। मौके पर मौजूद प्रभारी जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रद्धा पाण्डेय ने बताया कि जिला समाज कल्याण अधिकारी के पिता जी का देहान्त हो जाने के कारण वह 20 नवम्बर तक अवकाश पर हैं। डीएम ने प्रभारी समाज कल्याण अधिकारी के भी देरी से कार्यालय पहुंचने पर कड़ी नाराज़गी जताते हुए अग्रिम आदेश तक समस्त स्टाफ का वेतन बाधित करने के निर्देश दिये। कार्यालय के निरीक्षण के दौरान डीएम मोनिका रानी अभ्युदय योजना अन्तर्गत संचालित कोचिंग का जायज़ा लेते हुए नीट की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं से शिक्षा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी प्राप्त की। डीएम ने बच्चों की एकेडमिक योग्यता के बारे में भी जानकारी प्राप्त करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं के दृष्टिगत महत्वपूर्ण टिप्स भी दिये। प्रभारी समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि छात्रावास हेतु 48 छात्राओं को एलाटमेन्ट कर दिया गया है। डीएम ने सुश्री श्रद्धा पाण्डेय को निर्देश दिया कि कार्यालय के एक कार्मिक को आयुष्मान कार्ड बनवाने का प्रशिक्षण दिलाया जाय तथा एक काउण्टर की स्थापना कर कार्यालय आने वाले 70 वर्ष से अधिक अधिक आयु के शत-प्रतिशत वृद्धजनों का आयुष्मान कार्ड बनाकर उसकी प्रिन्ट कापी लाभार्थी को उपलब्ध करा दी जाय। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि इस आशय का बैनर प्रदर्शित किया जाय कि 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजन अपनी सुविधानुसार सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जिला चिकित्सालय के पर्चा काउण्टर अथवा ग्राम पंचायत सहायक से सम्पर्क कर अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। जिलाधिकारी ने समाज कल्याण विभाग को यह भी निर्देश दिया कि ने अमीनपुर, नगरौर स्थित वृद्धाश्रम में निवासित समस्त 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाय। निरीक्षण के समय मौके पर मौजूद मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार ने डीएम के निर्देश पर तत्काल वृद्धाश्रम के लिए 01 टीम भेज कर आयुष्मान कार्ड बनाने की कार्यवाही प्रारम्भ करा दी।

कोतवाली देहात थाने पहुँचे दर्जनों भाजपाई

- लगाया युवक की हत्या का लगाया आरोप
- डेड बॉडी पर लगी चोट के निशान कर रहे हत्या की चुगली

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। बीते सोमवार की देर शाम कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के अभिया खुर्द स्थित एक खेत में मिली डेड बॉडी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। भाजपाई मंगलवार को दर्जनों की संख्या में थाने पहुंचे।।सत्तारूढ़ दल के नेताओं ने पूरे मामले में विशेष जांच की मांग करते हुए मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने युवक की हत्या का आरोप लगा कर मामले में नया मोड़ ला दिया है। भाजपा नेताओं ने कहा मृतक युवक के सीने, हाथ समेत पूरे शरीर के अलग-अलग हिस्सों में चोट के निशान है।जिससे प्रतीत होता है कि युवक की हत्या की गई है।मृतक के पिता केदारनाथ वर्मा (निवासी ग्राम अलहादाद?पुर सजाईया) ने रोते हुए बताया कि उनका पुत्र सुबेदार वर्मा प्रतिदिन की तरह सुबह 9ः00 बजे दिनांक 11-11-2024 को टेन्ट हाउस पर गया था। प्रार्थी के घर पर लगभग रात्रि 8ः30 सूचना मिली कि उनके बेटे का शव पड़ा है। प्रार्थी ने बेटे की डेड बॉडी को देखा तो शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। प्रार्थी ने वहाँ मौजूद पुलिस कर्मी व टेंट संचालक से पूछा की यह कैसे हो गया तो पुलिस वालों ने बताया कि हमे अभियाखुर्द गाँव वालो ने फोन से सूचना दी की यहाँ पर एक लाश पड़ी हुई है, तो हम लोग वहाँ गये और डेड बॉडी को लेकर आये है। उन्हें मृत्यु की कोई सही जानकारी नहीं हो पाई है।एफआईआर नही दर्ज होने की सूचना पर भाजपा मंडल महामंत्री अशोक वर्मा, मण्डल अध्यक्ष राम अभिलाख सिंह, मण्डल प्रभारी डॉ संतोष सिंह, पूर्व महामंत्री भाजपा ,व दर्जनों संख्या में ग्रामीण कोतवाली देहात थाने पहुँचे। उन्होंने मुकदमा दर्ज करने की मांग की।इस दौरान थाना परिसर में गहमा गहमी रही।पता चला है कि वीडियो बना रहे कई ग्रामीणों के फोन छीनकर पुलिस ने क्लिप डिलीट कर दिया। हालांकि बॉडी का पोस्टमार्टम की प्रक्रिया भी चल रही है,जिससे परत दर परत घटना की सच्चाई बाहर आ सकती है।वहीं भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील वर्मा ने मांग किया कि पुलिस वादी का मुकदमा तत्काल दर्ज करे और पूरे मामले की गहन जाँच हो,जिससे दोषी व्यक्ति पर कठोर कानूनी कार्रवाई हो सके।

पुलिस ने ताश गड्डी व रूपये सहित चार जुआरी पकड़े

फिरोजाबाद। थाना रसूलपुर पुलिस टीम द्वारा अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए गए अभियान में 04 जुआरियो को पकड़ा जिनके पास से 1 गड्डी ताश व 695/- रूपया बरामद किये गये हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद फिरोजाबाद द्वारा अपराध पर अंकुश लगाने व अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जनपद फिरोजाबाद के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थाना रसूलपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर अभियुक्तगण इफ्तकार उर्फ इंतजार पुत्र मसीउद्दीन निवासी मोहल्ला मौहम्मदगंज गली नं-08 थाना दक्षिण फिरोजाबाद, हनीफपुत्र नवी खान निवासी मुकेरखाना नई बस्ती थाना सादाबाद जनपद हाथरस, अंसार हुसैन पुत्र इकलाख परवेज के होटल के समने गालिब नगर थाना रसूलपुर फिरोजाबाद, मोहम्मद शमीम पुत्र अलीमुद्दीन निवासी गली नं0-11 हाजीपुरा मोहल्ला थाना रसूलपुर जनपद फिरोजाबाद को 1 गड्डी ताश व 695/- रु0 सहित गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तगण के विरूद्ध मु0अ0सं0 0388/2024 धारा 13 जी एक्ट (जुआ) पंजीकृत किया गया है। अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

उच्च माध्यमिक विद्यालय ने बाल विवाह व बाल श्रम पर कार्यक्रम कर किया जागरूक

- बाल विवाह एक सामाजिक बुराई-कानूनी अपराध है: मिथिलेष
- बच्चों की अच्छी षिक्षा से देष व समाज का उत्थान होगा

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। बाल विवाह एवं बालश्रम मुक्त भारत कार्यक्रम के अंतर्गत नव भारतीय नारी विकास समिति द्वारा ग्राम पंचायत वजीरपुर जहलपुर के उच्च माध्यमिक विद्यालय में बाल विवाह एवं बाल श्रम पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ग्राम प्रधान जगदीश प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बने मिथिलेश कुमार जिला प्रोविजन अधिकारी ने उपस्थित लोगों से कहा की बाल विवाह एक सामाजिक बुराई और कानूनी अपराध है इस बुराई को खत्म करने के लिए समाज के हर वर्ग को एक साथ खड़ा होना होगा। तभी इस बुराई का खात्मा किया जा सकता है। कम उम्र में बच्चों की शादी करके हम उनका शोषण कर रहे हैं और उनके जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। जिस तरह से हम फसल पकने पर ही फसल को काटते हैं उसी तरह हमें बच्चों की पूरी उम्र होने पर ही उनका विवाह करना होगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्रीमती रंजना गुप्ता थाना अध्यक्ष मटसेना ने कहा कि पहले जमाने में देखा जाता था की गोद में ही बच्चों के विवाह कर दिये जाते थे लेकिन आज का दौर टेक्नोलॉजी का दौर है अगर इस दौर में भी हम पिछले जमाने की दकियानूसी परंपराओं पर विश्वास करेंगे तो हम अपने बच्चों के साथ न्याय नहीं कर रहे हैं। हमें अपने बच्चों के साथ भेदभाव नहीं करना है लड़का हो या लड़की दोनों को समान सम्मान देना हमारी जिम्मेदारी है बच्चों की अच्छी शिक्षा पर हमें विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है इससे हमारे देश और समाज का उत्थान होगा। देखा जा रहा है कि बाल श्रम शहर से गांव की ओर जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन कर रहे मुख्तार आलम ने बताया कि बाल श्रम को रोकने के लिए परिजनों को खुद पहल करनी जब बच्चा बाल श्रम करके कुछ रुपए घर लाता है तो बच्चे और उसके अभिभावकों का लालच बढ़ जाता है जिस वजह से बच्चों की पढ़ाई छूट जाती है जो बच्चे बाल श्रम करते हैं ऐसे बच्चे बड़ी बड़ी संख्या में अपराध की तरफ जाने की अधिक संभावनाएं होती हैं इन दिनों देखा जाता है कि बाल श्रमिक बच्चे नशे के आदी हो रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में ग्राम प्रधान ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया और नव भारतीय नारी विकास समिति की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आगे भी इसी तरह के कार्यक्रम हमारे गांव में आयोजित किए जाएंगे गांववासियों एवं बच्चों को इसका लाभ मिलेगा कार्यक्रम के अंत में सभी से शपथ कराई गई इस अवसर पर मोहम्मद परवेज मंजू पंचायत सहायक का नेहा गंगा प्रसाद स्कूल के प्रधानाचार्य मिथिलेश स्कूल हेड एवं ग्राम वासियों के साथ-साथ स्कूल स्टाफ भी उपस्थित रहा।

संक्षिप्त समाचार

मधुर जी महराज के श्री मुख से बह रही है ज्ञान गंगा

धनपतगंज, सुल्तानपुर। वृंदावन धाम से पधारे पूज्य बाल व्यास मधुर जी महराज जी की अमृत वाणी से श्री मद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ चल रहा है। सप्ताह के प्रथम दिन की कथा धनपतगंज ब्लॉक के ग्राम सभा बड़नपुर के ग्राम पूरे पंडित आचार्य में पूर्व प्राचार्य पंडित जगदेव प्रसाद पाण्डेय शास्त्री जी के आवास पर प्रारंभ हुई। पूज्य गुरुदेव ने कहा कि कलयुग में मानव के कल्याण के लिए परोपकार से बढ़कर कुछ नहीं है। श्री मद भागवत कथा तहसील बल्दीराय के ग्राम सभा बड़नपुर में ग्राम पूरे पंडित आचार्य में संतोष पाण्डेय पत्रकार के ग्रामीण आवास पर प्रारंभ हुई है।क्षेत्र के सैकड़ों धर्म प्रेमी जनता श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान गंगा में डुबकी लगा रही है।आयोजक/पत्रकार संतोष पाण्डेय ने अधिक से अधिक धर्म प्रेमी जनता से उक्त कथा में सम्मिलित होकर अपना जीवन धन्य बनाने की अपील की है।

दो शातिर चोर पुलिस गिरफ्त में

फिरोजाबाद। थाना रसूलपुर पुलिस टीम द्वारा 02 शातिर चोर चोरी के माल सहित गिरफ्तार कर लिए गए। जिनके कब्जे से 6 छोटे-बड़े बर्तन बरामद किए गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद फिरोजाबाद द्वारा अपराध पर अंकुश लगाने व अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के प्रयवेक्षण व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थाना रसूलपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर 02 अभियुक्तगण साजिद पुत्र नासिर, आसिफ उर्फ छोटू पुत्र नासिर निवासीगण 60 फुटा रोड़ नारायण नगर थाना रामगढ जनपद फिरोजाबाद को मटसैना रोड मरघटी रोड मन्दिर के पास थाना रसूलपुर जनपद फिरोजाबाद से 06 छोटे बडे बर्तन के साथ गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्तगणों के विरूद्ध मु0अ0स0 0390/2024 धारा 303(2),317(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम उ0नि0 अमित आनन्द, प्रशिक्षु उ0नि0 आदित्य प्रताप सिंह, का0 1169 रामगोपाल, का0 1576 पवन कुमार, थाना रसूलपुर, फिरोजाबाद शामिल रहे।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

टूंडला। एफएच मेडिकल कालेज एत्मादपुर टूंडला में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। एफएच मेडिकल कालेज में स्टॉर्म 2024 वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता एवं कल्चरल नाईट का शुभारंभ कॉलेज चेयरमैन द्वारा मशाल प्रज्जवलित व आतिशबाजी कर मनाया। इस दौरान यह समारोह 11 तरीख से 15 तक निरंतर चलेगा।कॉलेज के खेल मैदान व इडोर कॉम्प्लेक्स में क्रिकेट, फुटवाल, चौस, लुडो, कैरम, रस्साकशी इत्यादि प्रतियागिताऐं आयोजित होगी। समापन समारोह कल्चरल नाईट समारोह के साथ 15 को होगा। कार्यक्रम में प्राचार्य एवं मैनेजमेंट कमेटी के देखरेख में सभी प्रतियोगिताऐ आयोजित हो रही है, एव बच्चो के खान-पान हेतु चटोरी गली भी खाने-पीने की स्टाल के साथ लगायी गयी है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं में बिलाल, श्रवण, आकाक्षां, जफर, सुमार्थ वाजपेयी का सहयोग रहा।

नारायण कॉलेज के बी.एस-सी. कृषि टप्प सेमेस्टर के छात्रों ने मंडी समिति का किया भ्रमण

अवधनामा संवाददाता

शिकोहाबाद। नारायण कॉलेज शिकोहाबाद के बी.एस-सी. कृषि के टप्प् सेमेस्टर के छात्रों ने तूंम कार्यक्रम के अंतर्गत आज कृषि उत्पादन मंडी समिति का भ्रमण किया। इस अवसर पर छात्रों को कृषि विपणन, फसल मूल्य निर्धारण, और किसानों की बिक्री प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। मंडी समिति के अधिकारियों, ब्रजेश सिंह एवं महावीर सिंह ने छात्रों को मंडी के कार्य, किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, न्यूनतम समर्थन मूल्य पे खरीद और विपणन के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी। भ्रमण के दौरान छात्रों को यह समझने का मौका मिला कि किस तरह मंडी में कृषि उत्पादों का कारोबार होता है और किस प्रकार से मूल्य निर्धारण प्रक्रिया काम करती है। छात्रों ने मंडी में व्यापार करने वाले आढातिया, किसानों, और व्यापारियों से भी बातचीत की, जिससे उन्हें मंडी के संचालन के बारे में व्यवहारिक जानकारी प्राप्त हुई। यह भ्रमण कृषि अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। डॉ. शुभी पटेल, ने कहा, यह भ्रमण छात्रों के लिए महत्वपूर्ण था, क्योंकि इससे वे थ्योरी के अलावा व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त कर रहे हैं, जो उनके भविष्य में कृषि विपणन और प्रशासन के क्षेत्र में मददगार होगा। इस भ्रमण ने छात्रों को कृषि के विपणन पहलुओं को बेहतर समझने का अवसर प्रदान किया और उन्हें इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर नारायण कॉलेज से डॉ. वीरेंद्र प्रताप वर्मा और डॉ. अरविंद ने सहयोग किया।

सीडीओ की अध्यक्षता में डूडा की शासी निकाय एवं कार्यकारी समिति की हुई बैठक

सुलतानपुर। मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक की अध्यक्षता व अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), सुलतानपुर की शासी निकाय एवं कार्यकारी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना एवं एस0सी0एस0पी योजना के अन्तर्गत सूडा मुख्यालय से प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष प्राप्त प्रस्तावों की 3 करोड़, 59 लाख की परियोजनाओं की स्वीकृति प्रदान की गयी। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में आवास पूर्ण न करने वाले 126 डिफाल्टर लाभार्थियों कोआवास पूर्ण कराने अथवा आर0सी0 जारी कर धनराशि वसूली करने हेतु सम्बंधित नगर निकाय के उपजिलाधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया गया। उन्होंने पीएम स्वनिधि योजना के स्वनिधि से समृद्धि अन्तर्गत वेण्डर्स एवं उनके परिवारों की शत्-प्रतिशत प्रोफाइलिंग कर उन्हें 08 अन्य केन्द्रीय योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश समस्त अधिशासी अधिकारी को दिये तथा मान्यवर श्री कांशीराम जी शहरी गरीब आवास के निवासियों की जॉच कर अपात्र व्यक्तियों के आवास निरस्त कराने के निर्देश दिए।

भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह विफल : बीएस गौतम

टूंडला। उत्तर प्रदेश कांग्रेस सूचना का अधिकार विभाग की एक आवश्यक बैठक क्षेत्रीय कार्यालय अहाता शोभाराम पर पूर्व सूबेदार मेजर एसएल आनन्द की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर प्रदेश सचिव डॉ. बीएस गौतम ने कहा की उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह विफल है। पीसीएस 2024 की प्रारंभिक परीक्षा का प्रारूप बदलकर युवाओं के साथ उनके भविष्य से खिलवाड़ किया है।जिसका अभ्यर्थियों द्वारा विरोध किया गया, तो उन पर पुलिस के दम पर लाठी चार्ज करवाई गई। जिसकी कांग्रेस सूचना का अधिकार ने कड़े शब्दों में निंदा की है। प्रदेश के युवाओं को नौकरी देना नहीं चाहती उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए परीक्षार्थियों के साथ इस तरह के हिटलर शाही कर रही जो बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह प्रदेश के युवाओं के साथ क्रूरता है, जबकि भारतीय संविधान में विरोध करने का अधिकार है, और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना कोई अपराध नहीं उनकी मांगे जायज है। पीसीएस परीक्षार्थियों की परीक्षा समय से कराई जानी चाहिये थी। अनिल उपाध्याय ने कहा कि युवाओं को नॉकरी भर्ती प्रक्रिया में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अन्यथा कांग्रेस सड़कों पर उतर कर आंदोलन करने को बाध्य होंगी। बैठक में जितेंद्र तिवारी, रश्मिकांत राठौर, जीतू शर्मा, सरफराज खान, नवेद आलम, दीवान सिंह, हैदर राजुद्दीन अली, मोहम्मद इरशाद खान, फारुक खान आदि लोगों को उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 दिसम्बर को

बहराइच। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार 14 दिसम्बर 2024 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन प्रस्तावित है। यह जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बहराइच के सचिव विराट शिरोमणि ने आमजन से अपील की है कि लोक अदालत का अधिकाधिक लाभ उठायें। सचिव श्री शिरोमणि ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में जनपद न्यायालय में लम्बित वादों यथा आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम, बैंक/धन वसूली वादों, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, श्रम वादों, विद्युत एवं जल बिल विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), वैवाहिक वादों भूमि अधिग्रहण वादों, सर्विस में वेतन एवं भत्तों सम्बन्धित विवाद, सेवानिवृतिक लाभों से सम्बन्धित विवाद, राजस्व वाद व अन्य सिविल वादों (किराया, सुखाधिकार, व्यादेश, विनिर्दिष्ट अनुपालन वाद इत्यादि) अन्य अपराधिक शमनीय वाद एवं अन्य सिविल वादों का अधिकाधिक संख्या में निस्तारण किया जायेगा।

अनियमितता बरतने पर ग्राम प्रधान नौनेर के वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार सीज

- जॉच में कन्सल्टिंग इंजीनियर की भी भूमिका संदिग्ध, 01 माह में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश, उत्तर संतोषजनक न पाये जाने पर अनुबन्ध समाप्त करने की होगी कार्यवाही

अवधनामा संवाददाता

मैनपुरी। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह आई.जी.आर.एस. संदर्भ, ऑनलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों एवं जन-सुनवाई के दौरान शिकायती प्रार्थना पत्रों के समयबद्ध, गुणवत्तापरक निराकरण के लिए निरंतर प्रयासरत् है। उन्होने ग्राम प्रधान नौनेर रत्नेश कुमार द्वारा पदीय दायित्वों का दुरूपयोग कर मनमाने ढंग से नियम विरूद्ध कार्य करने के सम्बन्ध में प्राप्त शिकायतों की जाँच जिला विकास अधिकारी के माध्यम से करायी, जॉच में विभिन्न बिन्दुओं पर अनियमितता पाये जाने पर उ.प्र. पंचायती राज जॉच नियमावली-1997 एवं पंचायती राज में वर्णित व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायत नौनेर के प्रधान के वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारों के प्रयोग और कृत्यों के सम्पादन पर अग्रिम आदेशों तक तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। श्री सिंह ने बताया कि जॉच के दौरान पाया गया कि गमा देवी मन्दिर से आनन्द के घर तक सी.सी. एवं नाली निर्माण कार्य, झण्डाहार लेवर, मिट्टी का भुगतान दर्शाकर कुल रू. 4,74,648 तथा बबलू के घर से कुलदीप के घर तक सी.सी. एवं नाली निर्माण कार्य, लेवर, मिट्टी का भुगतान दर्शाकर कुल रू. 4,74,648 का गबन किया गया है, इसी प्रकार श्याम कॉन्ट्रक्टर एवं सप्लायर फर्म के द्वारा सामग्री आपूर्ति किये जाने के उपरान्त गमा देवी मन्दिर से आनन्द के घर तक सामग्री का भुगतान हेतु फर्म द्वारा प्रस्तुत बिल रू. 3,62,228, मिट्टी कार्य रू. 33,9,93, लेवर रू. 89,100 कार्य पूर्ण होने से पूर्व भुगतान किया गया है, बबूल के घर से कुलदीप के घर तक सामग्री रू. 3,62,225, मिट्टी कार्य रू. 31,2,37, लेवर रू. 89,100 कार्य पूर्ण होने से पूर्व भुगतान किया गया है, जो कि वित्तीय अनियमितता का प्रतीक है, ग्राम पंचायत द्वारा मिट्टी डलवाने हेतु खनिज विभाग से नाहीं अनुमति ली गयी और नाहीं रॉयल्टी जमा की गयी, दोनों कार्यों का भुगतान बिना एम.बी. के किया गया है, जॉच के दौरान सामग्री आपूर्ति का अंकन स्टॉक पंजिका मे नहीं पाया गया और नाहीं स्टॉक पंजिका व एम.बी. उपलब्ध करायी गयी, दोनों कार्यों का सामग्री भुगतान बिना एम.बी. के और मजदूरों को कार्य कराये बिना अग्रिम भुगतान किया जाना घोर वित्तीय अनियमितता है। उपरोक्त कार्यों में बरती गयी वित्तीय अनियमितता के लिये रत्नेश कुमार ग्राम प्रधान नौनेर प्रथम दृष्टया पदीय दायित्वों का दुरूपयोग कर वित्तीय अनियमितता के लिए दोषी पाये गये है, जिस पर उन्होने जिला पंचायत राज अधिकारी को अविलम्ब ग्राम पंचायत से 03 सदस्यीय समिति का प्रस्ताव प्राप्त कर वित्तीय अधिकारों के संचालय हेतु अनुमोदन प्राप्त करने, उ.प्र. पंचायत राज (प्रधानों और सदस्यों का हटाया जाना) जांच नियमावली, 1997 के नियम-5 के अनुसार जिला अर्थ एवं सख्याधिकारी, सहायक अभियन्ता ग्रामीण अभिन्यत्रण विभाग तथा लेखाकार जिला पंचायत की 03 सदस्यीय जाँच समिति गठित कर एक्ट के प्राविधानों के अनुसार ग्राम प्रधान को सुनवाई का अवसर देते हुये जॉच की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कराकर अवगत कराने हेतु निर्देशित किया। जिला विकास अधिकारी अजय कुमार ने अपनी जॉच आख्या में उल्लेख किया है कि ग्राम पंचायत में कराये गये सी.सी., नाली निर्माण कार्यों में अनियमितताएं पायी गयी हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना । एडमिन यूनिट/जोन: लखनऊ–पू.उ.रे.मण्डल–वाणिज्य/पू.उ.रे. नीलामी सूची सं./लॉट सं:LJN-FSLR-21-24 नीलामी सूची प्रकाशन तिथि: 11.11.2024 समय 17:46 बजे नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट): 03.12.2024 समय 13:00 बजे नीलामी बन्द करने की तिथि व समय : 03.12.2024 समय 14:20 बजे नीलामी का प्रकार : Close Ended वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है। : E-Auction Module of www.ireps.gov.in

मंडल वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ

मुजाधि/वा.–180

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण, उत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रोफॉर्मा पर खुली ई–निविदाएँ दो पैकेट में आमंत्रित की जाती हैं ।

1	कार्य का नाम व स्थान	लखनऊ मंडल के वाराणसी यार्ड रिमॉडलिंग कार्य (चरण–II) के संबंध में: वाराणसी रेलवे स्टेशन पर निरीक्षण डिपो में शेष कार्यों का निष्पादन, प्लेटफार्म पर कैनोपी, तीसरे प्रवेश द्वार पर लिफ्ट और एस्केलेटर के सिविल कार्य, टाइप–IV क्वार्टर के साथ अस्थायी आवास, अधिकारी विश्राम गृह में मामूली बदलाव और अन्य विविध सिविल कार्य।
2	कार्य पूरा करने की अवधि	10 (दस) माह
3	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 1034.86 लाख
4	धरोहर राशि	रु. 6,67,400.00/-
5	ई–निविदा जमा करने की तारीख/समय एवं निविदा खुलने की तारीख	निविदाएँ दिनांक 06.12.2024 को 11:30 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड की जा सकती है तथा दिनांक 06.12.2024 को समय 11:30 बजे खोली जाएगी।
6	विस्तृत निविदा सूचना व प्रपत्र	विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र दिनाँक 15.11.2024 से आई.आर.ई.पी.एस के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध रहेंगें व दिनांक 22.11.2024 से 06.12.2024 तक ई–निविदा अपलोड की जा सकती है।

संख्या 30–टेण्डर/उपमुइंजी./नि./वाराणसी दिनाँक: 11.11.2024 3508/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

एडमिन यूनिट/जोन	Lucknow-NR-Division-Commercial/ Northern Railway
नीलामी सूची सं.	RR-PFM-01-2024
कार्य का विवरण	Allotment of Refreshment Room (Unit Size = 9.12 x 9.94 Sqmtr) at Phaphamau Railway Station over Lucknow Division for a period of 5 years, as per site plan attached.
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	06.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21.11.2024 at 10:00 Hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21.11.2024 at 10:30 hrs.
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3504/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जिले में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की जसवन्तनगर टीम रही अव्वल

अवधनामा ब्यूरो

इटावा, जसवन्तनगर। विधिक सेवा कार्यों में सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए जिले की सभी तहसीलों में जसवंतनगर तहसील की पीएलवी टीम को सर्वोत्तम पीएलवी टीम के रूप में सम्मानित किया गया। क्षेत्र के धनुवां गांव के पीएलवी राजेंद्र यादव को जिले के सर्वश्रेष्ठ पीएलवी का अवार्ड दिया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जिला जज चवन प्रकाश द्वारा उनके चेंबर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्राधिकरण की सचिव अपर जिला जज श्वेता श्रीवास्तव की मौजूदगी में पीएलवी की पूरी टीम को सम्मानित किया गया तथा राजेंद्र यादव को अवार्ड प्रदान किया गया। टीम द्वारा विधिक सेवा कार्यों से जुड़े विभिन्न कार्यों को करने में सफलता हासिल की गई है। जिला जज ने पीएलवी ऋषभ पाठक, लालमन, राजेन्द्र, रामसुन्दर और नीरज को अवार्ड व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इसी तरह जिले भर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में कार्यरत पैरा लीगल वालंटियर्स के कामकाज व उनके द्वारा विधिक सेवा में किए गए सहयोग का भी आकलन किया गया। यहां के पीएलवी राजेन्द्र यादव को जिले का सर्वश्रेष्ठ पीएलवी घोषित कर सम्मानित किया गया। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता देवेंद्र पाल सिंह व रजनी शुक्ला मौजूद रहीं। सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम कुमार शाक्य ने शुभकामनाएं दीं हैं। इस अवसर पर जसवन्तनगर की पीएलवी टीम को अव्वल आने में एसडीएम कुमार सत्यम जीत, तहसीलदार दिलीप कुमार, नायब तहसीलदार नेहा सचान के नेतृत्व में विगत एक साल में किए गए कार्यों का परिणाम है। टीम ने आमजन में विधिक सेवा जागृति के लिए कई कार्यक्रम चलाए। विधिक जागरूकता के लिए विभिन्न विषयों पर सामग्री तैयार करवाकर वितरण करवाना आदि शामिल रहा। प्राधिकरण पिछले कुछ वर्षों से विधिक सेवा के क्षेत्र मे नवाचार के माध्यम से जागृति ला रहा है।

29 वीं जनपदीय खेलकूद प्रतियोगिता में करमा अव्वल, घोरावल बना उप विजेता

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। दो दिन से डायट परिसर में चल रहे बेसिक स्कूलों के बच्चों का जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता मंगलवार को पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हुई। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व राज्य सभा सांसद रामसकल ने इन बच्चों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनंद पाण्डेय ने बच्चों के प्रतिभा को सराहते हुए मंडल स्तर पर और बेहतर करने की उम्मीद जताई। जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में सोनभद्र के दसों ब्लॉक के लगभग 1500 अपने ब्लॉक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। संपूर्ण परिणाम के आधार पर करमा ब्लॉक प्रथम, घोरावल ब्लॉक दूसरे तथा चोपन ब्लॉक तीसरे स्थान पर रहा। प्राथमिक बालक वर्ग में 50 मीटर रेस में चतरा के आदर्श प्रथम, घोरावल के कौशर दूसरे तथा करमा के शिवम तीसरे स्थान पर रहा। 100 मीटर रेस में रॉबर्ट्सगंज के शुभम प्रथम, करमा के शुभम राजवाड़ा दूसरे घोरावल के अविनाश तीसरे स्थान पर रहा। 200 मीटर में चोपन के सरोज प्रथम, 400 मीटर में चोपन के उमेश प्रथम, लंबी कूद में चोपन के उमेश प्रथम और खो खो में चोपन बाजी मारी। प्राथमिक बालिका वर्ग में 50 मीटर रेस में बभनी की ममता, 100 मीटर में भी बभनी की ममता, 200 मीटर में दुद्धी की प्रियंका, 400 मीटर में घोरावल की ज्योति, लंबी कूद में घोरावल की ज्योति और खोखो में चोपन की बालिकाएं अव्वल रहीं। उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में 100 मीटर में म्योरपुर से सूरज, 200 मीटर में म्योरपुर से जीत सिंह, 400 मीटर में घोरावल से रवि, 600 मीटर में घोरावल से रवि लंबी कूद में रॉबर्ट्सगंज से सुनील, गोला प्रक्षेप में दुद्धी से परमानंद, डिस्कस में चोपन से राकेश, कुश्ती में करमा, बैडमिंटन में करमा, योगा जिम्नास्टिक में करमा वॉलीबॉल में बभनी, रिले रेस में चतरा अव्वल रहा। उच्च प्राथमिक बालिका वर्ग में 100 मीटर रेस में बभनी से चंदा, 200 में चोपन से अंशिका, 400 में करमा से पूनम, 600 में घोरावल से प्रीति, लंबी कूद में म्योरपुर से सुनीता, गोला फेंक में दुद्धी से संजू, डिस्कस में करमा से सुप्रिया और बैडमिंटन में घोरावल, योगा जिम्नास्टिक में करमा, समूह गान, लोकगीत और एकांकी में भी करमा अव्वल रहा। इस मौके पर एबीएसए विश्वजीत कुमार, प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष योगेश पांडेय व संतोष कुमारी, अभिषेक मिश्रा, सूर्य प्रकाश सिंह, अखिलेश सिंह गुंजन, इंदू सिंह, हिमांशु मिश्रा, सिंधु मिश्रा, सूर्य प्रकाश आदि रहे।

सेमीफाइनल मैच में निलोई ने फ़ाइनल में जगह बनाई

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। बेसिक शिक्षा परिषद के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय ब्लाक स्तरीय मिनी बॉल क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन उच्च प्राथमिक(कम्पोजिट)ि वद्यालय जसवंतनगर के प्रांगण में उद्घाटन गिरीश कुमार खण्ड शिक्षा अधिकारी ने प्राथमिक स्तर की खो-खो व कबड्डी प्रतियोगिता के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। जिसमें न्याय पंचायत स्तर पर विजेता टीम के लगभग 300 नन्हे मुन्ने खिलाडियों ने अपनी प्रतिभा से तालियां बटोरी। सभी खेल प्रतियोगिता राजेश जादौन ब्लाक व्यायाम शिक्षक के दिशा निर्देशन में सफलता पूर्वक आयोजित हुई। प्राथमिक स्तर कबड्डी बालक वर्ग में रोमांचक सेमीफाइल मैच में निलोई ने फ़ाइनल में जगह बनाई दूसरे पूल में सरायभूपत टीम ने फाइनल में प्रवेश किया। बालिका वर्ग में कबड्डी में नगर क्षेत्र व सरायभूपत की बालिकाओं ने सेमीफाइनल मैच जीत फाइनल में जगह बनाई। बालिका वर्ग खो खो में धरवार व धनुवाँ टीम ने फाइनल में जगह बनाई।

खो खो बालक वर्ग में सेमी फाइनल जीतकर निलोई व सरायभूपत ने फाइनल में प्रवेश किया। कुश्ती बालिका वर्ग में पलक निलोई प्रथम डिम्पल सरायभूपत द्वितीय रही। बालक वर्ग में मनीष धनुवाँ बजेंद्र कुंजपुर उपेंद्र धरवार मयंक धरवार विजेता रहे। निर्णायकों की भूमिका उमेश चन्द्र यादव, अमरपाल यादव, बलबीर सिंह, देवेंद्र कुमार, हरिओम, मनोज कुमार, रोहित यादव, निर्निमेष, अजीत कुमार, केशव, रामनरेंद्र ने निभाई। कार्यक्रम में समस्त जीतेन्द्र यादव विनोद यादव संजीव शाक्य नरेंद्र यादव धर्मवीर सूर्यप्रकाश हरी कुमार प्रेम सिंह फुरखान हरिमोहन राजपूत नितिन यादव अमरेश बाबू चन्द्रजीत ने अरबिंद कुमार प्रियंका सिंह राजकुमार सन्तोष व बीआरसी स्टाफ ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

फैशन के इस दौर में सबसे अलग दिखना चाहते है लोग

इटावा/अवधनामा ब्यूरो। मंगलवार को दीपावली के बाद सहालग शुरू होते ही बाज़ार में काफी रौनक देखने को मिली। हर कोई शादी विवाह के अवसर पर खरीदारी करने में व्यस्त दिख रहा है। किसी को कोट पेंट तो किसी को पेंट शर्ट अच्छे लग रहे हैं। बच्चें हो या बड़े सभी फैशन के इस दौर में सबसे अलग दिखना चाहते है। ख़ासकर रेडीमेड के शो रूम व दुकानों पर इन दिनों काफी भीड़ देखने को मिल रही है। नगर के पुराना बस स्टैंड रोड स्थित अलीका बॉम्बे कलेक्शन शो रूम पर मंगलवार को ग्राहक अपने लिए ब्रांडेड कपड़ों की खूब खरीदारी कर रहे है। इसके अलावा शहर में रेडीमेड के शो रूम व दुकानों पर भी लोग जमकर खरीदारी कर रहे है।

हेल्थ कैंप का आयोजन

सोनभद्र/डाला। ए.सी.सी. सीमेंट वर्क्स सलाईबनवा के प्रोजेक्ट हेड नीरज त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन में कोटा पंचायत के सलाईबनवा में सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत सामान्य स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, और कुल 156 लोगों को की जांच कर दवा का वितरण किया गया इस अवसर पर अडानी फाउंडेशन के मनोज चौबे ने बताया कि अडानी फाउंडेशन स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, पशुधन विकास, जल संरक्षण, ग्रामीण अवसंरचना, कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार के क्षेत्र में सतत् प्रयासरत है। इस अवसर पर देवेन्द्र सिंह, सुरेश सिंह,डाक्टर अरुण चौबे, चन्द्रभान यादव और गांव के अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

12 घंटे में अपहरण दो वर्ष की बच्ची बरामद

- कोतवाली पुलिस द्वारा विभिन्न धाराओं मामला दर्ज कर चार का किया चालान
- कोतवाली क्षेत्र के लोढ़ी के समीप घसिया बस्ती बना

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। मंगलवार को कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र राय द्वारा प्रेस कांफ्रेंस करके बताया गया कि थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा 12 घण्टों मे अपह्रण हुई 2 वर्ष की बच्ची को बरामद किया गया व अपह्रण करने करने वाले 4 नफर अभियुक्तों को गिरफतार किया गया।

बीते सोमवार देर शाम 9 बजे को अतुल कुमार पटेल पुत्र जवाहिर सिंह नि0 रा0गंज कस्बा अशोकनगर रोडवेज के सामने थाना रा0गंज सोनभद्र के द्वारा सुचना दी गई कि मेरी भांजी अदिती उम्र करीब 2 वर्ष बाहार खेल रही कुछ अज्ञात महिला व पुरुस द्वारा अपह्ण कर लिया गया है। जिसके संबध मे थाना रा0गंज सोनभद्र पर भारतीय न्याय सहिता 2023 के तहत विभिन्न धाराओं में पंजीकृत हुआ। प्रभारी निरीक्षक रा0गंज द्वारा पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार द्वारा 4 टीमे गठित की गई टीमो द्वारा जगह-जगह पर वाहन चेकिंग व नाका बंदी की गई। मुखबिर खास से सुचना मिलने पर रा0गंज पुलिस द्वारा अपहरणकर्ता 4 अदद अभियुक्तो के कब्जे से अपहृता बच्ची को सकुशल मंगलवार को 10.10 बजे बरामद किया गया। उच्चाधिकारीगण द्वारा घटना के सफल अनावरण मे प्रभारी निरीक्षक सहित पुलिस टीम को शाबासी दी गयी। आम जनमानस मे इस घटना के त्वरित सफल अनावरण पर स्थानीय पुलिस को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए पुलिस के कार्यो की भूरि भूरि प्रशंसा की।

गिरफ्तारी का स्थान व दिनांक/समय-

दिनांक 12.11.2024 समय 10.10 बजे दिन मे स्थान चुर्क तिराहा से 100 मीटर आगे चुर्क जाने वाले मार्ग पर थाना राबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण:-

1. लौंगी पत्नी स्व0 राजकरन निवासी घसिया बस्ती थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 50 वर्ष
2. प्रतिमा पत्नी रवि कुमार निवासी घसिया बस्ती थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 25 वर्ष. रवि कुमार घसिया पुत्र बैजनाथ निवासी घसिया बस्ती थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 27 वर्ष रिनवा कुमार घसिया पुत्र दुलारे निवासी घसिया बस्ती थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 37 वर्ष।

बच्चों को यातायात नियमों के बारे में किया जागरूक

इटावा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार द्वारा सेंटमेरी कॉलेज में ट्रैफिक नियमों के सम्बन्ध में कार्यशाला आयोजित की गयी जिसमें सभी बच्चों को ट्रैफिक नियमों के सम्बन्ध में जागरूक किया गया एवं ट्रैफिक नियमों के सम्बन्ध में चलाये जा रहे यातायात माह नवम्बर-2024 की जानकारी दी गयी। इस दौरान एस एस पी ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को बताया गया कि हादसों में मृत्यु दर बढ़ रही है। इसको रोकने के लिए हम सबको संकल्प लेना चाहिए कि यातायात नियमों का पालन करें। दो पहिया वाहन चालक हैलमेट लगाकर और चार पहिया चालक सेफ्टी बैल्ट लगाकर वाहन ड्राइव करें। वाहन को उचित स्थान पर पार्क करे और वाहन संबंधी सभी पेपर रखे। टैम्पों चालक ओवर लोड सवारियां न भरें। वाहन को तेज गति और शराब पीकर न चलायें साथ ही बताया कि यातायात माह मनाने का उद्देश्य जनता में जागरूकता पैदा करना है। इस पूरे माह में जनसाधारण तथा स्कूल के बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी दी जायेगी तथा यातायात नियमों का उल्लघंन करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही भी की जायेगी।

संक्षिप्त समाचार

बाईक सवार से 1,80,000 रुपये की लूट, मामला दर्ज

मौदहा हमीरपुर। कस्बे के एक बैंक से रुपये निकाल कर गांव जा रहे मिनी बैंक शाखा संचालक की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर तीन बाईक सवारों ने रुपयों से भरा बैग लूट लिया, हालांकि तीनों लुटेरों का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आ गया है जबकि कस्बे में एक आरोपी के गिरफ्तार होने की भी चर्चा है लेकिन पुलिस ने ऐसी किसी जानकारी से इनकार किया है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम छिमौली निवासी रमेश चंद्र निषाद ने बताया कि वह कस्बे के बैंक से रुपये निकालकर अपने साथी गयादीन के साथ बाईक से गांव जा रहा था जैसे ही वह बड़ेली नाला के निकट पहुंचा तो सामने से आ रही बाईक के बाईक सवारों ने उसकी आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया और रुपये से भरा बैग ले उड़े जिसमें उसके जरूरी दस्तावेज भी थे।हालांकि लुटेरों की वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है जबकि कस्बे में एक लुटेरे के गिरफ्तार करने की चर्चा हो रही है जबकि पुलिस ने गिरफ्तारी से इनकार किया है।प्रभारी निरीक्षक राम आसरे सरोज ने बताया कि संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

रिश्तेदार नाबालिग लड़की को ले उड़ा

मौदहा हमीरपुर। दो दिसंबर को दो बहनों की बारात आना थी लेकिन एक बहन शादी के लिए इकट्ठा की नकदी लेकर रिश्तेदार के साथ फरार हो गई।पीड़ित पिता की तहरीर पर नामजद आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। कोतवाली क्षेत्र के छिमौली निवासी दुक्खी ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीते दो दिन पहले उनके यहां पर रिश्तेदार साहिल पुत्र मूलचंद बांदा से आया, उस समय वह खेत में काम कर रहा था और जब लौट कर आया तो पता चला उसकी नाबालिग पुत्री पूजा को उक्त साहिल बहला फुसलाकर ले गया है।पीड़ित ने बताया कि आगामी दो दिसंबर को उसके यहां पर दो पुत्रियों की बारात आना था जिसको लेकर तैयारियां चल रही थीं और पैसा भी इकट्ठा किया था जो उक्त साहिल और पूजा ले गए हैं।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच कर दी है।

बाजार जाने की बात कहकर निकली विवाहिता प्रेमी संग फरार

मौदहा हमीरपुर। भतीजों को चप्पल दिलाने की बात कहकर बाजार आई विवाहिता बच्चों को गांव भेजकर प्रेमी संग फरार हो गई, ससुर की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अरतरा निवासी राजाराम पुत्र छिददू ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसका पुत्र बाहर रहकर मजदूरी करता है और बहू गांव में उनके साथ रहती है।पीड़ित ने बताया कि दो दिन पहले उसकी बहू रचना भतीजों को चप्पल पहनाने की बात कहकर मौदहा आई थी और उसके बाद बच्चों को टैम्पो से गांव भेज दिया और बिगहना निवासी रामबाबू पुत्र झल्लू के साथ कहीं गायब हो गई।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अज्ञात कारणों से लगी आग,लाखों का नुकसान

सुमेरपुर हमीरपुर। मंगलवार को तड़के अज्ञात कारणों के चलते स्टेशन मार्ग में एक कबाड़ की दुकान में आग लगने से लाखों रुपए का कबाड़ जलकर खाक हो गया। हमीरपुर,फैक्टरी एरिया एवं मौदहा से आए दमकल दस्ते की टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद पूरे दिन कबाड़ सुलगता रहा। दुकानदार ने आग लगाने की आशंका व्यक्त करते हुए पुलिस को तहरीर सौंपी है।

गड्ढामुक्त सड़कों का सरकारी वादा भी साबित हुआ जुमला

- सालों से उखड़ा पड़ा बिवांर-मौदहा रोड़, लोगों का पैदल चलना तक मुश्किल

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। भाजपा सरकार के सालों बीत जाने के बाद भी सड़कों की इतनी बुरी हालत है, जिन्हें देखकर यही कहा जा सकता है कि गड्ढामुक्त सड़कों के सरकारी वादे सिर्फ जुमले निकले।गौरतलब हो कि कस्बा बिवाँर से मौदहा का रोड़ सालों पहले बना था जो अब बुरी तरह से उखड़ चुका है।बीते लगभग तीन सालों से चर्चाएं हैं कि रोड़ चौंडा होकर बनना है लेकिन रोड़ है कि बनता नहीं है।वहीं खास कस्बा बिवांर में थाना मोड़ से मौदहा की ओर लगभग डेढ़ किलोमीटर रोड़ बीते लगभग बीस सालों पहले सीसी बना था लेकिन उसका निर्माण इतना घटिया हुआ था कि कुछ महीनों में ही बड़ी-बड़ी दरारें गई थीं और अब तो इस रोड़ के इतने बुरे हाल हैं कि अगर सावधानी से पैदल भी न चला जाए तो पैरों में मोच आ जाए।बतादें कि मौदहा बिवाँर की दूरी बीस किलोमीटर है और इस रोड का कोई ऐसा हिस्सा नहीं बचा जो उखड़ा न हो, चाहे विभूनी गाँव हो या सायर गाँव या फिर कम्हरिया या सिलौली गाँव सभी जगह एक जैसी दुर्दशा है इस रोड की।वहीं बिवांर से लगभग ढाई किलोमीटर दूर रोड़ पर बनी पुलिया लगभग चार सालों से धंसी हुई है जिसमें कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं यहां तक कि बीते साल एक मुस्लिम परिवार अपनी कार से आ रहा था जिनकी कार का इसी धंसी पुलिया में एक्सीडेंट हो गया था और एक बच्ची की मौत भी हो गए थी। दुर्घटना के बाद उस समय लोकनिर्माण के अधिकारियों से बात की गई तो जल्द से जल्द पुलिया बनवाने का आश्वासन मिला लेकिन वह भी चुनावी जुमलों की तरह फर्जी निकला।अभी कुछ दिनों पहले जहाँ-तहाँ रोड़ की पैचिंग करवाई गई थी, वह भी उखड़ने लगी है।कुल मिलाकर भृष्टाचार का ऐसा खुला खेल चल रहा है जिसमें जन समस्याओं से जिम्मेदारों का कोई सरोकार नहीं रह गया है। कस्बा निवासी कृष्णभान सिंह भदौरिया ने बताया कि यह रोड़ क्षेत्र के लोगों के लिए बहुत ही महत्व का है, क्योंकि मौदहा तहसील मुख्यालय है और रोजाना कस्बा बिवांर के अलावा इस रोड से निवादा, लोदीपुर, रूरी पारा, भुजपुर, कल्ला, धनपुरा, बाँधुर खुर्द -बुजुर्ग, छेणी, चंदौली, लोधामऊ, भटरा, महेरा, खड़ेही लोधन, उमरी, भरखरी, करगाँव, सायर, विभूनी,टीहर, चिल्ली समेत दर्जनों गांवों के हजारों लोग आते-जाते हैं।यही नहीं आसपास के गांवों की सड़कें भी पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी हैं, जिनमें से बिवाँर-उमरी रोड़ से निकलने वाली भरखरी की सड़क बीते कुछ महीनों पहले बनी थी जो चंद दिनों में ही उखड़ गई, बिवाँर से जलालपुर का रोड़ भी कई जगह इस कदर उखड़ गया है कि अक्सर वाहनों के एक्सल टूटते हैं और दुर्घटनाएं होती हैं। क्षेत्र के प्रभाकर पाठक , राजेश पाठक, छोटू पाठक, सत्येंद्र देवपुरिया, रमेश एडवोकेट, भूपत एडवोकेट, भरखरी निवासी हरिमाधव मिश्रा,चदूँ द्विवेदी, वेद मिश्रा ने मौदहा-बिवांर मार्ग को जल्द से जल्द बनवाए जाने की माँग की है।

एनटीपीसी विंध्याचल के स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/विंध्यनगर। एनटीपीसी विंध्य चिकित्सालय द्वारा एनटीपीसी विंध्याचल के 43वें स्थापना दिवस के अवसर पर इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या मे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) समीर शर्मा एवं नामित परियोजना प्रमुख (सिमाद्री), मुख्य महाप्रबंधक (चिकित्सा) डॉ. बी सी चतुर्वेदी, महाप्रबंधक (आर एल आई) त्रिलोक सिंह, महाप्रबंधक (हरित रसायन) सुजय कर्माकर, महाप्रबंधक, महाप्रबंधक(प्रचालन) राजशेखर पाला, महाप्रबंधक(संविदा एवं सामग्री) डी के अग्रवाल, मानव संसाधन प्रमुख(विंध्याचल) राकेश अरोड़ा एवं उपस्थित अन्य अधिकारियों तथा कर्मचारियों नें स्वयं रक्तदान कर सभी का उत्साहवर्धन किया। इसके साथ ही सीआईएसएफ के जवानों ने भी अपनी अहम भूमिका निभाते हुये रक्तदान किया। इस शिविर का आयोजन मुख्य चिकित्साधिकारी (विंध्य चिकित्सालय) बीसी चतुर्वेदी के मार्गदर्शन एवं निदेशक (रेडक्रॉस ब्लड बैंक) आर डी द्विवेदी के सहयोग से किया गया। शिविर में एनटीपीसी विंध्याचल के अधिकारियों एवं सुरक्षाबल के जवानों एवं रहवासियों द्वारा अपनी-अपनी स्वेच्छा से ब्लड रक्तदान किया गया।

जनपद स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम 2024 का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। युवा कल्याण विभाग, नेहरू युवा केंद्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में जनपद स्तरीय युवा उत्सव 2024 का आयोजन राजकीय स्नातकोतर महाविद्यालय, कुछैछा हमीरपुर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी घनश्याम मीना रहे।

युवा उत्सव कार्यक्रम के तहत विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं की प्रतियोगिताएं कराई गई। जिसमें लोकगीत में वैभव कुरारा प्रथम, हर्ष कुरारा द्वितीय, निर्मल देवी तृतीय स्थान एवं लोक नृत्य एकल में महक प्रथम, श्रेया द्वीतीय, अनुराग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ जिलाधिकारी घनश्याम मीना एवं नगर पालिका अध्यक्ष हमीरपुर कुलदीप निषाद द्वारा दीप प्रज्वलित एवं सरस्वती प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके किया गया। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों एवं निर्णायकों का स्वागत जिला युवा कल्याण अधिकारी एवं जिला युवा अधिकारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना नोडल अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इस मौके पर जिला विज्ञान क्लब द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी /स्टॉल भी लगाकर छात्र छात्राओं को विज्ञान के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विजयी प्रतिभागियों को जिलाधिकारी ने पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को नवाचार अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया तथा कहा कि भविष्य में जिस भी क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं उसमें पूरी ईमानदारी दृढ़ता व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े। कार्यक्रम का संचालन लखन लाल जोशी व जीके द्विवेदी ने किया। युवा उत्सव कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी विष्णु प्रिया, नाथूराम पथिक, मोहन यादव, अजय वर्मा, शिल्पी पांडेय , बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं सहित अन्य संबंधित विभागो के कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना: 272 शादी करायी गई

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनार्न्तगत नुमाइस पण्डाल में 179 एवं बकेवर में 93 कुल 272 जोडो की शादी करायी गयी जिसमें से 01 मुस्लिम जोड़ा शामिल था सभी जोड़ों की कन्याओ ने अपने अपने वर को मालायें पहनाई, मुस्लिम कन्या का मौलिवियों द्वारा मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार एवं हिन्दू कन्याओ का विवाह हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार सभी रस्मे अदा कर करायी गयी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सरिता भदौरिया ने सभी वर, बधुओ को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सभी जोड़े सलामत रहे आगे आने वाला आप सबका जीवन सुखमय हो यही कामना है। उन्होने कहा कि जितने जोड़े आज विवाह के बन्धन में बंध रहे हैं पत्नी पति का पति पत्नी का सम्मान करें, घर के बड़े बुजुर्गो का सम्मान कर उनका भी आशीर्वाद लें जब आप एक दूसरे का सम्मान करेंगे तो समाज में आपका भी सम्मान होगा। उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गरीब, निर्धन, परिवारो की पुत्रियो की शादी कराने का लिया गया निर्णय बहुत ही सराहनीय है। ऐसी कन्याओ की शादी कराना बहुत ही पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जनपद में सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर समाज में सामाजिक गतिशीलता लाना है। उन्होंने कहा कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले है जो लोग ऋण लेकर अपनी पुत्रियों की शादी करते है ऐसे लोगो के लिए सामूहिक विवाह योजना बहुत ही अच्छी सिद्ध होगी। एक तरफ उनके पैसे बचेगें और वही उनको लोन लेकर अपनी बेटी की शादी में राहत मिलेगी। उन्होने कहा कि सामूहिक शादियो के आयोजन ब्लाक स्तर पर कराये जायेगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनार्न्तगत गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले जरूरतमन्द, निराश्रित, निर्धन परिवारों को शासन द्वारा 51हजार रू.की धनराशि स्वीकृत हैं जिसमें कन्या को अनुदान के रूप में 35 हजार रू खाते के माध्यम से प्रदान किये जा रहे है इसके साथ 10 हजार रू. का सामान दिया जाता है एवं 6000 रुपए खाना आदि व्यवस्था में किया जाता है।

उक्त अवसर पर जिला अध्यक्ष भाजपा संजीव राजपूत, जनप्रतिनिधिगण, जिला विकास अधिकारी राकेश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी रविंद्र कुमार शशि सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अज्ञात कारणों से लगी आग, लाखों का नुकसान

अवधनामा संवाददाता

सुमेरपुर हमीरपुर। मंगलवार को तड़के अज्ञात कारणों के चलते स्टेशन मार्ग में एक कबाड़ की दुकान में आग लगने से लाखों रुपए का कबाड़ जलकर खाक हो गया। हमीरपुर,फैक्टरी एरिया एवं मौदहा से आए दमकल दस्ते की टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद पूरे दिन कबाड़ सुलगता रहा। दुकानदार ने आग लगाने की आशंका व्यक्त करते हुए पुलिस को तहरीर सौंपी है।

कस्बे के स्टेशन मार्ग में आदर्श विद्यालय के बगल में बाबा कबाड़ के नाम से कस्बा निवासी बृजकिशोर गुप्ता की दुकान है। इस दुकान में तड़के करीब 4:00 बजे अचानक आग भड़क उठी और थोड़ी देर में विकराल रूप धारण कर लिया। मोर्निंग वॉक में निकलने लोगों ने आग का तांडव देखकर बृजकिशोर गुप्ता को अवगत कराया। सूचना पाकर वह पुत्रों के साथ मौके पर पहुंचा और घटना से पुलिस एवं फायर ब्रिगेड को अवगत कराया। सूचना पाकर फैक्टरी एरिया पुलिस चौकी से फायर दस्ता मौके पर पहुंचा और आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन सफलता नहीं मिली। तब मुख्यालय से एक फायर बिग्रेड बुलाया गया। इसके बाद आग का विकराल रूप शांत नहीं हो सका। तब मौदहा से फायर दस्ते को बुलाकर आग पर काबू पाया गया। दुकानदार ने बताया कि करीब दस लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। उसने आग लगाने की आशंका जताकर पुलिस को तहरीर दी है।

विकास कार्य धरातल पर स्पष्ट रूप से नज़र आने चाहिए : केशव

- ग्राम्य विकास विभाग में सभी खाली पदों को भरने की प्रभावी कार्यवाही की जाये
- ग्राम चौपालों को और अधिक प्रबल व प्रभावी रूप से सफल बनाया जाये
- पीएमजीएसवाई की सड़कों को शत् प्रतिशत एफडीआर तकनीक पर ही बनाने की कार्यवाही की जाये
- ग्राम्य विकास विभाग की वेबसाइट पर सूचनाएं अपडेट रखी जांये

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के उच्चाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम्य विकास विभाग के बजट का समय से सदुपयोग किया जाना सुनिश्चित किया जाए। आवंटन के सापेक्ष व्यय और अधिक बढ़ाया जाए। इसकी लगातार समीक्षा व अनुश्रवण किया जाए। विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण किये जांय और प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। कहा कि विकास कार्य धरातल पर स्पष्ट रूप से नजर आने चाहिए।

उन्होंने निर्देश दिए हैं कि ग्राम्य विकास विभाग में सभी खाली पदों को भरने की प्रभावी कार्यवाही की जाय। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि विभाग में भर्ती में आरक्षण के नियमों का अक्षरशः पालन किया जाना सुनिश्चित किया जाए। सभी पदों की सूची उपलब्ध करायी जाय। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन पदों का अधियाचन भेजा जाना अभी बाकी हो, उनका अधियाचन भी तत्काल भेजा जाय। इसमें कहीं किन्हीं औपचारिकताओं को पूर्ण किया जाना बाकी हो या कहीं कोई अड़चन हो, तो सम्बन्धित अधिकारी आपस में समन्वय कर समाधान सुनिश्चित करें।जो अधियाचन भेजे गये हैं उसकी समेकित सूचना उन्हें उपलब्ध करायी जाय। केशव प्रसाद मौर्य मंगलवार को अपने कैम्प कार्यालय 7- कालिदास मार्ग पर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बृहद स्तर पर की जाने वाली चौपालों के आयोजन की प्रभावी व ठोस रणनीति बनायी जाय। कहा कि चौपालों की गम्भीरता बनाये रखी जाय। चौपालों को भव्य स्वरूप दिया जाय। कहां कि सोशल आडिट व वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमो को ग्राम चौपाल से एलाइन किया जाय। कहा कि विभाग में किसी भी स्तर भ्रष्टाचार नहीं होना चाहिए। इसके लिए प्रभावी कदम उठायें जांय। हर दृष्टिकोण से ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन में नम्बर एक पर रखना है। विभाग की स्वच्छ व पारदर्शी छवि बनाये रखी जाय।

उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक बसावटों को पीएमजीएसवाई की सड़कों से जोड़ने हेतु भारत सरकार को प्रपोजल भेजा जाय और इस योजना की सभी सड़कें एफडीआर तकनीक पर ही बनायी जांय। एफडीआर तकनीक से बनायी गयी सड़कों में बचत की गयी लगभग 2500 करोड़ की धनराशि का ब्यौरा देते हुए उसके सापेक्ष यूपी के लिए अतिरिक्त धनराशि आवंटन के प्रपोजल भेजने का कार्यवाही की जाय। कहा कि सड़कें निर्धारित मानकों के अनुरूप ही बने और गुणवत्तापूर्ण बने। अन्य विभागों से समन्वय कर ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा अधिक से अधिक कार्य कराने का प्रयास किया जाय। कहा कि एफडीआर तकनीक पर कार्य करने वाले ठेकेदारों की कार्यशाला करायी जाय। निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण होने चाहिए। सड़कों का नियमित रूप से निरीक्षण कराया जाय।

निर्देश दिए कि टी एच आर प्लान्टो को सोलर एनर्जी से जोड़ने की कार्यवाही कर उन्हें अनुदान दिलाने की कार्यवाही की जाय। जहां- जहां सोलर एनर्जी से जोड़ा गया है, उसकी सूची उपलब्ध करायी जाय।समूहों के उत्पादों की पैकेजिंग, गुणवत्ता व विपणन के लिए प्रभावी कदम उठाए जांय तथा समूहों द्वारा आपूर्ति की जाने वाली सामग्री का भुगतान समय कराया जाय। कहा कि टी एच आर प्लान्टो की उत्पादन व सप्लाई व्यवस्था में और अधिक सुधार किया जाय और प्रोडक्शन बढ़ाया जाए।

किसान रजिस्ट्री, केसीसी तथा डिजिटल क्रॉप सर्वे के काम में आयेगी तेजी : कृषि मंत्री

- मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को दिये दिशा-निर्देश
- धान बुआई की डीएसआर तकनीक पर भी ली बैठक

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा मंगलवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय में किसान क्रेडिट कार्ड, डिजिटल क्रॉप सर्वे तथा फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में समीक्षा बैठक की गयी। इसके साथ ही उन्होंने धान बुआई की डीएसआर तकनीक को क्रियान्वित किये जाने के संबंध में भी एक बैठक ली। किसान क्रेडिट कार्ड, डिजिटल क्रॉप सर्वे तथा फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि किसान रजिस्ट्री का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत किसानों को किसान पहचान पत्र जारी किये जायेंगे। इसके लिए गॉवों में कैम्प लगाकर किसानों को जागरूक किया जायेगा। उन्होंने बताया कि यह रजिस्ट्री चार मोड में की जा सकेगी। पहला मोड वह स्वयं द्वारा, दूसरा मोड कामन सर्विस सेंटर द्वारा, तीसरा मोड सहायक द्वारा तथा चौथा मोड विभागीय कैम्प में शामिल होकर किसान स्वयं को रजिस्टर कर सकते हैं। उन्होंने बैकों से आये प्रतिनिधियों को किसान क्रेडिट कार्ड बनाने में गति तीव्र करने के निर्देश दिये। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि गॉवों के नक्शों का मिलान ग्रामीणों के पास उपलब्ध नक्शों से करा लिया जाए। इस कार्यक्रम का संचालन राजस्व विभाग के साथ समन्वय कर किया जाए।

बैठक में अपर सचिव कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार डा0 प्रमोद कुमार महेन्द्र, मुख्य ज्ञान अधिकारी राजीव चावला, प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र, सचिव कृषि अनुराग यादव, कृषि निदेशक, कृषि विभाग के अन्य उच्चाधिकारी तथा बैकों के प्रतिनिधि शामिल रहे।

खनन पट्टो पर निगरानी निरीक्षण एप से रखी जायेगी नजरः माला

लखनऊ। भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय द्वारा सचल दल के माध्यम से पट्टा क्षेत्रो में निगरानी के लिए निरीक्षण एप को विकसित किया गया है।इस ऐप के माध्यम से खनन पट्टा क्षेत्रो की निरीक्षण सम्बन्धी जांच पूरी पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ साथ जांच सिंगल क्लिक पर देखा जा सकता हैं। खनन निदेशक माला श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश के खनन पट्टो पर निगरानी एप से अंकुश लग सकेगा। अवैध खनन पर प्रभावी कार्यवाही ऐप के माध्यम से देखा जा सकता है।जिलों में खनन पट्टो की जानकारी इस ऐप के माध्यम से ऑनलाइन देखा जा सकता है।

माला श्रीवास्तव ने बताया कि भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय द्वारा विकसित निरीक्षण/निगरानी एप से अवैध खनन पर अंकुश लगेगा और संबंधित अधिकारी कर्मचारी सहित खनन पट्टा धारक की जवाबदेही भी तय हो सकेगी। निगरानी निरीक्षण एप के माध्यम से जहां एक ओर अवैध खनन पर रोक लगेगी ,वहीं राजस्व मे भी इजाफा होगा।

भाजपा सरकार केवल नौजवानों के साथ खिलवाड़ कर रही : अजय राय

- लोक सेवा आयोग अब अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए नार्मलाइजेशन का सहारा ले रहा : प्रदेश अध्यक्ष

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी सरकार केवल नौजवानों के साथ खिलवाड़ कर रही है। पेपर लीक होने से नहीं रोक पाने वाला लोक सेवा आयोग अब अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए नार्मलाइजेशन का सहारा ले रहा है। यूपी पीसीसी और आरओ-एआरओ की प्रारम्भिक परीक्षा दो दिन में कराने का आयोग ने निर्णय लिया है। इसके बाद परिणाम नार्मलाइजेशन के आधार पर घोषित होगा। श्री राय ने कहा कि सरकार छात्रों को लाठी की जगह जल्द से जल्द रोजगार देना सुनिश्चित करे और उनके रोजगार हासिल करने में नार्मलाइजेशन जैसी बाधाएं न खड़ी करे। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के इस तुगलकी फरमान के खिलाफ प्रयागराज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र धरने पर बैठे हैं। श्री राय ने कहा कि प्रदेश भर के लाखों प्रतियोगी छात्र भाजपा सरकार में प्रतियोगी परीक्षाओं में फैले भ्रष्टाचार से अपने भविष्य को लेकर सशंकित हैं। इसके पहले आयोग की परीक्षाओं का पेपर लीक हो गया। उसके बाद जज बनाने के लिए होने वाली परीक्षा पीसीएस-जे की कॉपियां बदल दी गयीं, जिसके लिए छात्रों को न्यायालय की शरण लेना पड़ी। इस वजह से छात्रों का न तो आयोग पर विश्वास रह गया है और न ही भाजपा सरकार पर। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग भी ठप्प पड़ा है। शिक्षा सेवा चयन आयोग बनाने के नाम पर लाखों शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। भाजपा सरकार की नीति है कि सरकारी नौकरी जो गरीब, पिछड़े, दलित-वंचित वर्ग को अपनी दशा बदलने का मौका प्रदान करती थी, उससे उन्हें वंचित करने का प्रयास है। कांग्रेस उनको इस मंसूबे में कभी सफल नहीं होने देगी। श्री राय ने कहा कि हजारों छात्र कल से ही लोक सेवा आयोग के सामने अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे हैं, जिसमें हमारी बच्चियां भी अपने भविष्य को बचाने के लिए रात भर धरने में शामिल रहीं। सरकार छात्रो की मांगों को ध्यान में रख पीसीएस और आरओ-एआरओ की परीक्षा में नार्मलाइजेशन समाप्त कर एक ही दिन में एक पाली में शुचितापूर्ण तरीके से परीक्षा सम्पन्न कराए।

लखनऊ विकास प्राधिकरण अपनी जमीनों से हटाएगा अवैध कब्जे

अवधनामा ब्यूरो

- जमीनों की वर्तमान बाजार में कीमत लगभग 800 करोड़ रुपये है

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण अभियान चला कर अपनी बेशकीमती जमीनों से अवैध कब्जे हटाएगा। इसके लिए प्राधिकरण उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के आदेश पर खाली पड़ी अर्जित भूमि का सर्वे कराया गया, जिसमें गोमती नगर विस्तार, अलीगंज, जानकीपुरम व बसंतकुंज योजना में लगभग 90 बीघा अर्जित भूमि चिन्हित की गयी। इसमें अवैध कब्जे और अतिक्रमण हैं। उक्त जमीनों की वर्तमान बाजार कीमत लगभग 800 करोड़ रुपये है। लविप्रा उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि शहर में प्राधिकरण की खाली पड़ी अर्जित भूमि का सर्वे कराया गया है। इसमें अलग-अलग योजनाओं में ऐसी जमीनें चिन्हित की गयी हैं जिन पर किसी तरह के अवैध कब्जे या अतिक्रमण हैं। इसमें बसंतकुंज योजना के लिए अधिग्रहीत छन्दोइया व बरावन खुर्द की लगभग 52 बीघा जमीन पर अवैध अतिक्रमण मिला। इसमें अवैध डेयरी, नर्सरी, मोटर गैराज व स्थायी व अस्थायी व्यवसायिक दुकानें संचालित हैं। इसी तरह गोमती नगर योजना के लिए अधिग्रहीत जियामऊ व उजरियांव की लगभग 11 बीघा जमीन व गोमती नगर विस्तार योजना के लिए अधिग्रहीत मलेसेमऊ व अहिमामऊ की लगभग 18 बीघा जमीन चिन्हित की गयी, जहां अधिकांश स्थानों पर बाउण्ड्रीवॉल बना कर अवैध कब्जा किया गया है। कुछ जगहों पर कबाड़, गैराज और टाइल्स व निर्माण सामग्री की दुकानें संचालित हैं। इसी तरह अलीगंज योजना के शेखपुरा में मामा चौराहे के पास लगभग 4 बीघा जमीन पर बाउण्ड्रीवॉल बना कर अवैध कब्जा किया गया है। इसके अलावा जानकीपुरम योजना के सेक्टर एच, ग्राम पहाड़पुर की अर्जित भूमि पर अवैध कब्जे हैं।

संक्षिप्त समाचार

हजरत फातिमा जहरा की शहादत की याद में मजलिसों का आगाज

लखनऊ। हजरत मोहम्मद साहब (स.) की बेटी हजरत फातिमा जहरा (स.अ.) की शहादत की याद में मंगलवार से पांच दिवासीय मजलिसों का आगाज हो गया। इमामबाड़ा उम्मुल बनीन मंसूर नगर में पहली मजलिस को मौलाना अफजल हैदर रिजवी ने खिताब किया। मजलिसों का आयोजन अंजुमन उम्मुल बनीन ने किया है। इसी तरह रौजाए जैनबया टिकैत राय तालाब में सानिये जहरा महफिल कमेटी की और से पांच मजलिसों का सिलसिला शुरू हो गया। आज की मजलिस को मौलाना जहीर अब्बास ने खिताब किया। अन्य मजलिसों को मौलाना हसनैन बाकरी, मौलाना जैगम हैदर, मौलाना एहतिशाम हुसैन रिजवी और मौलाना रजा हुसैन मगरिब की नमाज के बाद खिताब करेंगे। रौजाए बैतुल हुज्न रूस्तम नगर में बृहस्पतिवार से तीन दिवसीय मजलिसों का आगाज होगा। पहली मजलिस को मौलाना अबुतालिब मेहदी, दूसरी अली मुत्तकी जैदी और अंतिम मजलिस को मौलाना अब्बास इरशाद नकवी रात 8 बजे खिताब करेंगे।

जीआरपी ने चारबाग रेलवे स्टेशन पर एक चोर को पकड़ा

लखनऊ। जीआरपी की टीम ने चारबाग रेलवे स्टेशन से एक चोर को तीन मोबाइल के साथ पकड़ा है। प्रभारी निरीक्षक धर्मवीर सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने मंगलवार को बाराबंकी निवासी राजेश कुमार शुक्ला को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया राजेश रेलवे स्टेशन की पार्किंग में बने शौचालय के पास मोबाइल फोन को बेचने की फिराक में था। राजेश ने अमृत भारत एक्सप्रेस से यात्रा के दौरान मोबाइल चोरी किया था। आठ अगस्त को चारबाग रेलवे स्टेशन पर मोबाइल चोरी किया। वहीं उसी ने 13 सितम्बर को पर्स चोरी किया था जिसमें मोबाइल फोन और अन्य सामान रखा था।

नो यॉर मेट्रो नामक जागरुकता सत्र आयोजित

लखनऊ। लखनऊ मेट्रो ने मंगलवार को सीएमएस जॉपलिंग रोड शाखा में नो यॉर मेट्रो नामक जागरुकता सत्र आयोजित किया। सीएमएस में कक्षा 6 से 8 तक के को छात्रों लखनऊ मेट्रो से जुड़ी विशेष बातें एवं सुविधाओं को बारे में अवगत कराया गया। छात्रों ने मेट्रो कर्मियों द्वारा बताई गई बातों को ध्यान से सुना एवं उसमें पूछे गये सवालों का तत्परता से जवाब दिया। छात्रों के साथ खेले गये प्रश्नोत्तरी राउंड में विजेता छात्रों ने गो स्मार्ट कार्ड भी जीते। गो स्मार्ट कार्ड विजेताओं में अभिनव, शिवांश और वामिक छात्र शामिल रहे।

प्री.वेडिंग शूट पर लगाये गये शुल्क के विरोध में प्रदर्शन

लखनऊ। जनेश्वर मिश्र पार्क और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर प्री.वेडिंग शूट पर लगाये गये सरकारी शुल्क के विरोध में उत्तर प्रदेश फोटोग्राफर्स एसोसियेशन ने विरोध प्रदर्शन किया। गोमतीनगर के 1090 चौराहे पर हुए फोटोग्राफर्स के विरोध प्रदर्शन में मौजूद लोगों ने मांग की कि शादियों में होने वाले प्री.वेडिंग शूट के लिए शुल्क लगाना पूरी तरह से गलत है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि या तो उस शुल्क को हटाया जाये या फिर उसे कम किया जाये। प्रदर्शन के दौरान संरक्षक सौरभ त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष अमर सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव टण्डन आदि बड़ी संख्या में फोटोग्राफर्स मौजूद रहे।

तय समय पर बकाया न देने पर परिवहन विभाग करेगा कार्रवाई

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। परिवहन विभाग बकायेदारों से एकमुश्त समाधान योजना ओटीएस के तहत बकाया जमा करने की अपील कर रहा है। तय समय के अंदर बकाया नहीं जमा करने पर परिवहन विभाग इन बकायेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी करेगा। मंगलवार को 11 वाहन स्वामियों ने 435195 रुपये जमा किये हैं, जबकि राजधानी में 32368 वाहन स्वामियों ने टैक्स जमा नहीं किया है। इन पर करीब 82.71 करोड़ रुपये का बकाया है। परिवहन विभाग ने ओटीएस योजना को सोमवार सुबह से लागू शुरू किया था, लेकिन तकनीकी खामियों के चलते इसको देर शाम शुरू किया जा सका। सोमवार की देर शाम एनआईसी ने पोर्टल दुरुस्त किया तो ओटीएस योजना के लिए आवेदन खोले गये। हालांकि मंगलवार को 11 बकायेदारों ने रजिस्ट्रेशन कर अपना बकाया भरा। इस योजना में छह नवम्बर 2024 के पूर्व के वाहनों पर टैक्स बकाए के लिए कोई भी वाहन स्वामी आवेदन कर सकता है। आवेदन की फीस भी कम है। पहले यह फीस एक हजार रुपये थए जबकि इस बार फीस 200 और 500 रुपये तय की गई है। तिपहिया और हल्के वाहनों के लिए फीस 200 रुपये और भारी वाहनों के लिए 500 रुपये निर्धारित है। इतना ही नहीं इस बार योजना तीन महीने के लिए लागू की गई है जिससे अधिक से अधिक वाहन स्वामियों को इसका लाभ मिल सके। एआरटीओ प्रशासन पीके. सिंह ने बताया कि बकायेदारों के पास यह अच्छा मौका है। छूट के साथ अपना बकाया जमा कर सकते हैं। किसी प्रकार की कोई दिक्कत होती है तो उसकी मदद के लिए आरटीओ कार्यालय में भी सम्पर्क किया जा सकता है।

एल. वेंकटेश्वर लू की अध्यक्षता में परिवहन विभाग की हुई समीक्षा

प्रमुख सचिव परिवहन एल. वेंकटेश्वर लू की अध्यक्षता में परिवहन निगम के सभागार कक्ष में विभिन्न जनपदों के प्रशासनिक अधिकारियों एवं विभागीय आरएम व एआरएम के साथ समीक्षा बैठक हुई। प्रमुख सचिव ने प्रदेश के प्रमुख शहरों में जाम की समस्या से लोगों को निजात दिलाने के लिए ठोस रणनीति बनाये जाने के निर्देश दिए। एल.वेंकटेश्वर लू ने कहा कि जिन शहरों में परिवहन निगम के बस स्टेशनों की अवस्थिति शहर के बीचो बीच है और उनकी वजह से शहरवासियों को जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में सैटलाइट बस स्टेशन को विकसित करने की आवश्यकता पर उन्होंने जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी जनपदों में आरएम व एआरएम, एडीएम व एसडीएम से सम्पर्क कर शहर के बाहर बस स्टेशनों को बनाये जाने की रणनीति पर कम करें। बस स्टेशनों के लिए जमीन की उपलब्धता या वैकल्पिक व्यवस्था के सम्बंध में प्रस्ताव शासन को शीघ्र भेजें। बैठक में विशेष सचिव परिवहन केपी. सिंह और प्रबंध निदेशक परिवहन निगम मासूम अली सरवर सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हिन्दी का वैश्विक विस्तार विषय पर हुई काव्यगोष्ठी

लखनऊ। राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान उत्तर प्रदेश की ओर से सचिवालय स्थित कार्यालय कक्ष में हिन्दी का वैश्विक विस्तार विषय पर परिचर्चा एवं काव्यगोष्ठी आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार अनंत प्रकाश तिवारी अनंत ने की। मुख्य अतिथि नॉर्वे से आये वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश चन्द्र शुक्ल शरद आलोक उपस्थित थे। वक्ता सुशील चंद श्रीवास्तव ने सभी को विश्व में हिन्दी को प्रतिष्ठित करने के लिए किए जा रहे विभिन्न साहित्यकारों के प्रयासों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉक्टर दिनेश चंद्र अवस्थी, डॉक्टर सीमा गुप्ता, मीना गौतम, सुशील कुमार श्रीवास्तव, प्रमोद कांत श्रीवास्तव, प्रतिभा श्रीवास्तव, रूपचंद साहू, संजू मिश्रा, बलदेव वर्मा और सर्वेश सोनी आदि साहित्यकारों ने अपने व्यक्तव्यों व कविताओं से सबको भाव विभोर कर दिया। विशिष्ठ अतिथि के रूप में पूर्व विशेष सचिव विधान सभा चंद्र प्रकाश शर्मा उपस्थित थे।

परशुराम की 51 फुट की मूर्ती महाकुम्भ शिविर में होगी स्थापित : पं. सुनील भराला

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय परशुराम परिषद के संस्थापक प. श्री सुनील भराला नि. राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय परशुराम परिषद द्वारा महाकुम्भ परिसर में 1 लाख स्क्वायर फीट में शिविर (पंडाल) की व्यवस्था की जाएगी । शिविर में राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का 45 दिन तक अनवरत कार्यक्रम जारी रहेंगे। शिविर में मीडिया,। शोसल मीडिया / इन्टरनेट मीडिया द्वारा सभी कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण होगा। भगवान श्री परशुराम जी की मंदिरों एवं घरों में स्थापित करने हेतु 1 लाख 8 हजार मूर्ति वितरण होगी राष्ट्रीय परशुराम परिषद का यह उद्देश्य है कि हर सनातन हिन्दू के घरों में भगवान श्री परशुराम जी अन्य देवी देवताओ की तरह स्थापित हो। सुनील भराला ने कहा कि आज राष्ट्रीय परशुराम परिषद के वेवसाईट https://www.rashtriyaparshuramparishad.com / का विमोचन करते हुए अपार हर्ष हो रहा है, भगवान श्री परशुराम जी के जन्मस्थान जनापाव इंदौर से जुड़े 56 स्थानों की खोज जो राष्ट्रीय परशुराम परिषद के राष्ट्रीय शोध पीठ द्वारा की गयी है उसका गैलरी बना के शिविर में प्रदर्शनी के माध्यम से लोगो को अवगत कराया जायेगा। भगवान श्री परशुराम जी से सम्बंधित 21 युद्धभूमि स्थानों पर जहाँ भगवान श्री परशुराम जी ने आततायों का वध करके साधू संतों एवं गरीब पीड़ितों को न्याय दिलाने का कार्य किया था उसकी गैलरी बनाई जाएगी एवं उन आततायी राक्षस राजाओ का चित्रण कर सनातन हिन्दुओ को जानकारी दिलाई जाएगी। महाकुम्भ में आने-जाने वाले मार्गो पर भगवान श्री परशुराम जी की बालकाल्य, युद्धकाल. तपस्याकाल के सचित्र गैलरी बनायी जाएगी। प्रेसवार्ता में मुख्यरूप से सुधाकर त्रिपाठी पूर्व राज्यमंत्री उत्तरप्रदेश, बसपा के वरिष्ठ नेता व राष्ट्रीय परशुराम परिषद के वरिष्ठ सदस्य प्रथमेश कुमार मिश्र, राष्ट्रीय परशुराम परिषद के राष्ट्रीय सह संयोजक विनय शर्मा, अजय भाद्वाज राष्ट्रीय अध्यक्ष परशुराम स्वाभिमान सेना, अनुज शर्मा राष्ट्रीय संयोजक आई. टी., चन्द्रदेव शर्मा धर्म प्रकोष्ठ, संजय मिश्र प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय परशुराम परिषद, श्रीमती रूचि शुक्ला प्रदेश अध्यक्ष परशुराम शक्ति वाहिनी, राघवेन्द्र मिश्र प्रदेश महामंत्री उत्तर प्रदेश सहित आदि गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अम्बर फाउंडेशन ने लॉन्च की इंग्लिश स्पीकिंग एंड पर्सनालिटी डेवलपमेंट क्लासेज़

लखनऊ। वफा अब्बास के दूरदर्शी नेतृत्व में अम्बर फाउंडेशन ने युवाओं के आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। इंगलिश स्पीकिंग की इन कक्षाओं का उद्देश्य युवाओं को इंटरव्यू में सफलता, आत्मविश्वास और प्रभावी संवाद कौशल प्रदान करना है। इस कोर्स की शुरुआत हुई, और इसकी सफलता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि रजिस्ट्रेशन लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। वफा अब्बास का मानना है कि अंग्रेजी में दक्षता न केवल करियर के नए अवसर खोलती है बल्कि व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस पहल के माध्यम से एंबर फाउंडेशन युवाओं को एक सशक्त और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा ने झीलों से जुड़े जोखिमों के न्यूनीकरण पर प्रकाश डाला

अवधनामा ब्यूरो

- प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा ने ग्लेशियल झीलों से जुड़े जोखिमों के न्यूनीकरण और हमारे समुदायों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने पर जोर दिया

नई दिल्ली/लखनऊ। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा ने कहा हमारे समुदायों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए ग्लेशियल झीलों से जुड़े जोखिमों के न्यूनीकरण पर प्रकाश डाला। डॉ. मिश्रा आज यहां जीएलओएफ (ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड) जोखिम न्यूनीकरण के लिए रणनीतियों पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण समिति (सीओडीआरआर) की चौथी कार्यशाला में बोल रहे थे। कार्यशाला के आयोजन के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और जल संसाधन विभाग की सराहना करते हुए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य और अनुभवों, विशेष रूप से भारत के अनुभवों, जोखिमों और संबंधित पहलुओं को नियंत्रित करने के क्रम में चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया। डॉ. मिश्रा ने कहा कि सिक्किम ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट बाढ़ आपदा पर चर्चा ने चुनौती की व्यापकता को ध्यान में लाया है। वास्तव में, दक्षिण ल्होनक जीएलओएफ हम सभी के लिए एक चेतावनी थी। उन्होंने ग्लेशियल झीलों से जुड़े जोखिमों को दूर करने के लिए प्रभावी रणनीतियों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों को उद्धत करते हुए, ÷आपदा जोखिम न्यूनीकरण का अर्थ केवल आपदाओं का निदान देना ही नहीं है, उनसे निपटने के उपाय करना भी है।÷ डॉ. मिश्रा ने प्रधानमंत्री की इस बात को दोहराया कि आपदाओं से निपटने का सबसे अच्छा तरीका उन्हें रोकना है।उन्होंने हमें याद दिलाया कि हमारे समुदायों की सुरक्षा के लिए सकारात्मक उपाय आवश्यक हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा, ÷हमें एक सुरक्षित दुनिया बनाने के लिए सीमाओं और विषयों से भी आगे बढ़कर और मिलकर काम करना चाहिए।उन्होंने जीएलओएफजोखिमों जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर देते हुए, डॉ. मिश्रा ने यह बताया कि भारत की प्रतिबद्धता राष्ट्रीय सीमाओं से परे है; इसलिए भूटान, नेपाल, पेरू, स्विट्जरलैंड और ताजिकिस्तान जैसे देशों के जीएलओएफविशेषज्ञों के साथ जुड़ना एक महत्वपूर्ण पहलू है। उन्होंने दोहराते हुए कहा कि प्रत्युत्तर रणनीतियों की हमारी समझ को बढ़ाने के लिए इस तरह का सहयोग महत्वपूर्ण है।

डॉ. मिश्रा ने देश और विदेश के विशेषज्ञों के महत्वपूर्ण योगदान के बारे में चर्चा की, जिन्होंने महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर हमारी समझ को समृद्ध किया है। अपने विचार-विमर्श को आगे बढ़ाते हुए, डॉ. मिश्रा ने ग्लेशियल झीलों की संख्या और उनके जोखिम से जुड़े घटकों के संदर्भ में परिभाषित समस्या की व्यापकता पर भ्रम सहित चुनौतियों के बारे में बताया।